वार्षिक प्रतिवेदन

2016-2017

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(समविश्वविद्यालय)

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

राष्ट्रिय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् द्वारा 'ए' श्रेणी में प्रत्यायित

56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी,

नई दिल्ली-110058

प्रकाशक:
कुलसचिव
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(सम विश्वविद्यालय)
56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058
ईपीएबीएक्स : 28524993, 28521994, 28524995
तार : संस्थान
ई मेल : rsks@nda.vsnl.net.in
वेबसाईट : www.sanskrit.nic.in

विषय-सूची

पृष्ठ

1. पर्यवलोकन 5-7

2. प्राधिकरण एवं संरचना 8-12

3. छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े 13-18

4. 2016-17 के दौरान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के क्रियाकलाप

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप 19-47

4.1.1 प्रशासन अनुभाग 21

4.1.2 वित्त अनुभाग 21

4.1.3 शैक्षणिक अनुभाग 22

4.1.4 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग 23

4.1.5 परीक्षा अनुभाग 23

4.1.6 पुस्तकालय 26

4.1.7 विक्रय इकाई 26

4.1.8 योजना अनुभाग 27

4.1.9 छात्रवृत्ति अनुभाग 29

4.1.10 55वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा 35

4.1.11 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोधसंस्थान 36

4.1.12 परियोजनाएँ 37

4.1.13 पालि एवं प्राकृत 40

4.1.14 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण 41

4.1.15 पत्राचार अनुभाग 45

4.1.16 मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान) 46

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप 49-141

4.2.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) 51

4.2.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा) 54

4.2.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर) 63

4.2.4 गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल) 77

4.2.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान) 85

4.2.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) 95

4.2.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक) 100

4.2.8 वेदव्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश) 107

4.2.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश) 117

4.2.10 के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र) 126

4.2.11 दिल्ली परिसर मुख्यालय (नई दिल्ली) 131
4.2.12 एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा) 132
4.2.13 श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड) 138

5. वर्ष 2016-17 की प्रमुख गतिविधियाँ 143-158

5.1 विशिष्ट संस्कृत सेवा सम्मान (17.08.2016) 145
5.2 संस्कृत सप्ताह आयोजन 145
5.3 स्थापना दिवस 148
5.4 नवाँ अन्त:परिसरीय युवमहोत्सव 149
5.5 त्रिदिवसीय राष्ट्रीय रास संगोष्ठी एवं मणिपुरी नटसंकीर्तन 150
5.6 अन्तर्राष्ट्रीय पालि-प्राकृत संगोष्ठी 151
5.7 55वीं अखिलभारतीय शास्त्रीय स्पर्धा 152
5.8 द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन 153
5.9 चौदहवाँ अन्त:परिसरीय संस्कृत नाट्यमहोत्सव 153
5.10 स्वच्छता पखवाड़ा 156
5.11 हिन्दी पखवाड़ा 156
5.12 आज़ादी के 70 वर्ष 'याद करो कुर्बानी' 156
5.13 सतर्कता जागरूकता सप्ताह 157
5.14 एकता सप्ताह 157
5.15 व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम 157
5.16 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग समिति द्वारा संस्थान का निरीक्षण 158

6. संलग्नक 159-210

क. प्रबन्ध-मण्डल के सदस्यों की सूची 161
ख. विद्वत् परिषद के सदस्यों की सूची 163
ग. वित्त-समिति के सदस्यों की सूची 170
घ. संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण 171
ङ. विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण 180
च. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.) से सम्बद्ध संस्थाएँ 187
छ. परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें 196
ज. परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय 199
झ. वार्षिक अनुदान स्वीकृत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों की राज्य-वार संख्या का विवरण 205
ञ. संस्थान की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण 206
ट. प्रकाशन अनुदान हेतु अनुमोदित प्रस्तावों का विवरण 206
ठ. वार्षिक अनुदान प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का विवरण 208

7. 2016-17 के वार्षिक लेखे 211-273

क. वर्ष 2016-2017 के लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा 213
ख. 'महानिदेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय व्यय' के द्वारा प्रदत्त 2016-17 वर्ष की रिपोर्ट 270

1. पर्यवलोकन

1.1 संस्था

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (इसमें इसके बाद इसे संस्थान कहा जाये) की संस्थापना 15 अक्टूबर, 1970 में, सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 (1860 का अधिनियम XXI) के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायत्त संगठन के रूप में, पूरे देश में संस्कृत के समग्र विकास तथा प्रोन्नयन हेतु हुई। अपने निर्माण काल से ही यह भारत-सरकार द्वारा पूर्ण रूप से निधि प्रदत्त है। यह संस्कृत के प्रसार तथा विकास हेतु शीर्ष निकाय के रूप में कार्यरत है तथा संस्कृत अध्ययन के विकास हेतु, विभिन्न योजनाओं तथा कार्यक्रमों के निर्माण तथा कार्यान्वयन में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की सहायता करता है। संस्कृत भाषा के रक्षण, प्रसार तथा विकास और इसके सभी पक्षों की शिक्षा हेतु 1956 में भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित संस्कृत आयोग की विभिन्न संस्तुतियों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु इसने एक केन्द्रीय अभिकरण के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई है।

पारम्परिक संस्कृत शिक्षण के संवर्धन और सम्प्रसारण के क्षेत्र में संस्थान का योगदान (जिसमें संस्कृत-शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसन्धान आदि गतिविधियाँ सम्मिलित हैं) इसको देखते हुए भारत सरकार ने इसे 7 मई, 2002 से समविश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया है, जो अधिसूचना संख्या एफ. 9-28/2000 यू 3 के अन्तर्गत है तथा जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या एफ 6-31/2001 (सी.पी.पी.-1), दिनांक 13 जून 2002 से अनुगत किया गया है। राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् (नैक) बैंगलूरु द्वारा दिनांक 5.7.2012 के दिन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (समविश्वविद्यालय), नई दिल्ली को 'ए' श्रेणी से सम्मानित किया गया। समविश्वविद्यालयों की पुनरीक्षण योजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) ने संस्थान के मुख्यालय एवं सभी परिसरों का निरीक्षण किया। संस्थान द्वारा शैक्षणिक स्तर को बनाए रखने की भूमिका को सराहा है और आगे समविश्वविद्यालय की स्थिति की संस्तुति की।

1.2 भूमिका एवं कार्य

संस्था के बहिर्नियम में निर्देशित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्य उद्देश्य संस्कृत शिक्षण और शोध का प्रसारण विकास व प्रोत्साहन है जिनका पालन करते हुए;

i. उच्च शिक्षा प्रदान करना ताकि विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग की रिपोर्ट (1948) और भारत में उच्चतर शिक्षा के नवीकरण एवं पुनरुद्धार (2009) और समविश्व-विद्यालयों के लिए समीक्षा समिति की रिपोर्ट (2009) के द्वारा विश्वविद्यालय के संदर्भ से पूर्णतया सहमत स्नातकोत्तर और अनुसंधान डिग्री स्तरों पर उचित मानी जाने वाली ज्ञान की ऐसी शाखाओं में उत्कृष्टता और नवाचार का प्रावधान करना।

ii. परम्परागत संस्थाओं द्वारा प्रदान किए जाने वाले कला, विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, डेंटल, फार्मेसी, प्रबंध आदि विषयों में परम्परागत डिग्रियों तक पहुँचने के लिए सामान्य स्वरूप के कार्यक्रमों से अकादमिक विनियोजन को अलग करने वाले - विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली के लक्ष्यों में महत्त्वपूर्ण भागीदारी करने के लिए योग्यता वाले विशिष्ट क्षेत्रों में लगना।

iii. विभिन्न विषयों में पर्याप्त संख्या में पूर्णकालिक संकाय/अनुसंधान शिक्षाविदों (पीएच्.डी. और पोस्ट डॉक्टोरल) द्वारा विभिन्न आन्तरिक अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च गुणवत्तापरक शिक्षण और अनुसंधान हेतु तथा ज्ञान की प्रगति और उसके वितरण हेतु प्रावधान करना।

iv. अकादमिक समुदाय के विशिष्ट व्यक्तियों के साथ विचार विमर्श की प्रक्रिया से विनिर्दिष्ट हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अथवा देश की प्रमुख आवश्यकताओं के लिए महत्त्वपूर्ण समझे जाने पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार अथवा केन्द्र सरकार द्वारा अध्ययन और अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्रों में प्रायोजित - नवीन वर्ग के अंतर्गत ऐसे विशेष और उभरते क्षेत्रों में जिन्हें परंपरागत अथवा वर्तमान संस्थाओं द्वारा कार्य में नहीं लाया जा रहा है, के अंतर्गत समविश्वविद्यालय

संस्थाओं के सृजन में सहायता करना।

v. संस्कृत अध्ययन की सभी शाखाओं में शोध कार्य करवाना, उस हेतु सहायता-प्रदान करना, प्रोत्साहन और संयोजन करना जिसमें शिक्षक-प्रशिक्षण, पाण्डुलिपि विज्ञान आदि संदर्भगत सम्बद्ध क्षेत्रों में उन आधुनिकतम शोधकार्यों के परिणामों को अन्तः सम्बन्धित करने के साथ पुस्तकों का प्रकाशन भी सम्मिलित होगा।

vi. संस्कृत के विकास के लिए भारत सरकार के केन्द्रक अभिकरण के रूप में कार्य कर सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और विभिन्न योजनाओं को लागू करना।

vii. ज्ञान की उन शाखाओं में अनुदेश और प्रशिक्षण का प्रबन्ध करना, जिन्हें संस्थान उचित मानता हो।

viii. विद्या के प्रचार, प्रसार और अभिवृद्धि के लिए शोध का प्रावधान करना।

ix. समाज के विकास में योगदान करने के लिए बहिर्विश्व-विद्यालयीय अध्ययन, विस्तार कार्यक्रम एवं विभिन्न क्षेत्रीय गतिविधियों को आयोजित करना।

x. संस्थान के उद्देश्यों की पूर्ति और विकास के लिए आवश्यक या अपेक्षित विभिन्न प्रकार के ऐसे अन्य सभी कार्यक्रमों को आयोजित करना।

1.3 कार्यक्रम एवं क्रियाकलाप

संस्थान अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रमों और क्रियाकलापों में कार्यरत है:

- विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।
- माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा डाक्टरेट की उपाधि के स्तर पर शोध का संचालन करना।
- स्नातक स्तर पर शिक्षक- प्रशिक्षण शिक्षा शास्त्री (बी. एड.) का संचालन करना।
- संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में शोध-कार्य का संचालन व समन्वयन।
- उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रायोजन में अन्य संगठनों से सहयोग।
- संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन।
- स्वीकृत निर्धारित पाठ्यक्रम/शोध को संतोषजनक रूप से पूर्ण करके निर्धारित परीक्षायें उत्तीर्ण करने वाले व्यक्तियों को उपाधियाँ प्रदान करना और डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र देना।
- विजिटरशिप, फेलोशिप, छात्रवृत्तियाँ, वज़ीफे, पुरस्कार तथा पदकों का संस्थापन एवं उन्हें प्रदान करना।
- दूरस्थ शिक्षा-कार्यक्रमों का संचालन।
- संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की योजनाओं का कार्यान्वयन।

1.4 अध्यापन

संस्थान के अपने तेरह परिसरों में संस्थान द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के आधार पर प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक शिक्षण का संचालन किया जाता है तथा संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं में प्रथमा से आचार्य तक शिक्षण का प्रबन्ध किया जाता है।

स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित और संस्थान से सम्बद्ध संस्कृत संस्थाएँ भी उसी पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण प्रदान करती हैं।

1.5 शिक्षक-प्रशिक्षण

परिसरों में शिक्षण अभ्यास पर बल देते हुए एक शैक्षिक वर्ष हेतु शिक्षक-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है, जिसमें बी.एड के समकक्ष शिक्षा-शास्त्री की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, एम. एड. के समकक्ष शिक्षा-आचार्य उपाधि पाठ्यक्रम का संचालन पुरी, जयपुर, जम्मू तथा भोपाल परिसरों में किया जाता है।

1.6 शोध

संस्थान के सभी परिसरों में शोध हेतु छात्रों का पंजीकरण होता है और इसके सफल समापन पर उन्हें पी-एच्.डी. के समकक्ष विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है।

यद्यपि संस्कृत की चयनित शाखाओं में गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद विशेष रूप से अनुसन्धान गतिविधियों को समर्पित हैं। परिसर का पुस्तकालय देश के सबसे उच्च पुस्तकालयों में से एक है। पुस्तकालय में 57,957 से अधिक दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ संरक्षित हैं।

1.7 प्रकाशन

शोध पत्रिकाएँ एवं पुस्तकें

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान '**संस्कृत विमर्शः**' और '**गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद शोध पत्रिका**' नामक दो शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है। जबकि पहली पत्रिका संस्थान के मुख्यालय द्वारा प्रकाशित होती है, दूसरी गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित की जाती है। इनके अतिरिक्त, परिसरों से वार्षिक साहित्यिक पत्रिकाएँ भी प्रकाशित की जाती हैं। भोपाल एवं जयपुर परिसर ने अपनी वार्षिक पत्रिका का उन्नयन कर शोध-पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया है।

संस्थान एवं परिसरों द्वारा विद्वत्तापूर्ण प्रकाशनों, मूल पाठों एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों का प्रकाशन किया गया है। प्रकाशन एवं पुनर्मुद्रण योजना के अन्तर्गत अब तक कुल 611 दुर्लभ एवं अनुपलब्ध पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है।

'संस्कृत वार्ता' एक तिमाही समाचार बुलेटिन का भी नियमित रूप से प्रकाशन किया जाता है।

2. प्राधिकरण एवं संरचना

2.1 मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत-सरकार, संस्थान के कुलाधिपति होते हैं। प्रतिवेदन-वर्ष के दौरान दिनांक 01.04.2016 से 04.07.2016 तक **माननीया श्रीमती स्मृति ज़ुबिन इरानी** एवं 05.07.2016 से 31.03.2017 तक **माननीय श्री प्रकाश जावड़ेकर, मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत-सरकार,** संस्थान के कुलाधिपति रहे। कुलपति संस्थान के प्रधान शैक्षिक एवं प्रशासनिक अधिकारी हैं। वे संस्थान के सभी प्राधिकरण समितियों के अध्यक्ष भी हैं। वे संस्थान के मामलों पर सामान्य पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण रखते हैं, नीतियों और कार्यक्रमों का निष्पादन करते हैं तथा संस्थान के सभी प्राधिकरणों के निर्णयों को लागू करते हैं। वर्ष 2016-17 के दौरान प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति के रूप में आसीन रहे। कुलाध्यक्ष के अतिरिक्त संस्थान के निम्नलिखित स्वीकृत प्राधिकरण हैं:

1. **प्रबन्ध मण्डल**—संस्थान में प्रबन्धन का प्रमुख अंग है। यह नीति-निर्णयों के निर्धारण तथा निर्णयों के कार्यान्वयन प्रतिपादन हेतु अधिकार-सम्पन्न है।
2. **विद्वत् परिषद्**-शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा और शोध कार्यक्रमों के मानदण्डों के अनुरक्षण हेतु उत्तरदायी प्रधान शैक्षिक निकाय है।
3. **वित्त समिति**-प्रबन्ध मण्डल के समक्ष वार्षिक लेखा व वित्तीय प्राक्कलन रखने, कुल व्यय की सीमाएँ निर्धारित करने और हर प्रकार के पदों के सृजन की संस्तुति हेतु उत्तरदायी प्रमुख वित्त निकाय है।
4. **योजना तथा पर्यवेक्षण मण्डल**-विकास कार्यक्रमों के परिवीक्षण हेतु उत्तरदायी प्रमुख योजना निकाय है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, संस्थान में अन्य निकाय भी संघटित हैं, जो अपने-अपने कार्य के स्वरूप के आधार पर संस्तुतियाँ तैयार करते हैं, यथा—सहायता अनुदान समिति, प्रकाशन समिति, छात्रवृत्ति चयन समिति, शोध मण्डल तथा परीक्षा मण्डल।

वर्ष 2016-17 में संस्थान के प्राधिकरणों/निकायों द्वारा आयोजित बैठकों की संख्या दर्शाने वाली तालिका नीचे दी जा रही है:

मण्डल/परिषद्/समिति	बैठक की तिथियाँ
प्रबन्ध मण्डल	
50वीं बैठक	04.05.2016
51वीं बैठक	20.05.2016
52वीं बैठक	27.07.2016
53वीं बैठक	09.08.2016
54वीं बैठक	08.09.2016
55वीं बैठक	10.11.2016
56वीं बैठक	19.11.2016
57वीं बैठक	25.02.2017
58वीं बैठक	19.03.2017

मण्डल/परिषद्/समिति	बैठक की तिथियाँ
विद्वत्परिषद्	01.08.2016
विद्वत्परिषद् की उप समिति	03.05.2016
	24.12.2016
अध्ययन मण्डल (बोर्ड ऑफ स्टडीज)	--
वित्त समिति	
33वीं बैठक	26.07.2016
34वीं बैठक	22.02.2017
35वीं बैठक	17.03.2017
योजना तथा पर्यवेक्षण मण्डल	--

प्रबन्ध मण्डल, विद्वत्परिषद तथा वित्त समिति का संघटन क्रमशः **संलग्नक 'क', 'ख' एवं 'ग'** में दिया गया है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का संगठन एवं संरचना

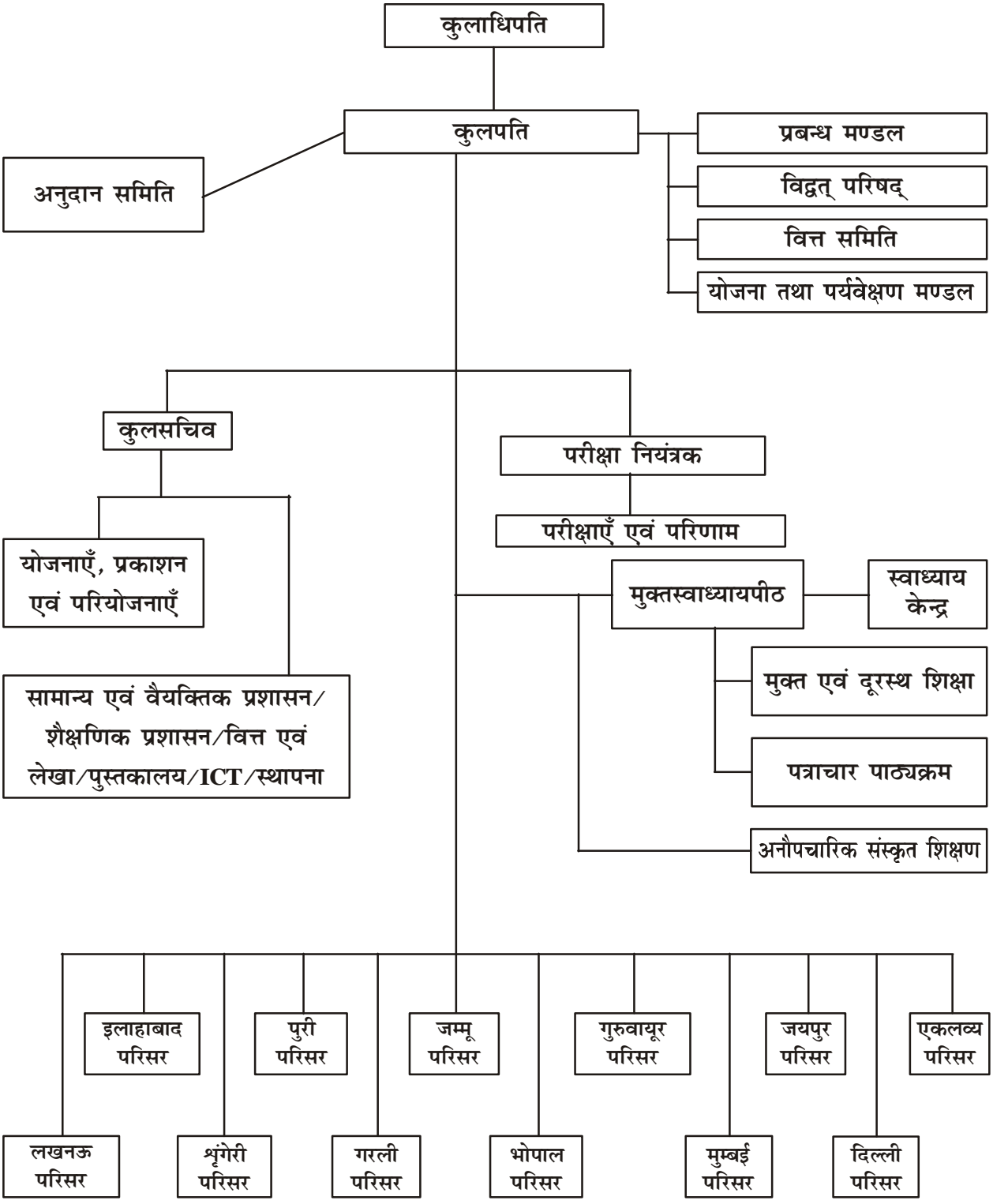

2.2 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का मुख्यालय एवं परिसर

2.2.1 मुख्यालय

संस्थान की गतिविधियाँ इसके मुख्यालयाधीन विभिन्न विभागों, अनुभागों व इकाइयों द्वारा सञ्चालित हैं जो कि अधोनिर्दिष्ट है:

1. सामान्य, वैयक्तिक, परिसरीय, शैक्षिक एवं प्रशासनिक अनुभागों का प्रशासन
2. वित्त अनुभाग
3. शोध एवं प्रकाशन अनुभाग
4. परीक्षा अनुभाग
5. शैक्षणिक अनुभाग
6. पुस्तकालय
7. विक्रय ईकाई
8. योजना अनुभाग
9. छात्रवृत्ति अनुभाग
10. आदर्श महाविद्यालय/शोध संस्थान
11. परियोजना विभाग
12. पालि एवं प्राकृत विभाग
13. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण
14. पत्राचार पाठ्यक्रम
15. मुक्तस्वाध्यायपीठम्

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय नई दिल्ली की प्रशासनिक संरचना

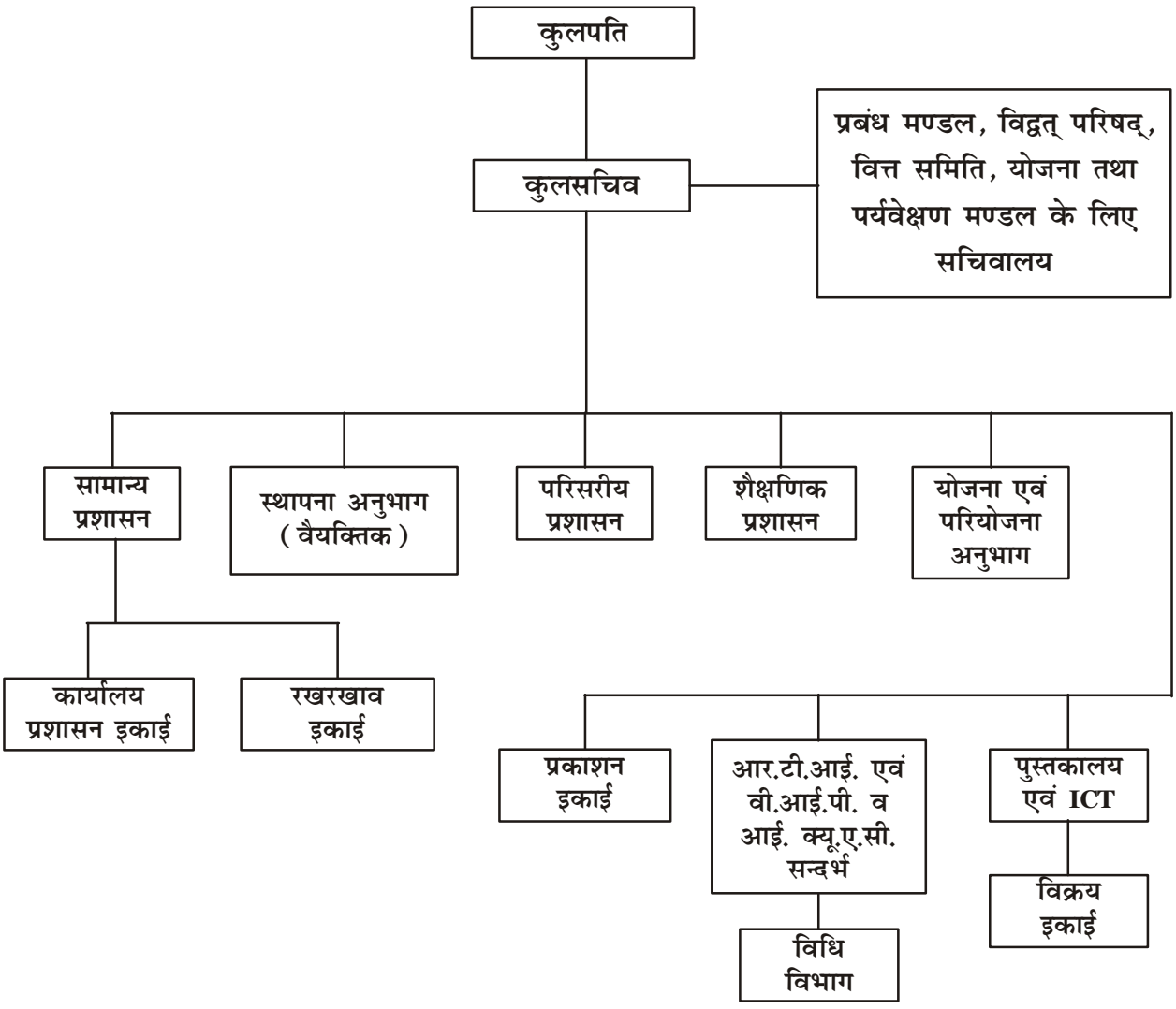

2.2.2 परिसर :

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (सम विश्वविद्यालय) द्वारा देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित परिसरों का संचालन किया जा रहा है :

क्रम सं.	परिसरों के नाम	स्थान
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर	इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश
2.	श्री सदाशिव परिसर	पुरी, ओड़िशा
3.	श्री रणवीर परिसर	जम्मू, जम्मू और कश्मीर
4.	गुरुवायूर परिसर	त्रिचूर, केरल
5.	जयपुर परिसर	जयपुर, राजस्थान
6.	लखनऊ परिसर	लखनऊ, उत्तरप्रदेश
7.	श्री राजीव गांधी परिसर	शृंगेरी, कर्णाटक
8.	वेद व्यास परिसर	बलाहर, हिमाचलप्रदेश
9.	भोपाल परिसर	भोपाल, मध्यप्रदेश
10.	के.जे. सौमैया सं. वि. परिसर	मुम्बई, महाराष्ट्र
11.	दिल्ली परिसर (मुख्यालय)	जनकपुरी, नई दिल्ली
12.	एकलव्य परिसर	अगरतला, त्रिपुरा
13.	श्री रघुनाथकीर्ति परिसर	देवप्रयाग, उत्तराखण्ड

दिल्ली परिसर से पत्राचार पाठ्यक्रम और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। दिल्ली परिसर के पास पुस्तकालय, प्रकाशन विभाग, शोध केन्द्र एवं प्रदर्शनी कक्ष उपलब्ध है। शेष सभी परिसरों में सभी उपस्करों सहित पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रकक्ष, स्टाफ क्वार्टर तथा छात्रावास उपलब्ध हैं। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान अधोनिर्दिष्ट नियमित पाठ्यक्रमों (कार्यक्रमों) को अपने परिसरों के माध्यम से सञ्चालित करता है।

परिसरों में पढ़ाये जाने वाले नियमित पाठ्यक्रमों का विस्तृत विवरण प्रत्येक परिसर की गतिविधियों में जोड़ा गया है।

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
1.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	सीनियर सेकेण्डरी
2.	शास्त्री	बी.ए.
3.	आचार्य	एम.ए.
4.	शिक्षाशास्त्री	बी.एड्.
5.	शिक्षा आचार्य	एम.एड्.
6.	विद्यावारिधि	पी-एच्.डी.

दूरस्थशिक्षा के पाठ्यक्रम/कार्यक्रम

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य (व्याकरण, ज्योतिष और साहित्य में) तथा अन्य प्रमाणपत्रीय/परिचय पाठ्यक्रमों का सञ्चालन अपने मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान) के द्वारा करता है, जो कि दिल्ली स्थित मुख्यालय और देश के विभिन्न स्थानों में संस्थापित परिसरों के स्वाध्याय केन्द्रों में क्रियान्वित किये जाते हैं। (विस्तृत विवरण के लिए प्रतिवेदन के 4.1. 16 अनुभाग को देखें)

3. छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के विविध कार्यक्रमों मे अध्येताओं की कुल संख्या **22666** है। जिसका पाठ्यक्रम/प्रणालीवार विवरण अधोलिखित है।

3.1. परिसरों में नियमित अध्येताओं की संख्या

		कक्षा											
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री		आचार्य		शिक्षा आचार्य		विद्या-वारिधि
क्र.सं.	परिसर	I	II	I	II	III	I	II	I	II	I	II	
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	09
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	100	106	120	115	106	100	100	252	244	12	38	40
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	31	31	64	44	32	98	98	26	26	–	–	21
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	37	32	63	56	56	48	48	27	34	–	–	02
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	50	23	108	83	121	98	99	107	95	12	12	11
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	23	18	49	42	50	44	42	52	37	–	–	19
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	48	40	61	54	51	49	48	46	49	–	–	17
8.	वेदव्यास परिसर, बलहार	21	28	130	101	118	50	49	111	59	–	–	25
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	58	51	69	79	61	97	98	37	33	13	16	12
10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर, मुम्बई	01	04	06	03	07	52	47	12	04	–	–	23
11.	दिल्ली परिसर, नई दिल्ली	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	17
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	13	04	40	10	06	49	49	23	27	–	–	06
13.	रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग	10	–	24	–	–	–	–	06	02	–	–	03
	योग	**392**	**337**	**735**	**587**	**608**	**685**	**678**	**699**	**610**	**37**	**66**	**199**
											कुल योग - 5633		

3.2 सम्बद्धताप्राप्त संस्थाओं में नियमित रूप में कक्षावार छात्रों की संख्या

क्र.सं.	संस्था का नाम	कोड सं.	पू.म.-I	पू.म.-II	उ.म.-I	उ.म.-II	प्राश-I	प्राश-II	शा-I	शा-II	शा-III	आ-I	आ-II	योग
	बिहार													
1	जगदीश नारायण ब्रह्मचारी आश्रम	**6**	36	45	28	26	–	–	–	–	–	–	–	**135**
2	देवरहा बाबा भक्तशिवशंकर	**7**	14	09	–	–	10	13	–	–	–	–	–	**46**
3	सरस्वती आदर्श संस्कृत म.वि.	**12**	04	04	12	22	–	–	13	06	03	13	11	**88**
4	डा. मण्डन मिश्र संस्कृत म.वि.	**14**	10	40	–	–	15	19	05	08	06	–	–	**103**
5	अजीत कुमार मेहता संस्कृत शिक्षण	**15**	71	61	41	27	–	–	19	25	10	09	10	**273**
6	लक्ष्मी हरिकान्त संस्कृत प्राथमिक	**16**	47	60	11	15	–	–	–	–	–	–	–	**133**
7	दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यापीठ	**18**	45	32	07	12	–	–	–	–	–	–	–	**96**
	दिल्ली													
8	श्री मोतीनाथ संस्कृत म.वि.	**26**	12	19	16	08	–	–	26	16	17	21	21	**156**
9	ब्रह्मऋषि राम पी. संस्कृत वेद-वेदांग	**27**	05	06	05	02	–	–	–	–	–	–	–	**18**
10	श्री राम ज्यौतिष कर्मकाण्ड म.वि.	**28**	–	–	–	–	–	–	–	–	–	07	05	**12**
11	वसन्तग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय	**29**	07	11	08	09	–	–	–	–	–	–	–	**35**
12	रामदल संस्कृत म.वि.	**31**	12	06	08	08	–	–	20	24	15	–	–	**93**
13	शारदादेवी संस्कृत विद्यापीठ	**32**	41	37	30	24	–	–	23	21	12	–	–	**188**
14	सामन्त भद्रा संस्कृत म.वि.	**33**	–	–	–	–	09	11	–	–	–	–	–	**20**
15	श्री महावीर विश्व विद्यापीठ	**34**	17	24	–	–	15	12	23	12	18	26	15	**162**
16	श्री हनुमान संस्कृत म.वि.	**35**	22	30	14	15	–	01	12	09	05	–	–	**108**
17	आर्य कन्या गुरुकुल	**36**	15	04	09	04	–	–	–	–	–	–	–	**32**
18	श्री रामऋषि संस्कृत म.वि.	**37**	12	13	12	09	03	02	23	19	10	–	–	**103**
19	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरेवली	**38**	10	09	–	–	11	14	06	07	05	–	–	**62**
20	बाल विद्या मन्दिर	**39**	15	20	–	–	12	–	–	–	–	–	–	**47**
	गुजरात													
21	श्री रघुवर रामानन्द वेदांत म.वि.	**47**	–	03	03	05	–	–	11	06	02	08	06	**44**
	हरियाणा													
22	आलोक संस्कृत महाविद्यालय	**52**	–	–	–	–	–	–	41	21	18	–	–	**80**
23	श्री रामानन्द ब्रह्मऋषि संस्कृत म.वि.	**55**	09	09	06	11	–	–	13	09	09	–	–	**66**
24	श्री लज्जाराम संस्कृत म.वि.	**56**	16	09	01	15	16	16	28	47	24	16	19	**207**
	जम्मू													
25	श्री गुरु गंगादेवजी संस्कृत म.वि.	**62**	33	23	16	21	–	01	17	15	07	11	04	**148**

क्र.सं.	संस्था का नाम	कोड सं.	पू.म.-I	पू.म.-II	उ.म.-I	उ.म.-II	प्राश-I	प्राश-II	शा-I	शा-II	शा-III	आ-I	आ-II	योग
	केरल													
26	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय	**66**	–	–	–	–	06	07	06	07	05	05	07	**43**
27	श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत म.वि.	**67**	–	–	–	–	21	26	13	13	10	01	–	**84**
28	श्री शंकर संस्कृत वि. इड्डाकडोम	**68**	–	–	–	–	09	06	08	07	02	01	01	**34**
29	कोडंगलूर विद्वत्पीठम्	**71**	–	–	–	–	20	07	10	09	04	04	03	**57**
30	श्री शंकर संस्कृत वि. हीरा एच.	**73**	–	–	–	–	14	10	–	–	–	–	–	**24**
31	माहेश्वरी संस्कृत कालेज	**75**	–	–	–	–	10	12	–	–	–	–	–	**22**
	महाराष्ट्र													
32	श्री अम्बाजी संस्कृत महाविद्यालय	**82**	02	–	02	–	–	–	–	–	–	–	–	**4**
	मणिपुर													
33	मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय	**86**	30	21	09	07	62	25	25	20	12	11	14	**236**
	पंजाब													
34	श्री बाबा हरदीत गिरीजी सं.म.वि.	**96**	–	–	–	–	11	20	13	20	12	05	04	**85**
35	श्री सरस्वती संस्कृत कालेज	**97**	–	–	–	–	42	–	36	28	16	–	–	**122**
	राजस्थान													
36	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ	**102**	15	17	–	–	–	–	–	–	–	–	–	**32**
	उत्तर प्रदेश													
37	रानी पद्मावती टी.टी. उच्च.मा.	**113**	33	27	–	–	–	–	–	–	–	–	–	**60**
38	श्री बटुकनाथ संस्कृत म.वि.	**114**	26	12	14	09	07	03	35	43	44	58	32	**283**
39	गिन्नीदेवी मोदी संस्कृत विद्यापीठ	**115**	07	06	06	06	–	–	05	06	–	–	–	**36**
40	श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत म.वि.	**118**	37	29	18	19	–	–	–	01	02	–	–	**106**
41	गांधी संस्कृत महाविद्यालय	**119**	–	–	–	–	03	10	39	65	38	41	32	**228**
42	अनन्तदेवी संस्कृत महाविद्यालय	**120**	–	–	–	–	09	10	51	92	81	87	55	**385**
	उत्तराखण्ड													
43	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ	**112**	02	05	06	04	–	–	09	05	05	–	–	**36**
	पश्चिम बंगाल													
44	ठाकुर गदाधर संस्कृत विद्यापीठ	**128**	10	34	–	–	32	32	–	–	–	–	–	**108**
45	मदर उषा एम.ओरियण्टल	**130**	86	53	–	–	70	56	–	–	–	–	–	**265**
46	भारती चतुष्पति संस्कृत महाविद्यालय	**131**	–	–	–	–	08	06	155	162	104	110	78	**623**
47	हरेश्वर संस्कृत म.वि. लिंगसे	**106**	10	06	16	10	–	–	05	07	04	–	–	**58**
48	पगलानन्द संस्कृत महाविद्यालय	**126**	30	32	–	–	–	–	–	–	–	–	–	**62**
	योग		**741**	**716**	**298**	**288**	**415**	**319**	**690**	**730**	**500**	**434**	**317**	**5448**

3.3 दूरस्थ शिक्षण कार्यक्रमों की छात्र संख्या (सत्र 2016-17) :

पाठ्यक्रम	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष
प्राक्शास्त्री सेतु	24	-	-
प्राक्शास्त्री	59	27	-
शास्त्री सेतु	101	-	-
शास्त्री	110	77	53
आचार्य सेतु	97	-	-
आचार्य	469	556	-
प्रारम्भिक-पालि-ज्ञान पाठ्यक्रम	03	-	-
प्रारम्भिक-प्राकृत-ज्ञान पाठ्यक्रम	01	-	-
पालि-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	16	-	-
प्राकृत-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	17	-	-
संस्कृत-पत्रकारिता-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	46	-	-
कुल	943	661	53
कुल योग		1657	

3.4 अनौपचारिक संस्कृतशिक्षण केन्द्रों से लाभान्वित अध्येताओं की संख्या :

क्रम सं	राज्य	केन्द्र	छात्र संख्या (द्वितीय चक्र)
1.	आन्ध्र प्रदेश	04	5,920
2.	बिहार	02	
3.	दिल्ली	02	
4.	गुजरात	01	
5.	हरियाणा	01	
6.	हिमाचल प्रदेश	05	
7.	महाराष्ट्र	09	
8.	मध्य प्रदेश	07	
9.	छत्तीसगढ़	01	
10.	ओडिशा	01	
11.	पंजाब	03	
12.	उत्तराखण्ड	05	
13.	उत्तरप्रदेश	14	
14.	केरल	01	
15.	पूर्वोत्तर राज्य	23	
16.	गोवा	05	
17.	राजस्थान	03	
18.	तमिलनाडु	01	
19.	तेलंगाना	08	
20.	कर्णाटक	03	
21.	पश्चिम बंगाल	06	
	कुल	**105**	

3.5 पत्राचार पाठ्यक्रम के लिए नामांकित छात्रों की संख्या :

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	छात्रों की संख्या
1.	हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम (प्रथम वर्ष)	3998 भारतीय
2.	हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम (द्वितीय वर्ष)	0010 विदेशी
	कुल	**4008**

विभिन्न कक्षाओं में प्रविष्ट छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की संख्या निम्नलिखित हैं–

कक्षा	**योग**	**पुरुष**	**स्त्री**	**अनु. जाति**	**अनु. जनजाति**	**अन्य पिछड़ा वर्ग**
प्राक् शास्त्री-I	392	264	128	21	17	98
प्राक् शास्त्री-II	337	203	134	16	12	75
शास्त्री-I	735	488	247	60	40	148
शास्त्री-II	587	400	187	43	20	115
शास्त्री-III	608	379	229	58	18	148
शिक्षा-शास्त्री-I	685	377	308	94	49	169
शिक्षा-शास्त्री-II	678	359	319	87	36	164
आचार्य-I	699	333	366	66	27	145
आचार्य-II	610	287	323	41	20	136
शिक्षा-आचार्य-I	37	23	14	–	–	12
शिक्षा-आचार्य-II	66	41	25	07	02	15
विद्यावारिधि	199	117	82	15	–	26
कुल योग	**5633**	**3271**	**2362**	**508**	**241**	**1251**

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप

4.1.1 प्रशासन

संस्थान की प्रशासनिक सेवाओं के तत्संबंधी प्रकरण अधोलिखित एककों के द्वारा प्रभारी अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पादित किये जाते हैं:-

(क) सामान्य प्रशासन/स्थापना

(ख) कार्मिक प्रशासन

(ग) परिसरीय प्रशासन

उपरिलिखित प्रमुख गतिविधियों के साथ-साथ यह शाखा सेवाएँ तथा आपूर्ति, भूमि अर्जन एवं भवन निर्माण, नूतन परिसरों की स्थापना के कार्यों का संचालन करती है तथा प्रबन्धन मण्डल एवं वित्त समिति की बैठकों का आयोजन भी करती है। भिन्न-भिन्न परिसरों के भवन निर्माण के विविध प्रस्ताव अनुमानित व्यय सहित प्रतिवेदित अवधि के दौरान स्वीकृत किये गये, जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

(क) जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)-115.58 लाख रुपये (ख) राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी (कर्नाटक)-176.35 लाख रुपये (ग) गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)-436.28 लाख रुपये (घ) श्री सदाशिव परिसर, पुरी (उड़ीसा) - 264.74 लाख रुपये (ङ) वेदव्यास परिसर, बलाहार (हि.प्र.)-223.03 लाख रूपये (फेस-II) (च) एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा)-1200.00 लाख रुपये (छ) मुख्यालय, नई दिल्ली 8.49 लाख रूपये।

वर्ष 2016-17 के दौरान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के 13वें परिसर का शुभारम्भ उत्तराखण्ड राज्य के पौड़ी गढ़वाल जिले के अन्तर्गत देवप्रयाग में सन् 1908 से स्थापित श्री रघुनाथ कीर्ति आदर्श संस्कृत महाविद्यालय का अधिग्रहण कर श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग के नाम से दिनांक 16.06. 2016 को हुआ। वर्ष 2016-17 के दौरान श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल को रु. 5,25,50,592/- निर्गत किए गए।

सूचना के अधिकार के अधिनियम 2005 के अन्तर्गत मुख्यालय में 199 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 167 आवेदनों का उत्तर दिया गया। 32 आवेदन सम्बद्ध परिसरों तथा संस्थानों में स्थानान्तरित किये गये हैं।

4.1.2 वित्त एवं लेखा

वर्ष के दौरान इस अनुभाग के द्वारा प्रतिवेदित महत्त्वपूर्ण गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं-

बजट (2016-17) :

वर्ष 2015-16 की रु. 4120.65 लाख रूपये (रु. 1453.16 लाख योजनागत एवं रु. 2667.49 लाख योजनेतर हेतु) की अप्रयुक्त शेष धनराशि को वित्तीय वर्ष 2016-17 में समाविष्ट किया गया। मन्त्रालय के द्वारा (गत वर्ष के अव्ययित शेष सहित) रु. 19040.39 लाख रुपये का कुल बजट स्वीकृत किया गया। इस राशि को संस्थान के अधीन इकाइयों को निम्नलिखित रूप से आबंटित किया गया:-

(रु. की संख्या लाखों में)

क्रमांक	एकक का नाम	योजना	योजनेतर	योग
1.	नई दिल्ली मुख्यालय	5476.67	3235.53	8712.20
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	30.52	1009.00	1039.52
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	28.91	611.40	640.31
4.	श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	131.92	450.00	581.92

5.	गुरुवायूर परिसर, केरल	473.29	775.91	1249.20
6.	जयपुर परिसर	161.08	939.00	1100.08
7.	लखनऊ परिसर	56.85	605.00	661.85
8.	राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	654.85	0.00	654.85
9.	वेद व्यास परिसर, हिमाचल प्रदेश	881.03	0.00	881.03
10.	भोपाल परिसर, मध्य प्रदेश	691.39	0.00	691.39
11.	मुम्बई परिसर, महाराष्ट्र	347.94	0.00	347.94
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	1757.19	0.00	1757.19
13.	श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग	722.91	0.00	722.91
	कुल योग	**11414.55**	**7625.84**	**19040.39**

वर्ष के दौरान यह धन वेतन और भत्ते, छात्रवृत्तियाँ, प्रख्यात संस्कृत विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान एवं संस्कृत शिक्षण के विकास के अन्तर्गत अन्य विभिन्न योजनाओं तथा व्यय के अन्य रख-रखाव सम्बन्धी मदों पर उपयोग में लाया गया।

लेखा

यह अनुभाग संस्थान के विविध एककों से प्राप्त लेखों के समेकन और लेखा-परीक्षा हेतु महानिदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय व्यय को प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी है। वर्ष 2016-17 हेतु परीक्षित वार्षिक लेखा तथा लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन **संलग्नक-'ड'** में रखे गये हैं।

भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण

यह अनुभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन व भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण करता है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अविलम्ब प्रत्येक सदस्य को वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया जाता है।

लेखा-परीक्षा आपत्तियों का निराकरण

वर्ष में लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए। इसके लिए सभी परिसरों को ये निर्देश दिए गए कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें। इसके अनुपालन के उत्तर लेखा-परीक्षा अधिकारियों को भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहु-संख्यक लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाया गया।

4.1.3 शैक्षणिक अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व हैं :-

- संस्थान के शैक्षणिक क्रियाकलापों को सुव्यवस्थित करना।
- संस्थान में प्रथमा से लेकर आचार्य कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रमों का निर्माण करना।
- संस्थान में प्रथमा से आचार्य कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम बनाने हेतु विभिन्न विषयों की समितियों का गठन करना।
- विद्वत् परिषद् व अध्ययन परिषद् की बैठक का आयोजन करना तथा उनके अनुरूप अनुवर्ती कार्रवाई करना।
- यह विभाग शैक्षणिक गुणवत्ता एवं शैक्षिक कार्यक्रमों का कार्यक्रम भी निर्धारित करता है।
- संस्थान ने इस वर्ष योग एवं आयुर्वेद साहित्य तथा वास्तु/ज्योतिष डिप्लोमा पाठ्यक्रम की शुरूआत की है।
- शैक्षणिक विभाग को संस्थाओं को संवर्धन देने के कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है, संस्थान की शुरुआत कुछ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों से हुआ था, परन्तु बाद में कुछ निजी शिक्षण संस्थाओं को भी सहबद्धता प्रदान की गयी। इन संस्थाओं को केवल प्रथमा से आचार्य एवं विद्यावारिधि के लिए सहबद्धता प्रदान की गई है।

फिलहाल विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देश के तहत नये विद्यालयों/महाविद्यालयों को संबद्धता नहीं दी जा रही है, पूर्व में संबद्धता प्राप्त विद्यालय को विद्वत परिषद् व प्रबंधन मण्डल की अनुशंसा के आधार पर इस वर्ष भी यथावत् रखा गया है।

- वर्ष के दौरान विद्वत् परिषद् की बैठक 01.08.2016 में आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त शिक्षा शास्त्री (बी. एड.) और शिक्षा आचार्य (एम.एड.) के पाठ्यक्रमों में आंशिक संशोधन (गठित समिति द्वारा) किया गया जिसके तहत पाठ्यक्रमों में आंशिक परिवर्तन किया गया। गठित समिति की बैठक दिनांक 28 जनवरी 2017 को संपन्न हुई। बैठक की अनुशंसा के आधार पर पाठ्यक्रमों में अपेक्षित संशोधन कर मुद्रण हेतु तैयार किया गया। इस वर्ष संस्थान के अधीनस्थ चार परिसरों में योग, आयुर्वेद साहित्य, वास्तु एवं ज्योतिष को डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किया गया। इसके साथ ही विद्वत् परिषद् उपसमिति की बैठक दिनांक 03 मई एवं 24 दिसम्बर 2016 को सम्पन्न हुई।

4.1.4 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण दायित्व हैं -

1. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के शोध सम्बद्ध क्रियाकलापों का समन्वयन।

2. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रकाशन कार्य का अवलोकन।

उपरोक्त कार्यों के सञ्चालन हेतु केन्द्रीय शोध मण्डल और प्रकाशन समिति के उपवेशनों का आयोजन करना भी इस अनुभाग का दायित्व है।

संस्थान के केन्द्रीय शोध-मंडल की बैठक 30.11.2016 एवं 06.03.2017 को संपन्न हुई। विद्यावारिधि शोध उपाधि पाठ्यक्रम हेतु विभिन्न परिसरों में 136 शोध छात्रों के पंजीकरण की स्वीकृति प्रदान की गई। संस्थान मुख्यालय सहित विभिन्न परिसरों में विद्यावारिधि में 19 कनिष्ठ शोध अध्येताओं का पंजीकरण किया गया है।

संस्थान ने अपनी प्रकाशन-समिति के माध्यम से दिनांक 04-04-2016 एवं 02.08.2016 को महत्त्वपूर्ण शीर्षकों के प्रकाशन हेतु स्वीकृति दी।

संस्थान ने अपनी प्रकाशन योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित ग्रन्थ प्रकाशित किये:-

1. अद्वैतरत्नरक्षणम् -डॉ. आनन्दमयी मालू
2. वेदामृतविन्दव:-
3. णेरणोसूत्राणिव्याख्यानानि-
4. पालिशास्त्र एवं बौद्ध दर्शन-प्रो. संघसेन सिंह
5. पालिभाषा एवं व्याकरण के विविध आयाम
6. बृहत्संस्कृतअन्त्याक्षरश्लोकनिधि-डॉ. टी. महेन्द्र

पुनर्मुद्रण प्रकाशन योजना/अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के अन्तर्गत निम्नलिखित ग्रन्थों का प्रकाशन किया गया।

1. उपनिषद्वाक्यमहाकोष: (दो भाग)
2. निर्णयसिन्धु
3. प्रथमा दीक्षा
4. द्वितीया दीक्षा

इसके अतिरिक्त संस्कृत वार्ता पत्रिका एवं संस्कृत-विमर्श शोध पत्रिका का निरन्तर प्रकाशन किया जाता है।

4.1.5 परीक्षा अनुभाग

परीक्षा अनुभाग का मुख्य दायित्व, विभिन्न परीक्षाओं का आयोजन तथा संस्थान के परीक्षा पत्रों का मूल्यांकन कराना है। संस्थान के द्वारा प्रथमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री, शिक्षा-आचार्य तथा विद्यावारिधि जैसी विभिन्न परीक्षाओं का संचालन किया जाता है। इन परीक्षाओं में अंगीभूत परिसरों तथा सम्बद्ध संस्थाओं के छात्र प्रवेश पाते हैं। ये परीक्षायें शैक्षिक परिषद् एवं परीक्षा मंडल द्वारा निर्धारित मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2016-17 में केन्द्रीय रूप से आयोजित, विभिन्न परीक्षाओं एवं उनमें उत्तीर्ण होने वाले छात्रों का कक्षावार विवरण निम्नलिखित है:-

कक्षा	छात्र संख्या	सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण छात्र	EP/Com.	FL	उत्तीर्ण%
पूर्वमध्यमा-I	965	Home Exam	–	–	–	–
पूर्वमध्यमा-II	882	829	689	121	19	83.11
उत्तरमध्यमा-I	384	Home Exam	--	—	—	—
उत्तरमध्यमा-II	344	335	306	21	08	91.34
प्राक्शास्त्री-I	1259	Home Exam	--	—	—	—
प्राक्शास्त्री-II	976	938	856	68	14	91.25
शास्त्री-I	690	626	531	88	06	84.96
शास्त्री-II	730	693	637	48	04	92.45
शास्त्री-III	500	479	427	27	25	89.14
आचार्य-I	434	392	376	10	04	96.41
आचार्य-II	317	308	295	09	03	96.09
शिक्षा शास्त्री-I	694	691	690	01	00	99.85
शिक्षा शास्त्री-II	672	672	668	00	04	99.40
शास्त्री-I सेमेस्टर	1096	1060	825	223	12	77.83
शास्त्री-II सेमेस्टर	1091	1065	920	141	04	86.38
शास्त्री-III सेमेस्टर	926	915	864	49	02	94.42
शास्त्री-IV सेमेस्टर	906	894	819	75	00	91.61
शास्त्री-V सेमेस्टर	861	857	835	21	01	97.43
शास्त्री-VI सेमेस्टर	873	869	788	52	29	90.67
आचार्य-I सेमेस्टर	1093	1051	985	65	01	93.72
आचार्य-II सेमेस्टर	1019	991	933	55	03	94.14
आचार्य-III सेमेस्टर	1136	1123	1100	23	00	97.95
आचार्य-IV सेमेस्टर	1146	1135	1071	35	01	94.36
शिक्षा आचार्य- I सेमेस्टर	36	33	33	00	00	100
शिक्षा आचार्य-II सेमेस्टर	37	37	37	00	00	100
शिक्षा आचार्य- III सेमेस्टर	65	65	65	00	00	100
शिक्षा आचार्य-IV सेमेस्टर	66	66	63	01	01	96.92
योग	**19198**	**16124 Home Exam**	**14813 Home Exam**	**1133 Ho.Ex.**	**141**	**93.31248**

परिसरों के छात्रों ने 2016-17 की वार्षिक परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन किया। निम्नांकित ग्राफ परिणाम की प्रतिशतता को प्रति कक्षानुसार/सेमेस्टरनुसार दर्शाता है–

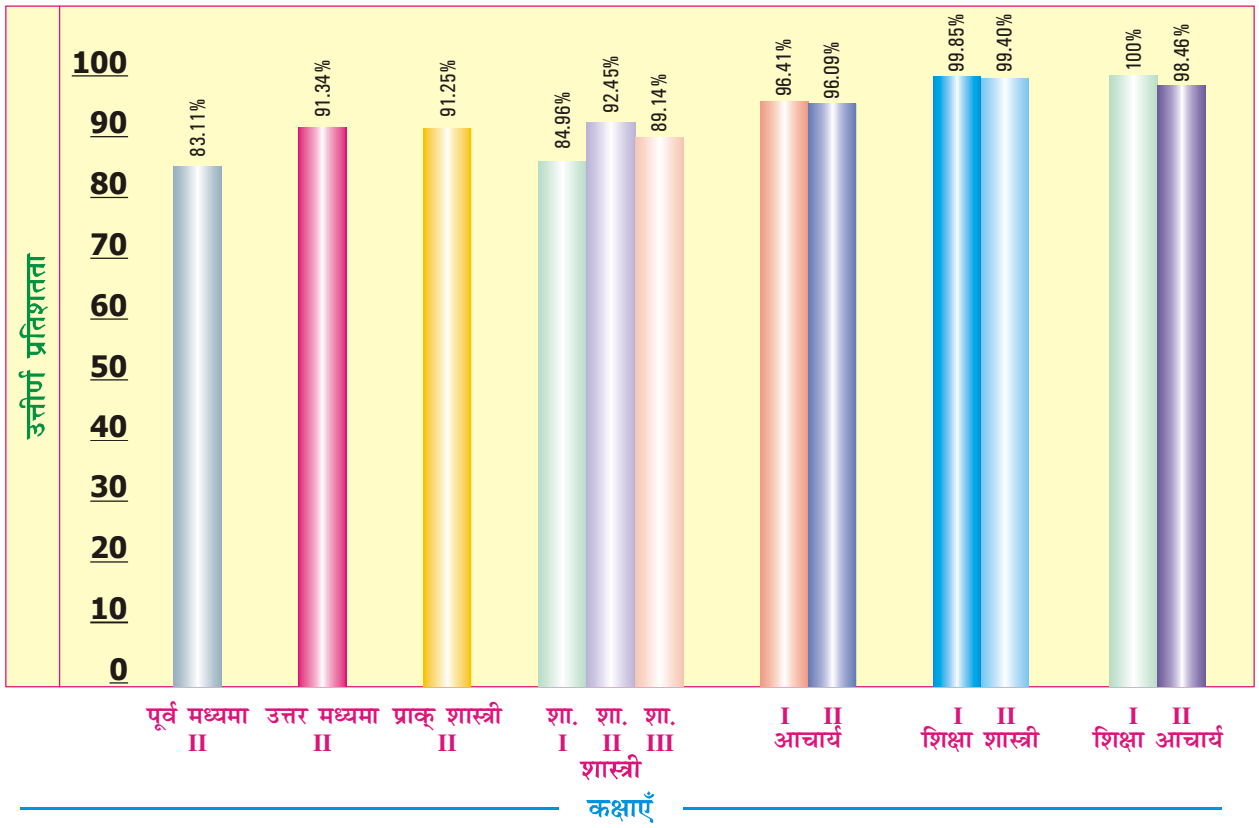

परिसरों में प्रशिक्षित नियमित शिक्षण संकाय है। नियमित संकाय सदस्यों का विवरण **संलग्नक-'घ'** में दिया गया है।

इस वर्ष के दौरान 103 छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि से पुरस्कृत किया गया। इन शोध-छात्रों का विवरण **संलग्नक-'ङ'** में दिया गया है।

वार्षिक परीक्षा 2016-17 में पाठ्यक्रमानुसार सर्वोच्च स्थान पाने वाले छात्रों का विवरण निम्नलिखित है:

क्र.सं.	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	विषय	परिसर/संस्थान
1.	161625	शिवाकान्त तिवारी	साहित्य	श्री रामऋषि संस्कृत महाविद्यालय, दिल्ली
2.	163532	देवेश मणि त्रिपाठी	व्याकरण	श्री बटुकनाथ सं.म.वि.शंकुधरा, वाराणसी
3.	164730	दुर्गा श्रीवात्सवा	दर्शन	रा.सं.सं., राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
4.	13833	रोजालिन महारणा	सर्वदर्शन	रा.सं.सं., श्री सदाशिव परिसर, पुरी
5.	25575	कु. वेदान्ती सिंह	नव्यव्याकरणम्	रा.सं.सं., जयपुर परिसर, जयपुर
6.	25961	प्रियंका दास	साहित्याचार्य	कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श सं.महावि.
7.	25696	रेनू जायसवाल	सिद्धान्तज्यौतिषाचार्य	रा.सं.सं., लखनऊ परिसर, लखनऊ
8.	25687	अंकित कुमार मिश्र	फलितज्यौतिषाचार्य	रा.सं.सं., लखनऊ परिसर, लखनऊ
9.	25438	चन्दन कुमार नायक	सर्वदर्शनाचार्य	रा.सं.सं., श्री सदाशिव परिसर, पुरी
10.	25322	इतुस्मिता बिधार	धर्मशास्त्राचार्य	रा.सं.सं., श्री सदाशिव परिसर, पुरी

11.	25387	मधुस्मिता साहु	पुराणेतिहासाचार्य	रा.सं.सं., श्री सदाशिव परिसर, पुरी
12.	25001	अरुण शर्मा	वेदाचार्य	रा.सं.सं., श्री रणवीर परिसर, जम्मू
13.	25190	कंकचिंताबम ब्रजेश्वर शर्मा	पौरोहित्याचार्य	राधा माधव संस्कृत महाविद्यालय, मणिपुर
14.	25235	सर्वेश जैन	जैनदर्शनाचार्य	रा.सं.सं., भोपाल परिसर, भोपाल
15.	25675	राजेश कुमार	बौद्धदर्शनाचार्य	रा.सं.सं., लखनऊ परिसर, लखनऊ
16.	25350	रोजालिनि मिश्र	सांख्ययोगाचार्य	रा.सं.सं., श्री सदाशिव परिसर, पुरी
17.	25142	वाणी मञ्जुनाथ हेगडे	नव्यन्यायाचार्य	रा.सं.सं., राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी
18.	25116	पद्मनाभ अडिग टि.	मीमांसाचार्य	रा.सं.सं., राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी
19.	25359	झिलिमणि राउतराय	अद्वैतवेदान्ताचार्य	रा.सं.सं., श्री सदाशिव परिसर, पुरी
20.	166128	अजय कुमार तिवारी	रामानंदवेदांताचार्य	श्री रघुवर रा.वे.म., श्री कौशलेन्द्रमठ, पालडी, गुजरात
21.	17193	गणेश साहु	रामानंदवेदांताचार्य	रा.सं.सं., श्री सदाशिव परिसर, पुरी
22.	845	उषा शर्मा	रामानंदवेदांताचार्य	रा.सं.सं., भोपाल परिसर, भोपाल
23.	853	श्याम बिहारी पाण्डेय	रामानंदवेदांताचार्य	रा.सं.सं., भोपाल परिसर, भोपाल

4.1.6 पुस्तकालय

बारह परिसरों के समृद्ध पुस्तकालयों के अतिरिक्त संस्थान मुख्यालय में भी शैक्षणिक कार्यकलापों और आगन्तुक विद्वानों की सुविधा हेतु 27,263 से भी अधिक संस्कृत ग्रन्थों से युक्त पुस्तकालय है। संस्थान के अधीन सभी पुस्तकालयों की नेटवर्किंग आरम्भ की गई है। अब तक 5000 के लगभग प्रविष्टियाँ वर्तमान वर्ष में की जा चुकी हैं।

संस्थान के पुस्तकालय हेतु इस वर्ष प्राप्त ग्रन्थों पर हुए व्यय का विवरण निम्नलिखित है–

1. उपहार स्वरूप में प्राप्त ग्रन्थों का मूल्य	रूपये 2,53,279/-

4.1.7 विक्रय इकाई

संस्थान के मुख्यालय में विद्यमान विक्रय इकाई राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रकाशनों को सर्वजनसाधारण तक पहुँचाने के लिए निर्गमद्वार के रूप में कार्य करती है। यह इकाई अधोलिखित क्रियाकलापों को सञ्चालित करती है –

- संस्थान के प्रकाशनों के विक्रयण हेतु मुख्यालय के विक्रय-केन्द्र का सञ्चालन
- विभिन्न परिसरों के मान्यताप्राप्त विक्रय-केन्द्रों को विक्रय हेतु पुस्तकों/प्रकाशनों को वितरित करना।
- सम्पूर्ण देश में विविध संगठनों द्वारा आयोजित पुस्तक मेलों के दौरान संस्कृत ग्रन्थों के प्रचार एवं विक्रय को बढ़ाने के लिए संस्थान का प्रतिनिधित्व करना।

मुख्यालय में विक्रय इकाई द्वारा प्रकाशनों के विक्रय से प्राप्त राशि का विवरण अधोलिखित हैं –

1. मंत्रालय पुस्तकें (पुनर्मुद्रित)	रूपये	2,88,125.00
2. संस्थान के प्रकाशन	रूपये	33,13,175.00
3. ज्ञान दर्शन डी.वी.डी./सान्द्रमुद्रिकाएँ	रूपये	18,722.00
कुल योग	**रूपये**	**36,20,022.00**

4.1.8 योजना अनुभाग

यह अनुभाग संस्कृत भाषा और साहित्य के संवर्धन तथा प्रचार हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा अन्तरित निम्नलिखित योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है:–

योजना

योजना-I
संस्कृत शिक्षण हेतु वित्तीय सहायता
(क) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/महाविद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु
(ख) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/महाविद्यालयों के आधुनिक विषयों के शिक्षकों के वेतन हेतु
(ग) राज्य सरकार के माध्यमिक/उच्चमाध्यमिक विद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु

योजना-II
असहाय परिस्थितियों में विद्यमान प्रसिद्ध संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि

योजना-III
संस्कृत के प्रोन्नयन सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रमों/गतिविधियों और शोध परियोजनाओं पर स्वैच्छिक संगठनों/संस्थाओं को वित्तीय सहायता।

योजना-IV
प्रकाशन, दुर्लभ संस्कृत ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण तथा संस्कृत ग्रन्थों का थोक क्रय

योजना-V
साहित्यिक संस्कृत विद्वानों (शास्त्रचूड़ामणि) को सेवानिवृत्ति के पश्चात् सेवाओं के उपभोग हेतु वित्तीय सहायता।

योजना-VI **(व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना)**
पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं, संस्थाओं, पंजीकृत शैक्षिक संगठनों के छात्रों को "प्रायोगिक प्रशिक्षण", व्यावसायिक प्रशिक्षण हेतु वित्तीय सहायता

योजना-VII
संस्कृत शिक्षण के स्तरवर्धन के लिए विश्वविद्यालयों/मानित विश्वविद्यालयों/सी.बी.एस.ई./एन.सी.ई.आर.टी./एस.सी.ई.आर.टी को वित्तीय सहायता।

योजना-VIII
संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों/विद्यालयों के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करना।

योजना-IX
अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

I. संस्कृत शिक्षण के लिए वित्तीय सहायता

(क) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/महाविद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संगठनों को उनके संस्कृत अध्यापकों को वेतन, छात्रों को छात्रवृत्ति, पुस्तकालय अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी जाती है।

इस योजना के अन्तर्गत वर्ष में संस्थान द्वारा रुपये 734.07 लाख की राशि व्यय की गई। वर्ष के दौरान 457 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(ख) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आधुनिक विषयों के शिक्षकों के वेतन हेतु वित्तीय सहायता

संस्कृत संवर्धन की इस योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में शिक्षकों हेतु आधुनिक विषयों के लिए प्रतिमास रु. 6000/- प्रति विषय के हिसाब से वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। योजनानुसार प्रत्येक संस्था में वित्तीय सहायता को आधुनिक विषयों में तीन शिक्षकों तक सीमित किया गया है।

संस्थान द्वारा वर्ष 2016-17 में इस योजना के अन्तर्गत रु. 136.75 लाख व्यय किए गए। 109 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(ग) विभिन्न राज्यों के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु वित्तीय सहायता

संस्कृत संवर्धन योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान विभिन्न राज्यों में सरकारी विद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। यह सहायता एक संस्कृत शिक्षक के वेतन हेतु प्रदान की जाती है। वर्ष 2016-17 में कुल 47 सरकारी विद्यालय लाभग्राही थे और इस योजना के अधीन रु. 31.95 लाख की राशि का उपयोग किया गया।

II. असहाय परिस्थितियों में विद्यमान प्रसिद्ध संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि

इस योजना के अन्तर्गत, 55 वर्ष की आयु-सीमा से अधिक आयु वाले प्रसिद्ध उन योग्य विद्वानों को सम्मानराशि दी जाती है, जिन्होंने संस्कृत के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया है, लेकिन कोई स्थायी आय-स्रोत नहीं है ऐसे सुझाव राज्य सरकारों से सीधे प्राप्त होते हैं अथवा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के माध्यम से पहुँचते हैं। प्रत्येक चयनित विद्वान् को रुपये 24000/- प्रतिवर्ष, अन्य आय की कटौती बिना दिये जाते हैं। इस उद्देश्य हेतु केवल उन्हीं पण्डितों पर विचार किया जाता है जिसकी आय रुपये 24000/- प्रतिवर्ष से कम है।

III. संस्कृत के स्तरोन्नयन के विभिन्न कार्यक्रमों/गतिविधियों और शोध परियोजनाओं पर स्वैच्छिक संगठनों, संस्कृत विश्वविद्यालयों/संस्थाओं को वित्तीय सहायता

एवं

VII. संस्कृत शिक्षण के स्तरवर्द्धन के लिए विश्वविद्यालयों/ समविश्वविद्यालयों/सी.बी.एस.ई./एन.सी.ई.आर.टी./एस्.सी.ई.आर.टी. इत्यादि को वित्तीय सहायता।

गैर सरकारी संगठन/मानित संस्कृत विश्वविद्यालयों/ विश्वविद्यालयों/संस्थाओं द्वारा संस्कृत के विकास एवं प्रचार हेतु आरम्भ की गई विविध परियोजनाओं व कार्यक्रमों से सम्बन्धित शत-प्रतिशत व्यय का वहन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा किया जाता है। वर्ष 2016-17 में संस्थान ने विभिन्न परियोजनाओं हेतु रु. 4.76 लाख व्यय किए।

IV. प्रकाशन, दुर्लभ संस्कृत ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण तथा संस्कृत ग्रन्थों का थोक क्रय

वर्ष 2016-17 में संस्थान की अनुदान समिति की बैठक दिनांक 10.08.2016 तथा 21.03.2017 को हुई जिसमें विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कई महत्त्वपूर्ण प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इन योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु रु. 53.02 लाख रुपये जारी किए गए, जिनसे कि योजनाओं पर व्यय पूरा किया जा सके।

संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना के अन्तर्गत संस्थान की वित्तीय सहायता से विभिन्न विद्वानों ने 15 ग्रन्थों का सम्पादन एवं प्रकाशन किया तथा 30 अन्य ग्रन्थों के प्रस्तावों को प्रकाशन अनुदान हेतु स्वीकृति प्रदान की गई जिसका विवरण **संलग्नक 'ञ'** एवं **'ट'** में द्रष्टव्य है। इसके अतिरिक्त 29 संस्कृत पत्रिकाओं को भी वार्षिक प्रकाशन अनुदान प्रदान किया गया।

इस वर्ष का ग्रन्थ क्रय योजना से संबंधित विवरण निम्नलिखित है-

आवेदकों की संख्या	145
प्रस्तुत किए गए शीर्षकों की संख्या	468
कुल क्रय किए गए शीर्षकों की संख्या	322

V. शास्त्रचूड़ामणि योजना

इस योजना के अन्तर्गत आदर्श पाठशालाओं और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

इस योजना को आरम्भ करने का उद्देश्य यह है कि परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षा प्रदान करने वाले केन्द्रों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों के गहन अध्ययन को संरक्षित किया जा सके। योजना के अनुसार परम्परागत-संस्कृत विद्वानों की नियुक्ति विभिन्न संस्थाओं में की जाती है। प्रत्येक विद्वान् को रुपये 6000/- प्रति माह दो वर्ष की अवधि हेतु दिए जाते हैं। अनुदान समिति की संस्तुति पर एक वर्ष हेतु इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

वर्तमान में नियुक्त विद्वानों के अतिरिक्त 27 अन्य शास्त्रचूडामणि विद्वानों का चयन वर्ष 2016-17 में किया गया। इस योजना के अन्तर्गत रु. 43.82 लाख व्यय किये गये।

VI. व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संस्थाओं को उनके ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पुरालिपि-शास्त्र, सूची-निर्माण, पाण्डुलिपि विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि विद्या विशेषों में कार्यशालाओं के आयोजन तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण के संचालन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2016-17 में रु. 3.92 लाख व्यय किए गए।

VIII. छात्रवृत्तियाँ

यह योजना छात्रवृत्ति अनुभाग द्वारा सञ्चालित है, इससे सम्बद्ध विवरण 4.1.2 व 3 में दर्शाया गया है।

IX. अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

'अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा' नाम से विभिन्न शास्त्रीय स्पर्धाओं का आयोजन किया जाता है। 2016-17 के दौरान कार्यक्रम का विवरण वार्षिक प्रतिवेदन के 4.1.10 भाग में दिया गया है।

4.1.9 छात्रवृत्ति अनुभाग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान तीन प्रकार की छात्रवृत्तियाँ आवंटित करता है -

1. आंतरिक छात्रवृत्ति, जो कि संस्थान के अपने परिसरों में पारम्परिक रूप से संस्कृत का अध्ययन करने वाले नियमित छात्रों को प्रदान की जाती है।

2. प्रतिभाधारित छात्रवृत्ति जो कि नवमी कक्षा से Ph.D. तक के आधुनिक पद्धति से पढ़ने वाले संस्कृत छात्रों को अखिल भारतीय स्तर पर प्रदान की जाती है।

3. प्रतिभाधारित छात्रवृत्ति जो कि पारंपरिक संस्कृत संस्थाओं में पूर्वमध्यमा से विद्यावारिधि तक अथवा तत्समकक्ष कक्षाओं में पढ़ रहे छात्रों को दी जाती है।

पूर्वोक्त 1, 2, 3 प्रकार की छात्रवृत्तियों में प्रकार '1' की छात्रवृत्ति (परिसरीय छात्रों को दी जाने वाली आन्तरिक छात्रवृत्ति) अर्हों को संस्थान के परिसरों के द्वारा साक्षात् दी जाती है। प्रकार '2' और '3' की छात्रवृत्तियाँ भारत सरकार के 'संस्कृत शिक्षा का विकास' योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाती है। योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियों का आवंटन संस्थान मुख्यालय के छात्रवृत्ति विभाग द्वारा क्रियान्वित होता है।

आन्तरिक (प्रकार-1) छात्रवृत्तियाँ

प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षा-शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों हेतु परिवर्धित छात्रवृत्ति की दर क्रम से 600/- रुपये, 800/- रुपये, 800/- रुपये तथा 1000/- रुपये प्रतिमास है। विद्यावारिधि उपाधि के प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील शोध में जुटे शोध-छात्रों को 8000/- रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है, साथ ही दो वर्षों के लिए 8000/- रुपये वार्षिक सांयोगिक धनराशि भी दी जाती है। यह सांयोगिक धनराशि की दर दिनांक 18.02.2016 से लागू है।

निम्नलिखित तालिका वर्ष 2016-17 में छात्रों को दी गई छात्रवृत्तियों का विवरण दर्शाती है :-

		कक्षा									
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री	आचार्य		शिक्षा आचार्य	विद्या-वारिधि
क्रम.सं.	परिसर	I	II	I	II	III	-	I	II		
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–		09
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	36	36	72	72	72	60	161	162	41	40
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	31	28	36	27	26	62	25	26	–	15
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	31	25	36	36	36	30	37	29	–	13
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	30	19	72	66	72	59	65	66	24	11
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	23	18	49	42	50	48	52	37	–	13
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	36	36	36	36	36	60	44	45	–	16
8.	वेदव्यास परिसर, बलाहर	19	23	72	66	53	58	57	37	–	18
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	36	36	36	36	36	60	36	33	29	43
10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर, मुम्बई	01	04	06	03	06	30	09	04	–	05
11.	दिल्ली परिसर, नई दिल्ली	–	–	–	–	–	–	–	–	–	16
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	07	04	19	09	06	30	15	27	–	04
13.	श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसर, देवप्रयाग	10	–	21	–	–	–	04	01	–	–
	योग	**260**	**229**	**455**	**393**	**393**	**497**	**505**	**467**	**94**	**203**
								कुल योग - 3496			

छात्रवृत्ति प्रदान किये गए छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ावर्ग के छात्रों की कक्षावार संख्या निम्नलिखित है–

कक्षा	योग	पुरुष	स्त्री	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग
प्राक् शास्त्री-I	260	174	86	11	08	77
प्राक् शास्त्री-II	229	130	99	11	11	52
शास्त्री-I	455	283	172	45	21	89
शास्त्री-II	393	229	164	75	13	69
शास्त्री-III	393	236	157	33	15	92
शिक्षा शास्त्री	497	268	229	70	28	141
आचार्य-I	505	242	263	34	13	98
आचार्य-II	467	298	169	27	19	88
शिक्षा आचार्य	94	57	37	06	02	25
विद्यावारिधि	203	119	84	14	02	33
कुल योग	3496	2036	1460	326	132	764

योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियाँ

(प्रकार 2 व 3) पाठ्यक्रम/स्तर	**राशि**
* 9वीं एवं 10वी तथा समकक्ष	रु. 250/- प्रतिमाह (10 माह)
* 11वीं एवं 12वी तथा समकक्ष	रु. 300/- प्रतिमाह (10 माह)
* बी.ए./बी.ए. (आनर्स) तथा समकक्ष	रु. 400/- प्रतिमाह (10 माह)
* एम.ए. (संस्कृत)/पालि/प्राकृत तथा समकक्ष	रु. 500/- प्रतिमाह (10 माह)
पी-एच.डी. तथा संस्कृत/पालि/ प्राकृत समकक्ष	रु. 1500/- प्रतिमाह रु. 2000/-प्रतिवर्ष सांयोगिक अनुदान। (12 माह)

योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियों की संख्या :

योजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों की संख्या का निश्चय भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई धनराशि के आधार पर अधिकाधिक प्रतिशतता वाले छात्रों की कट-ऑफ लिस्ट के अनुसार किया जाता है। इस संदर्भ में भारत सरकार की आरक्षण नीति का भी पालन किया जाता है।

वर्ष-2016-17 के लिए छात्रवृत्ति हेतु 72963 आवेदन पत्र इस योजना के अन्तर्गत संस्थान को प्राप्त हुए है जिनमें से 11665 आवेदनों को निर्धारित मानदण्ड के अनुसार आधुनिक तथा परम्परागत धारा के संस्थाओं/ महाविद्यालय/ विद्यालयों में नवमी कक्षा से पी-एच.डी. तक के छात्रों को छात्रवृत्ति के लिए चुना गया। प्रदत्त छात्रवृत्ति का विवरण निम्न प्रकार से है :

आधुनिक वर्ग

कक्षा	कुल छात्र संख्या					छात्र संख्या+ छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
	सामान्य	अनु.जाति	अनु.जन.जाति	पिछड़ा वर्ग	विकलांग		
9वीं	882	66	27	210	0	1185x2500	रु.29,62,500
10वीं	861	65	30	235	1	1192x2500	रु.29,80,000
11वीं	851	48	14	300	2	1215x3000	रु.36,45,000
12वीं	1532	113	44	1074	2	2765x3000	रु.82,95,000
बी.ए.-प्रथम	276	36	6	155	0	473x4000	रु.18,92,000
बी.ए.-द्वितीय	66	8	1	20	0	95x4000	रु.03,80,000
बी.ए.-तृतीय	44	8	5	19	0	76x4000	रु.03,04,000
एम.ए.-प्रथम	63	9	2	35	0	109x5000	रु.05,45,000
एम.ए.-द्वितीय	47	5	0	13	0	65x5000	रु.03,25,000
पी.एच.डी.	10	0	0	11	0	21x20000	रु.04,20,000
कुल	**4632**	**358**	**129**	**2072**	**5**	**7196**	**2,17,48,500**

आधुनिक वर्ग (पूर्वोत्तर)

कक्षा	कुल छात्र संख्या					छात्र संख्या+ छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
	सामान्य	अनु.जाति	अनु.जन.जाति	पिछड़ा वर्ग	विकलांग		
9वीं	33	06	07	07	00	53x2500	रु. 1,32,500
10वीं	34	05	07	04	00	50x2500	रु. 1,25,000
11वीं	256	18	05	43	00	322x3000	रु. 9,66,000
12वीं	12	00	00	02	00	14x3000	रु. 42,000
बी.ए.-प्रथम	62	04	02	24	00	92x4000	रु. 3,68,000
बी.ए.-द्वितीय	25	01	00	06	00	32x4000	रु. 1,28,000
बी.ए.-तृतीय	12	05	00	01	00	18x4000	रु. 72,000
एम.ए.-प्रथम	40	03	03	17	00	63x5000	रु. 3,15,000
एम.ए.-द्वितीय	14	01	00	05	00	20x5000	रु. 1,00,000
पी.एच.डी.	01	00	00	00	00	01x20000	रु. 20,000
कुल	**489**	**43**	**24**	**109**	**00**	**665**	**22,68,500**

परम्परागत वर्ग

कक्षा	कुल छात्र संख्या					छात्र संख्या+ छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	पिछड़ा वर्ग	विकलांग		
पूर्व मध्यमा–प्रथम/9वीं	99	27	04	74	00	204x2500	05,10,000
पूर्व मध्यमा–द्वितीय 10वीं	180	17	01	48	01	247x2500	06,17,500
उत्तरमध्यमा प्रथम/प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष/11वीं	176	22	02	83	00	283x3000	08,49,000
उत्तरमध्यमा द्वितीय/प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष/12वीं	110	34	07	88	00	239x3000	07,17,000
शास्त्री प्रथम	324	77	13	171	04	589x4000	23,56,000
शास्त्री द्वितीय	359	156	18	161	00	694x4000	27,76,000
शास्त्री तृतीय	478	79	30	195	03	785x4000	31,40,000
आचार्य प्रथम	166	41	16	76	00	299x5000	14,95,000
आचार्य द्वितीय	229	33	04	127	03	396x5000	19,80,000
विद्यावारिधि	14	00	00	00	00	14x20000	2,80,000
कुल	**2135**	**486**	**95**	**1023**	**11**	**3750**	**1,47,20,500**

पूर्वोत्तर (परम्परागत वर्ग)

कक्षा	कुल छात्र संख्या					छात्र संख्या+ छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	पिछड़ा वर्ग	विकलांग		
पूर्व मध्यमा–प्रथम/9वीं	00	00	00	00	00	00x2500	--
पूर्व मध्यमा–द्वितीय 10वीं	00	00	00	01	00	01x2500	2,500
उत्तरमध्यमा प्रथम/प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष/11वीं	05	00	00	02	00	07x3000	21,000
उत्तरमध्यमा द्वितीय/प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष/12वीं	03	00	00	03	00	06x3000	18,000
शास्त्री प्रथम	02	00	00	00	00	02x4000	8,000
शास्त्री द्वितीय	12	02	00	03	00	17x4000	68,000
शास्त्री तृतीय	05	00	01	00	00	06x4000	24,000
आचार्य प्रथम	05	00	00	01	00	06x5000	30,000
आचार्य द्वितीय	09	00	00	00	00	09x5000	45,000
विद्यावारिधि	00	00	00	00	00	00x20000	--
कुल	**41**	**02**	**01**	**10**	**00**	**54**	**2,16,500**

सब योग

वर्ग	कुल छात्र संख्या						
	सामान्य	अनु.जाति	अनु.जन. जाति	पिछड़ा वर्ग	विकलांग	कुल	कुल राशि
आधुनिक	4632	358	129	2072	05	7196	2,17,48,500
परम्परागत	2135	486	95	1023	11	3750	1,47,20,500
पूर्वोत्तर (परम्परागत+आधुनिक)	530	45	25	119	00	719	24,85,000
कुल योग	**7297**	**889**	**249**	**3214**	**16**	**11665**	**3,89,54,000**

4.1.10 55वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

संस्कृत विश्वविद्यालयों, पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं एवं गुरुकुलों में अध्ययनरत प्रतिभान्वित छात्रों के उत्साहवर्धन के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रिय स्तर पर भागग्रहण के लिए अर्ह स्पर्धियों के चयन हेतु राज्य स्तर पर भी शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं।

वर्ष 2016-17 में राज्यस्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ निम्न राज्यों एवं स्थानों में आयोजित की गईं।

1.	जम्मू और कश्मीर	:	रणवीर परिसर, जम्मू
2.	हिमाचल प्रदेश	:	वेद व्यास परिसर, बलाहर
3.	दिल्ली	:	श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ, नई दिल्ली
4.	उत्तराखण्ड	:	श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिद्वार
5.	ओडिशा	:	सदाशिव परिसर, पुरी
6.	बिहार और झारखण्ड	:	दरभङ्गा सं.वि.वि. बिहार
7.	पश्चिम बंगाल	:	सीताराम आदर्श संस्कृत महा-विद्यालय, कोलकाता
8.	राजस्थान	:	जयपुर परिसर, जयपुर
9.	उत्तर-प्रदेश	:	लखनऊ परिसर, जयपुर
10.	मध्यप्रदेश/छत्तीसगढ़	:	भोपाल परिसर, भोपाल
11.	गुजरात	:	दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, अहमदाबाद
12.	महाराष्ट्र, गोवा	:	के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई
13.	आन्ध्र प्रदेश	:	रा.सं. विद्यापीठ, तिरुपति
14.	तमिलनाडु एवं पाण्डिचेरी	:	मद्रास आदर्श सं महाविद्यालय, चेन्नई
15.	केरल	:	गुरुवायूर परिसर, केरल
16.	कर्णाटक	:	कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय स्तर की 55वीं अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन 28.12.2016 से 31.12.2016 तक अगरतला, त्रिपुरा राज्य में स्थित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के एकलव्य परिसर में किया गया। राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में चयनित 320 छात्रों ने 27 विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे - 8 विभिन्न शास्त्रीय विषयों पर भाषणस्पर्धा, 7 परम्परागत शास्त्रीय ग्रन्थों से सम्बन्धित विषयों पर विभिन्न शलाका परीक्षा, धातुरूप, काव्यपाठ, अमरकोश एवं अष्टाध्यायी पर 4 कंठपाठ प्रतियागिताएँ, शास्त्रार्थ-विचार, समस्यापूर्ति, अन्त्याक्षरी एवं तीन वेदों पर पदपाठ परीक्षाओं में भाग लिया।

इन प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप में देश के विभिन्न राज्यों से 55 तत्तद् विषय के मूर्धन्य विद्वान् निमंत्रित थे।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक सहित रु. 10000/-, 7000/-, 5000/- से पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त शलाका परीक्षा में 80 प्रतिशत और अधिक एवं प्रथम श्रेणी 65 प्रतिशत सहित प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को विशेष पुरस्कार क्रमशः रु. 2000/- एवं रु. 1500/- प्रदान किये गये। कर्णाटक राज्य ने सभी प्रदर्शनों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर विजयवैजयन्ती प्राप्त की। उपस्थित विद्वद्गण, निर्णायक एवं दर्शकों ने स्पर्धालुओं की प्रस्तुतियों की प्रशंसा की है।

दिनांक 28.12.2016 को चैन्नेस्थ मद्रास संस्कृत महाविद्यालय के भूतपूर्व प्राचार्य कृष्णमूर्ति शास्त्री जी ने कार्यक्रम का समुद्घाटन किया। विशिष्टातिथि रूप में अगरतला में स्थित इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. ए. रंगनाथ जी उपस्थित थे। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, एकलव्य परिसर के प्राचार्य प्रो. सर्वनारायण झा ने सत्र की अध्यक्षता की।

इस आयोजन का संपूर्ति समारोह दिनांक 31.12.2016 को अपराह्न में सम्पन्न हुआ। जिसमें अगरतला में स्थित रामकृष्ण मिशन संस्था के स्वामी प्राणेश्वरानन्द विशिष्टातिथि के रूप में समुपस्थित थे। संस्थान के कुलपति प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री ने सम्पूर्ति सत्र की अध्यक्षता की।

4.1.11 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

योजना का नाम

मान्यता प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थानों को वित्तीय सहायता

परिचय

मान्यता–प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श शोध संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान कर भारत सरकार द्वारा वर्ष 1978 में इन्हें प्रारम्भ किया गया है। भारत सरकार द्वारा पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्कृत संस्थाओं के विकास हेतु इनका समर्थन किया गया। आदर्श योजना नियमावली द्वारा 1993 में पूर्व आदर्श योजना नियमावली को संशोधित करते हुए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा के पत्रांक फा. 30–19/88–संस्कृत–I दिनांक 7 जुलाई 1993 के माध्यम से आदर्श योजना नियमावली बनाई गयी, बाद में संशोधित योजना को मंत्रालय के पत्रांक फा.–83/94–संस्कृत–I दिनांक 16 जून 1995 के माध्यम से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली को कार्यान्वयन हेतु भेजा गया। आदर्श योजना नियमावली 1993 को वर्ष 2012 में मंत्रालय के पत्रांक एफ. एन. 31–4/2009–संस्कृत–I दिनांक 29 जून, 2012 द्वारा संशोधित किया गया।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जो परिवर्तन आये, विशेषतया संस्कृत शिक्षा में छठे वेतन आयोग को लागू करने तथा ग्रेड पे एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियमों के द्वारा उच्च शिक्षा में मानकों के रखरखाव हेतु जारी किये गये नियमों के फलस्वरूप यह जरुरी हो जाता है कि सभी मान्यता प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों को पारम्परिक शिक्षा के बढ़ावा हेतु एवं शोध को प्रभावशाली बनाने हेतु तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए।

संशोधित योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में 26 संस्थाएँ भारत सरकार की वित्तीय सहायता से संस्थान के अधीन चल रही हैं, जिनमें 22 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय एवं 4 आदर्श शोध संस्थान (एक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय जो कि श्रीमती लाड देवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, भीलवाड़ा, राजस्थान को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु मार्च, 2015 में आदर्श संस्कृत महाविद्यालय के रूप में मान्यता प्रदान की गई)। इस योजना के लिए वित्त का बड़ा भाग संस्थान द्वारा जारी किया जाता है। इस योजना के अन्तर्गत मान्यता–प्राप्त संस्थाओं को व्यय हेतु आवर्ती मद में कुल राशि का 95 प्रतिशत तथा अनावर्ती मद में व्यय हेतु कुल राशि का 75 प्रतिशत अनुदान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा दिया जाता है।

लक्ष्य

परम्परागत संस्कृत शिक्षा तथा शोध कार्य को बढ़ावा देते हुए शास्त्री, आचार्य, विद्यावारिधि की कक्षाओं में ज्यादा सुविधाएँ उपलब्ध कराते हुए संस्कृत शिक्षा का समग्र विकास करना एवं अनुसंधान आधारित प्रकाशन एवं शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन करना।

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श शोध संस्थानों को वित्तीय वर्ष 2016–17 में निर्गत किये गये अनुदान का विवरण–

क्र.सं.	राज्य का नाम	कुल आदर्श महाविद्यालयों/ शोध संस्थाओं की राज्यवार संख्या	वित्तीय वर्ष 2016–17 में निर्गत राशि का विवरण
1.	आन्ध्र प्रदेश	01	72,18,678.00
2.	बिहार	05	8,77,61,274.00
3.	हरियाणा	02	2,72,74,691.00
4.	हिमाचल प्रदेश	02	3,67,98,654.00

5.	झारखण्ड	01	1,01,54,290.00
6.	कर्नाटक	01	1,00,89,091.00
7.	केरल	02	1,93,88,316.00
8.	महाराष्ट्र	02	1,44,23,114.00
9.	मणिपुर	01	73,20,806.00
10.	तमिलनाडु	02	2,48,33,657.00
11.	उत्तराखण्ड	01	1,04,44,807.00
12.	उत्तर प्रदेश	03	4,04,39,666.00
13.	पश्चिम बंगाल	02	4,24,29,677.00
14.	राजस्थान	01	--
कुल निर्गत अनुदान राशि		**26**	**33,85,76,721.00**

4.1.12 परियोजनाएँ

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने वर्ष 2003 से कुछ परियोजनायें प्रारम्भ की हैं। निम्नलिखित उन सम्पन्न/प्रवर्तमान योजनाओं का विवरण दिया जा रहा है।

1. भाषा मन्दाकिनी (दूरदर्शन प्रसारण)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सितम्बर, 2003 से संस्कृत कार्यक्रमों का प्रसारण इग्नू के ज्ञान दर्शन चैनल के द्वारा प्रतिदिन एवं सप्ताह में तीन दिन क्रमशः डी.डी. भारती और डी.डी. इण्डिया से कराता है। प्रारम्भ से अभी तक तीस मिनट के 730 कथानक इग्नू से प्रसारित हो चुके हैं। इसका अग्रिम कार्य अभी प्रगति पर है।

2. संस्कृत साहित्य का राष्ट्रिय ई-डाटा बैंक (ई-टैक्स्ट्)

परियोजना का उद्देश्य संस्कृत में ई-लर्निंग विकसित करना एवं ई-संस्कृत संग्रह को इलैक्ट्रानिक्स टैक्स्टों एवं इन्टरनेट के माध्यम से जन सामान्य को उपलब्ध कराना है। संस्थान के विभिन्न परिसरों के शिक्षकों को उनकी विशेषज्ञता एवं अध्ययन के क्षेत्र के आधार पर ग्रंथ आबंटित किये गये हैं। ग्रंथों को टंकित करने एवं कम्प्यूटर पर फाईल तैयार करने के लिए डाटा एन्ट्री आपरेटरों की नियुक्ति की गयी है। 117 ग्रन्थ वेबसाईट पर डाल दिये गये हैं।

3. श्रव्य/दृश्य माध्यमों के द्वारा संस्कृत शिक्षण (मल्टी मीडिया परियोजना)

इस परियोजना में, डीवीडी एलबम तैयार किये जा चुके है। संस्कृत भाषा शिक्षण, वैदिक गणित, संक्षेप रामायणम्, नाट्यविंशतिका, कथादशकम्, प्रथमा दीक्षा वी.सी.डी. तदेव गगनं सैव धरा, कविभास्करी, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, शब्दकल्पद्रुम एवं भासनाटकचक्रम् विक्रय हेतु उपलब्ध हैं। इस परियोजना को विकसित करते हुए संस्कृत भाषा शिक्षण की 120 व्याख्यानों की वीडियो संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है। जिसको निःशुल्क डाउनलोड कर अध्ययन कर सकते हैं।

4. एम.पी.-3 ऑडियो

प्रो. के.ई. देवनाथन, तिरुपति द्वारा रिकार्डिड 'तत्त्वचिन्तामणि' तथा श्री वेदमूर्ति प्रभाकरशास्त्री बापट एवं श्री पुण्डलिक

कृष्ण भागवत के द्वारा तैयार की गई 'राणायणीयं सामगानम्' एम.पी-3 ऑडियो विक्रय हेतु उपलब्ध है।

5. ई-ग्रन्थालय

ई-ग्रन्थालय साफ्टवेयर के द्वारा संस्थान एवं सभी परिसरों के पुस्तकालयों को नेटवर्किंग के माध्यम से निकट भविष्य में जोड़ा जा रहा है। प्रथम स्तर पर 3,05,567 प्रविष्टियां की जा चुकी हैं।

6. मानस साफ्टवेयर

मानस साफ्टवेयर के द्वारा इलाहाबाद परिसर में स्थित संस्कृत पाण्डुलिपियों का डाटा बैंक तैयार किया जा रहा है।

7. हू इज हू (Who is Who)

संस्थान के द्वारा संस्कृत के विद्वानों का डाटा बैंक पुस्तक के रूप में और साफ्टवेयर के रूप में तैयार किया गया है। पुस्तक के रूप में 'संस्कृतविद्वत्परिचायिका' नाम से संस्कृत विद्वानों की एक पंजिका 15 वें विश्व संस्कृत सम्मेलन के अवसर पर जनवरी 2012 में प्रकाशित हो चुकी है और अन्तर्जाल में स्थापित भी की जा चुकी है।

8. संस्कृत शब्दकोश

अन्तर्भाषीय अध्ययन भाषाओं के प्रोत्साहन व संरक्षण के लिये एक उपयुक्त मार्ग उपलब्ध करा सकता है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने 'बोलियों व उप-बोलियों सहित संस्कृत एवं अन्य भारतीय भाषाओं का शब्दकोश' की एक परियोजना प्रारम्भ की है। यह परियोजना 2009 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन वित्तीय सहायता के साथ शुरू की गयी है। यह परियोजना विविध भारतीय बोलियों व उप-बोलियों में समान पारिभाषिक शब्दों के अध्ययन के माध्यम से पारम्परिक ज्ञान एवं भाषाई दक्षता के संरक्षण एवं सुरक्षा में योगदान देगी। निम्नलिखित शब्दकोशों का विवरण इस प्रकार है-

(i) भोपाल परिसर, भोपाल में 'बुन्देली-संस्कृत-शब्दकोश' एवं 'मालवी-संस्कृत-शब्दकोश' तैयार किये जा रहे हैं। **'बुन्देली-संस्कृत-शब्दकोश'** में बुन्देली के 14000 शब्दों के संकलन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा स्वर, कवर्ग, च, छ, ज वर्णों से प्रारम्भ होने वाले बुन्देली शब्दों के बुन्देली से संस्कृत शब्दार्थ का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष शब्दों का संकलन कार्य पूर्ण हो चुका है। **'मालवी- संस्कृत-शब्दकोश'** में मालवी के 15000 शब्दों के संकलन एवं टंकण का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा स्वर, कवर्ग, चवर्ग के मालवी शब्दों का संस्कृत रूपान्तर का कार्य पूर्ण हो चुका है।

(ii) संस्कृत साहित्य परिषद्, कोलकाता में चल रहे **'पूर्व एवं पूर्वोत्तर राज्य की बोलियाँ एवं उपबोलियाँ'** परियोजना के अन्तर्गत उड़िया एवं बांग्ला भाषाओं के कुल 11487 शब्दों का चयन किया गया है।

(iii) संस्थान मुख्यालय में **'संस्कृत-फारसी-उर्दू-हिन्दी-शब्दकोश'** तैयार किया जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत स्वरों पर आधारित प्रथम भाग प्रकाशित हो चुका है तथा व्यञ्जनों में 'क' से 'ध' तक का कार्य किया जा चुका है। शेष पर कार्य जारी है।

9. सांख्ययोग/पातञ्जल योग दर्शन

इस परियोजना में पातञ्जल योगदर्शन के नवीन संस्करण को तैयार किया जा रहा है जिसमें समृद्ध अलंकारपूर्ण पारिभाषिक शब्दों एवं बारह पौराणिक टीकाओं का समावेश है। यह प्राच्य संस्कृत पाठ्यपुस्तकों के संरक्षण में सहायक होगी। इस योजना में प्रथम चरण का कार्य सम्पन्न हो चुका है, जिसमें प्रथम पाद के 51 सूत्रों पर 11 टीकाओं एवं उनमें उपलब्ध पारिभाषिक शब्दों को संयोजित किया गया है। परिशिष्टात्मक भाग में योग सूत्र के पाठभेद एवं उद्धृत श्लोकों को अकारादिक्रम से संयोजित कर प्रथम खण्ड को प्रकाशन हेतु शोध एवं प्रकाशन विभाग को दिया गया है। पातञ्जलयोगसूत्र की 7 एवं सांख्यप्रवचनभाष्य की 4 टीकाओं पर कार्य किया जा रहा है।

10. पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन एवं एकत्रीकरण हेतु विशेष अभियान

संस्थान के सभी परिसरों में स्वतंत्र पुस्तकालय हैं। इसके अतिरिक्त इलाहाबाद, पुरी, गुरुवायूर एवं लखनऊ परिसरों में पाण्डुलिपियों हेतु अलग से ग्रन्थालय का प्रावधान है। 2008-09 से गुरुवायूर परिसर द्वारा पाण्डुलिपियों को एकत्र करने हेतु विशेष अभियान चलाया गया है। संस्थान द्वारा उपलब्ध पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन हेतु परिसरों के

विभिन्न पुस्तकालयों में पहल की जा रही है। डिज़िटाईजेशन का कार्य राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (एन.आई.सी.) के माध्यम से सम्पन्न होगा।

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, नई दिल्ली से प्राप्त जानकारी के अनुसार इलाहाबाद परिसर में 55369 पाण्डुलिपियों में से कुल 52187 पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन का कार्य सम्पन्न हो चुका है।

वर्तमान में प्रचलित परियोजनायें

संस्थान के परिसरों में लघु एवं बृहद् अनुसंधान परियोजनायें

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान शिक्षण एवं अनुसंधान द्वारा संस्कृत शास्त्रों के विकास हेतु निरन्तर प्रयासरत है। इसके अनुरूप संस्थान के विभिन्न परिसर उच्च शिक्षा की विभिन्न शाखाओं के अनुसन्धान के केन्द्रों के रूप में कार्यरत है। संस्थान के द्वारा परियोजनाओं के माध्यम से तदीय परिसरों में कार्यरत प्राध्यापकों की अनुसन्धान के क्षेत्र में सम्वर्द्धन हेतु सहायता प्रदान करता है। इस क्रम में संस्थान विभिन्न परिसरों की प्रतिवर्ष 1–2 बृहद् परियोजनाएं और 1–2 लघु परियोजनाएं उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्प हैं। इस लक्ष्य को पुरा करने हेतु प्रथम चरण में 32 (4 बृहत एवं 28 लघु परियोजना) परियोजनाएँ प्रचलित है।

मोक परियोजना

दूरस्थ शिक्षा एवं मुक्त अध्ययन के क्षेत्र में बड़े स्तर पर मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (MOOC) एक नवाचार है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम अध्ययन की नवीन संभावनाओं का अवसर प्रदान करता है। परन्तु इस पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु संस्कृत आधारित पाठ्य सामग्री का नितान्त अभाव है। अत: संस्थान इस उदीयमान क्षेत्र की संभावनाओं को संज्ञान में लेते हुए इसके सम्वर्धन हेतु कृत संकल्प है।

राजभाषा

मंत्रालय द्वारा केन्द्र सरकार के कार्यालयों में हिन्दी भाषा के प्रचार एवं प्रसार हेतु राजभाषा नामक कार्यक्रम सफलता पूर्वक संचालित किया जाता रहा है। इस क्रम में संस्थान के द्वारा पर्याप्त मात्रा में हिन्दी के माध्यम से कार्यालयीय कार्य एवं विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं। हिन्दी में किए जा रहे कार्यों का प्रतिवेदन अन्य गतिविधियों के अतिरिक्त मंत्रालय को प्रति तीन माह में भेजा जाता है।

डेक्कन (Deccan) महाविद्यालय संस्कृत शब्दकोश परियोजना

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के आर्थिक सहयोग से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के माध्यम से डेक्कन महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में ऐतिहासिक तथ्य/सिद्धान्त आधारित बृहत् संस्कृत कोश नामक परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस परियोजना के अन्तर्गत अब तक 32 संस्करणों का मुद्रण किया जा चुका है।

भारतवाणी परियोजना

भारतवाणी एक परियोजना है, जिसका उद्देश्य मल्टीमीडिया (पाठ, श्रव्य, दृश्य एवं छवि) का उपयोग करते हुए भारत की समस्त भाषाओं के बारे में एवं भारतीय भाषाओं में उपलब्ध ज्ञान को एक पोर्टल (वेबसाइट) पर उपलब्ध कराना है। भारतवाणी, भारतीय भाषाओं/मातृ भाषाओं को बृहद पैमाने पर उपलब्ध करायेगा। भारतवाणी पोर्टल पर उपलब्ध समस्त सामग्री को शैक्षिक और अनुसंधान प्रयोजना के लिए नि:शुल्क उपयोग में लाया जा सकता है। एतर्थ भारतवाणी परियोजना के निवेदन के अनुसार प्रथम चरण में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा प्रकाशित 40 ग्रंथों को भारतवाणी पोर्टल पर upload किया गया।

4.1.13 पालि एवं प्राकृत

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की पहल पर वर्ष 2009 में चालू की गई पालि-प्राकृत परियोजना वर्तमान पंचवर्षीय योजना (वर्ष 2012-2017) में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.) की संचालित योजनाओं का अभिन्न अंग बन चुका है। इस योजना के अन्तर्गत 2016-2017 में दिल्ली, जयपुर एवं लखनऊ केन्द्रों में निम्नलिखित मुख्य गतिविधियाँ सम्पन्न हुईं –

दिल्ली केन्द्र :

कार्यशाला :

1. प्राकृत-संस्कृतच्छाया-हिन्दी-अनुवाद संशोधन/सम्पादन कार्यशाला दिनाङ्क 28.09.2016 से 07.10.2016 तक मुख्यालय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित की गई।
2. पालि-प्राकृत-पुस्तक-समीक्षा-कार्यशाला दिनाङ्क 19-23 जनवरी, 2017 को मुख्यालय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित की गई।

ग्रन्थप्रस्तुत :

1. पउमचरियं (संस्कृतच्छाया तथा हिन्दी अनुवाद) खण्ड - 1 का प्रथम संशोधन पूर्ण।
2. पउमचरियं - खण्ड 2 की संस्कृतच्छाया तथा हिन्दी अनुवाद।
3. पउमचरियं - खण्ड 3 की संस्कृतच्छाया तथा हिन्दी अनुवाद।
4. भगवईआराहणा की संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद का प्रथम संशोधन।
5. पुहईचंदचरियं के अध्याय 5 तक का हिन्दी अनुवाद।

जयपुर केन्द्र :

ग्रन्थप्रस्तुत :

1. दंसणकहरयणकरंडु 12-21 सन्धियों पाण्डुलिपि सम्पादन तथा 12वें सन्धि का हिन्दी अनुवाद।
2. मागधी प्राकृत एक खोज - खण्ड 5 का लेखन।
3. कण्हचरियं का हिन्दी अनुवाद।

लखनऊ केन्द्र :

कार्यशाला :

1. पालि- संस्कृतच्छाया-हिन्दी-अनुवाद संशोधन कार्यशाला दिनाङ्क 20-29 सितम्बर, 2016 को लखनऊ परिसर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, लखनऊ में आयोजित किया गया।

ग्रन्थप्रस्तुत :

1. अपदानपालि के 17 वग्गों में से 14 वग्गों का हिन्दी अनुवाद।
2. अपदानपालि - 2(10-16 वग्ग) के 930 गाथाओं का हिन्दी अनुवाद।
3. पटिसम्भिदामग्गपालि - वग्ग 1 की संस्कृतच्छाया।
4. पटिसम्भिदामग्गपालि - वग्ग 1, के 30 निद्देशों का हिन्दी अनुवाद।
5. धातुकथापालि (518 सूत्रात्मक) के 140 सूत्रों की संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद।
6. यमकपालि - 2 के दो वग्गों की संस्कृतच्छाया।

4.1.14 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने शैक्षिक वर्ष 2016-17 में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण विभाग के माध्यम से निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन किया–

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों की नवीन रूपरेखा का निर्धारण एवं कार्यान्वयन
2. आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम
3. साक्षात्कार कार्यक्रम
4. कार्यशाला का आयोजन
5. पांच दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र

शैक्षिक सत्र 2016-17 में अखिल भारतीय स्तर पर (ग्यारह महीने तक चलने वाले) अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के अन्तर्गत प्रथमा, द्वितीया एवं तृतीया दीक्षा के लगभग 103 केन्द्रों का संचालन पूर्वोत्तर राज्यों सहित भारत के अन्य राज्यों में भी किया गया। पूर्वोत्तर राज्यों आन्ध्रप्रदेश, कर्णाटक, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तराखण्ड, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, उड़ीसा, केरल तथा दिल्ली के लगभग 103 केन्द्रों में लगभग 5,920 अध्येताओं ने अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों में भाग लिया। इन केन्द्रों का विवरण अधोलिखित है–

2016-17 सत्रीय केन्द्रों की सूची

1.	आन्ध्रप्रदेश	04
2.	बिहार	02
3.	देहली	02
4.	गुजरात	01
5.	हरियाणा	01
6.	हिमाचल प्रदेश	05
7.	महाराष्ट्र	09
8.	मध्यप्रदेश	07
9.	छत्तीसगढ़	01
10.	उड़ीसा	01
11.	पंजाब	03
12.	उत्तराखण्ड	05
13.	उत्तरप्रदेश	14
14.	केरल	01
15.	पूर्वोतर राज्य	23
16.	गोवा	05
17.	राजस्थान	03
18.	तमिलनाडु	01
19.	तेलंगाना	08
20.	कर्णाटक	03
21.	पश्चिम बंगाल	06
	कुल	**105**

सम्पूर्ण देश में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के माध्यम से लोगों ने संस्कृत एवं भारत की सांस्कृतिक विरासत का ज्ञान अर्जित किया है। समाज के सभी वर्गों के लोगों ने संस्कृत सीखने में अति उत्साह दिखाया। विभिन्न केन्द्रों पर भव्य उद्घाटन तथा समापन समारोह आयोजित किए गये। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा तैयार की गई प्रथमा, द्वितीया एवं तृतीया दीक्षा की पाठ्य-सामग्री विभिन्न केन्द्रों में संस्कृत शिक्षण का मुख्य आधार है। अध्येताओं ने इस पाठ्य-सामग्री की भूरिशः प्रशंसा की है। प्रथमा, द्वितीया एवं तृतीया दीक्षा की समाप्ति पर प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। इन केन्द्रों में आकर छात्रों, अध्यापकों, प्राध्यापकों, सहित समाज के विविध वर्गों के लोगों ने इस कार्यक्रम का लाभ उठाया।

इन अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन न केवल देश के नगरों और महानगरों में किया गया, अपितु

दूरवर्ती छोटे गाँवों और छोटे कस्बों, जम्मू व कश्मीर तथा उत्तर-पूर्व राज्यों के दुर्गम क्षेत्रों में भी किया गया। केन्द्र के समीप शिक्षकों के अनुपलब्ध होने पर दूर-दूर से आकर संस्थान के द्वारा प्रशिक्षित शिक्षकों के द्वारा केन्द्रों का संचालन किया गया। देश भर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों (डिग्री कॉलेजों), इण्टर कॉलेजों, उच्च एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, कनिष्ठ उच्च विद्यालयों, पब्लिक स्कूलों और स्वैच्छिक एवं सामाजिक संस्थाओं में किया जाता है। इसका परिणाम अत्यन्त उत्साहवर्धक रहा।

इन केन्द्रों की सम्यक् क्रियाशीलता हेतु सम्बद्ध राज्यों से प्रान्तसंयोजक के माध्यम से केन्द्रों, केन्द्र-संयोजकों और शिक्षकों के लिए प्रस्ताव प्राप्त होने पर, राज्यों में केन्द्रों, केन्द्र-संयोजकों और शिक्षकों को नामित किया गया। प्रसिद्ध संस्थाओं से साक्षात् प्रस्ताव प्राप्त होने पर भी संस्थान द्वारा केन्द्रों हेतु स्वीकृति प्रदान की जाती है।

राज्य-संयोजक (अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र)

क्र.सं.	राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
1.	आन्ध्रप्रदेश	डॉ. वी. सुब्रह्मण्य शर्मा, उपनिदेशक, संस्कृतपरिषद्, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदाराबाद, (आन्धप्रदेश)
2.	बिहार	डॉ. श्रीप्रकाश पाण्डेय, संस्कृतविभाग, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, क्वा. नं. 23, विश्वविद्यालय परिसर, मुजफ्फरपुर-1 (बिहार)
3.	झारखण्ड	डा. ताराकान्त शुक्ल, अध्यक्ष, संस्कृतविभाग, विनोबाभावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखण्ड
4.	दिल्ली	डॉ. कीर्तिकान्त शर्मा, कलानिधिविभाग, पाण्डुलिपि ईकाई, इन्दिरा गान्धी राष्ट्रिय कला केन्द्र, जनपथ- नई दिल्ली-01
5.	गुजरात	डॉ. भा.वं. रामप्रिय, प्राचार्य, दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, एस्.जी.वी.पी. सर्किल, ए. जी. हाईवे, छारोडी, अहमदाबाद-3284818 (गुजरात)
6.	हरियाणा	डॉ. सुरेन्द्रमोहन मिश्र, संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र-136119 (हरियाणा)
7.	हिमाचल प्रदेश	डॉ. भक्तवत्सल शर्मा, प्राचार्य, सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश-174 307
8.	जम्मू एवं कश्मीर	प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, भूतपूर्व प्राचार्य, 3/127, इन्दिरा विहार, ओल्ड जानीपुर, जम्मू जम्मू-कश्मीर-180 007
9.	कर्नाटक	डॉ. हरिप्रसाद के., राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री राजीव गान्धी परिसर, जिला-चिकमंगलूर, कर्नाटक शृंगेरी-577139
10.	केरल	प्रो. सीएच्.एल्.एन्.शर्मा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) गुरुवायूर परिसर, डाकघर-पुरनाट्टुकरा-680551 जिला-त्रिचूर (केरल)
11.	महाराष्ट्र	प्रो. रवीन्द्र अंबादास मुले, संस्कृत प्रगत अध्ययन केन्द्र, पुणे विश्वविद्यालय, गणेश खिण्ड रोड, पुणे-411037 (महाराष्ट्र)
12.	मध्यप्रदेश	डॉ. नीलाभ तिवारी, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम् (मा.वि.) भोपालपरिसर, संस्कृतमार्ग, बागसेवनिया, भोपालम्-462043 (मध्यप्रदेश)

13.	छत्तीसगढ़	डॉ.मुकुन्द हेम्बरडे, एफ-7, पेंशनवडा, नीयर कुंदन पैलेस, रायपुर, छत्तीसगढ़-492001
14.	पूर्वोत्तर राज्य	डॉ. शिवाचार्य, गांव-गमीरी, पोस्ट-गमीरी, डिस्ट्रिक-सोनितपुर, असम
15.	उड़ीसा	डॉ. भगवान सामन्त राय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) श्री सदाशिव परिसर, पुरी-752001 (उड़ीसा)
16.	पंजाब	प्रो. इन्द्रमोहन सिंह, संस्कृत-विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला-14702 (पंजाब)
17.	राजस्थान	प्रो. वाई,एस,रमेश, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा, बाईपास, जयपुर-302 018 राजस्थान
18.	तमिलनाडु	डॉ. आर्. रामचन्द्रन, संस्कृत विभाग, रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द कालेज, मलईपुर, चेन्नई-04, (तमिलनाडु)
19.	उत्तराखण्ड	डॉ. हरीशचन्द्र गुरुराणी, उत्तराखण्ड संस्कृत एकेडमी, रानीपुर झाल, ज्वालापुर, हरिद्वार, उत्तराखण्ड-249407
20.	उत्तर प्रदेश	प्रो. गोपबन्धुमिश्र, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, कलासंकाय, काशीहिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तरप्रदेश
21.	पश्चिम बंगाल	प्रो. अमित कुमार भट्टाचार्य, कोलकाता विश्वविद्यालय, कालेज स्ट्रीट, कोलकाता-700073 (पश्चिम बंगाल)
22.	गोवा	डा.महाबल भट्ट, सी.जी.-4, सबनीस वेली, अरादी, सोकोरो, बरडीज, गोवा-403507

डॉ. रत्न मोहन झा, सहायकाचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रिय संयोजक के दायित्व का निर्वहण किया गया।

2. आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा संस्कृत विषय को संस्कृत के माध्यम से अध्यापन करने हेतु 21 दिवसीय अनौपचारिक आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया।

क्रमांक	स्थान	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	प्रशिक्षका
1.	अमृता विश्वविद्यालय, बेंगलूरु, कर्णाटक	23.05.2016 से 16.06.2016	211	प्रो. वाई, एस. रमेश श्री जनार्दन हेगड़े डा. एच. आर्. विश्वास प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी प्रो. सुदेश कुमार शर्मा डा. शान्तला विश्वास श्री महेश काकतकर डॉ. रामकृष्ण पेजताय डॉ. विनायक रजत

श्री योगेश पण्डया
श्री लक्ष्मीनारायण
श्री निरंजन दीक्षित
प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी
डॉ. जयकृष्ण
डॉ. मनीष जुगरान्
डॉ. वीथी सुब्रह्मण्य
श्री टीकाराम
डॉ. शिवानी
श्री नागराज
श्री सत्यनारायण
डॉ. श्रीनिवासन्
प्रो. महादेवन्
प्रो. अम्बाकुलकर्णी
श्री दिनेश कामत
डॉ. नन्दकुमार
डॉ. रत्नमोहन झा

प्रबन्धक

डॉ. शंकर
श्री ध्रुवज्योतिमहान्त
सुश्री कविता देवी

मार्गदर्शक

प्रो. पी.एन. शास्त्री
श्री चमूकृष्ण शास्त्री
श्री धनराज स्वामी

3. साक्षात्कार कार्यक्रम

क्र.सं.	स्थान	अवधि
1.	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र, दुर्गा सरोबर, कामाख्या गेट, द्वितीय तल, गुवाहाटी	21.09.2016
2.	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम	22.09.2016

4. कार्यशाला

स्थान	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	प्रशिक्षक
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.) 56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-58	10.12.2016 से 11.12.2016	16	प्रो. वाई. एस. रमेश श्री वेंकटेश मूर्ति श्री सुधीष्ठ कुमार मिश्र प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी डॉ. रत्नमोहन झा

5. पाँच दिवसीय आवासीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम

स्थान	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	प्रशिक्षक
श्री मुक्तानन्द संस्कृत महाविद्यालय, शान्ति मन्दि, मागोद महफलिया, बलसाड-396020	13.02.2017 से 17.02.2017	62	प्रो. पी.एन्. शास्त्री प्रो. वाई.एस. रमेश प्रो. सुदेश शर्मा श्री सुधीष्ठ कुमार मिश्र श्री नितिन भाई आचार्य डॉ. रत्नमोहन झा

4.1.15 पत्राचार पाठ्यक्रम

संस्थान भारत और विदेश में संस्कृत के सामान्य अध्येताओं के लिए हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम से संस्कृत भाषा सीखने के लिए दो वर्ष की अवधि वाले पत्राचार पाठ्यक्रमों का संचालन दो स्तरों पर करता है, अर्थात्

(अ) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-प्रथम वर्ष हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम

(ब) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-द्वितीय वर्ष हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम।

वर्ष 2016-17 के दौरान पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से अध्ययन हेतु 4008 (3998 भारतीय एवं 10 विदेशी) नये छात्रों ने पंजीयन करवाया।

4.1.16 मुक्तस्वाध्यायपीठम्

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा मुक्तस्वाध्यायपीठम् (Institute of Distance Education) के माध्यम से परम्परागत पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ अगस्त, 2010 में किया गया।

मुक्तस्वाध्यायपीठम् के सभी पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त हैं। मुक्तस्वाध्यायपीठम् दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो से मान्यता प्राप्त राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की एक स्वायत्त संस्था है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय (नई दिल्ली) सहित सभी परिसरों में संचालित इसके अध्ययन केन्द्रों को 'स्वाध्याय केन्द्र' कहा जाता है।

1. संचालित पाठ्यक्रम

1. प्राक्शास्त्री (2 वर्ष)-साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
2. प्राक्शास्त्री सेतु/संस्कृतावतरणी (6 माह)
3. शास्त्री (3 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
4. शास्त्री सेतु/संस्कृतावगाहनी (1 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
5. आचार्य (2 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
6. आचार्य सेतु/शास्त्रावगाहनी (1वर्ष)-साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
7. संस्कृत पत्रकारिता प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)
8. पालि प्रारंभिक ज्ञान पाठ्यक्रम (03 माह)
9. पालि प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)
10. प्राकृत प्रारंभिक ज्ञान पाठ्यक्रम (03 माह)
11. प्राकृत प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)

2. शैक्षिक सत्र 2016-17 में प्रवेश लेने वाले छात्रों का विवरण

मुक्तस्वाध्यायपीठम् के सभी स्वाध्याय केन्द्रों में शैक्षिक वर्ष 2016-17 में कुल 1657 छात्रों ने प्रवेश लिया, जिनका विस्तृत विवरण इस वार्षिक प्रतिवेदन के क्र.सं. **3.3** में दिया गया है।

3. अभिकल्प समिति

अभिकल्प समिति मुक्तस्वाध्यायपीठ की नियामक परिषद है। इस वर्ष अभिकल्प समिति की बैठक संस्थान मुख्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 24.07.2016 को आयोजित की गई।

मुक्तस्वाध्यायपीठम् द्वारा आयोजित कार्यशाला/सेमिनार वर्ष 2016-17 के मध्य आयोजित तिथियों का विवरण:

क्र.सं.	दिनांक	कार्यशाला/कार्यक्रम का नाम
1.	09.05.2016 से 12.05.2016	आधुनिक विषयक पाठ्यसामग्री निर्माण एवं संशोधन कार्यशाला (शास्त्री, प्रथमवर्ष, राजनीतिविज्ञान)
2.	06.06.2016 से 10.06.2016	पाठ्यसामग्री निर्माण एवं संशोधन कार्यशाला व्याकरण (प्रौढ़मनोरमा)
3.	09.06.2017 से 15.06.2016	पाठ्यसामग्री निर्माण एवं संशोधन कार्यशाला साहित्य
4.	20.07.2016 से 22.07.2016	पाठ्यसामग्री निर्माण एवं संशोधन कार्यशाला आधुनिक विषय (शास्त्री, प्रथमवर्ष, राजनीतिविज्ञान)
5.	25.07.2016 से 11.08.2016	पाठ्यसामग्री निर्माण एवं संशोधन कार्यशाला आधुनिक विषय (शास्त्री, प्रथमवर्ष, हिन्दी)
6.	12.08.2016 से 26.08.2016	पाठ्यसामग्री निर्माण एवं संशोधन कार्यशाला आधुनिक विषय (शास्त्री, तृतीयवर्ष, अंग्रेजी)

7.	30.11.2016	से	02.12.2016	पाठ्यसामग्री निर्माण एवं संशोधन कार्यशाला आधुनिक विषय (शास्त्री, प्रथम-द्वितीय-तृतीयवर्ष, अंग्रेजी)
8.	15.12.2016	से	24.12.2016	स्वाध्यायसामग्री निर्माण कार्यशाला
9.	22.12.2016	से	24.12.2016	दूरस्थ शिक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला प्राध्यापकवर्ग
10.	15.03.2017	से	24.03.2017	पाठ्यसामग्री निर्माण एवं संशोधन कार्यशाला ज्योतिष विषय

सम्पर्क कक्षाएँ

स्वाध्यायकेन्द्र (मुक्तस्वाध्यायपीठम्) द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रमों की परामर्श सह सम्पर्क कक्षाएँ निर्धारित समय पर एक सत्र में क्रमशः पाँच बार (15-15 दिनों के लिए) चलायी जाती हैं।

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप

परिसरों की एक झलक

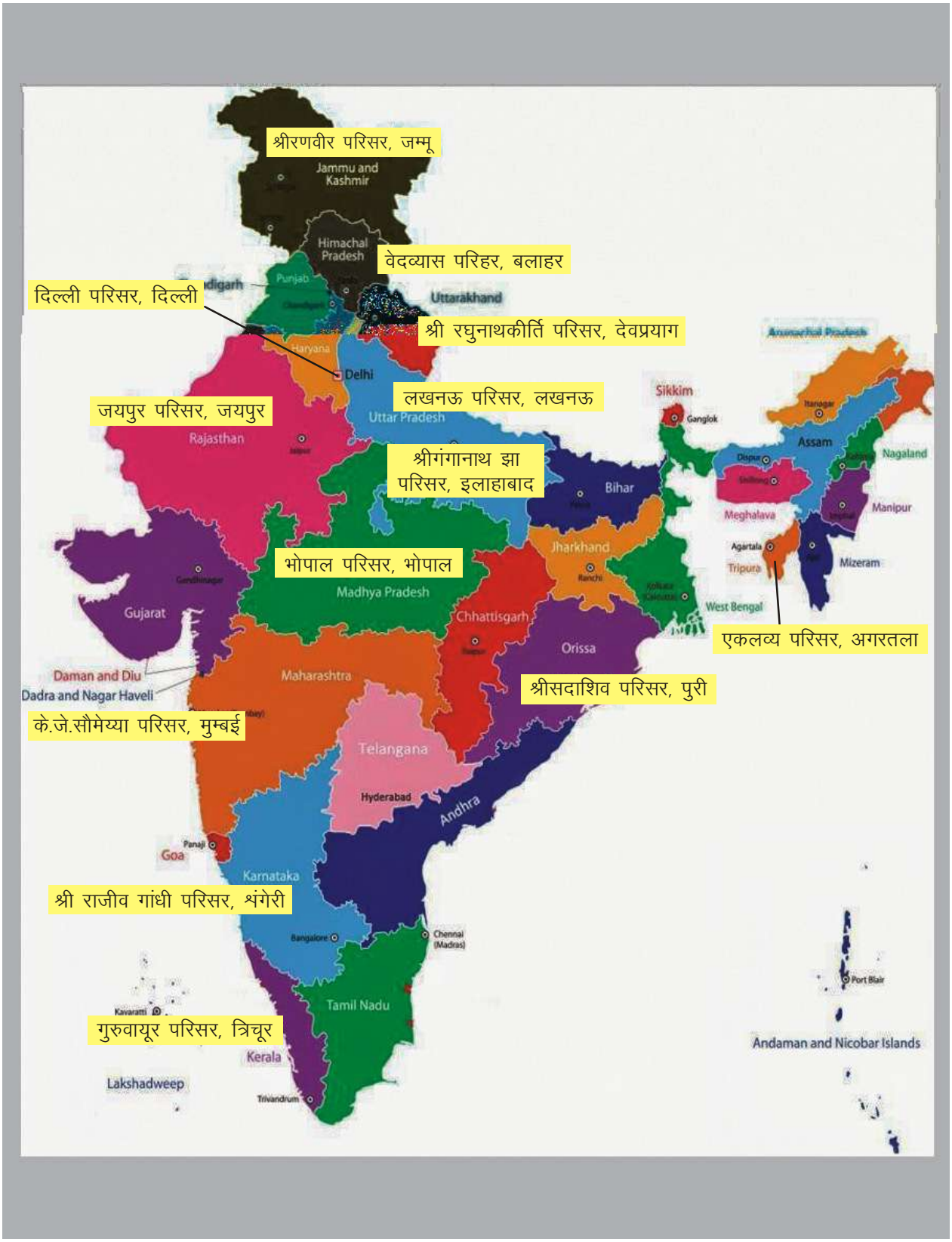

श्रीरणवीर परिसर, जम्मू
Jammu and Kashmir
Himachal Pradesh
वेदव्यास परिहर, बलाहर
दिल्ली परिसर, दिल्ली
Punjab
Uttarakhand
श्री रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग
Haryana
Delhi
Arunachal Pradesh
लखनऊ परिसर, लखनऊ
Sikkim
Gangtok
जयपुर परिसर, जयपुर
Uttar Pradesh
Rajasthan
Assam
श्रीगंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद
Nagaland
Bihar
Meghalaya
Manipur
Jharkhand
Agartala
Tripura
Mizeram
भोपाल परिसर, भोपाल
Madhya Pradesh
Gujarat
Chhattisgarh
West Bengal
एकलव्य परिसर, अगरतला
Orissa
Daman and Diu
Dadra and Nagar Haveli
Maharashtra
श्रीसदाशिव परिसर, पुरी
के.जे.सौमेय्या परिसर, मुम्बई
Telangana
Hyderabad
Andhra
Panaji
Goa
Karnataka
श्री राजीव गांधी परिसर, श्रंगेरी
Bangalore
Chennai (Madras)
Port Blair
Tamil Nadu
Kavaratti
गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर
Andaman and Nicobar Islands
Kerala
Lakshadweep
Trivandrum

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप

4.2.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उत्तरप्रदेश)

1. परिसर परिचय

गंगा, यमुना, सरस्वती के पावन तट पर बसे तीर्थराज प्रयाग के सुरम्य भूभाग पर गंगानाथ झा शोध-संस्थान की स्थापना 17 नवम्बर, 1943 ई. को महामना पं. मदन मोहन मालवीय, डॉ. सर तेजबहादुर सप्रू, डॉ. भगवानदास, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन्, न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा, डॉ. गोपीनाथ कविराज, डॉ. अमरनाथ झा, डॉ. ईश्वरी प्रसाद, डॉ. बाबूराम सक्सेना, आदित्यनाथ झा, एवं उनके अनुयायियों, शिष्यों एवं विभिन्न पारिवारिक व्यक्तियों के द्वारा डॉ. गंगानाथ झा की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर की गयी थी।

शोध संस्थान के भवन की योजना को सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के अन्तर्गत 12.01.1945 को पंजीकृत करा लिया गया था। म.म. डॉ. उमेश मिश्र के प्रयत्न से उ.प्र. सरकार से कम्पनी बाग में चन्द्रशेखर आजाद पार्क के पार्श्व में, डेढ़ एकड़ भूमि प्राप्त होने पर, इस भवन का शिलान्यास 03.02.1945 को उ.प्र. के तत्कालीन राज्यपाल सर मारिस हैलेड के करकमलों से सम्पन्न हुआ।

इसके प्रथम अध्यक्ष डॉ. सर तेजबहादुर सप्रू (1943-49) थे। उसके बाद डॉक्टर भगवानदास (1949-59) तथा डॉ. एस. राधाकृष्णन् (1959-63), न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा (1963-65), डॉ. गोपीनाथ कविराज (1965-71) रहे। उपाध्यक्ष के रूप में डॉ. अमरनाथ झा, डॉ. आदित्यनाथ झा, डॉ. ईश्वरी प्रसाद और डॉक्टर बाबूराम सक्सेना इस संस्था में अपना योगदान करते रहे।

बाद में 01 अप्रैल, 1971 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा इसका अधिग्रहण अपने अंगीभूत विद्यापीठ के रूप में किया गया तब से यह 'गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ' के नाम से जाना गया। सन् 2002 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मानित विश्वविद्यालय बनने के पश्चात् इसका नामकरण 'गंगानाथ झा परिसर हुआ। यह परिसर एक ऐसा प्रतिष्ठित शोध-केन्द्र है जो संस्कृत विद्या की विभिन्न विधाओं के शोध कार्य हेतु समर्पित है।

2. परिसर की अवस्थिति

गंगानाथ झा परिसर, चन्द्रशेखर आजाद पार्क कम्पनी बाग के अन्दर इण्डियन प्रेस चौराहा के नजदीक चन्द्रशेखर आजाद शहीद स्थल के पास अवस्थित है। परिसर के सम्मुख पन्नालाल रोड है, उत्तर की ओर जवाहर लाल नेहरु रोड (जी.टी. रोड), परिसर के पीछे इलाहाबाद संग्रहालय कमला नेहरु रोड पर स्थित है। परिसर सिविल लाइंस बस अड्डा से 3 किमी., इलाहाबाद रेलवे स्टेशन से 5 किमी. एवं एअर पोर्ट बमरौली से 20 किमी की दूरी पर स्थित है।

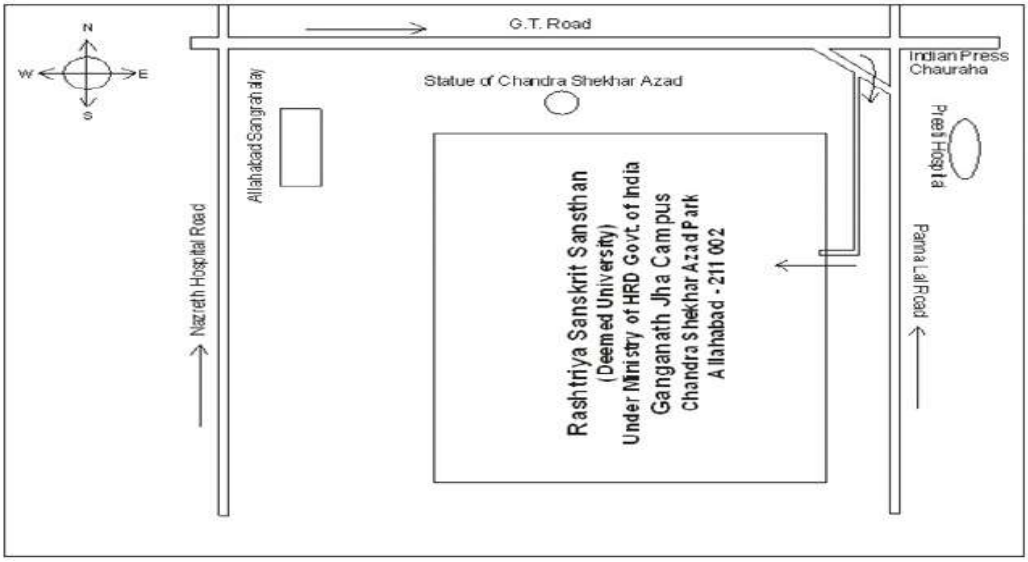

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम

परिसर में मुख्यतया विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) शोध कार्य होता है। इसके अतिरिक्त दूरस्थ शिक्षण माध्यम से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य (साहित्य व्याकरण ज्यौतिष) एवं प्राक्शास्त्री सेतु, शास्त्री सेतु, आचार्य सेतु (साहित्य, व्याकरण, ज्यौतिष) मुख्य हैं।

4. अन्य क्रियाकलाप/समारोह/कार्यशालाओं सहित पूर्ण विवरण

- सर्वपरिसरीय शोधच्छात्रों की षाण्मासिक प्राक्शोध पाठ्यक्रम का आयोजन
- स्वतन्त्रता दिवस का आयोजन
- गणतन्त्र दिवस का आयोजन
- संस्कृत दिवस का आयोजन
- हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन
- महिला दिवस का आयोजन
- स्थापना दिवस का आयोजन
- शिक्षक दिवस का आयोजन
- वसन्तोत्सव का आयोजन
- अन्तःपरिसरीय युवा समारोह
- शास्त्रीय विषयों पर आधारित संगोष्ठी (राष्ट्रिय/अन्ताराष्ट्रिय)
- आचार्य मण्डनमिश्र स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन
- अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन
- सतर्कता जागरुकता सप्ताह
- राष्ट्रिय एकता सप्ताह 'सरदार वल्लभ भाई पटेल' जयन्ती के रूप में आयोजन
- समय-समय पर स्थानीय शोध एवं प्रकाशन विभाग की समितियों का आयोजन
- व्याकरण विभाग द्वारा सप्तदिवसीय 'पाणिनीयव्याकरणं संस्कृतसंगणकभाषाविज्ञानञ्चाश्रित्य' राष्ट्रिय कार्यशाला का आयोजन (19.02.2017 से 25.02.2017)
- व्याकरण विभाग द्वारा सप्तदिवसीय 'राष्ट्रिया संस्कृत-संगणनशोधविकासकार्यशाला शाब्दबोधविचारगोष्ठी च' विषयक कार्यशाला का आयोजन
- राष्ट्रिया विचारगोष्ठी विशिष्टव्याख्यानमाला च 'संस्कृत-विद्याया अन्तःशास्त्रीयाध्ययनस्य विविधा आयामा नवानु-सन्धानसम्भावनाश्च' का आयोजन
- विशिष्ट व्याख्यानमालाओं का आयोजन -
  - व्याकरण विभाग के द्वारा सेमिनार एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला का आयोजन
  - साहित्य विभाग के द्वारा सेमिनार एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला का आयोजन
  - धर्मशास्त्र विभाग के द्वारा सेमिनार एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला का आयोजन
  - पुराणेतिहास विभाग के द्वारा सेमिनार एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला का आयोजन
- शोधछात्रों की भाषण प्रतियोगिता
- स्वाध्याय केन्द्र की सम्पर्ककक्षाओं में यथासमय अध्यापनकार्य
- पी-एच्.डी. की सत्रार्द्ध परीक्षा एवं स्वाध्याय केन्द्र की वार्षिक परीक्षा
- शोधरत छात्रों के लिए क्रीडा प्रांगण की व्यवस्था
- फलित ज्योतिष पाठ्यलेखन एवं सम्पादन कार्यशाला

गंगानाथ झा परिसर एक शोध-संस्थान है। इस परिसर का प्रमुख कार्य है-शोध एवं प्रकाशन। वर्तमान में यहाँ 4 आचार्य एवं 4 सहायकाचार्य शोधछात्रों को विद्यावारिधि (पी. -एच.डी.) उपाधि हेतु मार्ग-निर्देशन करते हैं एवं परिसर के संग्रहालय में उपलब्ध अप्रकाशित दुर्लभ महत्त्वपूर्ण हस्तलेखों का सम्पादन करते हैं। सम्पादित ग्रन्थों का प्रकाशन संस्थान के लिए परिसर कराता है। इनके अतिरिक्त संस्थान द्वारा अनुमोदित शोध योजनाओं पर भी विद्वानों द्वारा कार्य सम्पादित किये जाते हैं।

शैक्षिक विभाग के अग्रलिखित कार्य प्रगति पर हैं -

- मीमांसाचन्द्रिका (ब्रह्मानन्दसरस्वतिविरचिता) सम्पादन कार्य
- विधवोद्वाहशंकासमाधिः (कालोकशेपनामक श्री राजाराम शास्त्री इत्यनेन निर्मितः) सम्पादन कार्य
- लिंगनिर्णय, लिंगप्रकाशः लिंगानुशासनसूत्रवृत्तिः आख्यात चन्द्रिका
- हस्तलेख सम्पादन-सारस्वती प्रक्रिया (द्वादश पक्ष टीका), पद्ममुष्टिप्रकाशिका - मुकुन्दशास्त्रीकृता, धातुरत्नमञ्जरी-रामसिंहकृता, सौन्दर्यलहरीटीका

- सम्बन्ध विवेक - शूलपाणि (बंग एवं मैथिल लिपि) सम्पादनाधीन।
- ब्रह्मानन्दसरस्वतिकृत - परिभाषेन्दुशेखरव्याख्या
- चित्प्रभा का सम्पादन क्रियमाण
- लघुविभक्त्यर्थनिर्णय: का समीक्षात्मक सम्पादन
- वृत्तिदीपिका - समीक्षात्मकसम्पादन
- वैयाकरणमतोन्मज्जनटीका का समीक्षात्मकसम्पादन
- वशिष्ठस्मृति की विद्वन्मोदिनी टीका (संयुक्त सम्पादन) सम्पादनाधीन।
- काशीतत्त्वविचार:
- रूक्मिणी पत्रिका प्रकाशनाधीन
- नाचिकेतोपाख्यान (सम्पादन कार्य)
- सुश्लोकलाघव (चित्रबन्ध) काव्य का सम्पादन
- दुष्करचित्रप्रकाशिका (सरस्वतीकण्ठाभरणटीका) सम्पादित
- उपचारमाला महामुद्गल भट्ट कृत सम्पादन एवं हिन्दी अनुवाद कार्य समाप्त (प्रकाशनाधीन)
- तत्त्वदीपिनी टीका प्रकाशनाधीन
- सुबन्धुकृतवासवदत्ता की जगद्धरभट्ट (यन्त्रालयस्थ)
- विभ्रमविवेक: यन्त्रालयस्थ
- चन्द्रलक्ष्मोत्प्रेक्षाशतकम् (गैर्वाणीवाणी)
- प्रस्तावसागर प्रकाशनाधीन
- शृंगारसप्तशतिका प्रकाशनाधीन
- द्रव्यसारसंग्रह प्रकाशनाधीन
- आनन्द रघुनन्दनम् प्रकाशनाधीन
- श्यामाभक्तिसुधार्णव: प्रकाशनाधीन
- सुदामाशतकम्
- कारक खण्डनमण्डन
- जर्नल आफ दी गंगानाथ झा कैम्पस अंक 71 शीघ्र प्रकाश्यमाण
- उशती का सम्पादन (अंक द्वादश-त्रयोदश) प्रकाश्यमाण
- भट्टिकाव्यस्वाध्यायपरियोजना कार्य प्रगति पर

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 06

उत्तर प्रेषित - 06

4.2.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओड़िशा)

परिसर-परिचय

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के द्वारा संस्थापित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के तेरह परिसरों में पुरी में स्थित श्री सदाशिव परिसर प्राचीन एवं सुसमृद्ध है। सर्वप्रथम ओड़िशा के सुप्रसिद्ध महान् पण्डित श्री हरिदास जी ने बलरामपुर के महाराजा श्री दिग्विजय सिंह द्वारा प्रदत्त आर्थिक सहायता से 1865 ईस्वी में संस्कृत विद्यालय की स्थापना की। कालान्तर में प्रकाण्ड विद्वान् महामहोपाध्याय श्री सदाशिव मिश्र जी ने 1918 ईसवी में इस विद्यालय को प्रोन्नत कर महाविद्यालय का प्रारूप दिया।

यह महाविद्यालय यद्यपि ओडिशा सरकार के शिक्षा निदेशालय के अधीन था, फिर भी स्वायत्तसंस्था के रूप में यह संस्कृत के विकास एवं समुन्नति के लिए आधारस्तम्भ होकर प्रतिष्ठित हुआ। यहाँ साहित्य, व्याकरण, नव्यन्याय, वेदान्त, धर्मशास्त्र, पुराण, मीमांसा, सांख्ययोग, सर्वदर्शन एवं ज्योतिष शास्त्रों का अध्ययन-अध्यापन आरम्भ हुआ एवं अनेक शिष्यगणो ने यहाँ से विद्यार्जन कर पाण्डित्य प्राप्त किया एवं दिग्दिगन्तर में विख्यात हुए।

इस महाविद्यालय को 15 अगस्त 1971 ईसवी को मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अधीन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के रूप में स्वीकार किया गया। मानव संसाधन विकास मन्त्रालय ने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को 7 मई 2002 ईसवी में मानित विश्वविद्यालय घोषित किया। 3 जुलाई 2002 को समुद्घाटित किया। संपूर्ण भारत में इस मानित विश्वविद्यालय के तेरह परिसर हैं।

शैक्षिक क्रियाकलाप

वर्तमान में इस परिसर में प्राक्शास्त्री (इण्टरमीडिएट्) से शिक्षाचार्य (एम्.एड्.) तक साहित्य, व्याकरण, नव्यन्याय, वेदान्त, स्मृति, पुराण, मीमांसा, सांख्ययोग, सर्वदर्शन, ज्योतिष शास्त्रीय विषयों का अध्यापन होता है। आधुनिक भाषासाहित्य के अन्तर्गत उड़िया, इंग्लिश, हिन्दी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, गणित, संगणक, पर्यावरण-विज्ञान विषयों की भी शिक्षा प्रदान की जाती है। विद्यावारिधि (पी-एच्.डी.) उपाधि के अलग-अलग विषयों में शोधकार्य भी यहाँ करवाए जाते हैं।

इस परिसर से अनेक प्रतिभाशाली तथा यशस्वी विद्वान् हुए, जिन्होंने अपने-अपने शास्त्रों में अगाध पाण्डित्य अर्जन किया तथा राष्ट्रिय और अन्ताराष्ट्रिय स्तर पर सुविख्यात हो परिसर के गौरव को बढ़ाया। वर्तमान में भी यह क्रम निरन्तर बना हुआ है।

परिसर की अवस्थिति

अवस्थिति:-मौजा गाँधी घाट, पुरी।

1. श्री सदाशिव परिसर गाँधीघाट मौजा के अन्तर्गत 4. 780 एकड़ भूखण्ड पर वर्ष 2001 में निबन्धित हुआ, तथा यहाँ मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के द्वारा नये भवन का निर्माण किया गया।

2. पुरी के बालुखण्ड मौजा नामक स्थान में 10.5 एकड़ भूखण्ड निबन्धित हुआ था, जिसमें छात्रों के लिए आवास का निर्माण किया जा रहा है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

क्र.	विषय	समकक्ष	अवधि
1.	प्राक्शास्त्री	इन्टरमीडिएट	2 वर्ष
2.	शास्त्री	बी.ए.	3 वर्ष
3.	आचार्य	एम.ए.	2 वर्ष
4.	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.	1 वर्ष
5.	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.	2 वर्ष

महिला छात्रावास

परिसर के अन्दर ही एक महिला छात्रवास का निर्माण किया गया है, जिसमें 36 कमरे हैं एवं 108 छात्राओं के रहने तथा भोजन की व्यवस्था है। अधिक छात्राओं के आवास हेतु इस छात्रावास के ऊपरी तल में निर्माण कार्य चल रहा है।

पुरुष छात्रावास

परिसर से थोड़ी दूरी पर **'बालुखण्डमौजा'** नामक स्थान में साढ़े दस एकड़ में द्विस्तरीय पुरुष छात्रावास है। जिसमें 500 छात्रों के रहने की व्यवस्था है।

छात्रवृत्ति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य एवं शोधच्छात्रों के लिए कक्षानुसार उत्तम अङ्क प्राप्त करने वाले छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करता है।

क्र.सं.	कक्षा	छात्रसंख्या	छात्रवृत्ति
1.	प्राक्शास्त्री प्रथमवर्ष	36	600/–रू.
2.	प्राक्शास्त्री द्वितीयवर्ष	36	600/–रू.
3.	शास्त्री प्रथमवर्ष	72	800/–रू.
4.	शास्त्री द्वितीयवर्ष	72	800/–रू.
5.	शास्त्री तृतीयवर्ष	72	800/–रू.
6.	आचार्य प्रथमवर्ष	162	1000/–रू.
7.	आचार्य द्वितीयवर्ष	162	1000/–रू.
8.	शिक्षाशास्त्री प्रथमवर्ष	60	800/–रू.
9.	शिक्षाशास्त्री द्वितीयवर्ष	60	800/–रू.
10.	शिक्षाचार्य प्रथमवर्ष	11	1000/–रू.
11.	शिक्षाचार्य द्वितीयवर्ष	30	1000/–रू.
12.	शोधच्छात्र		8000/–रू.

हरिहरदाशग्रन्थालय

इस परिसर में एक प्राचीन एवं विशाल ग्रन्थालय है। इस पुस्तकालय में संस्कृत के साथ-साथ अनेक भाषाओं एवं विषयों के प्राचीन तथा नवीन ग्रन्थों को मिलाकर 44,805 पुस्तकें, 156 पाण्डुलिपियाँ, 230 विद्यावारिधि शोधप्रबन्ध, 31 शिक्षाचार्य लघुशोधप्रबन्ध, 45 शोधपत्रिकाएँ एवं प्रतिदिन हिन्दी, ओड़िआ तथा इंग्लिश के 10 समाचार पत्र एवं 8 संस्कृत पत्रिकाएँ पाठकों के लिए उपलब्ध है।

मुक्तस्वाध्यायपीठ (Distance Education)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान में मुक्त स्वाध्यायपीठ की स्थापना की गई है। यह दूरस्थ शिक्षण केन्द्र सन् 2010 से चल रहा है। इस केन्द्र में साहित्य, व्याकरण एवं फलितज्योतिष के विभाग वर्तमान में हैं, जिसमें 672 छात्र अध्ययनरत हैं।

विश्व योगदिवस

भारत सरकार के नियमानुसार 21 जून 2016 को शास्त्र चूडामणि डॉ. (सुश्री) स्नेहा नन्द के तत्त्वावधान में विश्व योगदिवस का परिपालन किया गया। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी अध्यापकों एवं छात्रों ने योगाभ्यास किया।

पाक्षिक स्वतन्त्रतादिवस कार्यक्रम

मुख्यालय के पत्रानुसार श्री प्रियाजित महापात्र के निर्देशन में स्वतन्त्रता संग्राम में बलिदान देने वाले शहीदों के स्मरण के निमत्त 9.8.2016 से 23.8.2016 तक पाक्षिक स्वतन्त्रता दिवस कार्यक्रम का विधिवत् पालन किया गया। इस अवसर पर अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

अन्तःपरिसरीय युवा महोत्सव

त्रिपुरा राज्य की राजधानी अगरतला में विद्यमान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.) के एकलव्य परिसर में नौवाँ अन्तःपरिसरीय युवा महोत्सव दिनाकं 18.11.2016 से 21.11.2016 तक सम्पन्न हुआ। महोत्सव में इस परिसर के 35 छात्रों ने भाग लिया। डॉ. सुशान्तराज, डॉ. भगवान सामन्तराय, श्री प्रियजित महापात्र, डॉ. विकासिनी गुमानसिंह, श्री कण्ठ नारायणदास के मार्गनिर्देशन में 45 पदक प्राप्त हुए, जिसमें 24 स्वर्णपदक, 6 रजतपदक, 15 काँस्यपदक दिये गए।

अखिलभारतीय संस्कृतछात्रप्रातिभा समारोह

30 जनवरी 2017 से 3 फरवरी 2017 तक राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा ग्यारहवें अखिलभारतीय संस्कृतछात्रप्रातिभ समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में 11 छात्रों ने विविधप्रतियोगिताओं में डॉ. उमेशचन्द्र मिश्र एवं डॉ. कृष्णचन्द्र कवि के मार्गदर्शन में भाग लिया। धर्म-शास्त्र भाषण प्रतियोगिता में सुस्मिता विदार ने रजतकपदक प्राप्त किया।

संस्कृत सप्ताह समारोह

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली के निर्देशानुसार इस वर्ष के श्रावणशुक्लचतुर्दशी से भाद्र कृष्ण तृतीया तिथि तक (16-22 अगस्त पर्यन्त) संस्कृत सप्ताह समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस सारस्वतकार्य का समुद्घाटन दिनाङ्क

16.8.2016 को हुआ, जिसमें मुख्यातिथि इस परिसर के भूतपूर्व प्राचार्य प्रो. विन्ध्येश्वरी प्रसाद हिमांशु, मुख्यवक्ता श्रीजगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के न्याय विभागाध्यक्ष प्रो. कमलेश मिश्र, सम्मानित आतिथि परिसर के धर्मशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. अतुल कुमार नन्द, सारस्वतातिथि प्रो. हरेकृष्ण महापात्र थे। कार्यक्रम में पण्डितप्रवर श्रीसञ्जय पण्डा एवं श्रीपरशुराम को सम्मानित किया गया। तत्कालीन प्राचार्य प्रो. नागवर प्रसादराव चण्ड्रपाटी की अध्यक्षता में समारोह सम्पन्न हुआ। जिसके संयोजक न्याय विभाग के आचार्य डॉ. गणपति शुक्ल एवं सञ्चालक न्याय विभागाध्यक्ष डॉ. महेश झा थे।

इस महोत्सव का समापन दिनाङ्क 22.8.2016 को हुआ, जिसमें मुख्यातिथि श्रीजगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव तथा भूतपूर्व दर्शन विभागाध्यक्ष-प्रो. प्यारिमोहन पट्टनायक, मुख्यवक्ता श्रीजगन्नाथ सं.वि. के वेदान्त विभागाध्यक्ष आचार्य प्रभातरञ्जन महापात्र, सम्मानितातिथि श्रीसदाशिव परिसर के व्याकरण विभागाध्यक्ष प्रो. हरेकृष्ण महापात्र, अध्यक्ष परिसर प्राचार्य प्रो. नागवर प्रसादराव चण्ड्रपाटी तथा सभासञ्चालक न्यायविभागीयाचार्य डॉ. गणपतिशुक्ल जी थे।

इस उत्सव में संस्कृत भाषण, संस्कृत निबन्धलेखन, श्लोकान्त्याक्षरी, स्तोत्र कण्ठपाठ इत्यादि स्पर्धाएँ आयोजित की गयीं।

ग्लोरिफेष्ट महोत्सव

9.1.2017 से 13.1.2017 तक ग्लोरिफेष्ट महोत्सव आयोजित किया गया, कार्यक्रम में परिसर के 15 छात्रों ने भाग लिया। सुधाराणि भुयाँ, लक्ष्मणपाढी, अमितभोई, सिद्धार्थ स्वाईं, जगदीश नस्कर ने नाटक में प्रथम स्थान प्राप्त किया। शास्त्रीय नृत्य में दीपेश शतपथी प्रथम स्थान, आंग्लभाषण में देवकी मिश्र प्रथम स्थान, एकलपात्र अभिनय में लक्ष्मणपाढी द्वितीय स्थान तथा ओड़िआ भाषण में सुधाराणि भुयाँ ने तृतीय स्थान प्राप्त कर परिसर के गौरव को बढाया। इस कार्यक्रम में सङ्कणकाध्यापक श्री विश्वनाथमिश्र, परियोजना सहायक श्री आदित्यनारायण दाश छात्रों के मार्गदर्शक रहें।

वसन्त महोत्सव

24-26 फरवरी 2017 पर्यन्त राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली द्वारा समायोजित वसन्त महोत्सव में 24 छात्रों ने आचार्य ओगेटि परीक्षित शर्मा विरचित रक्षाबन्धनम् नाटक का मञ्चन किया। इस नाटक के निर्देशक साहित्य विभाग के अध्यापक डॉ. सुशान्त कुमार राज तथा ज्योतिष विभाग की अध्यापिका डॉ. विजयलक्ष्मी महापात्रा थी।

प्रो. अतुल कुमार नन्दा, प्राचार्य के अध्यक्ष में शिक्षक दिवस 5.9.2010 को मनाया गया।

हिन्दी पखवाड़ा समारोह

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली के निर्देशानुसार दिनांक 14.09.2016 से 28.09.2016 पर्यन्त हिन्दी पखवाड़ा समारोह का आयोजन किया गया। तत्कालीन प्राचार्य प्रो. नागवर प्रसाद चन्द्रपाटी की अध्यक्षता तथा डॉ. (श्रीमती) केतकी महापात्र के संयोजन में इस पाक्षिक समारोह का भव्य परिपालन हुआ। इसके उद्घाटनोत्सव में श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के भूतपूर्व कुलपति प्रो. श्रीधर वशिष्ठ, मुख्यवक्ता तथा श्री अमरनाथ झा, मुख्यातिथि थे। समापन समारोह में प्रभारी प्राचार्य प्रो. अतुल कुमार नन्द, अध्यक्ष तथा प्रो. विजयपाल कछवाह, मुख्यातिथि थे। परिसर के सभी अध्यापक, कर्मचारी तथा छात्रों ने हर्षोल्लास सहित भागग्रहण कर इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

नशामुक्ति अभियान

संस्थान नई दिल्ली के आदेशानुसार 25 अक्टूबर 2016 को नशामुक्ति कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जनजागरण हेतु छात्रों द्वारा पदयात्रा तथा विशिष्ट व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षाशास्त्र विभाग के आचार्य विजयपाल कछवाह ने कहा कि नशा सेवन से राष्ट्र की अधोगति अवश्यम्भाविनी है। परिसर प्राचार्य ने अध्यक्षता का निर्वहन करते हुए छात्रों तथा अध्यापकों से प्रत्येक प्रकार के मादक द्रव्यों से दूर रहने का संकल्प करवाया। डॉ. रमाकान्त मिश्र जी ने सभा का संचालन किया तथा डॉ. पद्ममित्र श्रीनिवास जी ने धन्यवादार्पण किया।

साप्ताहिक सतर्कता जागरुकता कार्यक्रम

संस्थान नई दिल्ली के पत्रानुसार परिसर में 31 अक्टूबर 2016 से 4 नवम्बर 2016 पर्यन्त सतर्कता जागरुकता अभियान चलाया गया। परिसर प्राचार्य की अध्यक्षता में कार्यालय कर्मचारियों ने दुर्नीतियों की समाप्ति के लिए सङ्कल्प लिया। परिसरीय प्राध्यापकों ने भी सभी कक्षाओं में छात्रों को इस सम्बन्ध में उपयोगी बातों से अवगत कराया। 4 नवम्बर 2016 को आयोजित हुए कार्यक्रम में परिसर प्राचार्य, अध्यक्ष भूतपूर्व आरक्षी महानिदेशक श्री सारङ्गधर रायगुरु, मुख्यातिथि व्याकरण

विभागाध्यक्ष प्रो. हरेकृष्ण महापात्र, सम्मानितातिथि तथा साहित्य विभागाध्यक्ष प्रो. सूर्यमणि रथ, ने धन्यवाद अर्पण किया। परिसरीय छात्रों के सांस्कृतिक कार्यक्रम से सभा सुसम्पन्न हुई।

साप्ताहिक राष्ट्रिय एकता समारोह

संस्थान नई दिल्ली के निर्देशानुसार सरदार बल्लभाई पटेल के जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में 1 से 4 नवम्बर 2016 पर्यन्त साप्ताहिक राष्ट्रिय एकता समारोह का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में साहित्य विभागाध्यक्ष प्रो. सूर्यमणि रथ, संयोजक; परिसर प्राचार्य प्रो. अतुल कुमार नन्द, अध्यक्ष भूतपूर्व आरक्षी महानिदेशक श्रीसारङ्गधर रायगुरु, मुख्यातिथि तथा स्वतन्त्रता सेनानी श्री चन्द्रशेखर नायक, सम्मानितातिथि के रूप में सभा को अलङ्कृत किए। परिसर के छात्रों द्वारा 'वृक्ष एव जीवनम्' नामक संस्कृत एकाङ्की को प्रस्तुत किया गया।

राष्ट्रिय शिक्षादिवस कार्यक्रम

11 नवम्बर 2016 को भारत के प्रथम शिक्षामन्त्री मौलाना अब्दुल कलाम आजाद के जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रिय शिक्षा दिवस का आयोजन किया गया। इसमें केन्द्रीय हिन्दी संस्थान के निदेशक प्रो. लक्ष्मीधर दाश, मुख्यातिथि ने शिक्षा के महान् उद्देश्य को प्रकट किया। मुख्यवक्ता के रूप में व्याकरण विभागाध्यक्ष प्रो. हरेकृष्ण महापात्र ने शिक्षा दिवस की आवश्यकता के सम्बन्ध में अपना ओजपूर्ण व्याख्यान दिया। परिसर प्राचार्य प्रो. अतुल कुमार नन्द ने बताया कि शिक्षा ही मानवजीवन की अत्यन्त अमूल्य भित्ति है। इस सम्बन्ध में परिसर छात्रों के द्वारा विविध कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निरीक्षण

20.10.2016 से 22.10.2016 पर्यन्त विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सदस्यों ने परिसर का निरीक्षण किया। परिसर की ओर से उनके स्वागत के लिए विविध प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निरीक्षक सभी विभागों के सभी कार्यक्रमों को देखकर अत्यन्त प्रसन्न हुए तथा परिसर की अभ्युन्नति के लिए मूल्याङ्कन कार्यों को सहर्ष सम्पन्न किया।

संविधान दिवस कार्यक्रम

मुख्यालय के आदेशानुसार 25.11.2016 को संविधान दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में परिसर प्राचार्य प्रो. अतुल कुमार नन्द, प्रो. सूर्यमणि रथ, श्री दुर्गादास महापात्र तथा प्रो. विजयपाल कछवाह क्रमशः अध्यक्ष, मुख्यातिथि, मुख्यवक्ता तथा सभासञ्चालक थे। परिसर के सभी प्राध्यापकों की इस कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी रही।

वित्तीय सतर्कता अभियान

12.12.2016 से 12.1.2017 पर्यन्त वित्तीय साक्षरता अभियान हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परिसर प्राचार्य प्रो. अतुल कुमार नन्द, अध्यक्ष तथा श्री दुर्गादासमहापात्र, मुख्यवक्ता थे। विमुद्रीकरण के विषय में तकनीकी ज्ञान देने हेतु भुवनेश्वर मण्डल के इलाहाबाद बैंक के वित्ताधिकारी श्री नीतीश कुमार सिंह तथा पुरी के शाखा प्रबन्धक श्री राजीवलोचन पात्र उपस्थित थे।

स्वामी विवेकानन्द जयन्ती

स्वामी विवेकानन्द के 155वीं जन्मशताब्दी वर्ष मनाने हेतु 10.1.2017 को परिसर में द्विदिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. स्नेहलता मिश्र तथा डॉ. ओमनारायण मिश्र के मार्गदर्शन में परिसर छात्रों के लिए विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

स्वच्छभारत कार्यक्रम

परिसर प्राचार्य की अध्यक्षता में प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा छात्रों के सहयोग से स्वच्छभारत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिसर परिवार ने सभी प्रकार की स्वच्छता हेतु सङ्कल्प लिया।

पूर्वछात्र सम्मेलन

परिसर प्राचार्य की अध्यक्षता में पूर्वतनछात्रों की सभा का आयोजन दिनाङ्क 4.12.2016 को परिसर के सभागृह में किया गया। इस सभा में श्रीसदाशिव परिसर के शताब्दीमहोत्सव को मनाने की रूपरेखा भी बनायी गयी।

मातृभाषा दिवस

21.2.2017 को परिसर में मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ओड़िशा साहित्य अकादमी के सभापति प्रो. हरिहर मिश्र, मुख्यातिथि डॉ. श्रीनिवासाचार्य, सम्मानितिथि; अवसरप्राप्त प्रशासनिक अधिकारी श्री वैकुण्ठनाथपति, विशिष्टातिथि; ओड़िशा भाषा प्रतिष्ठान के प्राक्तन निदेशक डॉ. कैलाशचन्द्र टीकायतराय, मुख्यवक्ता तथा परिसर प्राचार्य प्रो. अतुल कुमार नन्द, सभाध्यक्ष थे।

परिसरीय शैक्षिक प्रतियोगिता

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी वार्षिकोत्सव के लिए डॉ. गणपति शुक्ल की संयोजना में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

परिसरीय वार्षिक क्रीडाप्रतियोगिता

5.2.2017 से 10.2.2017 तक पुरी में स्थित केन्द्रीय विद्यालय के क्रीडाप्राङ्गण में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 160 छात्रों ने भाग लिया।

महात्मा गांधी चिताभस्म स्मृतिसभा

12.2.2017 को स्मृतिसभा द्वारा महात्मा गाँधी की स्मृति में पुरी के सद्भावना गृह में सभा का आयोजन किया गया।

विभागीय उपलब्धियाँ

नव्यव्याकरण विभाग

सत्रारम्भ में नवागत व्याकरणविभागीय छात्रों के लिए 27.08.2016 को विभागीय आचार्यों तथा पुरातन छात्रों के द्वारा अभिनन्दन कार्यक्रम का समायोजन किया गया। इसी कार्यक्रम में गरली परिसर से स्थानान्तरित विभागीय आचार्य के.वी. सोम्याजुलु का भी अभिनन्दन भी किया गया।

5.09.2016 को विभागीय छात्रों के द्वारा गुरुदिवस मनाया गया। आचार्य सर्वपल्ली राधाकृष्णन् के विभिन्न प्रातिभिक वैशिष्ट्यों, गुरुओं के कर्तव्य तथा छात्रों की अनुशासन परम्परादि विषयों पर इस कार्यक्रम में विस्तार से विचार किया गया।

27.1.2017 से 28.1.2017 पर्यन्त विभाग की ओर से शैक्षिक भ्रमण का आयोजन हुआ। इस प्रमोदयात्रा में विभागीय प्राध्यापक तथा छात्रों द्वारा ओडिशा राज्य के बालेश्वर जिलान्तर्गत पवित्र शैवपीठ श्री पञ्चलिङ्गेश्वर, नीलगिरि पर्वत, रेमुणा में स्थित श्रीक्षीरचौरगोपीनाथ मन्दिर तथा वैदिक गुरुकुलीय आश्रमादि स्थलों में भ्रमणपूजनादि किया गया।

07.02.2017 को पुरी में स्थित श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के भूतपूर्व कुलपति प्रो. किशोर चन्द्र पाढी द्वारा 'समासवृत्तिविमर्श:' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया गया। 08.02.2017 से 09.02.2017 तक 'समासविमर्श:' पर द्विदिवसीय राष्ट्रिय सङ्गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। उद्घाटनोत्सव में परिसर प्राचार्य प्रो. अतुलकुमारनन्द, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के भूतपूर्व कुलपति, प्रो. किशोर चन्द्र पाढी, श्री लालबहादुर रा.सं.विद्यापीठ के व्याकरण-विभागीय आचार्य जयकान्त सिंह तथा विभागमुख्य प्रो. हरेकृष्ण महापात्र आदि गणमान्य सदस्य समुपस्थित थे। इस कार्यक्रम में देश-देशान्त से आये हुए विद्वानों तथा शोध छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

साहित्य विभाग

1902.2017 को राजीव गान्धी परिसर के भूतपूर्व प्राचार्य प्रो. किशोर नाथ झा जी द्वारा 'संस्कृतसाहित्ये व्याख्यानपद्धति:' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया गया।

19.02.2017 से 20.02.2017 तक द्विदिवसीय राष्ट्रिय सङ्गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका विषय 'आधुनिक-संस्कृतकाव्येषु राष्ट्रियभावना' था। इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में श्रीसदाशिव परिसर के भूतपूर्व प्राचार्य प्रो. विन्ध्येश्वरी प्रसाद हिमांशु, श्री ज.सं. विश्वविद्यालय के भूतपूर्व कुलपति प्रो. नीलकण्ठ पति तथा परिसरप्राचार्य प्रो. अतुल कुमार नन्द समुपस्थित थे।

आलोचना चक्र के उद्यापन सत्र में राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के साहित्य विभागीय आचार्य सत्यनारायण आचार्य, राजीव गान्धी परिसर के भूतपूर्व प्राचार्य प्रो. किशोरनाथ झा आदि साहित विभागीय प्राध्यापक तथा छात्र समुपस्थित रहे। कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रान्तों से आये हुए विद्वानों तथा शोधार्थियों ने सोत्साह भागग्रहण किया।

पुराण विभाग

21.01.2017 से 22.01.2017 तक द्विदिवसीय राष्ट्रिय सङ्गोष्ठी का आयोजन किया गया। महर्षिवेदव्यासजीवितविमर्शगर्भ इस आलोचना चक्र में श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर के प्राचार्य प्रो. के.बी.सुब्बारायुडु जी द्वारा '**भागवते वेदान्ततत्त्वम्**' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान भी दिया गया। इस समारम्भ में 'पुराण-ज्योत्स्ना' नामक विभागीय पत्रिका का लोकार्पण किया गया। फरवरी मास के 22वें तथा 23वें दिनाङ्क को द्विदिवसीय राष्ट्रिय सङ्गोष्ठी का आयोजन किया गया। रामायणविमर्श से समवेत इस आलोचना चक्र के उद्घाटनोत्सव में श्री ज.सं. विश्वविद्यालय के भूतपूर्व साहित्याचार्य प्रो. प्रमोद कुमार मिश्र, तद्गत विश्वविद्यालय के वेदान्तविभागमुख्य प्रो. प्रभात रञ्जन महापात्र तथा परिसर प्राचार्य प्रो. अतुल कुमार नन्द समुपस्थित रहे। उद्यापनावसर में श्री ज.सं.वि. के कुलपति

प्रो. राधामाधव दाश, उत्कल विश्वविद्यालय के प्रो. रघुनाथ पण्डा, डॉ. इन्दुलता दाश आदि विद्वान् समुपस्थित थे।

धर्मशास्त्र विभाग

विभागमुख्य प्रो. अतुल कुमार नन्द परिसर के प्राचार्य पद पर इस सत्र के आरम्भ में नियुक्त हुए। प्रो. खगेश्वर मिश्र अगरतल्ला स्थित एकलव्य परिसर के प्राचार्य पद पर नियुक्त किए गए तथा प्रो. ललित कुमार साहु एकलव्य परिसर से इस परिसर में स्थानान्तरित हुए। 8 नवम्बर 2016 को श्री अङ्कित दाधीच अतिथि अध्यापक के रूप में नियुक्त किए गए।

27.01.2017 से 28.01.2017 तक द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आचार्य किशोर चन्द्र महापात्र, आचार्य देवीदत्त रथ, प्रो. माधव चन्द्र पण्डा प्रभृति विद्वान् विराजमान थे।

29.01.2017 को पण्डित कुलमणि मिश्र स्मृति व्याख्यान माला के तत्त्वावधान में 'दत्तपुत्रविमर्शः' विषय पर आचार्य किशोर चन्द्र महापात्र ने अपना विशिष्ट मन्तव्य उपस्थापित किया।

सर्वदर्शन विभाग

10.02.2017 से 11.02.2017 पर्यन्त 'श्रीमद्भगवद्गीतायाः वैज्ञानिकत्वम्' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। उद्घाटनोत्सव में श्री ज.सं. विश्वविद्यालय के भूतपूर्व कुलपति श्री नीलकण्ठ पति, परीक्षा नियन्त्रक सुकान्त कुमार सेनापति, मुख्य वक्ता के रूप में परिसर के नव्य-व्याकरण विभाग के अध्यक्ष प्रो. हरेकृष्ण महापात्र, विशिष्ट वक्ता के रूप में राष्ट्रपति सम्मानित पं. गोविन्दचन्द्र मिश्र, सभाध्यक्ष के रूप में परिसर प्राचार्य प्रो. अतुल कुमार नन्द उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में विभागीय छात्र श्री कृष्णकान्त मिश्र ने वैदिक मंगलाचरण किया। यह संगोष्ठी डॉ. नन्दिघोष महापात्र के निर्देशन, डॉ. प्रदीप कुमार साहु के संयोजन तथा प्रो. गौरप्रिया दाश के तत्त्वावधान में सम्पन्न हुई। इस संगोष्ठी में दस सत्र चले, जिनमें विभिन्न प्रदेशों से आये हुए विद्वान् लोगों ने शोधपत्र प्रस्तुत किया। इस संगोष्ठी में प्रायः 10 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। जिनमें श्रीमद्भगवद्गीता की वैज्ञानिकता से सम्बन्धित बिन्दुओं पर चर्चा की गई।

समापन सत्र में परिसर प्राचार्य प्रो. अतुल कुमार नन्द सभाध्यक्ष के रूप में, भूतपूर्व प्राचार्य प्रो. सी.एच्.एन्.बी प्रसाद राव मुख्यातिथि के रूप में, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव प्रो. प्यारीमोहन पट्टनायक मुख्य वक्ता के रूप में, परिसर के हिन्दी विभाग के भूतपूर्व अध्यापक डॉ. श्रीनिवास आचार्य तथा परिसर के साहित्य विभागाध्यक्ष प्रो. सूर्यमणि रथ सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस संगोष्ठी में विभागीय अध्यापक डॉ. नन्दिघोष महापात्र ने स्वागतवाचन, विभागाध्यक्षा प्रो. गौरप्रिया दाश ने संगोष्ठी प्रतिवेदनवाचन, परिसर प्राचार्य प्रो. अतुल कुमार नन्द ने अध्यक्षीय भाषण, विभागीय अध्यापक श्री अजय कुमार पाण्डेय ने सभासञ्चालन तथा विभागीय अध्यापक डॉ. प्रदीप कुमार साहु ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

अद्वैतवेदान्त विभाग

अद्वैतवेदान्त विभाग के प्रमुख प्रो. प्रसादराव ने सत्रारम्भ से अक्टूबर माह पर्यन्त प्राचार्य पद का कार्यभार सम्भाला। व्यास पूर्णिमा के दिन विभाग में गुरुपूजन के साथ नूतन छात्र-छात्राओं का स्वागत हुआ। स्वच्छभारत कार्यक्रम में विभागीय अध्यापकों ने भाग लिया। इस वर्ष त्रिपुरा राज्य स्थित अगरतल्ला में आयोजित नवम युवमहोत्सव में विभागीय छात्रों ने कई पुरस्कार प्राप्त किए-

1. सावी सिंह - आ.प्र. 100 मीटर दौड़ - प्रथम पुरस्कार।
2. सावी सिंह - आ.प्र. 200 मीटर दौड़ - प्रथम पुरस्कार।
3. प्रतीमप्रकाश पाढी - आ. द्वि. - सुभाषित कण्ठपाठ - प्रथम पुरस्कार।
4. प्रतीमप्रकाश पाढी - आ. द्वि. - सुगमगीतस्पर्धा - द्वितीय पुरस्कार।
5. सुनील कुमार पाणिग्राही - शा. प्र. - कबड्डी - प्रथम पुरस्कार।
6. प्रियदर्शिनी शतपथी - शा. प्र. - रंगवल्ली - तृतीय पुरस्कार।

अखिल भारतीय भाषण स्पर्धा हेतु राज्य स्तर पर विभाग के दो छात्र श्री सत्यप्रकाश दाश तथा सस्मिता परिडा का चयन हुआ। विभागीय अध्यापक डॉ. भगवान सामन्तराय ने अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के राज्य संयोजक के रूप में ढेंकानाल स्थित महाविद्यालय का पर्यवेक्षण किया।

फरवरी महीने के 9-10 दिनाङ्क को 'प्रस्थानत्रय की समाज में उपयोगिता' विषय पर आधारित द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव

प्रो. प्यारीमोहन पट्टनायक, मुख्यातिथि; इसी विश्वविद्यालय के नव्यन्यायविभागप्रमुख प्रो. कमलेश मिश्र, मुख्यवक्ता परिसर के साहित्यविभाग प्रमुख प्रो. सूर्यमणि रथ सम्मानित अतिथि तथा परिसर प्राचार्य प्रो. अतुल कुमार नन्द अध्यक्ष रूप में उपस्थित थे। समापन सत्र में पूर्व प्राचार्य प्रो. प्रसाद राव, मुख्यातिथि संस्थान के परीक्षा नियन्त्रक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति, मुख्यवक्ता तथा श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्व- विद्यालय के पूर्वकुलपति प्रो. नीलकण्ठ पति, सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस संगोष्ठी में विद्वान् लोगों ने 45 शोध पत्रों का वाचन किया। विभागमुख्य डॉ. शम्भूनाथ महालिक ने स्वागत भाषण तथा डॉ. भगवान सामन्तराय ने संगोष्ठी का सञ्चालन किया।

1 फरवरी 2017 अपराह्ण में श्रीशंकर विशिष्टव्याख्यानमाला के पञ्चम पुष्प को पुष्पित करने हेतु संस्थान के परीक्षा नियन्त्रक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति उपस्थित हुए।

नव्यन्याय विभाग

सत्र 2016-17 में संस्कृत महोत्सव के संयोजन का दायित्व नव्यन्याय विभाग को प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में डॉ. गणपति शुक्ल, संयोजक डॉ. महेश झा, उपाध्यक्ष डॉ. कुञ्जविहारी द्विवेदी तथा डॉ. पीताम्बर मिश्र सदस्य थे। विभागप्रमुख डॉ. महेश झा ने श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय बोर्ड आफ स्टडीज सदस्य के रूप में भाग लिया। डॉ. गणपति शुक्ल ने महर्षि सान्दीपनी वेद विद्या प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित परीक्षा के प्रेक्षक के रूप में भाग लिया। विभागीय छात्रों की उपलब्धियाँ-

1. शिवकुमार मिश्र - आ.द्वि. आशुभाषण - प्रथम स्थान।
2. कल्पना प्रधान - आ.द्वि. कण्ठपाठस्पर्धा - प्रथम स्थान।
3. पुष्पाञ्जलि सेनापति - शा.तृ. - खो खो - द्वितीय स्थान।
4. दिनेश कुमार भूयाँ - शा.तृ. - कबड्डी - प्रथम स्थान।
5. सुधारानी भूयाँ - आ.प्र. ग्लोरीफेस्ट - वादविवाद - द्वितीय स्थान।
6. सुधारानी भूयाँ - आ.प्र. ग्लोरीफेस्ट - मञ्चसञ्चालन - तृतीय स्थान।
7. गौरीशंकर गिरी - बॉलीबाल - प्रथम स्थान।
8. कल्पना प्रधान - आ.प्र. न्यायभाषण - प्रथम स्थान।

दिनाङ्क 20-21 फरवरी को 'आत्मतत्वविमर्श' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. नीलकण्ठ पति, उद्घाटक गंगानाथ झा परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. किशोर नाथ झा, मुख्यातिथि श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. कमलेश मिश्र, मुख्य वक्ता तथा परिसर प्राचार्य प्रो. अतुल कुमार नन्द, अध्यक्ष के रूप में उपस्थित थे। 21 फरवरी 2017 को अपराह्ण में **'न्यायशास्त्रीय भाषा पद्धति'** विषय पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान गंगानाथ झा परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. किशोर नाथ झा ने दिया।

सांख्ययोग विभाग

14 फरवरी 2017 को विभाग की ओर से विशिष्ट व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। 'सांख्यतत्वविचार' विषय पर आयोजित राष्ट्रिय आलोचना चक्र में श्रीजगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के वेदान्त विभागाध्यक्ष प्रो. प्रभात रञ्जन महापात्र, मुख्यातिथि वहीं के सर्वदर्शन विभागमुख्य प्रो. प्रलय कुमार नन्द, विशिष्टातिथि तथा परिसर प्राचार्य प्रो. अतुल कुमार नन्द, अध्यक्ष थे।

ज्योतिष विभाग

फरवरी मास की 26 तथा 27 दिनाङ्क को 'विज्ञानसम्मतं ज्योतिषशास्त्रम्' पर द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में वेदव्यास परिसर के ज्योतिष विभागमुख्य डॉ.पी.वी.बी. सुब्रह्मण्य तथा परिसर प्राचार्य प्रो. अतुल कुमार नन्द सहित क्षेत्रीय गणमान्य दैवज्ञ समुपस्थित रहे।

दिनाङ्क 27.02.2017 को **'ज्योतिषशास्त्रे भूकम्पविचारः'** विषय पर विशिष्टव्याख्यान सङ्गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिमसें काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के ज्योतिषविभागीय आचार्य डॉ. शत्रुघ्न त्रिपाठी मुख्य वक्ता थे।

आधुनिक विभाग

27.02.2017 से 28.02.2017 तक **'श्रीजगन्नाथपरम्परायां साहित्यदर्शनअर्थशास्त्रसामाजिकप्रबन्धनम्'** विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रिय सङ्गोष्ठी का समायोजन हुआ। इस सङ्गोष्ठी के उद्घाटनावसर पर संस्थान के परीक्षा नियन्त्रक प्रो. सुकान्त सेनापति, प्रो. हरेकृष्ण शतपथी, श्री.ज.सं. विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. रमेशचन्द्र मिश्र, उत्कल विश्वविद्यालय के

विख्यात ऐतिह्यविद् प्रो. हिमांशुशेखर पट्टनायक तथा परिसर प्राचार्य प्रो. अतुल कुमार नन्द समुपस्थित थे। परिसरीय इतिहास विभाग के प्राध्यापक श्री दुर्गादास महापात्र ने सफलतापूर्वक संयोजकत्व का निर्वहन किया।

27.02.2017 को **'आधुनिकच्छात्रसमाजे नैतिकशिक्षाया -: मूल्यबोध:'** विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का समायोजन हुआ। इस कार्यक्रम में चिन्मय मिशन के स्वामी श्री सदानन्द सरस्वती मुख्य वक्ता थे।

शिक्षाशास्त्र विभाग

16.09.2017 को **'अध्यापकस्योत्तरदायित्वम्'** विषय पर देहलीस्थ श्री लालबहादुर राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के भूतपूर्व कुलपति प्रो. श्रीधर वशिष्ठ ने अपना विशिष्ट मन्तव्य उपस्थापित किया।

02.03.2017 से 03.03.2017 तक द्विदिवसीय राष्ट्रिय सङ्गोष्ठी का आयोजन हुआ। उद्घाटन सत्र में श्री लालबहादुर राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के शिक्षाशास्त्र के विभागमुख्य प्रो. आर.पी. पाठक तथा नलिनी देवी महिला शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रविप्रिया प्रभृति विद्वान् समुपस्थित थे। इस कार्यक्रम के समापन सत्र में श्री ज.सं. विश्वविद्यालय के भूतपूर्व कुलपति प्रो. गङ्गाधर पण्डा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान के प्राचार्य प्रो. लक्ष्मीधर दाश, उत्कल प्रान्तस्थ संस्कृत भारती के प्रमुख डॉ. नृसिंह चरण पण्डा प्रभृति सम्मान्य सदस्यों ने सभा को समलङ्कृत किया।

सेवानिवृत्ति

परिसर के दीर्घकालवधिक प्राचार्यत्व का निर्वहन करने वाले डॉ. जी. गङ्गन्ना जी 30.06.2016 को, कार्यालय के कनिष्ठ आशुलिपिक श्री केदारनाथ दाश जी 31.07.2016 को, परिसर प्राचार्य प्रो. सि.एच्.एन्.वि. प्रसादराव जी 30.09. 2016 को तथा बहूद्देशीय कर्मचारी श्रीमती लक्ष्मी देई तथा श्रीधर नायक 28.02.2017 को सेवानिवृत्त हुए।

छात्रकल्याण परिषद्

प्राचार्य के निर्देशानुसार परिसर की प्रत्येक कक्षा में सर्वोत्तम अङ्क प्राप्त करने वाले छात्र छात्रकल्याण परिषद् के सदस्य घोषित किए जाते हैं। जिसमें सर्वदर्शन विभाग की आचार्य द्वितीयवर्ष की ज्ञानलिप्सा प्रियदर्शिनी, नव्यव्याकरण विभाग के आचार्य प्रथमवर्ष की याज्ञसेनी द्विवेदी, शिक्षाशास्त्री प्रथमवर्ष के देवाशिष मिश्र, शिक्षाशास्त्री द्वितीयवर्ष की चिन्मयी मिश्र, शिक्षाचार्य प्रथमवर्ष की अनुपमा सामन्तसिंहार, शिक्षाचार्य द्वितीयवर्ष की सुधाराणि पति, शास्त्री तृतीयवर्ष की रोजालिन् महारणा, शास्त्री द्वितीय वर्ष के रामानारायण द्विवेदी, शास्त्री प्रथमवर्ष की सुलग्ना सेनापति, प्राक्शास्त्री द्वितीयवर्ष की देवकी मिश्र तथा प्राक्शास्त्री प्रथमवर्ष की अर्पिता प्रियदर्शिनी सदस्य रहे। इस परिषद् के उपदेष्टा प्रो. ललित कुमार साहु, डॉ. उदयनाथ झा (अशोक), डॉ. वृन्दावन पात्र, डॉ. विष्णुकुमार निर्मल तथा श्री दुर्गाप्रसाद दासमहापात्र थे।

वार्षिकोत्सव

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी दिनाङ्क 17 फरवरी 2017 को वार्षिकोत्सव सोल्लास मनाया गया। इस महोत्सव में रेवेन्सा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रकाशचन्द्र षडङ्गी, मुख्यातिथि थे। मुख्यवक्ता श्री जगन्नाथ सं.वि.वि. के कुलपति प्रो. राधामाधव दास तथा सभाध्यक्ष परिसर के प्राचार्य प्रो. अतुल कुमार नन्द की उपस्थिति में यह कार्यक्रम भलीभाँति सम्पन्न हुआ।

परिसर परिवार

परिसर परिवार के अन्तर्गत शैक्षिक कर्मचारी एवं कार्यालय कर्मचारी आते हैं। इन दोनों के साथ ही यह परिवार पूर्ण होता है। जिसमें 67 शैक्षिक कर्मचारी हैं, इसमें 37 संविदाध्यापक तथा अतिथि अध्यापक भी है। 31 कार्यालय कर्मचारी कार्यालयीय कार्य का सम्पादन करते हैं; इसमें 11 सदस्य संविदा में कार्य करते हैं। इस प्रकार कुल मिलाकर 98 कर्मचारी हैं।

परिसर के प्रकाशन

क्र.सं.	विभाग	प्रकाशन	आईएसएसएन/आईएसबीएन
1.	परिसर	पौर्णमासी	2347-9469
2.	परिसर	सदाशिवसन्देशः	-----
3.	व्याकरण विभाग	गोणिका	2347-629X
4.	साहित्य विभाग	साहित्यसौरभम्	2454-2814
5.	पुराण विभाग	पुराणज्योत्स्ना	2394-9732
6.	धर्मशास्त्र विभाग	श्रीदेवयानम्	2394-2436
7.	वेदान्त विभाग	अद्वैतनिधिः	2348-8263
8.	दर्शन विभाग	दर्शनप्रभा	2348-5981
9.	नव्यन्याय विभाग	तर्कतरङ्गिणी	2394-5109
10.	ज्योतिष विभाग	ज्योतिषामृतम्	2456-1916
11.	सांख्ययोग विभाग	सांख्ययोगामृतम्	2465-796X
12.	शिक्षाशास्त्र विभाग	शिक्षासुरभिः	2347-9914
13.	परिसरीय राजभाषा समिति	नीलाचल सौरभ	2394-5265

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 0

उत्तर प्रेषित - 0

4.2.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

1. श्री रणवीर परिसर : एक परिचय

1.1 परिचय

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली, विश्व का एकमात्र बृहत्तम एवं बहुपरिसरीय संस्कृत विश्वविद्यालय है। वर्तमान में माननीय प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री इसके कुलपति हैं। देशभर में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के 13 परिसर हैं। जम्मू स्थित श्री रणवीर परिसर उन्हीं तेरह परिसरों में से एक है। यह परिसर 84 कनाल भूमि पर निर्मित है।

1.2 उद्देश्य एवं पृष्ठभूमि

जम्मू-कश्मीर के महाराजाधिराज श्रीरणवीरसिंह ने संस्कृत विद्या के पारम्परिक एवम् अगाध-अद्भुत ज्ञान के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जम्मू प्रान्त में आज से 173 वर्ष पूर्व सन् 18 ईस्वी में श्रीरघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना की थी। दिनाङ्क 01 अप्रैल, 1971 को केन्द्र सरकार ने इसका अधिग्रहण किया तथा इसे "श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ" का नाम दिया। 02 मई, 2002 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को बृहत्तम बहुपरिसरीय संस्कृत विश्वविद्यालय घोषित किया गया। तब से श्रीरणवीर परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) के नाम से विख्यात है। इस परिसर के प्रथम प्राचार्य डॉ. अनन्त मराल शास्त्री थे तथा क्रमशः डॉ. दयानन्द भार्गव, डॉ. जे. गांगुली, डॉ. जगन्नाथ पाठक, डॉ. राघव प्रसाद चौधरी, डॉ. राम किशोर शुक्ल, डॉ. प्रियतम चन्द्र शास्त्री (कार्यवाहक), प्रो. जी. गंगन्ना, प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, प्रो. यशपाल खजूरिया (कार्यवाहक) तथा प्रो. एम्. चन्द्रशेखर (कार्यवाहक), प्रो. पी.एन. शास्त्री (कार्यवाहक) तथा स्व. प्रो. रामानुज देवनाथन्, प्राचार्य रहे हैं। वर्तमान में प्रो. बच्चा भारती परिसर के (कार्यवाहक) प्राचार्य हैं।

1.3 विषय एवं विभाग

इस परिसर में आठ विषयों के विभाग हैं-

1. व्याकरण
2. साहित्य
3. दर्शन विभाग
4. ज्योतिष विभाग
5. वेद विभाग
6. आधुनिक विभाग
7. शिक्षाशास्त्र विभाग
8. मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र

1.4 अध्ययन-अध्यापन एवं शोध कार्य

श्री रणवीर परिसर में पारम्परिक शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत आधुनिक विषयों का भी सुन्दर सामंजस्य स्थापित कर अध्ययन-अध्यापन किया जाता है। संस्थान मुख्यालय के निर्देशानुसार सत्रार्धिक परीक्षा प्रणाली (Semester System) भी लागू की जा चुकी है। कक्षानुसार परिसर में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था इस प्रकार है-

(i) **पारम्परिक संस्कृत शिक्षा**

पारम्परिक संस्कृत शिक्षा के अन्तर्गत श्री रणवीर परिसर में प्राक्शास्त्री (इण्टरमीडिएट 10+2), शास्त्री 1+2+3 (B.A.) तथा आचार्य 1+2+3+2 (M.A.) पर्यन्त अध्ययन की व्यवस्था है। इन कक्षाओं में व्याकरण शास्त्र, साहित्य शास्त्र, दर्शन शास्त्र, सिद्धान्त एवं फलित ज्योतिष शास्त्र तथा वेदवाङ्मय संस्कृत के पारम्परिक शास्त्रीय विषयों के साथ-साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, कम्प्यूटर एवं पर्यावरण शिक्षा इत्यादि आधुनिक विषयों का भी अध्ययन करवाया जाता है।

(ii) **व्यावसायिक शिक्षा**

श्री रणवीर परिसर में व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत शिक्षा शास्त्र विभाग (Education Department) में शिक्षाशास्त्री का 1979 (B.Ed.) तथा शिक्षाचार्य (M.Ed.) का प्रशिक्षण दिया जाता है।

(iii) **शोध कार्य**

संस्कृत विद्या की विविध विधाओं में प्रासंगिक विषयों में बहुआयामी शोध के उद्देश्य से श्रीरणवीर परिसर में विद्यावारिधि (Ph.D.) के निर्देशन की भी समुचित व्यवस्था है। गत वर्ष तक इस परिसर में 120 शोधार्थी विद्यावारिधि (Ph.D.) की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं।

वर्तमान में पंजीकृत शोधार्थियों की संख्या 21 है। इस सत्र में प्रविष्ट शोध छात्रों की संख्या 15 है।

1.5 मुक्तस्वाध्याय केन्द्र

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने सभी परिसरों में विविध पारम्परिक विषयों के लिये मुक्तस्वाध्यायपीठ के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा प्रणाली का प्रारम्भ किया है। मुक्तस्वाध्यायपीठ के समस्त कार्यक्रम दूरस्थ शिक्षा परिषद् एवं इन्दिरा गांधी राष्ट्रिय गांधी राष्ट्रिय मुक्त विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त है। श्री रणवीर परिसर, जम्मू में भी 2010–2011 से मुक्तस्वाध्याय केन्द्र प्रारम्भ हो चुका है। संस्थान ने मुक्तस्वाध्याय प्रणाली तथा अन्तरजातीय शिक्षण के माध्यम से अन्तर–अनुशासनात्मक क्षेत्र में संस्कृतवाङ्मय को विस्तारित कर रहा है। इस केन्द्र में वर्तमान सत्र में 46 विद्यार्थी हैं।

1.6 कश्मीर शैवदर्शन परियोजना

कश्मीर शैव दर्शन जम्मूकश्मीर प्रान्त की अमूल्य धरोहर है। इस धरोहर के संरक्षण के उद्देश्य से श्री रणवीर परिसर में कश्मीर शैव दर्शन परियोजना चल रही है। यह परियोजना संस्थान के केवल इसी परिसर में है। स्वर्गीय डॉ. बलजिन्नाथ पण्डित एवं शैवदर्शन कोश से सम्बद्ध शोध सहायकों के कठिन प्रयास से कश्मीर–शैवदर्शन कोश का प्रकाशन दो भागों (2 Volumes) में हो चुका है। ये दोनों भाग विक्रय के लिये सर्वजन सुलभ हैं। इनकी प्रतियाँ सम्पूर्ण भारत में तथा भारत से बाहर विदेशों में भी जा रही है। इस विभाग में लगभग 125 दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ विद्यमान हैं। ये पाण्डुलिपियाँ शारदालिपि एवं देवनागरी लिपि में लिपिबद्ध हैं। इनका लिप्यन्तरण तथा अनुवाद कार्य परिसर से शोध सहायकों का मुख्यालय में स्थानान्तरण एवं सेवा निवृत होने के कारण रुक गया है, जिसको पुनः आरम्भ करने हेतु संस्थान मुख्यालय से स्टाफ की नियुक्तियों के लिए प्रार्थना की गई है और शीघ्र ही स्टाफ उपलब्ध होने की सम्भावना है। स्टाफ की नियुक्ति होने पर परियोजना का कार्य पुनः आरम्भ कर दिया जाएगा।

1.7 प्रकाशन

विविध ज्ञान–विज्ञान, दर्शन आदि से सम्बन्धित 23 ग्रन्थ परिसर द्वारा प्रकाशित किये जा चुके हैं। इनमें कश्मीर शैव दर्शन से सम्बन्धित ग्रन्थों की माँग सम्पूर्ण देश से की जा रही है। संस्कृत, हिन्दी, डोगरी तथा अंग्रेजी भाषा में गवेषणा पूर्ण वैचारिक निबन्ध, कविता आदि से सुसज्जित श्रीवैष्णवी नामक वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन भी विगत वर्षों से होता आ रहा है। यह पत्रिका को गत वर्ष (National Institute of Science & Communication and Information Resources, New Delhi) से ISSN - 755 2277-906 X नम्बर प्राप्त है। परिसर प्राध्यापकों के कठिन प्रयासों से इस पत्रिका को प्रत्येक वर्ष प्रकाशित किया जा रहा है।

सत्र 2011–12 से परिसर के शिक्षा विभाग द्वारा भी शिक्षामृतम् नामक शिक्षाशास्त्र पत्रिका का प्रकाशन प्रारम्भ किया गया है।

सत्र 2015–16 से श्री शंकर शास्त्रार्थपरिषद् में प्रस्तुत शास्त्रार्थों का संकलन 'शास्त्रसौरभम्' नामक शोध पत्रिका का प्रकाशन प्रारम्भ किया गया।

सत्र 2016–17 परिसरीय विभागीय शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन प्रारम्भ किया गया।

1.8 पुस्तकालय

श्री रणवीर परिसर का अपना सुसमृद्ध पुस्तकालय है जिसमें विविध विषयों की लगभग 45,000 पुस्तकें उपलब्ध हैं।

1.9 ई–पुस्तकालय

श्री रणवीर परिसर की ग्रन्थात्मक ज्ञाननिधि को परिचयात्मक दृष्टि से सर्वजन सुलभ बनाने के उद्देश्य से परिसर में ई–पुस्तकालय का अङ्कनात्मक उपक्रम चल रहा है।

1.10 वेधशाला

विद्यार्थियों को सौविध्यपूर्वक ज्योतिष शास्त्र का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक ज्ञान प्रदान करने की दृष्टि से श्री रणवीर परिसर में एक लघु वेधशाला भी स्थापित की गई है। इस वेधशाला में लघु तारामण्डल, दूरवीक्षण यन्त्र, ग्रहकक्षा क्रम यन्त्र, चन्द्रकला यन्त्र, सौरचन्द्रग्रहण यन्त्र तथा गोल यन्त्र आदि अनेक यन्त्र एवं चित्रफलक विद्यमान हैं।

1.11 सम्मेलन कक्ष

श्री रणवीर परिसर में एक मन्त्रणा सभागार बनाया गया है जो कि आधुनिक एवम् उत्कृष्ट सुविधाजनक फर्नीचर से सुसज्जित है। इस मन्त्रणा सभागार में 62 व्यक्तियों के बैठने की सुखद व्यवस्था है।

1.12 वाणी विलास सभागार

विद्वद्व्याख्यान तथा विद्यार्थियों की नृत्य-नाट्य-भाषाणादि, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिये श्री रणवीर परिसर में आधुनिक तकनीक युक्त ध्वनि प्रकाशादिव्यवस्था से सम्पन्न तथा सुन्दर फर्नीचर से सुसज्जित 'वाणीविलास' सभागार भी है। इस भव्य सभागार में 500 लोगों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है।

1.13 सङ्गणक कक्ष

आधुनिक विषयों के अन्तर्गत शास्त्री स्तर तक विद्यार्थियों को कम्प्यूटर की शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से परिसर में संगणक कक्ष भी बनाया गया है। इस संगणक कक्ष में पर्याप्त रूप से उपयोगी फर्नीचर की सुविधा सहित 17 संगणक यन्त्रों की व्यवस्था है। संगणक कक्ष इन्टरनेट सुविधा से परिपूर्ण है।

1.14 प्रति विभाग कम्प्यूटर

विभागीय कार्यों को सुचारू गति देने और अधिक व्यवस्थित ढंग से कार्यों के सम्पन्न करने के लिए परिसर के प्रत्येक विभाग में एक एक कम्प्यूटर इन्टरनेट सुविधा सहित लगाये गए हैं।

1.15 विभागीय पुस्तकालय

विद्यार्थियों के जिज्ञासा पठन-पाठन की प्रवृत्ति और उनमें पढने के प्रति रुचि जाग्रत करने के लिए परिसर के प्रत्येक विभाग में 50,000 हजार रूपये की राशि से इस सत्र से पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

1.16 भाषा प्रयोगशाला

परिसर के शिक्षा शास्त्र (Pedagogy) में इस सत्र से भाषा प्रयोगशाला का निर्माण हुआ। इस में दस छात्रों एवं एक अनुदेशक के लिए भाषा कौशल अधिगम की व्यवस्था की गई है। इसमें 10 अधिगम संगणक एवं 01 अनुदेशक संगणक व्यवस्थित है।

1.17 मनोविज्ञान प्रयोगशाला

परिसर के शिक्षा शास्त्र विभाग में मनोविज्ञान प्रयोगशाला में नवीन उपकरणों की व्यवस्था की गई। जिसमें अत्याधुनिक इलेक्ट्रानिक उपकरण भी सम्मिलित हैं।

1.18 प्राध्यापक वर्ग एवं कार्यालयीय कर्मचारी

परिसर में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, अनुबन्धित एवं अतिथि शिक्षक आदि कुल मिलाकर 38 शैक्षणिक सदस्य कार्यरत हैं। परिसर में 23 कार्यालयीय सदस्य, 04 सुरक्षा प्रहरी तथा 04 CPWD कर्मचारी कार्यरत हैं।

1.19 छात्रावास

दूरदराज के क्षेत्रों तथा अन्य राज्यों से आने वाले विद्यार्थियों के लिये श्री रणवीर परिसर में छात्र-छात्राओं के लिये अलग-अलग पर्याप्त विस्तृत सुविधासम्पन्न पुरुष छात्रावास (Boys Hostel) तथा महिला छात्रावास (Girls Hostel) हैं। इन छात्रावासों में कुल 84 आवास कक्ष हैं। जिनमें 168 विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था है। छात्रावासों में 4 गीजर भी हैं। छात्रावासीय छात्रों एवं छात्राओं की भोजन व्यवस्था के लिये दोनों छात्रावासों में सुविधा युक्त भोजनालय भी बनाए गये हैं।

1.20 कर्मचारी आवास

प्राचार्य, छात्रावासीय-अधीक्षक तथा परिसरीय सदस्यों की आवासीय सुविधार्थ परिसर में शिक्षकों के लिए आवास बनाये गए हैं।

1.21 व्यायामशाला

विद्यार्थियों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए परिसर में योग-क्रीडा तथा व्यायाम का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसके लिए एक व्यायाम शाला का निर्माण किया गया है। इस व्यायाम शाला में विविध आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं।

1.22 क्रीडा क्षेत्र

परिसर में एक विशाल खेल का मैदान भी है जिसमें सभी प्रकार की क्रीडात्मक गतिविधियों का संचालन किया जाता है।

2. साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ

2.1 सरस्वती परिषद् एवं विभागीय गोष्ठी

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं बौद्धिक विकास के उद्देश्य से श्री रणवीर परिसर में सन् 1971 से प्रतिमास सरस्वती

परिषद् का आयोजन किया जाता है। सन् 2006 से साहित्य व्याकरण, दर्शन, ज्योतिष, शिक्षाशास्त्र एवम् आधुनिक विषयों की भी विभागीय परिषद् (गोष्ठी) प्रत्येक मास के तृतीय सप्ताह में अपने-अपने विषय में भाषण, कण्ठस्थ ग्रन्थपाठ, श्लोकपाठ, उच्चारण आदि का अभ्यास करवाती है। इन सभी विभागीय परिषदों को मिलाकर प्रत्येक मास के अन्तिम सप्ताह में सरस्वती परिषद् का आयोजन किया जाता है जिसके अन्तर्गत सम्मिलित रूप से सभी विषयों की शैक्षणिक, शास्त्रीय आदि विविध प्रतियोगिताएँ करवाई जाती हैं।

2.2 शास्त्राभ्यास

शास्त्र में विशेष रुचि रखने वाले जिज्ञासु विद्यार्थियों को नियमित कक्षा के पश्चात् विविध शास्त्रों का अभ्यास करवाया जाता है। स्वावलम्बन हेतु विद्यार्थियों को रूद्राष्टाध्यायी एवं विविध वैदिक मन्त्रों का भी विधि-विधान सहित पाठ कण्ठस्थ करवाया जाता है। एतदर्थ परिसर में शास्त्राभ्यास कक्ष की विशेष व्यवस्था की गई है।

2.3 वसन्तोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कौमुदी महोत्सव का आयोजन दिनांक 28 फरवरी 2017 से 1 मार्च 2017 तक किया गया। जिसमें परिसर के छात्रों द्वारा छत्रपतिसाम्राज्यम् नाटक का मंचन किया गया। जिसमें परिसरीय छात्र दीपेन्द्र ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

2.4 युवा महोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा प्रतिवर्ष भिन्न-भिन्न परिसरों में युवा महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष दिनांक 18 नवम्बर से 21 नवम्बर 2016 तक युवा महोत्सव का आयोजन एकलव्य परिसर, अगरतला, त्रिपुरा में किया गया। इस महोत्सव में छात्रों ने विभिन्न स्पर्धाओं में भाग ग्रहण किया। तथा परिसर के शिक्षाशास्त्री प्रथमवर्ष के छात्र श्रीगोवर्धन कुमार ने व्यंग्य चित्र में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। तथा गद्य रचना स्पर्धा में शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष के छात्र दीपेन्द्र ने कांस्य पदक प्राप्त किया। क्रीडा स्पर्धाओं में परिसर के शास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्र राहुल शर्मा ने मल्लयुद्ध स्पर्धा में रजत पदक प्राप्त किया। मल्लयुद्ध स्पर्धा में ही परिसर के शिक्षाशास्त्री विभाग के छात्र अनिल कुमार मिश्र और जयवीर ने कांस्य पदक प्राप्त किया। इसके साथ ही शिक्षाशास्त्र विभाग की छात्रा देवी प्रभा बिस्वाल ने शतरंज स्पर्धा में कांस्य पदक प्राप्त किया।

2.5 अखिलभारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 27.12.2016 से 02.01.2017 तक अखिलभारतीयशास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के एकलव्य परिसर, अगरतला में किया गया।

2.6 वार्षिक शैक्षिक क्रीडा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता

परिसर में प्रतिवर्ष भाषण, वाद-विवाद, श्लोक पाठ, काव्य पाठ, अन्त्याक्षरी एवं प्रश्नमंच आदि शैक्षिक प्रतियोगिताओं तथा खेलकूद की विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इनमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को वार्षिकोत्सव में पुरस्कृत किया जाता है।

2.7 पर्यावरण एवं शैक्षिक भ्रमण

परिसर में प्रतिवर्ष प्राकशास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षाचार्य के विद्यार्थियों को पर्यावरण भ्रमण, शैक्षिक भ्रमण तथा ऐतिहासिक भ्रमण के लिए विविध स्थानों पर ले जाया जाता है।

2.8 विभागीय परियोजनाएँ

सत्र 2016-17 में संस्थान मुख्यालय द्वारा वेद, ज्योतिष और साहित्य विभाग में लघु परियोजनाएं स्वीकृत की गयी।

- वेद विभाग में Preparing Descriptive Dictionary of Shrauta Sutra (Text) Technical Terms विषय पर शोध परियोजना चल रही है। जिसके मुख्य गवेषक वेद विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार मिश्र तथा सह गवेषक वेद विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. दे. दयानाथ, डॉ. दीपक कुमार शर्मा हैं।
- ज्योतिष विभाग में उदररोग का प्रायोगिक ज्योतिषशास्त्रीय निदान एवं उपचार विषय पर शोध परियोजना चल रही है। जिसके मुख्य गवेषक ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. प्रभात कुमार महापात्र तथा सह गवेषक ज्योतिष विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. चन्द्रमौलि रैणा, डॉ. रामदास संगोत्रा डॉ. निगम पाण्डेय एवं डॉ. रतन कुमार पाण्डेय हैं।
- साहित्य विभाग में Sanskrit Translation of Dogri Edition 'मातरेआ' विषय पर शोध परियोजना चल रही

है। जिसके मुख्यगवेषक साहित्य विभागाध्यक्ष डॉ. सतीश कुमार कपूर तथा सह गवेषक साहित्य विभाग के डॉ. तेजनाथ पौडेल, डॉ. नीतू शर्मा हैं।

2.9 विभागीय संगोष्ठी

- दिनांक 26.11.2016 से 27.11.2016 तक व्याकरण में राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन व्याकरण विभाग के द्वारा किया गया। इसका उद्घाटन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर के प्राचार्य प्रो. सुरेन्द्र पाठक के मुख्यातिथित्व में तथा मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. अशोक चन्द्र गौड शास्त्री वेदव्यास परिसर (हि.प्र.) पधारे। अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रो. रामानुज देवनाथन के द्वारा की गई। इस में श्री.ला.ब.शा राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ से प्रो. रामसलाही द्विवेदी, वेदव्यास परिसर से डॉ. ब्रजभूषण ओझा, डॉ. श्रीनाथधर द्विवेदी, भोपाल परिसर से डॉ. दिनेश चौबे, महर्षि सान्दीपनी राष्ट्रिय वेद विद्या प्रतिष्ठान से डॉ. अखिलेश द्विवेदी उपस्थित रहें। संगोष्ठी के मुख्यसंयोजक व्याकरण विभागाध्यक्ष प्रो. हरिनारायण तिवारी थे। संगोष्ठी में व्याकरण विभाग के प्राध्यापकों एवं परिसर प्राध्यापकों द्वारा सहभागिता की गई।
- दिनांक 03.12.2016 से 04.12.2016 तक 'साम्प्रतिके काले वेदानामुपादेयता' इस विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन वेदविभाग के द्वारा किया गया। इसका उद्घाटन सुन्दरबनी, जम्मू के श्री श्री 1008 श्री विश्वात्मानन्द सरस्वती महाराज के मुख्यातिथित्व में तथा परिसर प्राचार्य प्रो. रामानुज देवनाथन के अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। संगोष्ठी के मुख्य संयोजक वेदविभागाध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार मिश्र थे। इसके संयोजक वेदविभागीय प्राध्यापक डॉ. डी. दयानाथ, तथा डॉ. दीपक कुमार शर्मा एवं डॉ. धनेश कुमार पाण्डेय थे।
- दिनांक 25.01.2017 को 'कालविचार:' इस विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन ज्योतिष विभाग के द्वारा किया गया। इसका उद्घाटन जम्मू विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के डॉ. रामबहादुर शुक्ल मुख्यातिथि द्वारा किया गया। संगोष्ठी के मुख्य संयोजक ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. प्रभात कुमार महापात्र थे। संगोष्ठी में ज्योतिष विभाग के प्राध्यापकों एवं परिसर प्राध्यापकों द्वारा सहभागिता की गई।
- दिनांक 04.02.2017 से 05.02.2017 तक 'संस्कृतसाहित्य-वाङ्मयेऽभिव्यञ्जना सौन्दर्यम्' इस विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन साहित्यविभाग के द्वारा किया गया। इसका उद्घाटन व्याकरणविभाग के अध्यक्ष प्रो. हरिनारायण तिवारी द्वारा किया गया। संगोष्ठी के समापन सत्र के मुख्यातिथि श्रीरणवीर परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. प्रियतम चन्द्र शास्त्री थे। संगोष्ठी के मुख्य-संयोजक साहित्य विभागाध्यक्ष डॉ. सतीश कुमार कपूर थे। संगोष्ठी में साहित्य विभाग के प्राध्यापकों एवं परिसर प्राध्यापकों द्वारा सहभागिता की गई।
- दिनांक 25.02.2017 से 26.02.2017 तक 'शिक्षणाधि-गमयो: नूतनप्रवृत्तय:' इस विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन शिक्षाशास्त्रविभाग के द्वारा किया गया। इसका उद्घाटन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, वेदव्यास परिसर (हि.प्र.) के प्राचार्य प्रो. लक्ष्मीनिवास पाण्डेय मुख्यातिथि द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी शिक्षाशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. पी.एन्. सिंह उपस्थित रहे। अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रो. बच्चा भारती द्वारा की गई। इसमें वेदव्यास परिसर से डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी, भोपाल परिसर से प्रो. नगेन्द्र नाथ झा, SLBSRSV से डॉ. प्रेमसिंह सिकरवार, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय से डॉ. सुमन प्रसाद भट्ट पधारे। संगोष्ठी के मुख्यसंयोजक शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. बच्चा भारती थी। संगोष्ठी में शिक्षाशास्त्र विभाग के प्राध्यापकों एवं परिसर प्राध्यापकों द्वारा सहभागिता की गई।
- दिनांक 03.03.2017 से 04.03.2017 तक 'भक्ति' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन आधुनिक विभाग के द्वारा किया गया। इसका उद्घाटन जम्मू विश्वविद्यालय डोगरी विभाग की अध्यक्ष प्रो. अर्चना केसर मुख्यातिथि द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में अटल बिहारी हिन्दी विश्व-विद्यालय के राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन शर्मा पधारे। इसमें जम्मू विश्वविद्यालय के प्रो. परमेश्वरी शर्मा, केन्द्रीय विश्वविद्यालय जम्मू के डॉ. गोविन्द इनखिया पधारे। संगोष्ठी के मुख्यसंयोजक आधुनिक विभागाध्यक्ष श्री शरत चन्द्र शर्मा थे। संगोष्ठी में आधुनिक विभाग के प्राध्यापकों एवं परिसर प्राध्यापकों द्वारा सहभागिता की गई।
- दिनांक 05.03.2017 से 06.03.2017 तक 'दर्शनशास्त्रे

कार्यकारणवादः' विषय पर द्विदिवसीय संगोष्ठी राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ नई दिल्ली के प्रो. प्रभाकर प्रसाद मुख्यातिथि द्वारा किया गया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में रघुनाथकीर्ति परिसर देवप्रयाग के प्राचार्य प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु पधारे। इसमें माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय से डॉ. अनिल कुमार तिवारी, डॉ. मधुमंगल चतुर्वेदी, जम्मू विश्वविद्यालय से प्रो. केदारनाथ शर्मा, डॉ. रामबहादुर शुक्ल पधारे। संगोष्ठी के मुख्यसंयोजक सर्वदर्शन विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णमुरारीमणि त्रिपाठी थे। संगोष्ठी में सर्वदर्शन विभाग के प्राध्यापकों एवं परिसर प्राध्यापकों द्वारा सहभागिता की गई।

2.10 श्री शङ्करशास्त्रार्थपरिषद्

भारतीय वाङ्मय की अमूल्य महानिधिभूत संस्कृत शास्त्रों के स्वाध्याय एवं प्रचार प्रसार को बढावा देने के उद्देश्य से परिसर प्राचार्य ने गत वर्ष श्रीशङ्करशास्त्रार्थपरिषद् स्थापना की। इस सत्र में परिषद के संयोजन का दायित्व डॉ. प्रभात कुमार महापात्र, ज्योतिष विभागाध्यक्ष और सह-संयोजक डॉ. तेजनाथ पौडेल एवं डॉ. आशीष कुमार रहे।

- श्रीशङ्करशास्त्रार्थपरिषद् का प्रथमाधिवेशन प्राचार्य प्रो. रामानुजदेवनाथजी की अध्यक्षता में दिनांक 17.08.2016 को वेद विषय में आयोजित किया गया। जिसका उद्घाटन श्री.ला.ब.शा. राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के वेदविभाग पूर्व अध्यक्ष प्रो. लक्ष्मीश्वर झा ने वेद एवेश्वरो लोके, विषय पर व्याख्यान दिया। वेद विभाग के डॉ. अरुण कुमार मिश्र, डॉ. डी. दयानाथ एवं डॉ. दीपक कुमार शर्मा ने वेद विषय पर शास्त्रार्थ उपस्थापित किया।
- दिनांक 02.02.2017 को द्वितीय अधिवेशन में व्याकरण विभाग की ओर से शास्त्रार्थ उपस्थापित किया गया। जिसमें व्याकरण विभागाध्यक्ष प्रो. हरिनारायण तिवारी, डॉ. हरिशंकर पाण्डेय, डॉ. अम्बरीष मिश्र ने व्याकरण विषय पर शास्त्रार्थ उपस्थापित किया। अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रो. बच्चा भारती द्वारा की गई।
- दिनांक 23.02.2017 को तृतीय अधिवेशन में ज्योतिष विभाग की ओर से शास्त्रार्थ उपस्थापित किया गया। जिसमें ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. प्रभात कुमार महापात्र, डॉ. निगम पाण्डेय, डॉ. रतन कुमार पाण्डेय ने ज्योतिष विषय पर शास्त्रार्थ उपस्थापित किया।
- दिनांक 09.03.2017 को चतुर्थ अधिवेशन में साहित्य विभाग की ओर से शास्त्रार्थ उपस्थापित किया गया। जिसमें साहित्य विभागाध्यक्ष डॉ. सतीशकुमार कपूर, डॉ. तेजनाथ पौडेल ने साहित्य विषय पर शास्त्रार्थ उपस्थापित किया।
- अन्तिम अधिवेशन में दिनांक 20.03.2017 को सर्व दर्शन विभाग की ओर से शास्त्रार्थ उपस्थापित किया। जिसमें सर्वदर्शन विभाग के प्राध्यापक डॉ. कृष्णमुरारीमणि त्रिपाठी, डॉ. आशीष कुमार, डॉ. ज्योति प्रकाश नन्द ने दर्शन विषय पर शास्त्रार्थ उपस्थापित किये।

2.11 श्री शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला

परिसर में सत्र 2016-17 में श्री शारदा विशिष्टव्याख्यान माला का आयोजन किया गया। जिसके संयोजक डॉ. प्रभात कुमार महापात्र एवं सह-संयोजक डॉ. ज्योतिप्रकाश नन्द रहे।

- दिनांक 17.08.2016 को श्री शारदा विशिष्टव्याख्यान माला का उद्घाटन हुआ। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रो. रामानुज देवनाथन ने की। इस अवसर पर श्री.ला.ब.शा. रा.संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के वेद विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. लक्ष्मीधर झा ने 'वेद एवेश्वरो लोके' विषय पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 25.09.2016 को मद्रास संस्कृत महाविद्यालय, चेन्नई के ज्योतिष विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एल्. नारायण शर्मा ने 'ग्रहणामुपचयापचयविचारः' विषय पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 22.02.2017 को पद्मश्री प्रो. रमाकान्त शुक्ल के द्वारा 'अर्वाचीनसंस्कृतस्य चत्वारिंशद्वर्षाणि' विषय पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 02.03.2017 को राष्ट्रिय अध्यापक शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली के पूर्व निदेशक प्रो. जगमोहन सिंह राजपूत ने 'आधुनिकशिक्षणम्' विषय पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 03.03.2017 को अखिल भारतीय राजनीति विज्ञान परिषद् के महासचिव एवं कोशाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने 'भारत में संवाद एवं विमर्श : परम्परा एवं वर्तमान' विषय पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 20.03.2017 को सम्पूर्णानन्द संस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी के न्याय विभागाध्यक्ष प्रो. रामपूजन पाण्डेय ने 'न्यायवैषेशिकत्त्व' विषय पर व्याख्यान दिया।

3. शैक्षिणिक सत्र 2016-17 में सम्पन्न वार्षिक गतिविधियों का विवरण

3.1 विविध समारोह का आयोजन

- दिनांक 21.06.2016 को परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। इसमें पतंजली योग पीठ के योग विशेषज्ञ श्री देवेन्द्र पाधा एवं श्रीमती सुधा शर्मा विशिष्टातिथि के रूप में पधारे। परिसर प्राचार्य प्रो. रामानुज देवनाथन के द्वारा अध्यक्षता की गई। कार्यक्रम का संयोजन परिसर के सहायक प्रोफेसर (अनु.) डॉ. दयानिधि शर्मा एवं डॉ. डी. दयानाथ सहायक प्रोफेसर (अनु.) के द्वारा किया गया।
- दिनांक 14.07.2016 को सत्रारम्भ हवन, परिसर प्राचार्य प्रो. रामानुज देवनाथन के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजन डॉ. प्रभात कुमार महापात्र के द्वारा किया गया।
- दिनांक 09.08.2016 से 23.08.2016 तक परिसर में आजादी के 70 साल - याद करो कुर्बानी स्वतन्त्रता पखवाडा का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत भाषण स्पर्धा निबन्ध लेखन स्पर्धा, स्लोगन स्पर्धा, राष्ट्रीय प्रतीकों की रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन परिसर छात्रों के लिए किया गया। इसका समापन दिनांक 23.08.2016 को किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम परिसर प्राचार्य प्रो. रामानुज देवनाथन के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के संयोजन डॉ. योगेन्द्र कुमार दीक्षित सहायक प्रोफेसर (अनु.) द्वारा किया गया।
- दिनांक 08.08.2016 से 15.08.2016 तक परिसर में स्वाधीनता दिवस सप्ताह का आयोजन किया गया। भाषण स्पर्धा निबन्ध लेखन स्पर्धा, स्लोगन स्पर्धा, राष्ट्रीय प्रतीकों की रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन परिसर छात्रों के लिए किया गया। इसके संयोजक परिसर के सहायक प्रोफेसर (अनु.) डॉ. दयानिधि शर्मा एवं डॉ. राजेन्द्र लाल सहायक प्रोफेसर (अतिथि) थे।
- दिनांक 15.08.2016 को परिसर में स्वतन्त्रता दिवस पर ध्वजारोहण परिसर प्राचार्य प्रो. रामानुज देवनाथन के द्वारा किया गया।
- दिनांक 12.08.2016 को अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन परिसर में आयोजित किया गया।
- दिनांक 16.08.2016 से 22.08.2016 तक परिसर में संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने इस अखण्डमन्त्रोच्चारण के साथ संस्कृत-सप्ताहोत्सव का उद्घाटन किया गया। जम्मू विश्वविद्यालय के बिज़िनेस स्कूल के प्रोफेसर राजेन्द्र मिश्र इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे।
- संस्कृत सप्ताह के अन्तर्गत श्रीशङ्करशास्त्रार्थपरिषद् का प्रथमाधिवेशन प्राचार्य प्रो. रामानुज देवनाथन् की अध्यक्षता में दिनांक 17.08.2016 को वेद विषय में आयोजित किया गया। जिसका उद्घाटन श्री.ला.ब.शा. राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के वेदविभाग पूर्व अध्यक्ष प्रो. लक्ष्मीश्वर झा ने 'वेद एवेश्वरो लोके' विषय पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 18.08.2016 को श्रावणी कर्म डॉ. चन्द्रमौलि रैणा के संयोजकत्व में आयोजित किया गया।
- दिनांक 19.08.2016 को अभिनवगुप्त एवं कश्मीर शैवदर्शन पर विशिष्टव्याख्यान डॉ. जे.के. शर्मा एवं पं. सोमनाथ शर्मा द्वारा दिया गया। अपराह्न में कविगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें जम्मू विश्वविद्यालय के प्रो. केदारनाथ शर्मा, डॉ. रामबहादुर शुक्ल एवं परिसरीय प्राध्यापकों ने भागग्रहण किया।
- दिनांक 22.08.2016 को संस्कृत सप्ताह के सम्पूर्ति समारोह में प्रो. अशोक ऐमा, कुलपति, केन्द्रीय विश्व-विद्यालय, जम्मू मुख्यातिथि रहे तथा श्री एस.के. मल्होत्रा, केन्द्र निदेशक, रेडियो कश्मीर जम्मू विशिष्ट अतिथि रहे। इस अवसर पर श्री रघुनाथ शोध संस्थान व पुस्तकालय के अध्यक्ष श्री लक्ष्मी दत्त शास्त्री को 'संस्कृतविद्याविशारद:' व केन्द्रीय विद्यालय, नगरोटा में कार्यरत डॉ. वेद प्रकाश रैणा को 'संस्कृतशिक्षाविशारद:' सम्मान प्रदान किया गया तथा श्री प्रदीप कौल द्वारा विशिष्टव्याख्यान दिया गया।
- दिनांक 29.08.2016 को परिसर में उपभोक्ता दिवस का आयोजन किया गया। जिसके संयोजक डॉ. कृष्णमुरारी मणि त्रिपाठी एवं डॉ. चंचल गर्ग थे।
- दिनांक 05.09.2016 को परिसर में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय विद्यालय, गांधी नगर, जम्मू की अध्यापिका श्रीमती सुषमा शर्मा और केन्द्रीय विद्यालय, बनतलाब, जम्मू के प्राचार्य श्री वी. सन्तोष कुमार को सम्मानित किया गया। संयोजक

डॉ. दयानिधि शर्मा रहे।

- दिनांक 05.09.2016 को परिसर में गणेश चतुर्थी की पूजा का आयोजन किया गया। जिसका संयोजन डॉ. चन्द्रमौलि रैणा ने किया।
- दिनांक 14.09.2016 से 20.09.2016 तक परिसर में हिन्दी पखवाडा का आयोजन किया गया।
- दिनांक 15.09.2016 से 19.09.2016 तक परिसर के छात्रों के लिए भाषण, निबन्ध लेखक गीत प्रतियोगिता, तथा कार्यालयीय कर्मचारियों के लिए निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- दिनांक 20.09.2016 को हिन्दी पखवाडा का सम्पूर्ति समारोह का आयोजन किया गया जिसमें जम्मू विश्व-विद्यालय के हिन्दी विभाग की प्रो. परमेश्वरी शर्मा मुख्यातिथि के रूप में पधारी तथा श्री रणवीर परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. प्रियतम चन्द्र शास्त्री विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य द्वारा की गई। कार्यक्रम के संयोजक हिन्दी विभाग के अध्यापक डॉ. संजय कुमार मिश्र थे।
- दिनांक 15.09.2016 से 21.09.2016 तक नवम युवा महोत्सव के लिए परिसरीय छात्रों के चयन हेतु स्पर्धाओं का आयोजन किया। जिसके संयोजक डॉ. प्रभात कुमार महापात्र एवं डॉ. राजेन्द्र लाल थे।
- दिनांक 26.09.2016 से 28.09.2016 तक परिसर में UGC पुनरीक्षण समिति का दौरा हुआ। UGC समिति के सदस्यों में प्रो. पंकज जानी, अध्यक्ष, प्रो. उमा सि. वैद्या, प्रो. पूर्णिमा पत्तशेट्टि, डॉ. ऊर्मिला देवी, एवं मुख्यालय के प्रतिनिधि के रूप में प्रो. रमाकान्त पाण्डेय उपस्थित रहे।
- दिनांक 17.10.2016 को परिसर में आन्तरिक गुणवत्ता संवर्धन प्रकोष्ठ के द्वारा अकादमिक अंकेक्षण का दौरा किया गया। इस समिति में उत्तराखण्ड संस्कृत विश्व-विद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. महावीर अग्रवाल तथा मुम्बई परिसर के प्राचार्य प्रो. सुदेश कुमार शर्मा उपस्थित रहे।
- दिनांक 31.10.2016 से 06.11.2016 तक परिसर में राष्ट्रिय एकता सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री शक्ति पाठक, विशेषाधिकारी, उपमुख्यमंत्री जम्मू व कश्मीर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के प्राचार्य द्वारा किया गया। जिसके संयोजक परिसर के डॉ. शुभश्री दाश एवं डॉ. मदन सिंह रहे।
- दिनांक 31.10.2016 से 07.11.2016 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसका सम्पूर्ति समारोह 07.11.2016 को हुआ। इस अवसर पर श्री शक्ति पाठक, विशेषाधिकारी, उपमुख्यमंत्री जम्मू व कश्मीर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के प्राचार्य द्वारा की गयी। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. योगेन्द्र कुमार दीक्षित एवं डॉ. प्रमोद कुमार बुटोलिया रहे।
- दिनांक 11.11.2016 को परिसर में राष्ट्रिय शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका मुख्यविषय आधुनिक शिक्षा में चुनौतियां एवं समाधान था। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में जम्मू विश्व-विद्यालय के शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो. रेणु नन्दा उपस्थित रही। समापन सत्र में निदेशक, स्कूल शिक्षा, जम्मू कश्मीर सुश्री बबिता रखवाल उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य द्वारा की गई। कार्यक्रम के संयोजक परिसर के शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो. बच्चा भारती रहे।
- दिनांक 06.12.2016 परिसर में सत्रार्द्ध परीक्षा का आयोजन किया गया।
- दिनांक 10.12.2016 गीता जयंती समारोह का आयोजन किया गया।
- दिनांक 24.01.2017 को परिसर में राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें एड्स कन्ट्रोल सोसाईटी जम्मू कश्मीर के निदेशक मुख्यातिथि के रूप में पधारे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मदन कुमार झा रहे।
- दिनांक 26.01.2017 को परिसर में गणतन्त्र दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिसर प्राचार्य प्रो. बच्चा भारती द्वारा ध्वजारोहण किया गया।
- 30.01.2017 को परिसर के प्राचार्य प्रो. रामानुज देवनाथन के असामयिक निधन पर श्रद्धांजली सभा हुई।
- दिनांक 01.02.2017 को परिसर में वसन्त पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया।
- दिनांक 06.02.2017 से 09.02.2017 तक शिक्षाशास्त्री

द्वितीय वर्ष की समस्त छात्र-छात्राओं की प्रायोगिक परीक्षा आयोजित की गई।

- दिनांक 16.02.2017 से 22.02.2017 तक परिसर में खेल सप्ताह का आयोजन किया गया।
- दिनांक 21.02.2017 को परिसर में मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया।

3.2 परिसरीय प्राध्यापकों की अकादमिक सहभागिता 2016-17

प्रो. रामानुज देवनाथन्, प्राचार्य

- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की विभिन्न उच्च स्तरीय समितियों में सदस्य।
- संस्थान के NAAC Streeing समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त।
- दिनांक 02.12.2016 को अखिलभारतीय संस्कृतभारती सम्मेलन में मुख्यातिथि के रूप में योगदान।

प्रो. हरिनारायण तिवारी, विभागाध्यक्ष, व्याकरण विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।
- व्याकरण विषय की राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक।

प्रो. बच्चा भारती, शिक्षाशस्त्र विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।
- शिक्षाशास्त्र विषय की राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक।

प्रो. जगदीश राज शर्मा, शिक्षाशास्त्र विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

श्री शरत् चन्द्र शर्मा, आधुनिक विषय विभाग एवं विभागाध्यक्ष

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।
- दिनांक 10.03.2017 को मुम्बई परिसर के आधुनिक विभाग के राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्यातिथि एवं मुख्यवक्ता के रूप में सहभागिता।
- NAAC समिति के सदस्य।
- BOS समिति के सदस्य।

डॉ. प्रभात कुमार महापात्र, सह-आचार्य, ज्योतिष विभाग एवं विभागाध्यक्ष

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।
- सत्र 2016-17 परिसर में आयोजित श्रीशारदाविशिष्ट-व्याख्यानमाला के संयोजक।
- शंकरशास्त्रार्थ परिषद् के संयोजक।
- युवा महोत्सव समिति के संयोजक।
- ज्योतिष विषय की राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक।
- Indian Institute of Oriental Heritage के अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान प्रस्तुत।
- Asian Astrology Congress के कार्यकारिणी के सदस्य।

डॉ. सतीश कुमार कपूर, सहायक-आचार्य, साहित्य विभाग एवं विभागाध्यक्ष

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।
- मुम्बई परिसर द्वारा आयोजित मुक्तस्वाध्यायपीठ के अन्तर्गत पाठलेखन प्रशिक्षण शिबिर में भागग्रहण।
- वसन्तोत्सव की परिसरीय नाट्यसमिति के संयोजक।
- साहित्य विषय की राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक।

डॉ. चन्द्रमौलि रैणा, सहायक-आचार्य, ज्योतिष विभाग

- श्री राघवेन्द्र पंचाग 2016-17 का प्रकाशन।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

डॉ. सच्चिदानन्द शर्मा, सहायक-आचार्य, व्याकरण विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

डॉ. रामदास संगोत्रा, सहायक-आचार्य, ज्योतिष विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

श्रीमती निर्मल गुप्ता, सहायक-आचार्या, (डोगरी)

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

डॉ. दे. दयानाथ, सहायक प्रोफेसर (अनु.), अध्यक्ष, वेद विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।
- दस दिवसीय केन्द्रीय विद्यालय संस्कृत अध्यापक प्रशिक्षण के संयोजक।
- परिसर में आयोजित द्विदिसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी के संयोजक।
- शैक्षिक सत्र 2016-17 में छात्रावास सह अधीक्षक।
- 2016-17 में 'श्रीवैष्णवी' परिसरीय वार्षिकी शोध पत्रिका का सम्पादन।

डॉ. दीपक कुमार शर्मा, सहायक प्रोफेसर (अनु.), वेद विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।
- परिसर में आयोजित द्विदिसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी के संयोजक।
- शैक्षिक सत्र 2016-17 में छात्रावास सह अधीक्षक।

डॉ. धनेश कुमार पाण्डेय, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), वेद विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।
- परिसर में आयोजित द्विदिसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी के संयोजक।

डॉ. हरिशंकर पाण्डेय, सहायक प्रोफेसर (अनु.) व्याकरण विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।
- मुम्बई परिसर द्वारा आयोजित मुक्तस्वाध्यायपीठ के अन्तर्गत पाठलेखन प्रशिक्षण शिबिर में भागग्रहण।

डॉ. अम्बरीश कुमार मिश्र, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), व्याकरण विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

डॉ. निगम पाण्डेय, सहायक प्रोफेसर (अनु.), ज्योतिष विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।
- मुम्बई परिसर द्वारा आयोजित मुक्तस्वाध्यायपीठ के अन्तर्गत पाठलेखन प्रशिक्षण शिबिर में भागग्रहण।
- गंगानाथझा परिसर द्वारा आयोजित मुक्तस्वाध्यायपीठ के अन्तर्गत पाठलेखन कार्यशाला में सहभागिता।

डॉ. रतन कुमार पाण्डेय, सहायक प्रोफेसर (अनु.), ज्योतिष विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

- गंगानाथझा परिसर द्वारा आयोजित मुक्तस्वाध्यायपीठ के अन्तर्गत पाठलेखन कार्यशाला में सहभागिता।

डॉ. कृष्ण मुरारी मणि त्रिपाठी, सहायक प्रोफेसर (अनु.), अध्यक्ष, सर्वदर्शन विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।
- दर्शन विषय की राष्ट्रिय संगोष्ठी के संयोजक।

डॉ. आशीष कुमार, सहायक प्रोफेसर (अनु.), सर्वदर्शन विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।
- परिसर में आयोजित श्रीशंकरशास्त्रार्थपरिषद् के सह-संयोजक।

डॉ. ज्योति प्रकाश नन्द, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), सर्वदर्शन विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।
- परिसर में आयोजित श्रीशारदाविशिष्टव्याख्यानमाला के सह-संयोजक।

डॉ. नीतू शर्मा, सहायक प्रोफेसर (अनु.), साहित्य विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

डॉ. तेजनाथ पौडेल, सहायक प्रोफेसर (अनु.) साहित्य विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।
- जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में शोध पत्र वाचन।

डॉ. राजशेखर रेड्डी, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), साहित्य विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

सुश्री नन्दिनी रघुवंशी, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), साहित्य विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

डॉ. दयानिधि शर्मा, सहायक प्रोफेसर (अनु.), शिक्षा शास्त्र विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।
- शैक्षिक सत्र 2016-17 में छात्रावास अधीक्षक।
- 2016-17 में 'श्रीवैष्णवी' परिसरीय वार्षिकी शोध पत्रिका एवं शिक्षाविभागीय शोधपत्रिका 'शिक्षामृतम्' का सम्पादन।

डॉ. मदन कुमार झा, सहायक प्रोफेसर (अनु.), शिक्षा शास्त्र विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

डॉ. शुभश्री दाश, सहायक प्रोफेसर (अतिथि.), शिक्षा शास्त्र विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

डॉ. मदन सिंह, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), शिक्षा शास्त्र विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

डॉ. प्रमोद कुमार बुटोलिया, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), शिक्षा शास्त्र विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

डॉ. हरिओम, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), शिक्षा शास्त्र विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

डॉ. प्रमोद शुक्ल, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), शिक्षा शास्त्र विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

डॉ. विवेक कुमार, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), शिक्षा शास्त्र विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

डॉ. संतोष गोडरा, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), शिक्षा शास्त्र विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

डॉ. संजय कुमार मिश्र, सहायक प्रोफेसर (अनु.), हिन्दी

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।
- भोपाल परिसर में आयोजित पाठलेखन कार्यशाला में सहभागिता।
- मुक्तस्वाध्यायपीठ नई दिल्ली में हिन्दी शिक्षण सामग्री का सह-सम्पादन।

डॉ. योगेन्द्र कुमार दीक्षित, सहायक प्रोफेसर (अनु.), राजनीति विज्ञान

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।
- मुक्तस्वाध्यायपीठ नई दिल्ली में राजनीति शास्त्र विषय शिक्षण सामग्री का सम्पादन।

डॉ. चंचल गर्ग, सहायक प्रोफेसर (अनु.), इतिहास

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

डॉ. राजेन्द्र लाल, सहायक प्रोफेसर (अनु.), शारीरिक शिक्षा

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

श्री विशाल महाजन, सहायक प्रोफेसर (अतिथि), संगणक विज्ञान

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

श्री सहदेव सिंह, सहायक प्रोफेसर (अनु.), संगणक विज्ञान

- शैक्षणिक सत्र 2016-17 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- परिसरीय विभागीय संगोष्ठी में भागग्रहण एवं पत्रवाचन।

3.3 सम्मान एवं पुरस्कार

- डॉ. नीतू शर्मा, श्री रणवीर परिसर, साहित्य विभाग के अध्यापिका को 15.11.2016 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा साहित्य विषय में 'विद्यावारिधि' (Ph.D) की उपाधि प्राप्त।

3.5 प्रशिक्षण शिविरादि

- 18.05.2016 से 29.05.2016 तक केन्द्रीय विद्यालयीय

सेवारत संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण शिबिर सम्पन्न। इसके उद्घाटन के अवसर पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान कुलपति प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री मुख्यातिथि के रूप में पधारे। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री ए.वि.एल्.जे. राव्, उपायुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, जम्मू सम्भाग पधारे।

- दिनांक 21.07.2016 से 30.09.2016 तक शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष का शिक्षणाभ्यास प्रशिक्षण।
- दिनांक 25.07.2016 को परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग में दस दिवसीय आवासीय शिक्षक प्रशिक्षक वर्ग (संस्कृत शिविर) का आयोजन किया गया। इसके उद्घाटन में संस्कृतभारती के क्षेत्रीय संघटन मंत्री श्री प्रताप सिंह मुख्यातिथि के रूप में पधारे। मुख्यप्रशिक्षक के रूप में संस्कृत भारती प्रान्तीय संघटन मंत्री श्री दिलीप चंद्रवंशी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षाशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. बच्चा भारती द्वारा की गई। संयोजन डॉ. दयानिधि शर्मा ने किया।
- दिनांक 05.08.2016 को परिसर में दस दिवसीय आवासीय शिक्षक प्रशिक्षक वर्ग का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में श्री सतपाल शर्मा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक भारतीय जनता पार्टी जम्मू कश्मीर पधारे। कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर के प्राचार्य प्रो. रामानुज देवनाथन द्वारा की गई। संयोजन डॉ. मदन कुमार झा ने किया।
- दिनांक 24.12.2016 से 02.01.2017 तक केन्द्रीय विद्यालय के टी.जि.टी अध्यापकों के लिए 10 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। उद्घाटन में परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. प्रियतम चन्द्र शास्त्री मुख्यातिथि रहे। तथा विशिष्टातिथि के रूप में डॉ. प्रियतम दत्त शास्त्री रहे। इसका सम्पूर्ति समारोह दिनांक 02.01.2017 को हुआ। जिसके मुख्यातिथि श्री सिरिमल साम्बन्न उपायुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, जम्मू सम्भाग रहे। तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में केन्द्रीय विद्यालय सुन्दरबनी के प्राचार्य श्री श्रीधर पाण्डेय पधारे। प्रशिक्षण शिबिर के संयोजक डॉ. दे. दयानाथ एवं डॉ. मदन कुमार झा रहे।

3.6 परीक्षा आयोजन

जून 2016 में प्राक् शास्त्री प्रथम एवं शास्त्री प्रथम वर्ष प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया।

- दिसंम्बर 2016 में प्रथम तृतीय पंचम सत्रार्द्ध एवं आचार्य प्रथम एवं तृतीय सत्रार्द्ध की परीक्षाएं मुख्यालय के आदेशानुसार की गई।

3.7 परिसरीय भावी योजनाएँ

- पुरूष व महिला छात्रावास का विस्तार।
- शास्त्र और शास्त्र शिक्षण संर्वधन के लिए विविध नूतन परियोजनाएँ।

4. निवेदन

आज श्री रणवीर परिसर का परम सौभाग्य है कि हमारे स्नातक संस्कृत विद्वान एवं संस्कृतानुरागी, वरिष्ठ नागरिक इस वार्षिकोत्सव की शोभा बढ़ा रहे हैं। आप सभी महानुभावों को सुखद स्नेहिल उपस्थिति में विनम्र निवेदन है-

4.1 जम्मू कश्मीर राज्य में संस्कृत की स्थिति एवं अपेक्षा

इनसे हम विनम्र निवेदन चाहेंगे कि, जम्मू कश्मीर के इतिहास को देखें तो यह यह प्रदेश संस्कृत-शास्त्रों का कसौटी स्थल रहा है। परन्तु सम्प्रति यहां संस्कृत के अध्ययन के प्रति अरुचि होती जा रही है। जिसका कारण आजीविका का अभाव और इसका मुख्य कारण प्रदेश के हाई स्कूल एवं हायर सैकण्डरी स्तर की कक्षाओं के पाठ्यक्रम में पहले की तरह संस्कृत का स्थान न होना तथा शिक्षाविभाग में संस्कृत के रिक्त पदों को अन्य विषयों के अध्यापकों की नियुक्ति से भरकर धीरे धीरे संस्कृत के पदों को समाप्त करना है। जिसमें संस्कृत डिग्री प्राप्त छात्र नौकरी प्राप्त करने से वंचित हो जाते हैं और हाई स्कूल एवं इन्टर में संस्कृत न होने के कारण हमारे यहां भी जम्मू प्रान्त से प्राकशास्त्री प्रथम एवं शास्त्री प्रथम वर्ष में विद्यार्थियों की संख्या का ह्रास होता जा रहा है। विद्यालयों में प्राथमिक से माध्यमिक तक संस्कृत को अनिवार्य विषय के रूप में रखने का अनुरोध हम समय समय पर राज्य सरकार से करते रहें है। आप से विनम्र निवेदन है कि आप की ओर से भी जम्मू कश्मीर राज्य सरकार को इस विषय में एक अनुरोध पत्र भेजा जाय ताकि संस्कृत की रक्षा का पुण्य कार्य हो सके तथा आने वाली पीढ़ी अपने देश के ज्ञान भण्डार और संस्कृति से भली भांति परिचित हों क्योंकि संस्कृत ही भारतीय की एक मात्र पहचान है। संस्कृत ग्रन्थों में जो उपदेशात्मक चरित्र, निर्माणात्मक देश भक्ति पूर्ण

भावनात्मक तत्त्व निहित हैं उन्हीं से जनमानस का कल्याण हो सकता है तथा विश्वबन्धुत्व की भावना सुदृढ हो सकती है।

4.2 नूतन विभागों का शुभारम्भ

आगामी सत्र से अद्वैत वेदान्त, न्याय दर्शन, बौद्धदर्शन कश्मीर शैव दर्शन विभाग शुभारम्भ करने की अभिलाषा है।

4.3 प्रमाण पत्रादि कार्यक्रम

ज्ञानार्जन एवं जीविकोपार्जन दोनों के उद्देश्य से वास्तु, ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पौरोहित्य, संस्कृत भाषा एवं संस्कृत साहित्य, संस्कृत पत्रकारिता, के ज्ञान में दक्षता के लिए पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए जाने का संकल्प है। परिसर में इस तरह की शुरूआत से न केवल संस्कृत के विद्यार्थी अपितु आम नागरिक भी संस्कृत की ज्ञान गंगा में अवगाहन कर सकेंगे।

4.3 प्रतियोगी परीक्षाएं

KAS, PSST, PSAT, Pre-PhD ENTRANCE, UGC-NET/SLET, UPSC की प्रतियोगी परीक्षाओं की समुचित तैयारी करवाने के लिये परिसर को माननीय कुलपति जी की अनुमति की अपेक्षा है।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	04
उत्तर प्रेषित	-	04

4.2.4 गुरुवायूर परिसर, पुरनाट्टुकरा, त्रिचूर (केरल)

1. परिसर-परिचय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय नई दिल्ली, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन कार्यरत शैक्षिक संस्था है जिनके देश भर में तेरह परिसर हैं और गुरुवायूर परिसर उनमें से एक है।

पहले यह साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ के नाम से जाना जाता था। इसकी स्थापना गुरुवायूर के ही समीपस्थ स्थल पावर्टी में दिवंगत संस्कृत प्रणयभाजनम श्री.पी.टी. कुर्याकोस मास्टर ने की थी।

16, जुलाई सन् 1979 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय नई दिल्ली द्वारा इसको अधिगृहीत किया गया। उसके बाद 7 मई सन् 2002 से संस्थान को मानित विश्वविद्यालय की मान्यता प्राप्त होने पर इसे राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) गुरुवायूर परिसर का नाम दिया गया।

गुरुवायूर परिसर, पुरनाट्टुकरा और पावर्टी इन दो केन्द्रों में कार्यरत है। मुख्य परिसर पुरनाट्टुकरा में है। यह 14 एकड़ की सुन्दर आवंटित भूमि में बना हुआ है। शैक्षिक भवन, प्रशासनिक भवन, पुस्तकालय, छात्रावास, अतिथि मन्दिर, सभागार, क्रीडास्थान, कर्मचारियों के घर आदि परिसर के प्रमुख अंग हैं।

पावर्टी केन्द्र 50 सेन्ट भूमि में निर्मित है। पहले के साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ के संस्थापक की यादगार में इसका नाम 'पी.टी.कुरियॉकोस स्मृतिभवन' रखा गया है। पावर्टी केन्द्र एक ही मंजिल के इमारत है जिसके अंतर्गत आधुनिक सुख-साधनों से संपन्न दो बड़े सभा भवन, प्रशासनिक कक्ष दस कक्षायें आदि हैं। पी.टी.कुरियॉकोस स्मृति भवन का उपयोग मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र, अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण, पत्राचार-पाठ्यक्रम एवं हस्तलिपि संग्रहण केन्द्र आदि के रूप में किया जा रहा है।

संस्थान और परिसर के अधिकारी वर्ग जल्द-ही-जल्द यहाँ शिक्षाचार्य का पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने के प्रयास में लगे हुए हैं।

शैक्षणिक विभाग

परिसर में कार्यरत सात विभागों की सूची इस प्रकार हैं-

- नव्य व्याकरण
- साहित्य
- अद्वैत वेदान्त
- न्याय
- ज्योतिष
- शिक्षा शास्त्र
- आधुनिक विषय

ग्रन्थालय

परिसर का पुस्तकालय, संस्थान के तेरह परिसरों के पुस्तकालयों में से सबसे श्रेष्ठ माना जाता है। इस पुस्तकालय की स्थापना 16 जुलाई सन् 1979 को हुई थी। यह पुस्तकालय ज्ञान का भण्डार है। उच्चतर अध्ययन के क्षेत्र में, संस्थान के सबसे महत्वपूर्ण एवं अभिन्न अंग के रूप में यह कार्य करता है। संस्थान के सामाजिक एवं शैक्षिक विकास में पुस्तकालय मेरुदण्ड की भूमिका अदा करता है। यह शिक्षा को बुनियादी आधार देने का अनिवार्य अंग है। दर्शन, न्याय, संस्कृत साहित्य, व्याकरण, धर्मशास्त्र, ज्योतिष, इतिहास, शिक्षा, अंग्रेजी, हिन्दी एवं मलयालम के ग्रन्थों से पूर्ण बृहत् संसार है यह पुस्तकालय। इस पुस्तकालय में लगभग 32,208 किताबें हैं, 250 हस्तलिपियाँ हैं, पत्रिकायें, समाचार पत्र, शोधप्रबन्ध तथा लघु शोधप्रबन्ध हैं। ये सभी के सभी विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के लिए उपलब्ध हैं।

पुस्तकालय में संगणक की सुविधा है जिसमें इन्टरनेट का संयोजन भी है। पुस्तकालय में आवश्यक पुस्तकों की उपलब्धता के लिए एक क्रय - विक्रय समिति का गठन किया गया है। समकालीन विषयों से संबन्धित पाठ्य सामग्रियाँ भी पुस्तकालय में हैं। प्रत्येक विभाग के विषय विशेषज्ञ इस पर कार्य कर रहे हैं। परिसर के शोधार्थियों एवं दूर जगहों से आने वालों के लिए पुस्तकालय का इस्तेमाल किया जाता है। परिसर के

कर्मचारीगण एवं विद्यार्थी इन्टरनेट की सुविधा लेते हैं। इन्टरनेट के उपयोग में समय की पाबन्दी नहीं है। फिर भी छात्रों के लिए दोपहर का समय इसके लिए निर्धारित किया गया है। पुस्तकालय की सेवाएँ संगणक द्वारा संयोजित है। पुस्तकालय NIC द्वारा निर्मित एवं प्रशिक्षित Software का इस्तेमाल करता है।

कम्प्यूटर लैब, लैग्वेज लैब और भाषाई लैब

परिसर में 15 कंप्यूटर के साथ एक कंप्यूटर लैब चल रहा है। योग्य और अनुभवी स्टाफ सिस्टम पर काम करते हैं और संकाय सदस्यों एवं छात्रों के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं। इंटरनेट की सुविधा यहाँ उपलब्ध है। सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट की सुविधा जल्द ही उपलब्ध कराई जाएगी। यह कार्य प्रगति पर है।

2. परिसर स्थान

1. गुरुवायूर परिसर केरल के त्रिश्शूर जिले के अडट पंचायत में स्थित है। अमला चिकित्सा महाविद्यालय, श्री रामकृष्ण आश्रम, एस.आर.के.जी.वी.एम. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शारदा महिला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय, आई.ई.एस. अभियांत्रिकी महाविद्यालय आदि गुरुवायूर परिसर के चारों ओर में स्थित हैं।
2. पावरट्टी के श्री. पी.टी. कुरियाक्कोस् मास्टर स्मृतिभवन यहाँ से 15 किलोमीटर दूरी पर स्थित है।

3. परिसर द्वारा चालित पाठ्यक्रम

संप्रति परिसर द्वारा प्रदत्त पाठ्यक्रमों की सूची इस प्रकार है :-

1. प्राक्शास्त्री (माध्यमिक)
2. शास्त्री (स्नातक) वेदान्त, साहित्य, व्याकरण, न्याय और ज्योतिष
3. आचार्य (स्नातकोत्तर) - वेदान्त, साहित्य, व्याकरण और न्याय।
4. शिक्षा-शास्त्री (शिक्षास्नातक)
5. विद्यावारिधि (शोध)

डिप्लोमा कोर्स योग एवं आयुर्वेद साहित्य 2016-17

अद्यतन वर्ष में गुरूवायूर परिसर में योग एव आयुर्वेद साहित्य डिप्लोमा कोर्स प्रारंभ किया गया। प्रारंभिक वर्ष में 24 छात्रों को प्रवेश दिया गया।

4. अन्य गतिविधियाँ

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गुरुवायूर परिसर संस्कृत के शास्त्रीय अध्ययन पर ज़ोर देते हैं। इसके साथ आधुनिक विषयों तथा त्रिभाषा अध्ययन पद्धति का भी आयोजन किया गया है। परिसर की अन्य गतिविधियाँ इस प्रकार हैं -

4.1 वाग्वर्धिनी परिषद्

विद्यार्थियों को अपनी शैक्षिक उत्कृष्टता का विकास करने का मंच है वाग्वर्धिनी परिषद्। विभिन्न संकायों के निर्देशन में शास्त्री पाठ्यक्रम के प्रतिनिधि विद्यार्थियों को परिषद् द्वारा अपनी प्रतिभा दर्शाने का अवसर दिया जाता है। आचार्य विद्यार्थियों का मार्ग निर्देशन परिसर प्राचार्य द्वारा निर्धारित संकाय सदस्य द्वारा होता है। हर बुधवार को इसका आयोजन होता है वह भी सभी कक्षाओं के बच्चों के लिए दोपहर में दो बजे से लेकर पाँच बजे तक। परिषद् में विद्यार्थियों तथा अध्यापकों के आलेख प्रस्तुति भी होती रहती है।

वाग्वर्धिनी परिषद् में प्रमुख विषयों पर चर्चा होती है–

1. वाक्यार्थ विचार
2. शास्त्र परिचय
3. समकालीन विषय
4. कला प्रदर्शन

अभी तक वाग्वर्धिनी परिषद् के तीस सत्र संपन्न हुए हैं। अध्यापकों तथा विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी इसमें होती रहती है। आलेख प्रस्तुति में भी यह दर्शनीय है।

4.2 पुस्तक प्रकाशन

अद्यतन वर्ष में गुरुवायूर् परिसर एवं उसके विभिन्न विभागों द्वारा कई पत्रिकायें एवं पुस्तकें प्रकाशित की गयीं। इसकी सूची इस प्रकार है–

1. परिसर वार्षिक पत्रिका 'निबन्धमाला' का प्रकाशन (ISSN) के साथ
2. परिसरीय छात्रों की मैगज़ीन 'गुरुदीपिका' का प्रकाशन
3. शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा 'शिक्षा वाहिनी' का प्रकाशन (ISBN) के साथ

4. व्याकरण विभाग द्वारा 'सारस्वत' का प्रकाशन (ISBN) के साथ
5. आधुनिक विषय विभाग द्वारा 'गवाक्ष' का प्रकाशन (ISBN) के साथ
6. ज्योतिष विभाग द्वारा 'होरा शास्त्र' का प्रकाशन (ISBN) के साथ

4.3 संस्कृत सप्ताह समारोह

परिसर में संस्कृत सप्ताह समारोह का आयोजन सन् 2016 अगस्त 16 तारीख से 22 तारीख तक किया गया है। IIT मुम्बई के प्रोफेसर के.रामसुब्रह्मण्यन द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। परिसर प्राचार्य प्रो. सि.एच.एल.एन. शर्मा कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे। इस दौरान संस्कृत की कई प्रतियोगिताऐं, भाषण एवं संगोष्ठी के आयोजन किये गये।

समापन समारोह 22 अगस्त सन् 2016 को दोपहर 2.00 बजे प्रो. के.ई. देवनाथन, वैदिक विश्वविद्यालय के कुलपति, इस समापन कार्यक्रम के मुख्यातिथि रहे। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्यातिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया।

4.4 छात्र कल्याण परिषद् 2016-17

इस अध्ययन-वर्ष के छात्र कल्याण परिषद् का उद्घाटन सन् 2016 अक्टूबर 27 तारीख को संपन्न हुआ। मलयालम के मशहूर फिल्म अभिनेता बिजिराज कालीदास ने समारोह का उद्घाटन किया था। छात्र कल्याण परिषद् की अध्यक्षता पद पर कुमारी पी.एस. स्वाति लक्ष्मी एवं सचिव कुमारी पार्वती वी.जे. चुनी गयी। छात्र कल्याण परिषद के सुचारू संचालन के लिए चार समितियों का गठन किया गया। डॉ. के. विश्वनाथन और डॉ. गिरिधर राव, डॉ. विजयलक्ष्मी राधाकृष्णन और डॉ. एम.के. षीबा, डॉ. के.के. हर्षकुमार और श्री श्रीजिष पी.एम. क्रमशः साहित्य, कला एवं खेल समितियों के उपदेशक एवं सह उपदेशक के रूप में चुने गये। छात्र कल्याण परिषद् के अधिकारी के रूप में डॉ. एस.वी.आर. मूर्ति नियोजित किया गया।

4.5 आधार शिलान्यास समारोह

परिसर के नये सभागार के आधार शिलान्यास समारोह का उद्घाटन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नवदेहली के आदरणीय कुलपति प्रो. पी.एन. शास्त्रीजी के करकमलों से संपन्न हुआ। परिसर प्राचार्य प्रो. सि.एच.एल. शर्मा समारोह के अध्यक्ष रहे। इस शुभ अवसर पर परिसर के सभी विभाग अध्यक्षों ने शुभकामनाएँ दीं। एक दिवसीय कार्यक्रम बड़े धूम-धाम के साथ बच्चों एवं कर्मचारियों के सहयोग से अत्यन्त हर्षोल्लास के साथ मनाये गये।

4.6 संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान

व्याकरण विभाग

परिसर के व्याकरण विभाग द्वारा द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 26-27 जनवरी 2017 को 'आख्यातार्थ विचार' विषय पर यह संगोष्ठी चलायी गयी थी। बैंगलूर संस्कृत विश्वविद्यालय के सहयोग आचार्य डॉ. बी.वी. वेंकटरमण मूर्ति द्वारा संगोष्ठी का उद्घाटन हुआ। न्याय और व्याकरण का आख्यातार्थ विचार इस विषय पर उन्होंने मुख्य भाषण दिया। परिसर प्राचार्य प्रो.सि.एच.एल.एन शर्मा उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष रहे। डॉ. सी.एम.एस.एन.मूर्ति, सहयोग आचार्य, आर.एस., संस्थान शृंगेरी परिसर, कर्नाटक उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि रहे। डॉ. बी.वि. वेंकट रमण मूर्ति, डॉ.सि.एच. सत्यनारायण शास्त्री, सहयोग आचार्य व्याकरण विभाग एस. एस यू.एस कालटी, डॉ. विष्णु नम्बूतिरी सहयोग आचार्य व्याकरण विभाग एस.एस.यु.एस संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों के अध्यक्ष रहे। परिसर छात्र एवं अध्यापक तथा अन्य परिसरीय अध्यापक गण एवं छात्रों द्वारा लगभग 40 शोध पत्रों की प्रस्तुति हुईं।

व्याकरण विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान माला 30 मार्च सन् 2017 को आयोजित किया गया। 'विभक्त्यर्थ विचार' इस विषय पर प्रो.के.वी. रामकृष्ण आचार्य, संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति के व्याकरण विभाग से सेवानिवृत्त आचार्य एवं जे. आर.एस.यु राजस्थान के पूर्व कुलपति, ने विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किये। परिसर प्राचार्य प्रो.सि.एच.एल.एन. शर्मा इसके अध्यक्ष रहे।

ज्योतिष विभाग

परिसर के ज्योतिष विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 16 एवं 17 फरवरी सन् 2017 को आयोजित किया गया। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर के सह-आचार्य ईश्वर भट्ट विशिष्ट व्याख्यान के प्रस्तुतकर्ता रहे। तिरुपति के ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष प्रो. ए.श्रीप्रसाद भट्ट राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्यातिथि रहे। एस. एम.एस.पी. संस्कृत महाविद्यालय उडुपि के डॉ. डी.शिवप्रसाद

एवं डॉ. गोपालकृष्ण हेगडे द्वारा 'होरा शास्त्र विमर्श' पर भाषण प्रस्तुत किये।

वेदान्त विभाग

वेदान्त विभाग द्वारा द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सन् 2017 मार्च 16 और 17 तारीख को आयोजित किया गया। संगोष्ठी का विषय रहा 'जीवेश्वरस्वरूप विमर्श'। राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरूपति के परीक्षा नियन्त्रक प्रो. गणपति भट्ट द्वारा संगोष्ठी का उद्घाटन संपन्न हुआ। परिसर प्राचार्य प्रो.सि.एच.एल.एन.शर्मा उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष रहे। वरिष्ठ विद्वानों द्वारा कई प्रपत्र प्रस्तुत किये गये।

16 मार्च 2017 को विशिष्ट व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। प्रो. गणपति भट्ट राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरूपति के परीक्षा नियन्त्रक द्वारा 'अद्वैतसिद्धौ मिथ्यात्व-लक्षणानि' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किये गये।

शिक्षा शास्त्र विभाग

शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन सन 2017 मार्च 10 एवं 11 तारीख को 'संस्कृत वाङ्मये मानवाधिकार शिक्षा' विषय पर आयोजित किये। तिरुपति संस्कृत विद्यापीठ के कुलपति प्रो.वी.मुरलीधर शर्मा ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया था। मुख्यातिथि द्वारा 'शास्त्र शिक्षणपद्धतियाँ' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। परिसर प्राचार्य प्रो. सी.एच.एल.एन. शर्मा कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे। केरल एवं केरल के बाहर शिक्षा शास्त्र एवं संस्कृत के विभिन्न वरिष्ठ विद्वानों ने इस संगोष्ठी में भाग लिया।

साहित्य विभाग

परिसर के साहित्य विभाग एवं केन्द्र साहित्य अकादमी, नवदेहली के तत्वावधान में 'संस्कृत तकनीकी साहित्य' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सन् 2016 अक्टूबर तारीख को केरल के अन्यान्य विश्वविद्यालय के अनेक विद्वानों, स्नातकोत्तर विद्यार्थियों एवं शोध छात्रों की उपस्थिति से यह संगोष्ठी अत्यन्त सफल रही। साहित्य विभाग द्वारा एक दिवसीय संस्कृत कवि सम्मेलन जनवरी 31 तारीख सन् 2017 को आयोजित किया गया। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री के करकमलों से कार्यक्रम का उद्घाटन संपन्न हुआ।

साहित्य विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन 15 मार्च 2017 को 'ध्वनि सिद्धान्त एवं परवर्ति साहित्य में उसका प्रभाव' विषय पर हुआ। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुक्तस्वाध्यायपीठ के निदेशक प्रो. रमाकान्त पाण्डेय ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया। राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के आचार्य प्रो.जि. एस.आर. कृष्णमूर्ति ने 'ध्वनि सिद्धान्त एवं परवर्ति साहित्य में उसका प्रभाव' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिये। उसी दिन ही 'आर्ट एवं क्राफ्ट' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। प्रो. रमाकान्त पाण्डेय ने उपर्युक्त विषय पर मुख्य भाषण प्रस्तुत किया।

आधुनिक विषय विभाग

परिसर के आधुनिक-विषय विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। सन् 2017 मार्च 21, 22 तारीख को 'विज्ञान एवं मानवीकी क्षेत्र की नूतन प्रवृत्तियों का विश्लेषण' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। डॉ. अम्बेदकर सरकारी महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. वी.एस.रामकृष्ण कार्यक्रम के उद्घाटक एवं मुख्यातिथि रहे। परिसर प्राचार्य प्रो. सि.एच. एल.एन.शर्मा उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष रहे। डॉ. एस.वी.आर. मूर्ति संगोष्ठी के संयोजक थे। परिसर तथा परिसरेतर अध्यापक एवं छात्रों द्वारा पत्र प्रस्तुत किये गये।

न्याय विभाग

न्याय विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान माला का आयोजन फरवरी 27 सन् 2017 को किया गया। राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति के आचार्य प्रो. पी.टी.जी.वै. संपत्तकुमार आचार्युलु इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि रहे। विशिष्ट व्याख्यान माला का विषय रहा 'प्रत्यक्ष प्रमाण विचार'।

न्याय विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन मार्च 30 तारीख सन् 2017 को किया गया। राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति के प्रो.श्री.ओ. श्रीमल शर्मा ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया था। प्राचार्या प्रभारी प्रो.सि.एल.सिसली कार्यक्रम की अध्यक्षा रही। परिसर के न्याय विभाग के अध्यक्ष डॉ. एन. आर.श्रीधरन ने संगोष्ठी का संयोजन किया। संगोष्ठी में विद्वानों एवं छात्रों द्वारा कई प्रपत्र प्रस्तुत किये गये।

4.7 अंग्रेजी पाठ्य सामग्री निर्माण हेतु पन्द्रह दिन की कार्यशाला का आयोजन

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय में मुक्त-

स्वाध्याय पीठ के तत्त्वाधान में शास्त्री तृतीय वर्ष की अंग्रेजी विषय पाठ्य सामग्री निर्माण हेतु परिसर में पन्द्रह दिनों की कार्यशाला सन् 2016, 12 अगस्त से लेकर 26 अगस्त तक चलायी गयी। इस कार्यशाला का उद्घाटन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रभारी प्रो. एस.सुब्रह्मण्यशर्मा ने इस कार्यशाला का उद्घाटन किया। उद्घाटन कार्यक्रम में कार्यशाला के संयोजक डॉ.एस.वी.आर. मूर्ति ने सबका स्वागत किया। कार्यशाला के मुख्य संयोजक एवं परिसर प्राचार्य प्रो.सि.एच.एल.एन.शर्मा कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे। प्रो.के.पि.केशवन (मुक्तस्वाध्याय पीठ केन्द्र पावरटी, निर्देशक) ने आशीर्वचन दिया। डॉ. रम्या.पी.आर. ने कृतज्ञता ज्ञापित की। श्रीमति निशा विनोद ने कार्यक्रम का संचालन कार्य संभाला।

इस कार्यशाला का समापन समारोह 26 अगस्त 2016 को संपन्न हुआ। गुरुवायूर लिट्टिल फ्लावर महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की अध्यक्षा डॉ. कमला के. ने समापन कार्यक्रम का उद्घाटन किया। सम्मेलन में डॉ.एस.वी.आर मूर्ति ने सबका स्वागत किया। प्रो.सि.एच.एल.एन.शर्मा कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे। कार्यशाला की प्रतिभागी श्रीमति आतिरा.टी. ने कृतज्ञता ज्ञापित की। कार्यशाला प्रतिभागी कुमारी सरिता टी. वर्गिस ने कार्यक्रम का संचालन कार्य संभाला। प्रो.के.पी. केशवन, प्रो.सि.एच.एल.एन. शर्मा और डॉ.एस.वी.आर.मूर्ति ने कार्यशाला के प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया।

4.8 पी.टी.कुर्याकोस मास्टर अन्तर्राष्ट्रिय स्मृति भाषण

सातवीं अन्तर्राष्ट्रिय पी.टी. कुर्याकोस मास्टर स्मृतिभाषण मार्च 23 सन् 2017 को पावरटी मुक्तस्वाध्याय केन्द्र में सुबह दस बजे संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में श्री डॉ.शंकर भट्ट बलेगढ़, स्वर्णवल्ली मढ़, कर्नाटक मुख्यातिथि रहे। आधुनिक युग में 'अद्वैतवेदान्त की प्रासंगिकता' इस विषय पर मुख्यातिथि द्वारा स्मृति भाषण प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में प्रो. के. पी.केशवन, मुख्य स्वाध्याय केन्द्र, पावरटी ने सबका स्वागत किया। परिसर प्राचार्य प्रो.सि.एच.एल.एन.शर्मा कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे।

4.9 अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता 2016-2017

इस साल सन् 2016-2017 का अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एकलव्य परिसर, अगरतला में 28.12.2016 से 31.12.2016 तक चलाई गयी। राज्य स्तरीय स्पर्धाएँ 8 नवंबर 2016 में परिसर द्वारा चलायी गयी थीं। चयनित 10 छात्रों ने विविध शास्त्र विषयों की स्पर्धाओं में भाग लिया। डॉ. आर.प्रतिभा और डॉ. आर.श्रीनिवास नारायण प्रतियोगिता में बच्चों के मार्ग निर्देशक रहे।

4.10 अखिल भारतीय संस्कृत प्रतिभा महोत्सव 2016-17

ग्यारहवीं अखिल भारतीय संस्कृत प्रतिभा महोत्सव तिरुपति में जनवरी 30 तारीख 2017 से फरवरी 2 तारीख तक चलायी गयी। विद्यार्थियों में संस्कृत साहित्य तथा शास्त्राध्ययन की रुचि बढ़ाने हेतु कार्यरत वाग्वर्द्धिनी परिषद द्वारा महोत्सव चलाया जाता है, परिसर से 14 प्रतिभागियों ने इस साल प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

4.11 युवमहोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा संस्थान के अधीनस्थ 11 परिसरों के विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय स्तर के खेलक्रीडा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन युव महोत्सव के रूप में पिछले कई सालों से चलाया जा रहा है। इस साल युव महोत्सव का आयोजन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एकलव्य परिसर, अगरतला में किया गया। सन् 2016 नवंबर 18 से 21 तारीख तक प्रतियोगिताएं चलायी गयीं। गुरुवायूर परिसर के 54 विद्यार्थियों ने विभिन्न साहित्य, कला, सांस्कृतिक और खेल प्रतियोगिताओं मं अपना हुनर दर्शाया। परिसर के पाँच कर्मचारियों ने बच्चों का मार्ग निर्देशन किया। इस साल गुरुवायूर परिसर ने 6 सुवर्णपदक जीते और पूरी प्रतियोगिताओं में पाँचवा स्थान प्राप्त किये।

4.12 वसंत महोत्सव

14वीं वसंत महोत्सव डॉ. सर्वप्पली राधाकृष्ण सभागार, केन्द्रीय विद्यालय नंबर दो, ए.पि.एस. कॉलोनी दिल्ली में सन् 2017 फरवरी 27 तारीख से लेकर मार्च 1 तारीख तक चलायी गयी। गुरुवायूर परिसर द्वारा "संयोगिता स्वयंवर" नाटक का प्रदर्शन हुआ। हमारे परिसर के नाटक को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। हरिप्रसाद एस. (शिक्षा शास्त्रि) को सर्वोच्च अभिनेता का पुरस्कार प्राप्त हुआ और अनु.पि.एस. (एस 2), विष्णुदास (एस 3) ने क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। परिसर के 25 विद्यार्थियों ने इस नाटक महोत्सव में भाग लिया था।

4.13 स्वतंत्रता दिवस

परिसर द्वारा 70वीं स्वतंत्रता दिवस विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाये गये। बच्चों के लिए भाषण, निबंध लेखन, रंगोली, लघु नाटक आदि की प्रतियोगिताएँ की गयीं। स्वतंत्रता दिवस में परिसर प्राचार्य प्रो.सि.एच.एल.एन.शर्मा महोदय ने पताका ध्वजन किया एवं प्रेरणोत्पादक भाषण प्रस्तुत किया।

4.14 हिन्दी पखवाड़ा

सन 2016 के हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन 16 सितंबर से लेकर 30 सितंबर तक किया गया। हिन्दी की कई प्रतियोगिताएँ परिसर के विद्यार्थीगण तथा अध्यापक वृन्दों के लिए चलायी गयीं। डॉ. के.एम. जयकृष्णन, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग क्राइस्ट कॉलेज इरिन्जालकुडा समापन सम्मेलन के मुख्यातिथि रहे। विजेताओं के लिए मुख्यातिथि द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र दिये गये।

4.15 स्वच्छ भारत अभियान

संस्थान से प्राप्त सूचना के अनुसार पर, भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जन्मवार्षिक अवसर पर दो अक्टूबर सन् 2014 को प्रत्येक परिसर द्वारा स्वच्छ भारत अभियान का प्रारम्भ किया गया है। गाँधीजी के आदेशों का पालन करते हुए परिसर को स्वच्छ रखने का प्रण लेते हुए स्वच्छ भारत अभियान का कार्यक्रम 25.09.2014 से 31.10. 2015 तक चलाया गया जिसमें परिसर के अध्यापकगण विद्यार्थीगण कर्मचारियों एवं अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी हुई। सभी कार्यक्रमों का विस्तार से प्रतिवेदन संस्थान को भेज दिया गया। इस साल भी स्वच्छ भारत अभियान का समुचित ढंग से आयोजित किया गया।

4.16 सतर्कता अवबोध सप्ताह 2016

संस्थान के निर्देशानुसार इस साल परिसर द्वारा सतर्कता अवबोध सप्ताह मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन सन् 2016 अक्टूबर 30 तारीख को त्रिश्शूर सतर्कता विभाग अधिकारी श्री सनिल कुमार ने किया था। उन्होंने अपने भाषण में संविधान में अनुशासित मानवाधिकारों एवं मौलिक अधिकारों को लेकर सतर्क होने की अनिवार्यता पर जोर दिया। इसी विषय को लेकर विशिष्टातिथि एवं विद्यार्थी समूह के बीच अच्छा संवाद हुआ। मुख्यातिथि द्वारा विद्यार्थियों की शंका निवारण एवं प्रश्नों के उत्तर भी दिये गये। कार्यक्रम में परिसर प्राचार्य जी ने संस्कृत साहित्य, वेद तथा उपनिषदों में निहित मानवाधिकारों एवं दायित्व से अवगत कराया।

इस दौरान विद्यार्थियों के लिए कई प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी। विद्यार्थियों को दो श्रेणियों में बाँटकर (कनिष्ठ एवं वरिष्ट) विभिन्न प्रतियोगिताएँ जैसे निबन्ध लेखन, वाद-विवाद, लघुनाटक आदि चलायी गयीं।

इस कार्यक्रम का समापन समारोह विविध सांस्कृतिक कार्य कलापों के साथ संपन्न हुआ। समापन समारोह में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय के आदरणीय कुलपति मुख्यातिथि रहे थे। इस समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

4.17 राष्ट्रीय एकता दिवस

भारत के लौह पुरुष श्री सरदार वल्लभाई पटेल के जन्मदिवस की यादगार में सन् 2016 इक्तीस अक्टूबर को राष्ट्रिय दिवस के रूप में मनाया गया। इस कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. एस.वी.आर. मूर्ति महोदय ने सरदार वल्लभाई पटेल के योगदानों पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस शुभ अवसर पर प्राचार्य प्रो.सि.एच.एल.एन.शर्मा और डॉ.पी. आन्टो फ्लोरेन्स ने सरदार वल्लभाई पटेल के मूल्यवान योगदानों से अवगत कराया।

4.18 केरल पिरवी श्रेष्ठ भाषा का दिनाचरण

सन् 2016 नवंबर 1 तारीख को परिसर द्वारा मलयालम श्रेष्ठ भाषा दिन का आचरण किया गया। विद्यार्थियों के लिए कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रो.एम.ए.लीना, लिट्टिल फ्लवर कॉलेज गुरुवायूर कार्यक्रम की मुख्यातिथि रही।

4.19 संविधान दिवस

परिसर द्वारा 26 नवंबर सन् 2016 को संविधान दिवस के रूप में मनाया गया। परिसर के सभी विद्यार्थियों तथा कर्मचारियों ने प्रस्तावना पढ़ी। संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों एवं सिद्धान्तों को पकड़कर आगे जाने की प्रतिज्ञा ली गयी। भारतीय संविधान में हुई संशोधन पर भी जोर दिया गया।

4.20 परिसर में विश्व विद्यालय अनुदान आयोग का निरीक्षण

इस अध्ययन वर्ष में परिसर में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग समिति के चार सदस्यों द्वारा निरीक्षण हुआ। सन्

2016 दिसम्बर 8 तारीख से 11 तारीख तक निरीक्षण कार्य चलता रहा।

4.21 स्वामी विवेकानन्द के 154 जन्मवार्षिक-युवदिवस

गुरुवायूर परिसर द्वारा स्वामी विवेकानन्दजी के 154 जनशताब्दी युवदिवस केरूप में मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. एम.लक्ष्मीकुमारी ने किया था। स्वामी विवेकानन्दजी के संदेशों का महत्व युवा समाज की प्रगति एवं मूल्योत्पादन के विषय पर भाषण प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षा शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ.के.के.षैन ने सबका स्वागत किया। विश्वशांती स्थापना हेतु विवेकानन्द जी के वेदान्त सिद्धान्तों को व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन में अमल कराने की आवश्यकता पर स्वागत भाषण में उन्होंने जोर दिया। इसी पथ पर अगर हम अग्रसर रहेंगे तो पुनः विश्वगुरु की गरिमा हम प्राप्त कर सकते हैं। इस बात को भी उन्होंने सामने रखा।

4.22 स्टार्टअप इंडिया प्रोग्राम

स्टार्ट अप इंडिया प्रोग्राम प्रधानमंत्री द्वारा 16, जनवरी सन् 2016 को प्रारंभ किया था। उसी दिन गुरुवायूर परिसर में भी इसका आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य यही है कि विद्यार्थी लोग पढ़ाई के बाद अपना कारोबर खुद चला सकते हैं। अर्थात् सरकारी, गैर सरकारी क्षेत्रों में काम की तलाश करने की जरूरत नहीं है। सरकार उनको पर्यटन, कृषि, विज्ञान, स्वास्थ्य, तकनीकी, खाद्य, प्रबंधन, सामाजिक-सांस्कृतिक, फैशन आदि क्षेत्रों में नयी सोच की तलाश करने एवं कारोबार प्रारंभ करने हेतु धनराशि रखी गयी है। यह सुविधा एक जालक प्रणाली द्वारा हर किसी को प्राप्त कराया जाएगा। इस कार्यक्रम को इसलिए लागू किया गया है ताकि भारत देश दूसरे देशों का मुकाबला कर सके।

4.23 67वीं गणतंत्र दिवस समारोह

भारत का 67वीं गणतंत्र दिवस 26 जनवरी सन् 2017 सुबह 8.30 को पताका ध्वजन के साथ मनाया गया। इस खुशी में परिसर के सभी विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को मिठाइयाँ वितरित की गयीं।

4.24 मातृभाषा दिवस

संस्थान के निर्देशानुसार 21 फरवरी सन् 2017 को परिसर में मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। श्री केरलवर्मा कालेज के मलयालम विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो.वी.जी.तम्बी कार्यक्रम के मुख्यातिथि एवं उद्घाटक रहे। परिसर की मलयालम अध्यापिका श्रीमति.के.ए.जेस्सी स्वागत भाषण दिया। परिसर प्राचार्या प्रभारी प्रो.सि.एल.सिसिली कार्यक्रम की अध्यक्षा रही। प्रो.के.पी.केशवन (एम.एस.पी. पावरटी) डॉ.सी.सान्ता (साहित्य), डॉ.के.के.षैन (शिक्षाशास्त्र), सेतुलक्ष्मी (छात्र कल्याण परिषद्, अध्यक्षा) इस कार्यक्रम में आशीर्वचन दिये। डॉ.एस.वी.आर.मूर्ति इस कार्यक्रम के संयोजक रहे थे। इस दौरान कई मलयालम की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। मुख्यातिथि द्वारा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

4.25 10 दिन के नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम

नेट/जे.आर.एफ परीक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम परिसर के कैरियर गैडन्स एवं परामर्श प्रकोष्ठ द्वारा विद्यार्थियों के लिए 10 दिन के नेट/जे.आर.एफ. प्रशिक्षण कक्षाएँ चलायी गयीं। संयोजिका डॉ.पी.पी. श्रीदेवी ने कक्षाओं का आयोजन किया था।

4.26 साहित्य एवं कला प्रतियोगिताएँ

परिसर की साहित्यिक एवं कला प्रतियोगिताएँ सन् 2017 फरवरी 5, 6, 7 तारीख को चलायी गयीं। परिसर प्राचार्य द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। छात्र कल्याण परिषद् अधिकारी डॉ. एस.वी.आर.मूर्ति ने भाषण देते हुए सबका स्वागत किया। साहित्य समिति उपदेशक डॉ.के.विश्वनाथन और कला समिति की अध्यक्षा डॉ. विजयलक्ष्मी राधाकृष्णन ने कार्यक्रम को आशीश दी। छात्र कल्याण परिषद् अध्यक्षा कुमारी सेतुलक्ष्मी एवं सचिव कुमारी पार्वती ने कार्यक्रम में क्रमशः स्वागत भाषण एवं कृतज्ञता ज्ञापित की।

4.27 वार्षिक खेलक्रीडाएँ

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर वार्षिक खेल-क्रीडा "अस्त्रा" 14-15 फरवरी सन् 2017 को आयोजित किया। छात्रों को चार दलों में विभाजित करके एक एक दल को क्रमशः नागास्त्रा, वरुणास्त्रा, गरुडास्त्रा और इन्द्रास्त्रा नाम दिये गये। हस्तकन्दुकस्पर्धा, क्रिकट, कबड्डी, खो-खो बैड्मिण्टन् और एथलेटिक्स कुरुक्षेत्र के मुख्य स्पर्धाएँ रहीं।

'अस्त्रा' का औपचारिक उद्घाटन पथसंचलन के साथ हुआ। खेल समिति के संयोजक डॉ.के.के.हर्षकुमार सम्मेलन

में सबका स्वागत किया। त्रिश्शूर श्री केरला वर्मा कॉलेज के शारीरिक शिक्षा विभाग के अध्यक्ष श्री. नारायण मेनन ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए दीपशिखा का प्रज्ज्वलन किया। प्रो. सि.एच.एल.एन.शर्मा परिसर प्राचार्या ने पताका फहराई और कार्यक्रम की अध्यक्षा रहीं। कुमारी स्वाति लक्ष्मी (अध्यक्षा छ.क.प.) ने प्रतिज्ञा ली। श्री श्रीजिश पी.एम्. (अतिथि अध्यापक, शारीरिक शिक्षा) ने कृतज्ञता ज्ञापित की। मैदान में चलायी गयी प्रतियोगिताओं में 100मीटर, 200मीटर, 400मीटर, 800मीटर और (500मीटर) रिले धावन लड़के और लड़कियों के लिए तथा लड़कों के लिए 1500मीटर दौड़ की प्रतियोगिता भी रखी गयी थी। दूर-कूर्दन, उच्च-कूर्दन, गोलविक्षेपण, चक्र-विक्षेपण, कुन्त-विक्षेपण की स्पर्धाएँ भी चलायी गयीं।

अस्त्रा 2017 में सर्वोच्च विजेता वरुणास्त्रा दल रहे (151 अंक) और दूसरा स्थान गरुडास्त्रा दल को प्राप्त हुआ। (अंक 110) परिसर प्राचार्य डॉ.सि.एच.एल.एन.शर्मा समापन सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए विजेताओं का अभिनंदन किया। देशीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

4.28 वार्षिक दिवस

परिसर का वार्षिक दिवस सन् 2017 मार्च 14 तारीख को छात्र कल्याण परिषद् के नेतृत्व में चलायी गयीं। वार्षिक दिवस का उद्घाटन श्री सन्निधानन्दन (सिनेमा गायक एवं अइडिया स्टार सिंगर फेम) ने किया था। कार्यक्रम में बच्चों के कला प्रदर्शन भी रहे। अध्ययन वर्ष में चलाई गयी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्यातिथि द्वारा सम्मानित किया गया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :-

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	06
उत्तर प्रेषित	-	06

4.2.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

1. परिसर का संक्षिप्त इतिहास

राजस्थान राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. श्री शिवचरणमाथुर महोदय के अनुरोध पर पद्मश्री डॉ. मण्डनमिश्र (पूर्व निदेशक) के सत् प्रयासों से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली के प्रथम निदेशक प्रो रामकरण शर्मा के द्वारा 13.05. 1983 को परिसर परिसर "केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ" के नाम से स्थापित किया गया, वर्तमान में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) जयपुर परिसर के नाम से प्रसिद्ध है। परंपरागत शिक्षा के प्रचार-प्रसार, दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षण, उनके प्रकाशन, संस्कृत विद्या क्षेत्र में शोध कार्यों के संवर्धन तथा व्याकरण, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, दर्शन, साहित्य, प्राकृत तथा जैन दर्शन आदि शास्त्र ज्ञान के साथ-साथ आधुनिक, लोकोपयोगी, नूतन विषयों के ज्ञान प्रदान के लिए प्रयासरत यह परिसर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान अपना 31वां वार्षिक समारोह समाज के विशिष्ट विद्वानों की उपस्थिति में आयोजित कर गौरव का अनुभव कर रहा है। इस सत्र में यह संस्थान न केवल राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के 10 परिसरों में अपना विशिष्ट स्थान रखता है, अपितु छात्रसंख्या तथा शैक्षिक उपलब्धियों की दृष्टि से भी देश के अनेक सुप्रतिष्ठित संस्कृत विश्वविद्यालयों में श्रेष्ठ है।

प्राचार्य परम्परा : डॉ. रामकिशोर शुक्ल, डॉ. हिन्द केसरी, डॉ. कमलनयन शर्मा, प्रो. जी. गंगन्ना, डॉ. अर्कनाथ चौधरी आदि प्रतिष्ठित, विद्वान् प्राचार्य परम्परा में रहे हैं। वर्तमान में डॉ. प्रकाश पाण्डेय के प्राचार्यत्व में यह परिसर उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है।

2. परिसर की स्थिति

डॉ. सरोजिनी महिषी महोदया के उपाध्यक्ष काल में उनके सत्प्रयासों तथा केंद्र सरकार के द्वारा की गई वित्तीय सहायता से 7.27 एकड़ भूखंड में 60 कमरों से युक्त संस्थान का अध्यापन, प्रशासनखंड, व्यायामशाला, सुसज्जित सभागार, पुस्तकालय, परियोजना खंड, कंप्यूटर प्रयोगशाला, प्राकृतशोध अध्ययन केंद्र, मुक्तस्वाध्यायपीठ, छात्र-छात्राओं का पृथक्-पृथक् छात्रावास, प्राध्यापक-कर्मचारी आवास, क्रीडा, मैदान, बगीचे जैसी भौतिक संपदाओं से युक्त हमारा यह परिसर शोभायमान है। 5 मंजिला वाले नूतन भवन निर्माण की स्वीकृति मिली है जिसका शिलान्यास जल्द ही करवाया जायेगा।

3. परिसर में उपलब्ध पाठ्यक्रम

1. साहित्य
2. व्याकरण
3. ज्योतिष (फलित ज्योतिष)
4. धर्मशास्त्र
5. जैन दर्शन
6. सर्वदर्शन
7. वेद
8. शिक्षाशास्त्र
9. विद्यावारिधि

विविध कार्यक्रम 2016-17 सत्र में आयोजित कार्यक्रम

1. सरस्वती पूजन सत्रारम्भ समारोह - 04.07.2016
2. फलित ज्योतिष एवं वास्तु शास्त्र परिचय पाठ्यक्रम सत्र 2016-17 द्वितीय चक्र - 28.07.2016
3. एकविंशतिदिवसात्मक भाषा बोधन वर्ग कार्यशाला - 01. 08.2016 से 21.08.2016
4. ज्योतिष परिषद् एवं प्रथम संगोष्ठी - 04.08.2016
5. स्वतंत्रता दिवस समारोह - 15.08.2016
6. संस्कृत सप्ताह महोत्सव - 16.08.2016 से 23.08. 2016
7. शिक्षक दिवस समारोह - 05.09.2016
8. वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता - 07.09.2016 से 16. 09.2016
9. हिन्दी दिवस - 14.09.2016
10. संस्कृत संभाषण शिविर - 20.09.2016 से 30.09. 2016
11. स्वच्छता अभियान - 02.10.2016
12. राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा - 20 से 21.10.2016

13. सतर्कता जागरुकता सप्ताह – 31.10.2016 से 05.11. 2016
14. एकता सप्ताह 31.10.2016 से 06.11.2016 तक
15. युवमहोत्सव अगरतला परिसर – 18.11.2016 से 21. 11.2016
16. संविधान दिवस – 26.11.2016
17. अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा, अगरतला – 28.12. 2016 से 31.12.2016
18. विवेकानंद जयंती समारोह – 12.01.2017
19. रक्तदान शिविर – 23.01.2017
20. गणतंत्रता दिवस – 26.01.2017
21. साहित्य विभाग की दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान – 28 से 29.01.2017
22. वसंत पंचमी एवं सरस्वती पूजन – 01.02.2017
23. वसंत उत्सव नाट्यस्पर्धा – 28.02.2017 से 02.03. 2017
24. वार्षिकोत्सव – 21.03.2017
25. शहीद दिवस – 23.03.2017

2016-17 में परिसर द्वारा की गई गोष्ठीयां/कार्याशालाएं एवं व्याख्यान :

1. 24-25 जनवरी 2017 को द्विदिवसीय संस्कृत विकीपीडिया कार्यशाला का आयोजन।
2. 27 जनवरी 2017 को "शाब्दबोधप्रक्रियान्यायव्याकरण-मीमान्साशाश्त्राणांसन्दर्भे, शब्दार्थसम्बधः प्रामाण्यविचार" विषय पर शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा विस्तृत व्याख्यान।
3. 28-29 जनवरी 2017 को साहित्य विभाग द्वारा "महिम-भट्टसम्मतमनौचित्यम्" विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय गोष्ठी एवं विस्तृत व्याख्यान।
4. 04-05 फरवरी 2017 को धर्मशास्त्र विभाग द्वारा "धर्मशास्त्रीय-परम्परायां मानवीयमूल्यानां चिन्तनम्" विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय गोष्ठी एवं विस्तृत व्याख्यान।
5. 18-19 फरवरी 2017 को ज्योतिष विभाग द्वारा "ज्योतिश्शास्त्रे भूगर्भस्थजलान्वेषणप्रविधिः वृष्टिविचारश्च" विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय गोष्ठी एवं विस्तृत व्याख्यान।
6. 25-26 फरवरी 2017 को व्याकरण विभाग द्वारा "व्याकरणदार्शनिक- सिद्धान्तानां समीक्षणम्" विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय गोष्ठी एवं विस्तृत व्याख्यान।
7. 04-05 मार्च 2017 को सर्वदर्शन विभाग द्वारा "भारतीय-दर्शनप्रस्थानेषु स्वशास्त्रीयपूर्वपक्षः" विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय गोष्ठी एवं विस्तृत व्याख्यान।
8. 04-05 मार्च 2017 को शिक्षा विभाग द्वारा "शिक्षकदृष्ट्या विद्यालयप्रबन्धदृष्ट्या च समावेशात्मकशिक्षायाः आयोजनम्, नीतीनां समीक्षा च" विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय गोष्ठी एवं विस्तृत व्याख्यान।
9. 18 मार्च 2017 को हिन्दी विभाग द्वारा "प्रेमचन्द और हिन्दी कहानी के विविध आयाम" विषय पर विस्तृत व्याख्यान।
10. 18-19 मार्च 2017 को आधुनिक विषय विभाग द्वारा "Constitution, Indo-anglian ways of Story telling, Cloud Computing, Premchand and Stories and Physical Education" विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय गोष्ठी।
11. 22-23 मार्च 2017 को वेद विभाग द्वारा "शास्त्रीयपरम्परायां वैदिकतत्वानां समीक्षणम्" विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय गोष्ठी एवं विस्तृत व्याख्यान।
12. 25-26 मार्च 2017 को जैनदर्शन विभाग द्वारा "जैनशास्त्रेसु ध्यानयोगस्य अवधारणा" विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन।

1. सत्रारंभ

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान जयपुर परिसर में 4 जुलाई 2016 को सरस्वती पूजन के साथ सत्रारंभ हुआ इस कार्यक्रम में परिसर के प्राचार्य, सभी प्राध्यापक तथा छात्राओं ने उपस्थित होकर वैदिक मंत्रोच्चारण विधि से सरस्वती देवी का पूजन किया। प्राचार्य ने निर्विघ्नतापूर्वक परिसर की उन्नति हेतु कामना की।

2. संस्कृत सप्ताह समारोह

16-23 अगस्त 2016 में संस्कृत सप्ताह महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ज.रा.रा. सं.वि.वि.जयपुर के वेद विभागाध्यक्ष डॉ. लम्बोदर मिश्र तथा अन्य संस्कृत के विशिष्ट विद्वान् अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के प्राचार्य डॉ. प्रकाश पांडेय के द्वारा की गयी तथा कार्यक्रम का संचालन प्रो. श्रीधर

मिश्र ने किया। इस अवसर पर छात्रों के द्वारा अनेक शैक्षिक स्पर्धाओं में भाग लिया गया। कार्यक्रम अत्यधिक उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस कार्यक्रम में संस्कृत में वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ भाषण आदि शैक्षिक कार्यक्रम समायोजित हुए।

3. युव समारोह शैक्षिक स्पर्धा

दिनांक 29 अगस्त 2016 से 02.09.2016 में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें सुभाषित कंठ पाठ, वाद-विवाद, आशु भाषण, अनुवाद, गद्यपद्यरचना, सस्कृत वार्तालेखन, आशु चित्र, व्यंग्य चित्र, प्रचार पत्र निर्माण, संगणक स्पर्धा, रंगवल्ली, प्रश्नमंच, एक शास्त्रीय वादन तथा समूह नृत्य आधी प्रतियोगिताऐं समायोजित हुई। इन प्रतियोगिताओं में निर्णायको के रूप में प्रो. जगन्नारायण पाण्डेय, प्रो. कमल नयन शर्मा, प्रो. उमाकांत चतुर्वेदी, डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा, प्रो. राजधर मिश्र, प्रो. विनोद कुमार शर्मा, प्रो. रमाकांत पाण्डेय आदि विद्वानों के साथ परिसरीय समस्त विभागाध्यक्ष एवं विद्वान् भी सम्मिलित रहे।

4. शिक्षक दिवस समारोह

दिनांक 05.09.2016 को जयपुर परिसर में शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रो. प्रकाश पाण्डेय ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. वाई.एस.रमेश, विशिष्ट अतिथि के रूप में वेद वेदांग संकाय प्रमुख प्रो. वासुदेव शर्मा तथा सारस्वत अतिथि के रूप में दर्शन विभागाध्यक्ष प्रो. वैद्यनाथ झा मंच पर उपस्थित हुए। शिक्षा शास्त्र के छात्रों ने सभी गुरुजनों को तिलक से सम्मानित किया तथा गुरू के महत्त्व का वर्णन किया। डॉ. हिन्द केसरी सभागार में परिसर के सभी छात्र उपस्थित हुए।

5. हिंदी दिवस समारोह

जयपुर परिसर में दिनांक 14.09.2016 को डॉ. हिन्दकेसरी सभागार में हिंदी दिवस समारोह का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन हिन्दी विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. रेखा पाण्डेय तथा प्राध्यापक डॉ. सुभाष चन्द्र के संयोजन में हुआ। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी आचार्य एवं प्राध्यापक सम्मिलित हुए तथा छात्रों के समक्ष राष्ट्रभाषा के महत्त्व को दर्शाते हुए हिन्दी कविताओं, कथाओं एवं साहित्य पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित "अहा जिन्दगी" पत्रिका के सम्पादक तथा प्रसिद्ध कवि डॉ. एकान्त श्रीवास्तव ने अपने वक्तव्य एवं कविता द्वारा सभा को मन्त्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर प्राचार्य प्रो. प्रकाश पाण्डेय ने कार्यालयीय गतिविधियों में इसका अधिक से अधिक उपयोग करने पर बल दिया।

6. राजस्थान राज्यस्तरीय एवं शास्त्रीय भाषण स्पर्धा

राजस्थान राज्यस्तरीय एवं शास्त्रीय भाषण स्पर्धा 20 से 21.10.2016 को जयपुर में आयोजित हुई जिसकी अध्यक्षता परिसरीय प्राचार्य प्रो. प्रकाश पाण्डेय महोदय ने की तथा कार्यक्रम का संयोजन प्रो. श्रीधर मिश्र महोदय ने किया। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में परिसर के विद्वानों के अतिरिक्त प्रो. अशोक तिवारी, प्रो. कमलनयन शर्मा, प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा, प्रो. इन्द्रमणि दास, प्रो. जगन्नारायण पाण्डेय प्रो. बिहारी शर्मा, प्रो. विनोद कुमार शर्मा आदि विशिष्ट विद्वान् बाह्य निर्णायक के रूप में उपस्थित हुए। इनके अतिरिक्त जयपुर परिसर के वेद-वेदांग संकायप्रमुख प्रो. वासुदेव शर्मा, दर्शनविभागाध्यक्ष, प्रो. वैद्यनाथ झा, व्याकरण विभागाध्यक्ष प्रो. शिवकान्त झा, धर्मशास्त्र विभागाध्यक्ष, प्रो. भगवती सुदेश, साहित्य विभागाध्यक्ष प्रो. रामकुमार शर्मा, जैनदर्शन विभागाध्यक्ष, प्रो. श्रीयांश कुमार सिंघई तथा शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. वाई.एस.रमेश एवं वरिष्ठ प्राध्यापकों ने प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में सहयोग किया। इस कार्यक्र में 23 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनका संचालन परिसर के प्राध्यापकों ने किया। इस कार्यक्रम में डा. नमिता मित्तल, डॉ. साधना शर्मा, डॉ. रामेश्वर शर्मा, डॉ. पवन व्यास, डॉ. कृष्णा शर्मा, डॉ. सिद्धार्थ शंकर, डॉ. धर्मेन्द्र पाठक, सुश्री शैली प्रकाश इत्यादि परिसरीय अध्यापकों ने भी पूर्ण सहयोग किया। जिसमें 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। स्पर्धा में चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यालयीय अनुभाग अधिकारी श्री महेन्द्र शर्मा तथा श्री रामजीलाल मीणा ने अपने अन्य कर्मचारियों का सहयोग रहा इस स्पर्धा में जयपुर परिसर के छात्रों का वर्चस्व रहा।

7. विवेकानंद जयंती समारोह

दिनांक 12.01.2017 को जयपुर परिसर में विवेकानंद जयंती कार्यक्रम के उपलक्ष्य में युवा समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार विभिन्न प्रकार से किया गया।

- विवेकानंद के जीवन से सम्बन्धित लघु चलचित्र दिखाया गया। जिसमे परिसर के सभी छात्र तथा प्राध्यापक उपस्थित थे।
- विवेकानंद के जीवन से सम्बंधित तथा उसके प्रवचन से सम्बंधित एक प्रदर्शनी आयोजित की गयी।
- राष्ट्र के उत्थान में युवाओं का योगदान तथा समाधान विषय पर भाषण स्पर्धा का आयोजन किया तथा सभी छात्रों को नशा मुक्ति की शपथ ग्रहण कार्यक्रम अन्तर्राष्ट्रिय कबड्डी खिलाड़ी श्री नवनीत गौतम के द्वारा करवाया गया। इस कार्यक्रम मे अध्यक्ष के रूप में प्राचार्य प्रो. प्रकाश पाण्डेय उपस्थित थे। परिसर के सभी प्राध्यापक एवं छात्र उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम का संयोजन आधुनिक विभाग के अध्यक्ष प्रो. गजेन्द्र प्रकाश शर्मा के निर्देशन में हुआ।
- युवाओं के व्यक्तित्व विकास में सोशल मीडिया का प्रभाव इस विषय के पक्ष विपक्ष में वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- वर्तमान समय में युवाओं के व्यक्तित्व विकास में स्वामी विवेकानंद के विचारो की प्रासंगिकता इस विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

8. वसंत पंचमी पूजन

01.02.2017 को डॉ. हिंदकेसरी सभागार में सरस्वती पूजन समारोह वैदिक मंत्रोच्चारण तथा पौराणिक विधियों के अनुसार सम्पूर्ण परिसरीय कर्मचारी तथा छात्रों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

9. व्याकरण विभागीय गतिविधियां शैक्षणिक सत्र 2016-17

- **व्याकरण परिषद् का गठन एवं उद्घाटन** - दिनांक 22.09.2016 को व्याकरण परिषद् का उद्घाटन किया गया। जिसमें छात्राध्यक्ष के रूप में आचार्य द्वितीयवर्ष के केशवनाथ झा, उपाध्यक्ष के रूप में आचार्य प्रभमवर्ष की छात्रा कविता कुमारी, सचिव पद के लिये शास्त्री तृतीय वर्ष के छात्र आशीष शर्मा, सहसचिव शास्त्री द्वितीय की छात्रा संघमित्रा व्यास तथा संयोजक आचार्य द्वितीय वर्ष के छात्र योगेश कुमार शर्मा का चयन किया गया। यह चयन प्रक्रिया परीक्षा प्राप्त सर्वश्रेष्ठ अंक के आधार पर की गयी। इस कार्यक्रम में विभाग के सभी प्राध्यापक उपस्थित थे।
- युव समारोह कार्यक्रम में मार्गदर्शन के रूप से

  1. प्रो. शिवकान्त झा

  2. प्रो. श्रीधर मिश्र
- उत्तरांचल राज्यस्तरीय प्रतियोगिता मे निर्णायक

  1. प्रो. शिवकान्त झा

  2. डॉ. विष्णुकान्त पाण्डेय
- हिमाचल राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में निर्णायक 02.12. 2016

  1. प्रो. शिवकान्त झा
- अखिल भारतीय संस्कृत शलाका प्रतियोगिता में मार्गदर्शक के रूप में अगरतला परिसर को प्रस्थान

  1. प्रो. कमल चन्द्र योगी

  2. डॉ. पंकज पुरोहित
- लखनऊ परिसर में विशिष्ट व्याख्यान हेतु आमन्त्रण 28-29.01.2017

  1. प्रो. शिवकान्त झा

  2. प्रो. श्रीधर मिश्र
- सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय गुजरात में 02.02.2017 व्याख्यान

  1. डॉ. विष्णुकान्त पाण्डेय
- व्याकरण विभागीय शैक्षिक भ्रमण 04, 05, 06, 07.03. 2017
- साहित्य विभागीय कार्यक्रम
- प्रो. रामकुमार शर्मा (विभागाध्यक्ष साहित्य विभाग) 2016-2017

शोध पत्र वाचन 2016-2017

- रासपंचाध्यायी की व्यापकता - 16-18 अक्टूबर 2017 - श्री राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मणिपुर

कार्यशाला 2016-17

- दूरस्थ प्रशिक्षण - 22.12.2016 से 24.12.2016 - मुंबई परिसर

संयोजन

- संस्कृत अकादमी राजस्थान के द्वारा 04-02-2016 को जयपुर परिसर में आयोजित राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का संयोजन।
- श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय विद्यापीठ के द्वारा आयोजित ईपाठशाला संस्कृत एम.ए. में पाठशाला के लिए नाट्यशास्त्र के छठे अध्याय के 8 विडियो रिकॉर्डिंग 03-04.12. 2016 को कराये गये।

साहित्य विभाग के शैक्षिक कार्यक्रम 2016-17

- साहित्य परिषद् का गठन दिनांक 25.10.2017 को साहित्य विभाग के प्राध्यापको तथा छात्रों की उपस्थिति में तथा विभागाध्यक्ष ने साहित्य परिषद् का गठन किया। जिससे 10 छात्र सदस्य के रूप में लिए गए और परामर्शदाता के रूप में विभागीय प्राध्यापको को रखा गया इस परिषद् का उद्देश्य छात्रो की वाक्शाक्ति तथा बौद्धिक शक्ति का अभिवर्धन है। इसलिए प्रत्येक मास में नियत शुक्रवार को 2 बार पाक्षिक संगोष्ठी के आयोजन का निर्णय लिया गया है।
- साहित्य विभागीय संगोष्ठी -

  (क) 25.10.2016 "रसस्वरूपम्" इस विषय पर एक विभागीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें सभी प्राध्यापकों एवं छात्रों ने भाग ग्रहण किया संचालन समुन्दर सिंह (आचार्य द्वितीय वर्ष) ने किया।

  (ख) दिनांक 09.03.2017 को डॉ. किशोर कुमार दलाई की अध्यक्षता में "लक्षणा तेन षड्विधा" इस विषय पर विभागीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें छात्र तथा प्राध्यापकों ने उक्त विषय पर अपने विचार व्यक्ति किये। संचालन समुन्दर सिंह (आचार्य द्वितीय वर्ष) ने किया।
- राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन - 28.01.2017 तक द्विदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किय गया संगोष्ठी का विषय "महिमभट्टसम्मतमनौचित्यम्" था।
- सत्रों में आयोजित इस संगोष्ठी में मुख्यवक्ता के रूप में "आचार्य" उमेश नेपाल (जगद्गुरु रामानन्दाचार्य सं. वि.) तथा सत्राध्यक्ष तथा सम्पूर्ति सत्र के सारस्वतातिथि के रूप में "डॉ. हरिशचन्द्र तिवाड़ी" (विभागाध्यक्ष उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार) सत्राध्यक्ष के रूप में "डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी" (साहित्य विभाग भोपाल परिसर) और उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में तथा सम्पूर्ति सत्र में विशिष्टातिथि के रूप में "प्रो. रमाकान्तपाण्डेय" (निदेशक मुक्तस्वाध्यायपीठ तथा सम्पूर्ति सत्र में मुख्यातिथि के रूप में "प्रो. जगद्गुरू नारायण पाण्डेय रा.सं.सं. नईदिल्ली) ने भाग ग्रहण किया।
- शोधार्थी एवं विद्वानों को मिलाकर कुल 52 प्रतिभागियों ने भाग ग्रहण तथा शोधपत्र वाचन किया। मुख्यातिथि के रूप में "प्रो. कलानाथ शास्त्री तथा विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रो. कृष्ण चन्द्र चतुर्वेदी आमंत्रित थे किन्तु अस्वास्थ्य आदि के कारण उपस्थित नहीं हो सकें।
- संगोष्ठी विषय पर उपस्थापन प्रो. रामकुमार शर्मा ने तथा चतुर्थ सत्र का अध्यक्षत्व डॉ. किशोर कुमारदलाई ने किया।
- डॉ. राकेश कुमार जैन ने उद्घाटन सत्र डॉ. निशा ने द्वितीय सत्र का फिरोज ने चतुर्थ सत्र का तथा डॉ. किशोर कुमार दलाई ने पंचम सत्र का संचालन किया। तृतीय सत्र का संचालन हार्दिक राज्यगुरु (शोधच्छात्र) द्वारा किया गया।
- विशिष्ट व्याख्यान - दिनांक 28.01.2017 को "काव्य-गुणा:" इस विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया विशिष्टवक्ता के रूप में "प्रो. शिवाजी उपाध्याय" (पूर्व साहित्य विभागाध्यक्ष संपूर्णानंद सं. विश्वविद्यालय वाराणसी) आमंत्रित थे किन्तु अस्वास्थ्य के कारण वे उपस्थित नहीं हो सकें। अत: प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा (पूर्व सं. शिक्षा निर्देशक) राज. सरकार के द्वारा उक्त विषय पर विशिष्ट व्याख्यान किया गया।
- डॉ. हरिशचंद्रतिवाड़ी (सहायकाचार्य) की उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार में सहाचार्य पद पर नियुक्ति होने के कारण उन्हें कार्यग्रहण हेतु 14.09. 2016 को कार्य मुक्त किया गया।
- स्थानांतरित अध्यापक - डॉ. राकेश कुमार जैन (संविदागत प्राध्यापक) मुंबई परिसर से तथा डॉ. निशा (अतिथि प्राध्यापिका) गरली परिसर से स्थानांतरित होकर आये।
- नव-नियुक्ति-फिरोज (शोधछात्र) की नियुक्ति अतिथि प्राध्यापक के रूप में हुई।

10. ज्योतिष विभागीय गतिविधियां शैक्षणिक सत्र 2016-17

- महामहिम राष्ट्रपति सम्मानित पं. कल्याण दत्त शर्मा द्वारा संस्थापित जयपुर में गलता धाम की पहाड़ियों में स्थित जन्तर-मन्तर की वैधशाला में क्रान्ति एवं यन्त्रों के प्रायोगिक अध्ययन हेतु डॉ. विजेन्द्र शर्मा एवं डॉ. रामेश्वर शर्मा तथा विभागीय शोध छात्रों का शैक्षणिक भ्रमण सम्पन्न हुआ।
- ज्योतिष विभागीय शोधपत्रिका ज्योतिर्मयी का प्रकाशन।
- दिनांक 23.09.2016 को ज्योतिष विभागाध्यक्ष एवं अन्य विभागीय अध्यापकों द्वारा विभागीय छात्रों को प्रायोगिक अध्ययन हेतु जयपुर में स्थित जन्तर-मन्तर वेधशाला में भ्रमण करवाया।
- दिनांक 28.07.2016 को ज्योतिष विभागीय प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम का समापन हुआ, जिसका शुभारम्भ 09.03. 2016 से हुआ, जिसमें कुल 10 प्रतिभागियों ने सम्पूर्ण मनोयोग एवं सोत्साह से इस पाठ्यक्रम में भाग लेकर एवं विधिवत् अध्ययन कर प्रमाणपत्र प्राप्त किये।
- ज्योतिष स्वाध्याय परिषद् की प्रथम संगोष्ठी का शुभारम्भ दिनांक 04.08.2016 को सम्पन्न हुआ, जिसमें विभागीय सभी छात्रों ने भाग ग्रहण किया।
- ज्योतिष स्वाध्याय परिषद् की द्वितीय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 24.10.2016 को सम्पन्न हुआ।
- ज्योतिष स्वाध्याय परिषद् की वाक्वर्धनी तृतीय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 12.01.2017 को सम्पन्न हुआ जिसमें विभागीय छात्र उपस्थित हुए एवं निर्धारित विषय पर कुछ विद्यार्थियों ने पत्र वाचन किया।
- ज्योतिष स्वाध्याय परिषद् की चतुर्थ संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 08.03.2017 को सम्पन्न हुआ।
- ज्योतिष के प्रायोगिक ज्ञानवर्धन हेतु दिनांक 09.09. 2016 को विभागीय टेलीस्कोप द्वारा आकाशीय पिण्डों का साक्षात् पर्यवेक्षण सम्पन्न हुआ।
- पूर्वोक्त कार्यक्रम की विशेष आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए दिनांक 01.03.2017 को टेलिस्कॉप द्वारा विभागीय छात्रों के लिए चन्द्रश्रृंगोन्नति का अवलोकन करवाया गया।

व्याकरण विभागीय संगोष्ठी

दिनांक 25 से 26.02.2017 को जयपुर परिसर के व्याकरण विभाग के द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रिय गोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। गोष्ठी का विषय वैयाकरणदार्शनिकसिद्धान्तानां समीक्षणम् रहा। जिससे मुख्य अतिथि के रूप में भगवान दास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. भोला झा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. अशोक तिवारी (जगद्गुरु रामानन्दाचार्य विश्वविद्यालय तथा सारस्वत के रूप में प्रो. सत्यप्रकाश दुबे, विभागाध्यक्ष, संस्कृतविभाग जोधपुर विश्वविद्यालय जोधपुर उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संयोजन व्याकरण विभाग के अध्यक्ष प्रो. शिवाकांत झा, संचालन डॉ. विष्णुकांत पांडेय द्वारा किया गया, कार्यक्रम में विषयप्रवर्धन प्रो. श्रीधर मिश्र तथा धन्यवाद भाषण प्रो. कमल चन्द्र योगी महोदय ने किया, इस कार्यक्रम में परिसर के अन्य विषय के आचार्य, प्राध्यापक तथा परिसरीय अतिरिक्त विद्वान् तथा शोध छात्रों ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम से व्याकरण विभाग के सभी छात्रो ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

शिक्षाशास्त्र विभागीय संगोष्ठी

1. दिनांक 27.01.2017 को जयपुर परिसर के शिक्षा शास्त्र विभाग में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता परिसर के प्राचार्य प्रो. प्रकाश पाण्डेय महोदय ने की। कार्यक्रम का विषय 'शाब्दार्थसम्बन्ध-प्रामाण्यविचार:' रखा गया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. आज़ाद मिश्र, पूर्व प्राचार्य राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर उपस्थित हुए। कार्यक्रम में परिसर के अनेक प्राध्यापक एवं छात्र उपस्थित हुए।
2. दिनांक 4, 5 मार्च 2017 को जयपुर परिसर में शिक्षाशास्त्र विभाग में 'समावेशात्मकशिक्षाया: क्रियान्विति: सम्भावना च' विषय पर द्विदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रो. प्रकाश पाण्डेय ने की तथा विषय पर उपस्थापन शिक्षाशास्त्र विभाग की आचार्या प्रो. संतोष मित्तल ने किया तथा अतिथियों का स्वागत शिक्षा शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. वाई.एस. रमेश ने किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अमिताभ शर्मा, पूर्व आचार्य शिक्षाशास्त्र विभाग गांधी विद्या मंदिर, सरदार शहर चुरू तथा डॉ. आर.पी. पाठक, संकाय प्रमुख शिक्षा, श्री लाल बहादुर शास्त्री

राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली उपस्थित हुए। विभागीया प्रो. सोहनलाल पाण्डेय, प्रो. फतह सिंह, प्रो. गजेन्द्र प्रकाश शर्मा आदि आचार्यों ने सत्र की अध्यक्षता की। विभाग के सभी प्राध्यापक एवं छात्र कार्यक्रम में उपस्थित हुए तथा अपने अपने पत्रों का वाचन किया।

दर्शन विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक 4, 5 मार्च 2017 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन दर्शन विभाग के द्वारा किया। जिसमे प्रो. कमलनयन शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में एवं प्रो. राजधर मिश्र व्याकरण विभागाध्यक्ष ज.रा.रा. सं.वि. सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। गोष्ठी का आयोजन प्रो. वैद्यनाथ झा द्वारा किया गया। इस गोष्ठी में परिसरीय अध्यापक एवं शोधच्छात्राओं द्वारा विविध शोध पत्रों का वाचन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता प्राचार्य महोदय द्वारा की गयी।

आधुनिक विभागीय एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

आधुनिक विभाग द्वारा दिनांक 29.03.2016 को 'भाषा, साहित्य, समाज, विज्ञान एवं तकनिकी विषयों के आधुनिक राष्ट्रीय संगोष्ठी' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। इसमें मुख्य अतिथि प्रो. अनिल जैन, डॉ. प्रियंका शर्मा, प्रो. अशोक शर्मा, प्रो. विजय सिंह राठौड़ व प्रो. महेन्द्र सिंह चुण्डावत, विशिष्ट अतिथि प्रो. राजेन्द्र कुमार, डॉ. ललित शर्मा, प्रो. मीनूदवे, प्रो. ओम प्रकाश भडाना, सरस्वत अतिथि डॉ. शेखर शर्मा, वक्ता डॉ. प्रेमशंकर, प्रो. इनाक्षी चतुर्वेदी आदि उपस्थित रहे। संगोष्ठी का संयोजन प्रो. गजेन्द्र प्रकाश शर्मा, अध्यक्ष आधुनिक विभाग एवं संचालन डॉ. सुभाषचन्द, कान्ता गलानी, डॉ. नमिता मित्तल, डॉ. नवनीत कुमार व डॉ. सीमा अग्रवाल तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रेखा पाण्डेय द्वारा किया गया। इस गोष्ठी में बाह्य विद्वान् एवं परिसरीय विद्वान् तथा शोधच्छात्रों द्वारा शोधपत्रों का वाचन किया गया। इस सेमिनार में प्रो. गजेन्द्र प्रकाश शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। आधुनिक विभाग के सभी प्राध्यापक एवं छात्रों द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया।

जैन दर्शन विभागीय संगोष्ठी

दिनांक 24.03.2017 को प्राकृत जैन वाङ्मये जीवपदार्थ विमर्श: विषय पर प्रो. हीरालाल जैन स्मृति व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रो. प्रकाश पाण्डेय ने की, मुख्यातिथि के रूप में प्रो. दयानन्द भार्गव राष्ट्रपति सम्मानित विशिष्ट विद्वान् वीरसागर जैन, पूर्व संकाय अध्यक्ष, श्री लाल बहादुर शास्त्री विद्यापीठ, सारस्वतातिथि डॉ. अशोक कुमार जैन, जैन बौद्धदर्शन विभाग संस्कृत विद्या कार्यक्रम में मुख्य वक्ता अशोक कुमार जैन तथा मुख्यातिथि श्री मणिरत्नसागर मुनी थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रो. प्रकाश पाण्डेय ने की थी तथा विषय का उपस्थापन विभाग के अध्यक्ष प्रो. श्रीयांश कुमार सिंघाई ने किया। सारस्वतातिथि के रूप में राजस्थान संस्कृत अकादमी की पूर्व अध्यक्षा प्रो. सुषमा सिंघई उपस्थित हुई। गोष्ठी में दर्शन शास्त्र के सभी छात्र उपस्थित हुए।

योगशिविरों का आयोजन

1. **योग से समग्र स्वास्थ्य** - शान्ति पार्क, झोटवाड़ा, जयपुर - रा.सं.सं. जयपुर परिसर, जयपुर - डॉ. नवनीत कुमार एवं योग छात्र/छात्राऐं - प्रात: 6 से 7.30 तक - 26-28 नवम्बर, 2016
2. **जीवन में योग का महत्व** - रा.सं.सं. जयपुर परिसर, जयपुर - योग एवं आयुर्वेद विभाग - डॉ. नवनीत कुमार - सायं 5 से 6.15 तक - 16-20 जनवरी, 2017

विशेष :-यह शिबिर संस्थान के छात्रावास में रहने वाले समस्त छात्र/छात्राओं के लिए आयोजित किया गया था। विशेष बात यह रही इस शिबिर की 'योग शिविर' समाप्त होने के पश्चात भी छात्र/छात्राओं का योग के प्रति उत्साह देखकर दो माह पर्यन्त इस शिविर को सुचारूरूप से चलाया गया। योग शिविर जयपुर परिसर के प्राचार्य डॉ. प्रकाश पाण्डेय जी के मार्गदर्शन में चलाया गया।

शिविर से लाभ :-छात्र/छात्राओं का शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास, एकाग्रता में वृद्धि, अनुशासित रहना, तामसिक पदार्थ एवं भोजन के प्रभाव को छोड़कर सात्विक आहार को अपनाना एवं मन पर प्रभाव को अनुभव किया इत्यादि।

विशेष उपलब्धि - योग एवं आयुर्वेद विभाग की ओर से 'सूर्यनमस्कार', 'घेरण्ड संहिता एवं हठ योग प्रदीपिका के आसनों पर' एवं 'अन्य महत्वपूर्ण योगासन' पर स्लाइड शो तैयार किया गया है। जिसमें शास्त्रीय संगीत एवं श्लोकों का समावेश कराया गया है। जो बहुत ही आकर्षक है।

परिसर कार्यक्रमों में आमंत्रित विद्वान

क्र.सं.	सम्मानित विद्वान्	सम्मानित पद
1.	प्रो. हरिराम आचार्य	भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय
2.	प्रो. दयानन्द भार्गव	भूतपूर्व प्राचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जम्मू कैंपस
3.	प्रो. आजाद मिश्र	भूतपूर्व प्राचार्य राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल
4.	प्रो. रामानुज देवानाथन	भूतपूर्व प्राचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जम्मू कैंपस
5.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्राचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मुंबई कैंपस
6.	देवर्षि कलानाथ शास्त्री	राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित
7.	प्रो. शिवाजी उपाध्याय	भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी
8.	डॉ. जगन्नारायण पाण्डेय	भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, साहित्य विभाग, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर कैंपस, जयपुर
9.	प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा	भूतपूर्व निदेशक, संस्कृत शिक्षा राजस्थान सरकार
10.	प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी	लालबहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ
11.	प्रो. अनंतराम शर्मा	भूतपूर्व अध्यक्ष, जगद्गुरु राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
12.	प्रो. रामपाल शर्मा	भूतपूर्व प्राचार्य, राजकीय महाराज संस्कृत कॉलेज
13.	डॉ. विराचार्य शास्त्री	श्यामलाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
14.	प्रो. हरिराम मिश्र	जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
15.	प्रो. रामचंद्र पाण्डेय	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
16.	प्रो. रमाकांत पाण्डेय	निदेशक, मुक्तस्वाध्यायपीठ
17.	डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल
18.	प्रो. वेंकटरमण हेगडे	कनार्टक संस्कृत विश्वविद्यालय मैसूर
19.	प्रो शालिनी सक्सेना	राजकीय महाराज संस्कृत महाविद्यालय
20.	डॉ. चेतना पाठक	राजकीय महाराज संस्कृत महाविद्यालय
21.	डॉ. विनोद शर्मा	ज्योतिष विभागाध्यक्ष ज.रा.रा.सं.वि.वि., जयपुर
22.	डॉ. भगवान सहाय शर्मा	प्राचार्य महाराज संस्कृत - आचार्य महाविद्यालय, जयपुर
23.	प्रो. राजेन्द्र मिश्रा	जे.आर.आर.एस. विश्वविद्यालय, जयपुर
24.	डॉ. श्रीकृष्ण शर्मा	भूतपूर्व विभागाध्यक्ष जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
25.	डॉ. कमलनयन शर्मा	भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, धर्मशास्त्र विभाग, जयपुर परिसर
26.	डॉ. भोला झा	प्राचार्य, भगवान दास आदर्श संस्कृत विश्वविद्यालय
27.	प्रो. सत्य प्रकाश	भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
28.	प्रो. अशोक तिवाड़ी	भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, जे.आर.आर.एस. विश्वविद्यालय, जयपुर
29.	प्रो. अशोक तिवाड़ी	विभागाध्यक्ष, व्याकरण विभाग, जगदगुरु राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
30.	डॉ. राजधर मिश्र	सहायकाचार्य व्याकरण विभाग, ज.रा.रा.सं.वि.वि., जयपुर
31.	डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा	सहाचार्य, ज.रा.रा.सं.वि.वि., जयपुर

क्र.सं.	सम्मानित विद्वान्	सम्मानित पद
32.	प्रो. राधा रानी सक्सेना	प्रोफेसर, स्कूल ऑफ एजुकेशन, सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय, जयपुर
33.	प्रो. आर.पी. पाठक	विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ
34.	प्रो. अमिताभ शर्मा	भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, गन्ध विद्या मंदिर, सरदार शहर, चूरू
35.	डॉ. विभा कौशिक	एसोसिएट प्रोफेसर, सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय, जयपुर
36.	डॉ. मीनू अग्रवाल	एसोसिएट प्रोफेसर, पी.जी. कॉलेज, जामडोली, जयपुर
37.	प्रो. पियूष कान्त दीक्षित	कुलपति, उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार
38.	प्रो. सुषमा सिंघई	अध्यक्षा, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
39.	प्रो. बीना अग्रवाल	आचार्य और अध्यक्ष संस्कृत विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय
40.	प्रो. हरेराम त्रिपाठी	लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ
41.	प्रो. राजेन्द्र प्रसाद	भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय
42.	प्रो. अनिल जैन	राजस्थान विश्वविद्यालय
43.	डॉ. प्रेम शंकर	दयाल बाग एजुकेशन इंस्टिट्यूट, आगरा
44.	डॉ. प्रियंका चौधरी	मनिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर
45.	डॉ. ललित शर्मा	वनस्थली विद्यापीठ, जयपुर
46.	प्रो. इनाक्षी चतुर्वेदी	राजस्थान विश्वविद्यालय
47.	प्रो. अशोक शर्मा	राजस्थान विश्वविद्यालय
48.	प्रो. विजय सिंह राठौर	प्रोफेसर, सी.एस.ई., जे.ई.सी.आर.सी. जयपुर एवं अध्यक्ष, सी.एस.आई. जयपुर चैप्टर
49.	प्रो. मीनू दवे	प्रोफेसर एवं डीन, फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, निदेशक, जगन्नाथ विश्वविद्यालय, जयपुर
50.	प्रो. महेंद्र सिंह चुडावत	विभागाध्यक्ष, शा.शि., राजस्थान विश्वविद्यालय
51.	प्रो. ओमप्रकाश भडाना	रिटायर्ड प्रोफेसर, आर.एस.के.एस. जयपुर कैंपस
52.	डॉ. शेखर शर्मा	योग एवं नेचुरो-थेरेपिस्ट
53.	प्रो. मनोज कुमार मिश्रा	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
54.	महामहोपाध्याय, हृदयरञ्जन शर्मा	राष्ट्रपति अवार्डी, बी.एच.यू., वावराणसी
55.	प्रो. लम्बोदर मिश्रा	विभागाध्यक्ष, वेद जे.आर.आर.एस. विश्वविद्यालय, जयपुर
56.	डॉ. सतीश किलावत	भूतपूर्व प्राचार्य राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर कैंपस, जयपुर
57.	प्रो. वीरसागर जैन	भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, जैनदर्शन, एल.बी.एस. नई दिल्ली
58.	डॉ. जय कुमार जैन	पी.जी. कॉलेज, मुजफ्फरनगर, यू.पी.
59.	डॉ. अनिल जैन	प्राचार्य, एस.डी. जैन संस्कृत कॉलेज, सांगानेर, जयपुर
60.	डॉ. शांति कुमार पाटिल	उप-प्राचार्य, टी.डी.जे. संस्कृत कॉलेज, जयपुर
61.	पं. अरुण कुमार शास्त्री	प्राचार्य श्रमण संस्कृत संस्थान, सांगानेर, जयपुर
62.	प्रो. अशोक कुमार जैन	विभागाध्यक्ष, जैन बुद्ध दर्शन डिपार्टमेंट, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान विभाग, बी.एच.यू. वाराणसी

क्र.सं.	सम्मानित विद्वान्	सम्मानित पद
63.	श्री मनिरत्न सागर मुनि	संत
64.	श्री नवीन गौतम	इंटरनेशनल कबड्डी खिलाड़ी
65.	प्रो. मधु परहार	IGNOU., नई दिल्ली
66.	डॉ. मैथिली	IGNOU., नई दिल्ली
67.	प्रो. शम्भ शिव मूर्ति	प्रोफेसर, जे.आर.आर.एस. विश्वविद्यालय, जयपुर
68.	श्री ओम प्रकाश शर्मा	फादर ऑफ शहीद लेफ्ट. अमित भरद्वाज
69.	श्री सोमकांत शर्मा	सोशल वर्कर
70.	महंत मोहन शरण शास्त्री	निम्बार्क आश्रम, भीलवाडा
71.	प्रो. गोपीनाथ मिश्रा	भूतपूर्व अध्यक्ष, जगदगुरु राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत
प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त – 01

उत्तर प्रेषित – 01

4.2.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)

परिसर-परिचय

भारत सरकार के मानव संसाधन तथा विकास मंत्रालय द्वारा पूर्णरूप से वित्तपोषित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की शाखा वर्ष 1986 में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के रूप में लखनऊ में स्थापित हुई। वर्ष 2002 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को मानित विश्वविद्यालय के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त हुई तथा 2012 में संस्थान को राष्ट्रिय मूल्यांकन तथा प्रत्यायन संस्थान (NAAC) द्वारा ए श्रेणी से सुशोभित किया गया। संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में यह एक सुप्रतिष्ठित संस्था है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड 4, गोमती नगर लखनऊ में स्थित है।

परिसर में उपलब्ध विविध विषय

1. शास्त्रीय विषय

i. नव्य व्याकरण
ii. प्राचीन व्याकरण
iii. साहित्य
iv. सिद्धान्त ज्योतिष
v. फलित ज्योतिष
vi. बुद्ध दर्शन
vii. वेद

2. आधुनिक विषय

i. हिन्दी
ii. अंग्रेजी
iii. राजनीति विज्ञान
iv. अर्थशास्त्र
v. कम्प्यूटर

3. नियमित कक्षाएँ

i. प्राक्शास्त्री (प्रथम एवं द्वितीय वर्ष)
ii. शास्त्री (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष)
iii. आचार्य (प्रथम एवं द्वितीय वर्ष)
iv. शिक्षाशास्त्री (प्रथम एवं द्वितीय वर्ष)
v. विद्यावारिधी (पी.एच.डी.)

मुक्त स्वाध्यायपीठ के अन्तर्गत दूरस्थ शिक्षा की कक्षाएँ

i. प्राक्शास्त्री (प्रथम एवं द्वितीय वर्ष)
ii. शास्त्री (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष)
iii. आचार्य (प्रथम एवं द्वितीय वर्ष)
iv. शिक्षाशास्त्री (प्रथम एवं द्वितीय वर्ष)

पाली अध्ययन केन्द्र

भारत शासन के मानव संसाधन तथा विकास मंत्रालय के द्वारा पालि व प्राकृत भाषा के विकास के लिए पालि, प्राकृत ग्रन्थों का संस्कृत भाषा में छाया अनुवाद किया जा रहा है। पाली विभाग वरिष्ठ व कनिष्ठ शोध अध्येताओं की संख्या 08 है। केन्द्र की वार्षिक शोध पत्रिका पालि प्राकृत अनुशीनलम् सम्प्रति प्रकाशनाधीन है।

संगणक केन्द्र

संगणक केन्द्र के माध्यम से परिसर में अध्ययनरत विद्यार्थियो को संगणक की शिक्षा दी जाती है।

छात्रावास

परिसर में छात्र एवं छात्राओं के आवास हेतु भव्य छात्रावास है। जिसमें 350 छात्र/छात्राएँ निवास करते हुए अध्ययनरत हैं। इसके अतिरिक्त क्रीडा प्राङ्गण तथा व्यायामशाला भी उपलब्ध है।

शिक्षकप्रशिक्षणवर्ग तथा भाषाप्रबोधनवर्ग

परिसर मे 03.06.2016 से 12 दिन का आवासीय शिक्षकप्रशिक्षणवर्ग व भाषाबोधनवर्ग चलाया गया जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में लखनऊ नगर के महापौर प्रो. दिनेश शर्मा जी उपस्थित थे। इस प्रशिक्षण वर्ग में 20 प्रशिक्षक एवं 175 छात्र थे।

परिसर के वर्तमान सत्र का सत्रारम्भ कार्यक्रम

दिनांक 20.06.2016 से परिसर के वर्तमान सत्र का आरम्भ हुआ।

परिसर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए हैं, जो कि निम्नलिखित हैं-

1. योग दिवस दिनांक 21.06.2016
2. पुस्तक प्रर्दशनी 28.07.2016
3. वाग्वर्धिनी सभा 19.07.2016
4. स्वतन्त्रता दिवस 15.08.2016
5. परिसरीय स्वच्छता अभियान 20.08.2016 से 24.08. 2016 तक
6. संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम जिसमे थे प्रो. रामनारायण मिश्र, प्रो. रामपूजन पाण्डेय, श्रीमती साधना मिश्रा अध्यक्षा उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान विशिष्ट विद्वान् हुए।
7. श्रावणी उपाकर्म संस्कार कार्यक्रम श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर।
8. हिन्दी पखवाड़ा 14.09.2016 से 27.09.2016 तक आयोजित हुआ, जिसके मुख्यवक्ता यू.पी.टी.यू. के कुलपति प्रो. विनय कुमार मिश्र थे। साथ ही महन्त सुश्री देव्या गिरी जी, डॉ. सदाबिहारी साहू महोदय। इसमें विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित हुईं।
9. अखिल भारतीय पाली-संस्कृतच्छाया-संशोधन-सम्पादनकार्यशाला 20.09.2016 से 29.09.2016 तक संचालित हुई।
10. राष्ट्रस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा 25.10.2016 से 26.10. 2016 तक सम्पन्न हुई।
11. वृक्षारोपण कार्यक्रम 26.10.2016 को।
12. राष्ट्रिय -एकता-दिवस 31.10.2016 को।
13. राष्ट्रिय आपदाप्रबन्धन प्रशिक्षण 08.11.2016 को आयोजित हुआ जिसमे मुख्य प्रशिक्षक प्रो.सी.पी.बर्थवाल जी थे।
14. आरोग्यमित्रप्रशिक्षणशिबिर 12.11.2016 से 13.11.2016 तक आयोजित हुआ।
15. मद्यनिषेध जागरूकता समारोह 18.11.2016 को।
16. भारतीय संविधान दिवस 26.11.2016 को।
17. गाँव कनेक्शन फाउण्डेशन 03.12.2016 को।
18. सत्रार्ध परीक्षा 16.12.2016 से 23.12.2016 पर्यन्त ।
19. अखिल भारतीय राज्य स्तरीय शास्त्रीय चयन प्रतियोगिता 25-26 अक्टूबर 2016 आयोजित हुई। जिसमें निर्णायक के रूप में प्रो. सच्चिदानन्द (बी.एच.यू) डॉ रामसलाही द्विवेदी (एल.बी.एस) एवं डॉ राम कृपाल त्रिपाठी (प्राचार्य श्री रंग लक्ष्मीसंस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन) इस प्रतियोगिता में परिसरीय छात्रों ने भी प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय स्थान प्राप्त किये।
20. युव महोत्सव अगरतला के एकलव्य परिसर में दिनांक 18.11.2016 से 21.11.2016 तक आयोजित किया गया। जिसमें लखनऊ परिसर के 14 छात्र/छात्राओं ने प्रतिभागिता की। जिसमे 08 तृतीय पुरस्कार द्वितीय पुरस्कार 05 तथा प्रथम पुरस्कार 01 छात्र ने प्राप्त किया।
21. अखिल भारतीय शास्त्रीय प्रतिस्पर्धा 28-29 दिसम्बर 2016 त्रिपुरा राज्य में सम्पन्न हुई। जिसमें व्याकरण शास्त्र में आचार्य की छात्रा रुद्रावती ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
22. युवादिवस एवं प्रज्ञापीठ उद्घाटन (16.01.2017)।
23. गणतन्त्र दिवस समारोह (26.01.2017)।
24. द्विदिवसीयाखिलभारतीयव्याकरणशास्त्रीय सङ्गोष्ठी दिनांक 28.01.2017 से 29.01.2017 को 'शब्दप्रमाणविमर्श:' विषय पर आयोजित हुई। इसमें विभिन्न प्रान्तों के विद्वान् सम्मिलित हुए जिसमें प्रो शिवाकान्त झा, प्रो श्रीधर मिश्र, डा. दामोदर परगाई, प्रो. आजाद मिश्र. प्रो सुबोधकान्त शर्मा इत्यादि प्रमुख थे।
25. वेदविभागीयाखिलभारतीयसंगोष्ठी दिनांक 04-05 फरवरी 2017 को 'वेदेषु विश्वहित- चिन्तनम्' विषय पर आयोजित हुई। जिसमें विशिष्ट विद्वान के रुप में प्रो. बृजेश कुमार शुक्ल, प्रो.मनोज कुमार मिश्र, डॉ. सुनील कात्यायन, डॉ. उपेन्द्र कुमार त्रिपाठी, डा. प्रयाग नारायण मिश्र तथा डॉ. मधुसत्यदेव सम्मिलित हुए।

26. अखिलभारतीयसंस्कृतछात्रप्रातिभसमारोह: दिनांक 28 जनवरी 02 फरवरी 2017 तक राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति में आयोजित किया गया लखनऊ परिसर के 15 छात्रों ने समारोह में भाग लिया एवं एकल पात्र अभिनय में श्री विनोद शर्मा ने द्वितीय स्थान एवं सामूहिक नृत्य में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

27. ज्योतिष विभागीय अखिलभारतीय शास्त्रीयसंगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याखान दिनांक 11-12 फरवरी 2017 को आयोजित हुआ। जिसमें प्रो.रामचन्द्र झा, प्रो. उमाशंकर शुक्ल, प्रो. शिवाकान्त झा, प्रो. वासुदेव शर्मा, प्रो, सदानन्द शुक्ल, प्रो. भारतभूषण मिश्र, प्रो. हंसधर झा, प्रो. ईश्वर भट्ट व प्रो. रामजीवन मिश्र सम्मिलित हुए।

28. मातृभाषा दिवस दिनांक 21 फरवरी 2017 को मनाया गया।

29. शिक्षाशास्त्र विभागीय अखिलभारतीयसंगोष्ठी दिनांक 25-26 फरवरी 2017 को "समावेशिशिक्षा" विषय पर आयोजित हुई। जिसमें प्रो, रामसागर मिश्र, डॉ, माताप्रसाद शर्मा, डॉ. वन्दना अरोड़ा, डॉ. अशोक शर्मा आदि विशिष्ट विद्वान् के रूप में सम्मिलित हुए।

30. बौद्धदर्शन विभागीय राष्ट्रिय संगोष्ठी एवं डॉ. भीमराव अम्बडेकर के विषय में व्याख्यान दिनांक 03-04 मार्च 2017 ''बौद्धन्यायपरम्पराया: विविधायामा:'' विषय पर आयोजित हुई। जिसमें प्रो. संघसेन सिंह, प्रो.एच.वी. गंगनेगी आदि विद्वान् प्रमुख रूप से सम्मिलित हुए।

31. आधुनिक विभागीय राष्ट्रिय संगोष्ठी 06-07 मार्च 2017 को परम्परा और आधुनक समाज और साहित्य के सन्दर्भ में विषय पर आयोजित हुई। जिसमें प्रो. सुरेन्द्र प्रताप सिंह, प्रो. सुरेन्द्र झा डॉ अरुण कुमार मिश्र एवं श्री गोपबन्धु मिश्र (सेवानिवृत्त IAS) सम्मिलित हुए।

32. अन्ताराष्ट्रियमहिलादिवस दिनांक 08 मार्च 2017 को आयोजित हुआ।

33. साहित्य विभागीय अखिल भारतीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान दिनांक 17,18 मार्च 2017 को साहित्य शास्त्रे अभिनवगुप्त परम्परा विषय पर आयोजित हुई। जिसमें प्रो. कमलेश झा. प्रो. छोटेलाल त्रिपाठी. प्रो. रामसुमेर यादव, डॉ विजय कुमार पाण्डेय, प्रो. आजाद मिश्र सम्मिलित हुए।

प्रकाशन

लखनऊ परिसर के प्रत्येक विभाग ने राष्ट्रिय पत्रिका का प्रकाशन किया है।

क्र.सं	विभाग नाम	पत्रिका नाम
1.	व्याकरण विभाग से	त्रैमुनी
2.	साहित्य विभाग से	साहित्यसमाख्या
3.	ज्योतिष विभाग से	त्रिपथगा
4.	वेद विभाग से	श्रुतिनिश्श्वसिता
5.	बौद्धदर्शन विभाग से	सौगतीयम्
6.	शिक्षा विभाग से	शिक्षावल्लरी
7.	आधुनिक विभाग से	नवोन्मेष:

परिसर का आय-व्यय विवरण

लखनऊ परिसर में औपचारिक और अनौपचारिक योजना के रूप प्रतिमाह में अप्रैल माह से फरवरी माह तक रूपये 6,66,57,590/- व्यय किये गये।

छात्रवृत्ति:

परिसर में अध्ययनरत प्राय: सभी छात्रों को छात्रवृत्ति प्राप्त होती है। आचार्य कक्षा में छात्रवृत्ति की राशि 1000/- शास्त्री कक्षा में 800/- रू व प्राक्शास्त्री कक्षा में 600/-रू निर्धारित है। शिक्षाशास्त्री के 50 प्रतिशत छात्रों को 800/- प्रतिमाह छात्रवृत्ति की राशि प्रदान की जाती है। विविध विषयों में शोधरत प्रतिवर्ष 20 शोधछात्रों को 8000/-रू प्रतिमाह छात्रवृत्ति की राशि प्रदान की जाती है। इस प्रकार इस सत्र में लगभग 36,69,128/- रू छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान किये गये।

परीक्षापरिणाम

विगत वर्ष प्राक्शास्त्री-शास्त्री-आचार्य-शिक्षाशास्त्री का परिणाम शत प्रतिशत रहा है।

प्राध्यापको की उपलब्धियाँ

- **व्याकरण विभागाध्यक्ष के प्रो. भारत भूषण त्रिपाठी** ने वेदव्यास परिसर, हिमाचल प्रदेश में 'स्फोटध्वनि-निरूपणम्' विषय पर व्याख्यान दिया। प्रो. त्रिपाठी विविध राष्ट्रिय संगोष्ठियों के सत्राध्यक्ष भी रहे। इनके निर्देशन में 3 शोधछात्रों ने अपना शोधप्रबन्ध प्रस्तुत

किया जिसमें से एक छात्र को उपाधि भी प्राप्त हो चुकी है। इनको विविध महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में साक्षात्कार के लिए भी आमन्त्रित किया गया।

- **ज्योतिष विभागाध्यक्ष- प्रो.मदन मोहन पाठक** ने विविध राष्ट्रिय संगोष्ठियों में सभाध्यक्ष, मुख्यवक्ता एवं सारस्वत अतिथि के रूप में भाग ग्रहण किया। ये राज्य स्तरीय वाक्स्पर्धा चयन प्रतियोगिता भोपाल में निर्याणक के रूप में गये। दूरस्थ शिक्षा के द्वारा आयोजित कार्यशाला मुम्बई परिसर में भाग ग्रहण किये। इनका 2074 विक्रमाब्द जगन्नाथ पंचाग एवं भास्करोदय ज्योतिष पत्रिका का 14 वां अंक प्रकाशित हुंआ है। इनका राष्ट्र धर्म नामक पत्रिका में नियमित रूप से राशिफल विचार प्रकाशित होता है।
- **ज्योतिष विभाग के प्राध्यापक डॉ. ज्योति प्रसाद दाश** ने विविध राष्ट्रिय संगोष्ठियों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। गोमती, भास्करोदय, त्रिपथगा आदि पत्रिकाओं में इनके शोध लेख प्रकाशित हुये है। इन्होने अखिल भारतीय ज्यौतिष कार्यशाला में 15.03.2017 से भाग ग्रहण कर रहे हैं।
- **व्याकरण विभागीय प्राध्यापक श्री प्रमोद कुमार शुक्ल** परिसर में आयोजित विविध राष्ट्रिय संगोष्ठियों में अपने शोधपत्र प्रस्तुत किये। लखनऊ परिसर से प्रकाशित गोमती, शिक्षावल्लरी, त्रैमुनी, साहित्यसमाख्या आदि पत्रिकाओं में इनके शोधलेख प्रकाशित हुए है। इन्होंने छात्रों के संस्कृत सम्भाषण प्रशिक्षण के लिए अलग से अतिरिक्त 15 दिवसीय सम्भाषण शिविर भी चलाए हैं। श्री शुक्ल गोमती नगर में स्थित केन्द्रीय विद्यालय में श्लोक कण्ठपाठ प्रतियोगिता में निर्णायक थे।
- **साहित्य विभागाध्यक्ष प्रो. रामलखन पाण्डेय** ने विविध राष्ट्रिय संगोष्ठियों में व्याख्यान एवं सत्रीय अध्यक्षता तथा विविध कार्यक्रमों का आयोजन भी किये।
- **शिक्षाशास्त्र विभागीय प्राध्यापिका प्रो. अवनीश अग्रवाल** को इन्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली संस्था के द्वारा 'बेस्ट सिटीजन ऑफ इण्डिया' उपाधि से सम्मानित किया गया। इनके अन्ताराष्ट्रिय पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित हुए हैं।
- **बौद्धदर्शन विभागाध्यक्ष प्रो. विजय कुमार जैन** ने अगरतला स्थित एकलव्य परिसर में विशिष्ट व्याख्यान एवं विविध राष्ट्रिय संगोष्ठियों में व्याख्यान प्रदान किये। विभिन्न पत्रिकाओं में इनके लेख भी प्रकाशित हुए हैं।
- **आधुनिक विभाग के संकायाध्यक्ष प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय** ने विभिन्न राष्ट्रिय एवं अन्तर्राष्ट्रिय संगोष्ठियों में व्याख्यान एवं अध्यक्षता की। आप ज्ञानायनी पत्रिका के सम्पादक एवं प्रकाशक हैं।
- **बौद्धदर्शन विभाग सहायक आचार्य डॉ. गुरुचरन सिंह नेगी** ने दिनांक 20.09.2016 से 29.09.2016 तक लखनऊ परिसर में आयोजित ''दस दिवसीय कार्यशाला'' का संयोजन किया।

दिनांक 01.12.2016 से 03.12.2016 तक कोलकाता, में आयोजित तीन दिवसीय संगोष्ठी में भाग लेते हुए शोधपत्र प्रस्तुत किया।

लखनऊ परिसर में स्थित पालि अध्ययन केन्द्र द्वारा प्रचलित पालि ग्रन्थों के संस्कृतच्छायाकरण कार्य में सहयोग।

लखनऊ परिसर द्वारा प्रकाशित गोमती, पालिप्राकृत-अनुशीलतम् तथा सौगतीयम् नामक शोधपत्रिका के सम्पादनमण्डल सदस्य के रूप में कार्य निष्पादन।

विविध शोध-पत्रिकाओं में तीन शोध-पत्रों का प्रकाशन।

संस्थान के लखनऊ परिसर के IQAC के सदस्य, जातीय भेद-भाव रोकथाम समिति सदस्य, छात्र परामर्श समिति सदस्य के रूप में विविध दायित्वों का निर्वहन।

दिनांक 03-04 मार्च 2017 में परिसर में आयोजित द्विदिवसीय बौद्धदर्शन विभागीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का संयोजन किया।

बौद्धदर्शन विभाग, लखनऊ परिसर में प्रचलित पालि, प्राकृत एवं भोट (तिब्बती) भाषा के प्रमाण-पत्रीय पाठ्यक्रम का संयोजन किया।

बौद्धदर्शन विभाग की अतिथि अध्यापिका, सुश्री.कृष्णा कुमारी ने दिनांक 31.03.2016 से 01 अप्रेल 2016 तक अन्तर्राष्ट्रिय बौद्धदर्शन संस्थान, लखनऊ में आयोजित द्विदिवसीय अन्तर्राष्ट्रिय संगोष्ठी में भाग लिया और शोध पत्र प्रस्तुत किया।

दिनांक 06-07 अप्रेल 2016 तक श्रमण विद्या संकाय सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित द्विदिवसीय अन्तर्राष्ट्रिय संगोष्ठी में भाग लिया और शोध पत्र प्रस्तुत किया।

दिनांक 20.09.2016 से 29.09.2016 तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, लखनऊ में आयोजित अखिल भारतीय पालि-संस्कृतच्छाया-संशोधन-सम्पादन-कार्यशाला विषयक दस दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

लखनऊ परिसर द्वारा प्रकाशित सौगतीयम् नामक वार्षिक शोध पत्रिका के सम्पादन मण्डल सदस्य के रुप में कार्य निष्पादन।

दो शोध पत्र अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका में प्रकाशित।

विविध शोध पत्रिकाओं में छः शोध-पत्रों का प्रकाशन।

दिनांक 03-04 मार्च 2017 को परिसर में आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में भाग लिया व शोध पत्र प्रस्तुत किया।

ज्यौतिष विभाग की संविदा अध्यापिका डॉ चन्द्रश्री पाण्डेय के त्रिपथगा, श्रुतिनिश्वसिता, गोमती, आदि पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित हुए। इन्होनें ज्योतिष विभाग, वेद विभाग, शिक्षाशास्त्र विभाग, आधुनिक विभाग आदि की संगोष्ठियों में भाग ग्रहण किया।

इसके अतिरिक्त परिसर के प्राचार्य तथा अन्य प्राध्यापक भी समय-समय पर विविध संस्थानों, विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में व्याख्यान हेतु संगोष्ठियों में भाग ग्रहण करते हैं। इनके लेख विविध राष्ट्रिय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते हैं।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	0
उत्तर प्रेषित	-	0

4.2.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)

परिसर का संक्षिप्त इतिहास

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान ने अपने अंगीभूत इकाई के रूप में 13 जनवरी 1992 को राजीवगांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना शृंगेरी में की। उस समय भारत सरकार ने मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. अर्जुन सिंहजी, संस्थान के अध्यक्ष थे। इस परिसर का शिलान्यास दिनांक 05 मार्च 1992 जगद्गुरु श्री श्री भारतीतीर्थमहास्वामीजी के करकमलों से भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री आर. वेंकटरमन् और मानव संसाधन मन्त्री अर्जुनसिंह जी की उपस्थिति में किया गया। वर्तमान में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.) राजीव गांधी परिसर के नाम से जाना जाता है। इस परिसर के मुख्य भवन का निर्माण केन्द्रीय निर्माण विभाग ने 1.63 करोड़ की लागत से किया। द्वितीय चरण में छात्र एवं छात्राओं के लिए छात्रावास प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए आवास का निर्माण रू. 4.17 करोड़ की लागत से किया गया। 2014-15 में मुख्य भवन का विस्तार, क्रीडांगणनिर्माण और बालक-बालिकाओं का छात्रावास विस्तार हेतु 8.05 करोड़ की लागत से कार्यारम्भ करके मुख्य भवन का विस्तार का कार्य होकर उसका उद्घाटन माननीय कुलपति परमेश्वर नारायण शास्त्री जी ने दिनांक 07.02.2016 में किया।

परिसर इस वर्ष अपने 25 वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में रजतमहोत्सव का आयोजन जनवरी 18 से 22 तक भव्य रूप से किया। जिसका उद्घाटन परमपूज्य जगद्गुरु भारतीतीर्थ महास्वामीजी के करकमलों से हुआ और महामहिम राज्यपाल श्री वजूभाई वाला जी ने मुख्यातिथि के रूप में भाषण दिया और इसी शुभ सन्दर्भ में रजतमहोत्सव भवन का शिलान्यास भी किया। रजतमहोत्सव के समापन सत्र मं परमपूज्य जगद्गुरु श्री श्री विधुशेखरभारती महास्वामीजी ने अनुग्रह भाषण दिया। और माननीय मानव संसाधन राज्यमंत्री डॉ. महेन्द्रनाथ पाण्डेय जी ने समापन भाषण दिया। रजतमहोत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों में सम्माननीय कुलपति परमेश्वर नारायण शास्त्री जी, डॉ. वि. आर. गौरी शंकर जी, शोभा करन्दलाजे (एम.पी.), जीवराज (एम.एल.ए.), श्री.एम.एस. महाबलेश्वर राव (कर्नाटक बैंक के मुख्याधिकारी), च.मू. कृष्णाशास्त्री जी, प्रो.वि.कुटुम्बशास्त्री जी, प्रो. के.वि. रामकृष्णमाचार्युलु जी, सम्माननीय भीमेश्वर जोशी जी, प्रो. श्रीनिवास वरखेडी जी, प्रो. एम.एल.एन.मूर्ति जी, प्रो. जी. महाबलेश्वर भट्ट जी, आचार्य सो.ती. नागराज जी, श्रीमान् गणेश हेगडे (रा.मू.प्र.प. बेंगलूरु) और विविध परिसरों के प्राचार्य, आचार्य, असंख्यात छात्रचर, संरक्षक और सामाजिक लोग साक्षीभूत हुये।

परिसर में वर्तमान सत्र - 2016-17 में कुल 463 छात्र-छात्राएँ विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त किया। यह परिसर श्रद्धेय श्री जगद्गुरू श्री श्री भारतीतीर्थ महास्वामी जी तथा श्रद्धेय जगद्गुरू श्री विधुशेखर भारतीतीर्थ महास्वामीजी और आदरणीय पद्मश्री डॉ. वी.आर. गौरीशंकर प्रशासक श्री शारदापीठ, शृंगेरी एवं स्थानीय सलाहकार समिति राजीव गांधी परिसर शृंगेरी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है। जिनकी महान् उदारता से हमारे परिसर के छात्र छात्राओं का दोपहर शारदा प्रसाद उपलब्ध कराया जाता है।

परिसर की स्थिति

परिसर हेतु कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा शृंगेरी मेणसे में 10.2 एकड़ भूमि प्रदान की है, जो राज्य के चिकमंगलूरू जिले में स्थित है। यह परिसर मंगलूर से 120 कि.मी., बेंगलूर से 380 कि.मी., उडुपि से 90 कि.मी., और शिवमोग्ग जंक्शन से 105 कि.मी., की दूरी पर स्थित है। शिवमोग्ग (जं) बेंगलूर से रेलमार्ग द्वारा जुड़ा है और उडुपि/मंगलूर मुंबई रेल मार्ग से जुड़ा हुआ है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

यह परिसर साहित्य, नव्यव्याकरण, अद्वैतवेदान्त, मीमांसा, नव्यन्याय और फलितज्योतिष विषयों में आचार्य (एम.ए.) शास्त्री (बी.ए.) स्तर तक की, शिक्षाशास्त्री (बी.एड) और प्राक्शास्त्री (इण्टरमीडिएट) स्तर तक की शिक्षा प्रदान करता है।

इस परिसर द्वारा शोध छात्रों को शोध कार्य पूर्ण करने के पश्चात, विद्यावारिधि (पी.एच.डी) की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त आधुनिक विषयों के अंतर्गत हिंदी,

कन्नड़, अंग्रेजी, इतिहास, कंप्यूटर विज्ञान और शारीरिक शिक्षा की विशेष व्यवस्था है। इसके साथ इस शैक्षिक वर्ष से वास्तु-ज्योतिष डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी प्रारंभ हुये।

पाठ्येतर क्रिया कलापों और विविध समारोह/संगोष्ठियों का विवरण

विविध परिषद् एवं व्याख्यानमाला

छात्र-छात्राओं के शास्त्र कौशल, विविध शैक्षिक सांस्कृतिक प्रतिभा के विकास, संरक्षण एवं संवर्धन हेतु विविध परिषदों का गठन हुआ जिसमें वाग्वर्धिनी परिषद, स्पर्धिष्णु परिषद, वाक्यार्थ परिषद् और विशिष्ट व्याख्यान माला प्रमुख हैं जिनका उद्घाटन दिनांक 29.09.2016 गुरुवार तिरुपति रा.सं. विद्यापीठ के माननीय कुलपति प्रो. एम.एल.एन.मूर्ति जी ने किया और अद्वैत वेदान्त विषय में शारदा विशिष्ट व्याख्यान भी किया। परिषदों की गतिविधियाँ का विवरण अधोलिखित है।

वाग्वर्धिनी परिषद्

वाग्वर्धिनी परिषद् का गठन छात्र छात्राओं के संस्कृत संभाषण की प्रवीणता और शास्त्र में अध्ययन के बोध का अवलोकन करने के लिये किया जाता है। इससे उन्हें स्वतन्त्र रूप में चिन्तन मनन की प्रेरणा मिलती है। सत्र 2016-2017 परिषद् के समन्वयक के रूप में साहित्य विभाग के डॉ. राघवेन्द्र भट्ट एवं शिक्षा शास्त्र विभाग के डॉ. वेंकटरमण भट्ट को नियुक्त किया गया है। श्री सूर्य हेब्बार (आचार्य-II) एवं कु. अहल्या ए. भट्ट (आचार्य-II) को कार्यदर्शी का दायित्व दिया गया। प्रत्येक कक्षा प्रतिनिधि को भी सहयोग हेतु लगाया गया है। इस वर्ष शास्त्री से आचार्य स्तर तक 11, प्राक्शास्त्री 12 और शिक्षाशास्त्री स्तर के 8 अधिवेशन आयोजित हो चुके हैं।

स्पर्धिष्णु परिषद्

इस परिसर का गठन राष्ट्रीय, प्रान्तीय एवं क्षेत्रीय स्तर की विविध साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं खेल कूद की प्रतियोगिताओं में स्मृति मेधा विविध कलाओं एवं शारीरिक शक्ति के प्रशिक्षणार्थ छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जाता है। शैक्षिक सत्र 2016-2017 के लिए साहित्य विभागाध्यक्ष प्रो. इन्द्रिरा पी. जी. एवं व्याकरण विभाग विभाग के प्राध्यापक डॉ. कृष्णानन्त-पद्मनाभम् जी को मार्ग दर्शक बनाया गया। आचार्य द्वितीय वर्ष के रविशंकर भट्ट, आचार्य प्रथम वर्ष की कु. महेश्वरी और शास्त्री प्रथम वर्ष के शरण्य पी. को कार्यदर्शी का दायित्व दिया गया। इस सत्र में विविध स्पर्धाओं का संचालन हुआ, बाह्य संस्थाओं को अनेक प्रतियोगिताओं में परिसर के श्रेष्ठ छात्रों को भेजा गया और संस्थान परिसर की विजय वैजयन्ती सहित विविध पुरस्कार अर्जित किये। जिनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है।

1. आचार्य द्वितीय वर्ष की छात्रा कु. विद्यावती भट्ट ने दिनांक 25 जून 2016 को शृंगेरी शारदापीठ में सम्पूर्ण भगवद्गीता कण्ठ पाठ देकर रू. 21000/- का नगद पुरस्कार अर्जित किया।
2. शृंगेरी स्थित एल.आई.सी. संस्था द्वारा आयोजित स्पर्धा में दिनांक 30 अगस्त 2016 से प्राक्शास्त्री द्वितीयवर्ष के छात्रों ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।
3. उडुपि नगर में दिनांक 2, 3 सितम्बर 2016 को आयोजित राज्य स्तरीय शास्त्र प्रतियोगिता में परिसर के छात्रों ने सहभागिता कर दस प्रथम पुरस्कार, पाँच द्वितीय पुरस्कार और आठ तृतीय पुरस्कार प्राप्त कर संस्था की गरिमा बढ़ाई।
4. शिवमोग्गा स्थित तरुणोदय संस्कृत सेवा संस्थान द्वारा दिनांक 12 सितम्बर 2016 को आयोजित राज्यस्तरीय संस्कृत सिद्ध भाषण स्पर्धा में हमारे छात्रों ने सहभागिता कर एक प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
5. शृंगेरी स्थित श्री जगद्गुरु चन्द्रशेखर भारती संस्मरण विद्यालय में गान्धी जयन्ती के उपलक्ष्य में 24 सितम्बर 2016 को भाषण एवं निबन्ध लेखन स्पर्धा में हमारे छात्रों ने तीन प्रथम पुरस्कार प्राप्त किये।
6. शृंगेरी शारदा पीठ में दिनांक 25 सितम्बर 2016 को सम्पूर्ण भगवद्गीता कण्ठ पाठ समर्पण कर आचार्य प्रथम प्रथम वर्षीय छात्रा कु.श्वेता भागवत ने रु.21000/- का नगद पुरस्कार प्राप्त किया।
7. दिनांक 19, 20 नवम्बर 2016 को श्री राजराजेश्वरी संस्कृत महासंस्थानम् स्वर्णवल्ली द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय स्पर्धा में हमारे छात्रों ने सहभागिता कर चार प्रथम पुरस्कार, तीन द्वितीय पुरस्कार और चार तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।
8. नवम अन्तः परिसरीय युवा महोत्सव का आयोजन दिनांक 18 नवम्बर 2016 से 21 नवम्बर 2016 तक एकलव्य परिसर, अगरतला में संपन्न हुआ। इस युव महोत्सव में

हमारे परिसर के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए सर्वाधिक 17 स्वर्ण पदक, 11 रजत पदक, 12 कांस्य पदक प्राप्त कर विजय वैजयन्ती को आठवीं बार प्राप्त कर परिसर की शोभा बढ़ाई है।

9. दिनांक 28 दिसम्बर से 31 दिसम्बर 2016 को अगरतला में आयोजित राष्ट्रीय स्तर का प्रतियोगिता में परिसर के छात्रों ने सहभागिता कर तीन प्रथम पुरस्कार, तीन द्वितीय पुरस्कार और चार तृतीय पुरस्कार प्राप्त कर परिसर की यशोवृद्धि की है।

10. दिनांक 02 जनवरी 2017 को जे.सी.बी.एम. महाविद्यालय में आयोजित भाव तरंग कार्यक्रम में परिसर छात्रों ने सहभागिता की तथा एक प्रथम पुरस्कार और दो द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किये।

वाक्यार्थ परिषद्

इसमें छात्रों प्राध्यापकों एवं विद्वानों में शास्त्रीय तेजस्विता के प्रचार प्रसार एवं संवर्धन हेतु विविध शास्त्रों के निष्णात प्राध्यापक, आचार्य अपने-अपने शास्त्र से सम्बन्धित परम्परागत शैली में वाक्यार्थ प्रस्तुत कर शास्त्र चर्चा करते हैं। इस शैक्षिक सत्र में आचार्य के.ई.मधुसूदनन एवं डॉ.चन्द्रकला आर.कोण्डी जी को इसका समन्वयक बनायें गयें। इस सत्र में हुए वाक्यार्थ परिषद के अधिवेशनों का विवरण निम्नलिखित है-

1. **वाक्यार्थ परिषद् का प्रथम अधिवेशन** दिनांक 30 अगस्त 2016 को सम्पन्न हुआ जिसकी अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रो. ए.पी.सच्चिदानन्द जी ने की। वाक्यार्थ कर्ता विद्वान एवं उनके विषय का विवरण अधोलिखित है-

- प्रो. महाबलेश्वर भट्ट - आकाशाधिकरण (अद्वैत वेदान्त)
- प्रो. के.ई.मधुसूदन - नञर्थनिरूपण (नव्य न्याय)
- डॉ. सी.एस्.एस्.एन्.मूर्ति - कर्म प्रवचनीया (व्याकरण)
- डॉ. सूर्यनारायण भट्ट - क्रत्वर्थपुरुषार्थ विचार (मीमांसा)

2. **वाक्यार्थ परिषद् का द्वितीय अधिवेशन** दिनांक 27 सितम्बर 2016 को प्रातः 10.30 बजे प्रो. महाबलेश्वर भट्ट की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। विद्वान् एवं विषय का विवरण इस प्रकार है-

- डॉ. चन्द्रकान्त - शिक्षायां चिन्तनस्य सर्वोच्चस्थिति विशेष (शिक्षाशास्त्र)
- डॉ. नवीन होल्ला - उद्भिदा प्राणसम्बन्धविमर्श (नव्य न्याय)
- डॉ. कृष्णानन्तपद्मनाभम - इन्द्रवरुणेत्यादि सूत्र विचार (व्याकरण)
- डॉ. राघवेन्द्र भट्ट - उपमा दोष विचार (साहित्य)

3. **वाक्यार्थ परिषद् का तृतीय अधिवेशन** दिनांक 25 अक्टूबर 2016 को सम्पन्न हुआ जिसकी अध्यक्षता प्रो. इन्दिरा पी.जी. ने की। विद्वान एवं विषय का विवरण इस प्रकार है-

- प्रो. सुब्राय वि.भट्ट - उपमान प्रमाण (मीमांसा)
- डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी - व्यवहार (शिक्षाशास्त्र)
- डॉ. चन्द्रकला आर.कोण्डी - काव्यलक्षणेऽदोषावित्यत्र नञर्थविचार (साहित्य)
- डॉ. आर.नवीन - आकांक्षा विचार (नव्य न्याय)

4. **वाक्यार्थ परिषद का चतुर्थ अधिवेशन** दिनांक 08 नवम्बर 2016 को प्रातः 10.30 बजे शुरु हुआ। जिसकी अध्यक्षता प्रो. सुब्राय वि. भट्ट जी ने की। विद्वान् एवं विषय का विवरण इस प्रकार है-

- प्रो. इन्दिरा पी - व्यतिरेक अलंकार (साहित्य)
- श्री. वेंकटेशमूर्ति - रसेश्वर सिद्धान्त (साहित्य)
- श्री श्यामसुन्दर ए - प्रतिबध्य-प्रतिबन्धकभावविचर (नव्य न्याय)
- डॉ. सुधांशु कुमार नन्दा - वास्तुशास्त्रानुसारं निर्मितं गृहं पुरुषार्थसाधकम् (वास्तु शास्त्र)

5. **वाक्यार्थ परिषद का पाँचवाँ अधिवेशन** 03 फरवरी 2017 को संपन्न हुआ जिसकी अध्यक्षता डॉ. सी.एस्. एस्.एन्.मूर्ती जी ने किया। विद्वान एवं विषय का विवरण इस प्रकार है-

- डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट - पविभाषारीत्या मित्यत्वनुमनच्चिंवन (अद्वैत वेदान्त)
- डॉ. हरिप्रसाद - साहचर्य (शिक्षाशास्त्र)
- डॉ. मुरलीकृष्ण टि - सप्तर्षिचरः (ज्योतिष)
- डॉ. पी.अरविंद कुमारसोमदत्त - छात्र शिक्षणम् (शिक्षा-शास्त्र)

6. **वाक्यार्थ परिषद् का छठा अधिवेशन** 21 फरवरी 2017 को संपन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता प्रो. के.ई. मधुसूदनजी ने किया। विद्वान एवं विषय का विवरण इस प्रकार है-

- डॉ. चद्रशेखर भट्ट – आद्यन्तवदेकस्मिन् (व्याकरण)
- डॉ. वेंकटेश ताताचार्य – अभिहितत्वम् (मीमांसा)
- डॉ. नारायण वैद्य – अधिगम प्रक्रिया विवेचनम् (शिक्षा-शास्त्र)
- डॉ. श्रीनिवास मूर्त्ति – सर्वरसानाम् आनन्दकरत्वपरामर्श: (साहित्य)

7. **वाक्यार्थ परिषद् का सातवाँ अधिवेशन** 03 मार्च 2017 को संपन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता डॉ. चन्द्रकांतजी ने किया। विद्वान् एवं विषय का विवरण इस प्रकार है-

- डॉ. गणेश पंडित – मनोमयं जगत्सर्वम् (शिक्षाशास्त्र)
- डॉ. प्रमोद भट्ट – संप्रदान विचार: (व्याकरण)
- डॉ. प्रसाद भट्ट – जातकतत्व चिंतनम् (ज्यौतिष)
- डॉ. रमानन्द भट्ट. एन – गोचरफलनिर्णयक्रम (ज्यौतिष)

8. **वाक्यार्थ परिषद का आठवाँ अधिवेशन** 06 मार्च 2017 को संपन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता डॉ. रामचन्द्रुला बालाजी ने किया। विद्वान एवं विषय इस प्रकार है-

- डॉ. वेंकटरमण भट्ट – संस्कृतशिक्षणस्य सिद्धान्त: (शिक्षाशास्त्र)
- डॉ. श्रीकरा – सद्विवित्त्वम् मिथ्यात्त्वम्
- डॉ. गणपती हेगडे – स्मृत्यधिकरणम् (अद्वैत वेदान्त)
- डॉ. कोंपल्ली विनय कुमार – करुणादीरसत्ययिन: शोकादे-सुरणजन कथा रसत्ययिन: (साहित्य)
- कु.सविता आर्या – कर्मवद्भावविचार: (व्याकरण)

शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला

इस शैक्षिक सत्र में विशिष्ट व्याख्यानमाला के समन्वयक का दायित्व प्रो. सुब्राय वी भट्ट एवं डॉ. गणेश टी.पण्डित जी को दिया गया। जिसके दो अधिवेशन पूर्ण हो चुके हैं।

प्रथम व्याख्यानमाला का उद्घाटन दिनांक 28 जुलाई 2016 को हुआ जिसमें तिरुपति राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के माननीय कुलपति प्रो.एम.एल. नरसिंहमूर्ति जी द्वारा वेदान्त शास्त्र पर व्याख्यान हुआ।

द्वितीय व्याख्यानमाला दिनांक 07 नवम्बर 2016 को साहित्यशास्त्र विषय पर केन्द्रित आचार्य पी.वरप्रसाद मूर्त्ति, नागार्जुन विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया।

तृतीय व्याख्यानमाला दिनांक 21 फरवरी 2017 को ज्यौतिष शास्त्र पर ज्यौतिष शास्त्रीय समाकालिक प्रसक्ति विषय पर मद्रास संस्कृत विद्यापीठ, महिलापुरम् के प्राचार्य प्रो. राधाकृष्णजी ने किया।

चतुर्थ व्याख्यानमाला दिनांक 03 मार्च 2017 का जम्मू रणवीर परिसर के माननीय प्रो. जगदीश राज शर्मजी ने शिक्षा शास्त्र पर व्याख्यान दिया।

पाँचवाॅ व्याख्यानमाला को आन्ध्रप्रदेश, राजमंत्री, आन्द्र गीरवन ओरिएण्टल विद्यापीठ के माननीय प्रो.रंगाचार्यलुजी ने व्याकरण शास्त्र का समास विचार विषय पर व्याख्यान दिया।

परिसरीय अन्य गतिविधियाँ एवं कार्यक्रम

परिसरीय अन्य गतिविधियों (25 कार्यक्रमों) का विवरण अधोलिखित है-

1. संस्कृत उत्सव

परिसर में दिनांक 19 से 25 अगस्त 2016 तक संस्कृत उत्सव कार्यक्रम मनाया गया। इसका उद्घाटन श्रावण मास शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को परमश्रद्धेय जगद्गुरु श्री श्री भारतीतीर्थ महास्वामी जी के करकमलों द्वारा एवं जगद्गुरू श्री विधुशेखर भारती महास्वामी जी के दिव्य सान्निध्य में हुआ। दोनों जगद्गुरुओं के चरण कमलों एवं उनके अनुग्रह भाषण से परिसर धन्य हो गया। इस उपलक्ष्य में परिसरीय प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा विविध स्पर्धाओं में संभाषण शिबिरों का आयोजन हुआ। शृंगेरी मण्डल, कोप्पामण्डल में माध्यमिक विद्यालय छात्रों द्वारा संस्कृत रसप्रश्न स्पर्धा आयोजित हुई। सभी विद्यालयों में संस्कृत भाषा के व्याख्यान कर संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार को गतिप्रदान की गई और विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किये गये। दिनांक 25 अगस्त 2016 को संस्कृत उत्सव का समापन समारोह मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में साची बौद्धविश्व-विद्यालय की पूर्व कुलपति सम्प्रति जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की संस्कृत विभागाध्यक्षा आचार्या शशिप्रभा कुमार जी ने विविध प्रतियोगिताओं में सफल छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किया और सारस्वत भाषण कर अनुगृहीत किया। अन्त में सफल छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम के प्रमुख संयोजकत्व का दायित्व प्रो. सुब्राय भट्ट जी ने निर्वहन किया।

2. स्वतन्त्रता दिवस

15 अगस्त 2016 को स्वतन्त्रता दिवस कार्यक्रम के उपलक्ष्य में झंडा रोहण परिसर प्राचार्य प्रो.ए.पी.सच्चिदानन्द

जी द्वारा किया गया। प्राचार्य की अध्यक्षता में सभा आयोजित हुई, इस अवसर पर कई प्राध्यापको का छात्रों ने अपने विचारो में सभा को ऊर्जा प्रदान की। पश्चात् राष्ट्रप्रेम से सम्बन्धित सांस्कृतिक कार्यक्रम छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजकत्व का दायित्व डॉ. कृष्णानन्तपद्मानाभम् ने निभाया।

3. शिक्षक दिवस एवं हिन्दी दिवस

इस शैक्षिक सत्र में शिक्षक दिवस एवं हिन्दी दिवस कार्यक्रम का संयुक्त रूप से सञ्चालन किया गया। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में प्राध्यापक और हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में परिसर में छात्रों और कार्यालय कर्मचारियों हेतु कई स्पर्धाएँ आयोजित हुई। समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय साधक मंच के संस्थापक अध्यक्ष आचार्य श्री ज्ञान चन्द्र मर्मज्ञ जी ने अपने ओजस्वी भाषण से श्रोताओं को मुग्ध किया और हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विविध प्रतियोगिताओं में सफल छात्र-छात्राओं को अपने करकमलों से पुरस्कार प्रदान किया। सामाजिक एवं शैक्षिक क्षेत्र में किये गये विशिष्ट योगदान के लिए शृंगेरी क्षेत्र शिक्षण अधिकारी श्रीमान् राघवेन्द्र जी तथा बसरी कट्टे स्थित श्री सद्गुरु प्रौढ़शाला प्रधान कार्यदर्शी श्रीमान् गोपालकृष्ण जी को परिसर प्राचार्य द्वारा सम्मानित किया गया। इस संयुक्त कार्यक्रम के समन्वयक का उत्तरदायित्व डॉ. राघवेन्द्र भट्ट, डॉ. वेंकटरमण भट्ट एवं डॉ. राजेश कुमार शुक्ल ने सफलता पूर्वक निर्वहन किया।

4. एकता एवं राष्ट्रीय सतर्कता जागृति दिवस

राष्ट्रीय एकता दिवस - सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिन के अवसर पर दिनांक 30 अक्टूबर 2016 को राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन हुआ। इस उपलक्ष्य में दिनांक 30 अक्टूबर 2016 को राष्ट्रीय सतर्कता जागृति दिवस का परिसर में शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर परिसरीय छात्र-छात्राओं ने विविध स्पर्धाओं को संचालित किया। नवम्बर को 'संवाद' शैक्षिक मे सभाकार्यक्रम आयोजित हुआ। इस सन्दर्भ में शृंगेरी पट्टणपञ्चायत का सदस्य श्री टी.के. पराशर जी, कोप्पा न्यायालय के वकील श्री.के.आर. सुदेश जी ने अपने विचार रखे और सभा की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य जी ने की। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. चन्द्रकान्त जी ने किया।

5. स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम

इस सत्र 2016-2017 में गान्धी जयन्ती के उपलक्ष्य में परिसर प्राचार्य के मार्ग निर्देशन में सभी परिसरीय प्राध्यापकों कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने शपथ ग्रहण कर दिनांक 02 अक्टूबर 2016 को स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत की। इसका उत्तरदायित्व हे.डी. रामचन्द्र, शारीरिक शिक्षा अध्यापक ने निभाया।

6. कन्नड़ राज्योत्सव

परिसर में दिनांक 04 नवम्बर 2016 को कन्नड़ राज्योत्सव का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कन्नड़ साहित्य के महान् विद्वान् लेखक श्री सर्पंगल ईश्वरभट्ट, सेवानिवृत्त प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय मैंगलूरु ने कन्नड़ भाषा की विशिष्टता को भारतीय संस्कृति से प्रेरित बताकर उसके संरक्षण एवं सवंर्धन पर बल दिया। प्रतियोगिता में सफल छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किये गये। सभा के अन्त में यक्षगान तालमद्दले श्री रामनिर्यणम् कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस राज्योत्सव के समन्वयक का दायित्व डॉ. चन्द्रकान्त शिक्षाशास्त्र विभाग और डॉ. कविता एस.कन्नड़ प्राध्यापिका ने निर्वहन कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

7. विवेकानन्द जयन्ती

परिसर में राष्ट्रीय युवा दिवस और विवेकानन्द जयन्ती का आचरण दिनांक 12.01.2017 में शिक्षाशास्त्र विभाग में डॉ. चन्द्रकान्त जी के अध्यक्षता में किया गया। शिक्षाशास्त्र के सभी अध्यापक उपस्थित थे।

8. स्थानीय सलाहकार समिति की बैठक

शैक्षिकसत्र 2016-2017 में दिनांक 03 सितम्बर 2016 को स्थानीय सलाहाकार समिति की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ.वी.आर. गौरीशंकर जी ने की। परिसर के रजत महोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विचार विमर्श हुआ।

9. मुक्त स्वाध्याय केन्द्र

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का स्वाध्याय केन्द्र, "मुक्त स्वाध्याय पीठम्" भी इस परिसर में स्थित है। इस केन्द्र में व्याकरण, साहित्य, फलित ज्योतिष प्राक्शास्त्री सेतु आचार्य परीक्षा भी संचालित है। दिये हुए पाठ्यक्रम के आधार पर

संपर्क कक्षा को तैयार करते है। हर साल में छात्रों की सहायता के लिए 15 दिन की संपर्क कक्षा का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान इस केन्द्र को पोषण करने को रू. 5,00,000/- मंजूर करता है। इस केन्द्र के सहसचिव श्री वेंकटेश मूर्त्ति, संचालक है। 2016-17 वर्ष में कुल 78 छात्र इस केन्द्र में अध्ययन हेतु नामित हैं।

10. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग पुनरीक्षण समिति

शैक्षिक सत्र 2016-17 में दिनांक 10, 11, 12 सितम्बर 2016 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग पुनरीक्षण समिति द्वारा परिसर का निरीक्षण कार्य सम्पन्न हुआ। इस समिति के अध्यक्ष गुजरात राज्य स्थित सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, गुजरात के पूर्व कुलपति प्रो.पंकज जानी जी थे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सदस्य प्रो.उर्मिला जी, कविकुलगुरु कालिदास विश्वविद्यालय की कुलपति आचार्य उमा वैद्य जी एवं रानी चन्नम्मा विश्वविद्यालय की शिक्षा से कार्य अध्यक्षा प्रो. पूर्णिमा पट्टाणशट्टी जी समिति की सदस्य थी। इनके सहयोग हेतु राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुक्त स्वाध्यापीठ के निदेशक प्रो. रमाकान्त पाण्डेय जी भी मौजूद थे। इस सन्दर्भ में प्राचार्य जी की अध्यक्षता में कई सभाएँ आयोजित हुई। सभा के पश्चात् छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

11. भागवत पारायण

परिसर के छात्रों ने डॉ. नवीन होल्ला जी के मार्गनिर्देशन में दिनांक 09.02.2017 से 21.03.2017 तक सम्पूर्ण भागवत पारायण हुआ।

12. परिसर में संगोष्ठी आयोजन

इस परिसर में अंताराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। योग और ध्यान में पाली, प्राकृत, संस्कृत का योगदान इस विषय पर दिनांक 22 मार्च 2017 से 24 मार्च 2017 तक संगोष्ठी हुई। इस संगोष्ठी के प्रधान संचालक डॉ. चन्द्रकान्त, (विभागाध्यक्ष शिक्षाशास्त्र), परिसर में ज्यौतिष शाखा गणित विज्ञान की प्रगति की कार्यशाला सात दिन तक चली। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. टी.मुरलीकृष्ण रहे। इसी तरह 2017 शैक्षणिक वर्ष में दस राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। इसका विवरण निम्नलिखित है।

क्र.सं.	दिनांक	विभाग	संयोजक	शीर्षक
1.	18 और 19 फरवरी-2017	व्याकरण	डॉ. कृष्णानाथ पद्मनाभम्	सर्वनामत्वविचार:
2.	18 और 18 फरवरी-2017	अद्वैत वेदांत	डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट	चतुष्ट्री भाषार्थविमर्श:
3.	18 और 19 फरवरी-2017	मीमांसा	डॉ. सूर्यनारायण भट्ट	अंगताबोधकप्रमणाणि
4.	04 और 05 मार्च 2017	शिक्षाशास्त्र	डॉ. चन्द्रकांत	भारतीय दर्शनशास्त्र में शैक्षिक तथ्य
5.	04 और 05 मार्च-2017	न्यायशास्त्र	श्री श्यामसुन्दर	न्यायकंदली ग्रंथोक्त विचाराणाम् अनुशीलनम्
6.	04 और 05 मार्च-2017	मुक्तस्वाध्यायपीठ	डॉ. के.वेंकटेश मूर्त्ति	मुक्त स्वाध्याय कलिका क्षेत्र में संस्कृत का प्रचार
7.	18 और 19 मार्च-2017	साहित्य	डॉ. राघवेंद्र भट्ट	संस्कृत काव्य में प्रतिपादित शास्त्रीय विषय
8.	18 और 19 मार्च 2017	ज्यौतिष	डॉ.प्रसाद भट्ट	षडंगं ज्यौतिषम्

क्र.सं.	दिनांक	विभाग	संयोजक	शीर्षक
9.	18 और 19 मार्च-2017	ऐ खू ए सी (IQAC)	श्री रवीश	शास्त्र शिक्षण और शास्त्र रक्षण में छात्रों का गुणोक्त संवर्धन
10.	23 और 24 मार्च-2017	आधुनिक विषय	श्री रामचन्द्र एच डी	आधुनिक विषय

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 07

उत्तर प्रेषित - 07

4.2.8 वेद व्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश)

परिसर-परिचय

1. परिसर परिचय

भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अधीन संचालित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, स्वायत्त संस्था का एक परिसर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ नाम से हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा जिले के गरली ग्राम में भारत स्वतंत्रता की स्वर्ण जयन्ती वर्ष में दिनांक 16.09.1997 को स्थापित हुआ है। वर्तमान में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानितविश्वविद्यालय) नई दिल्ली के वेदव्यास परिसर नाम से प्रचलित है जो कि बलाहर ग्राम में 13.26 करोड़ रुपये की लागत से अपने नव निर्मित भवन में वर्ष 2012 से संचालित है।

वेद व्यास परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के स्वप्न एवं लक्ष्य को वास्तविकता में परिणत करने में सतत प्रगतिशील है। परिसर के लक्ष्य एवं उद्देश्य संस्कृत भाषा एवं उसके विविध शास्त्रीय परम्परा का परिरक्षण करना है। परिसर व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य एवं अद्वैत वेदान्त दर्शन विषयों में प्राक्शास्त्री, शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों को संचालित कर रहा है। उपर्युक्त विषयों में विद्यावारिधि (पी. एच. डी.) उपाधि के लिए शोध भी प्रगति पर है। इसके अलावा संगणक विज्ञान, पर्यावरण, हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास एवं अर्थशास्त्र आदि आधुनिक विषयों को भी स्नातक स्तर तक पढ़ाया जाता है। यह उल्लेखनीय है कि एक ग्रामीण क्षेत्र में संचालित होने के कारण परिसर के विकास एवं संस्कृत भाषा के प्रचार हेतु अधिक सम्भावनाएँ है। हिमाचल प्रदेश के लोग अत्यन्त विनम्र और उदार प्रकृति के होते हैं तथा धार्मिक परम्पराओं एवं भारतीय संस्कृति में विश्वास रखते हैं। यह परिसर समीपस्थ जन समुदायों को संस्कृत से जोड़ने के लिए प्रयासरत है। इस दिशा में परिसर के छात्रों एवं अध्यापकों का योगदान उल्लेखनीय है।

2. परिसर की अवस्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानितविश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में देहरा तहसील के पास बलाहर नामक एक लघु ग्राम में व्यास नदी के तट पर अवस्थित है। इस परिसर के आस-पास के क्षेत्रों में प्रसिद्ध देवी-देवाताओं के मन्दिर चिन्तपूर्णी, ज्वालाजी एवं कालेश्वर महादेव अवस्थित हैं।

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम :

3.1 नियमित पाठ्यक्रम :-

परिसर में निम्नलिखित नियमित पाठ्यक्रम परिचालित हैं।

क्र.सं.	कक्षा	अवधि	समकक्षता	शास्त्रीय विषय	आधुनिक विषय
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	+2 बारहवीं	फलित ज्योतिष/ साहित्य/ व्याकरण/अद्वैत वेदान्त	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा
2.	शास्त्री	3 वर्ष	बी.ए.	फलित ज्योतिष/ साहित्य/ व्याकरण/अद्वैत वेदान्त	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण अध्ययन
3.	आचार्य	2 वर्ष	एम. ए.	फलित ज्योतिष/साहित्य/ व्याकरण/अद्वैत वेदान्त	-
4.	विद्यावारिधि		पी.एच.डी.	फलित ज्योतिष/ साहित्य/ व्याकरण/ अद्वैत वेदान्त/ शिक्षाशास्त्र	-

5.	शिक्षा-शास्त्री 2 वर्ष	बी. एड.	संस्कृत शिक्षण, हिन्दी शिक्षण/अंग्रेजी शिक्षण/ सामाजिक विज्ञान शिक्षण

3.2 दूरस्थ पाठ्यक्रम :- (Distance Education)

परिसर में मुक्तस्वाध्यायपीठ के स्वाध्याय केन्द्र द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम पत्राचार माध्यम से संचालित हैं।

क्र.सं.	कक्षा	अवधि	शास्त्रीय विषय	आधुनिक विषय
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र
2.	शास्त्री	3 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र
3.	आचार्य	2 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	–
4.	प्राक्शास्त्री सेतु (संस्कृतावतरणी)	6 माह	सामान्य संस्कृत	–
5.	शास्त्री सेतु (संस्कृतावगाहनी)	1 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	–
6.	आचार्य सेतु (शास्त्रावगाहनी)	1 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	–

4. अन्य गतिविधियाँ -

(क) परिसरीय पाठ्येतर कार्यक्रम-

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (21.06.2016)

परिसर में प्राचार्य की अध्यक्षता में अध्यापकों व कर्मचारियों ने मिलकर अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. पी.वी.बी.सुब्रह्मण्यम् ने किया। स्थानीय योग विशेषज्ञ श्री बलवीर सिंह पटियाल ने उपस्थित सभी को योग का महत्त्व बताया तथा योगासन व क्रियाओं का प्रयोग कराया।

स्वतन्त्रता दिवस (15.8.2016)

परिसर में सवतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य में ''बेटी बचाओ, बेटी पढाओ'' अभियान के तहत परिसर की छात्राओं सुश्री शाहिना बेगम तथा सुश्री यामिनी के द्वारा ध्वजारोहण कराया गया। इसमें विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

स्वतन्त्रता पखवाड़ा (15.8.2016-30.08.2016)

स्वतन्त्रता पखवाड़ा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा वृक्षारोपण स्वच्छता अभियान इत्यादि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संस्कृत सप्ताह (16.08.2016 - 22.08.2016)

भारत सर्वकार के आदेशानुसार हर वर्ष श्रावणपूर्णिमा को संस्कृत दिवस के रूप में मनाया जाता है तथा प्राप्त निर्देशों के अनुरूप संस्कृत सप्ताह का भी आयोजन इस सन्दर्भ में किया जाता है। इस सत्र में दिनांक 16.08.2016 से 23.08.2016 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। इस सन्दर्भ में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुज्ञान कुमार महान्ति थे।

- दि. 16.08.2016 को उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि प्रो. गंगाधरपण्डा, पूर्व कुलपति, श्रीजगन्नाथसंस्कृतविश्व-विद्यालय, उड़ीसा पधारे। उद्घाटन के दौरान विशिष्ट संस्कृत सेवावृतियों प्रो. के.बी. सोमयाजुलू, श्री सुरेन्द्र कौल तथा श्री रविशास्त्री का सम्मान किया गया।
- दिनांक 16.08.2016 को संस्कृत गीत गायन स्पर्धा का आयोजन किया गया।
- दिनांक 17.08.2016 को माध्यमिक विद्यालय स्तर पर

भगवद्गीता कण्ठ पाठ स्पर्धा का आयोजन किया गया।

- दिनांक 18.08.2016 को संस्कृत कवि समवाय कार्यक्रम किया गया।
- दिनांक 19.08.2016 को संस्कृत विज्ञान विषय पर परिसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- दिनांक 20.08.2016 को पुरुष छात्रावास में परिचर्चा सत्र का आयोजन किया गया।
- दिनांक 21.08.2016 को महिला छात्रावास में संस्कृत प्रचार उपाय विषय पर परिसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- दि. 22.08.2016 को स्थानीय प्रागपुर ब्लॉक में भव्य शोभा यात्रा का आयोजन हुआ। संस्कृत सम्भाषण शिविर के सभी छात्र भी इसमें सम्मिलित होकर सम्भाषण शिविरों के समापन कार्यक्रम में भाग लिए।
- दिनांक 22.08.2016 को समापन सत्र में मुख्यातिथि डॉ. भक्तवत्सलशर्मा, प्राचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, ऊना तथा विशिष्टातिथि के रूप में डॉ. सुदेश गौतम, प्राचार्य, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जांगला, रोहडू परिसर पधारे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य महोदय ने की।

वाग्वर्धिनी परिषद् का प्रारम्भ एवं अन्य परिषदों का परिचय (31.08.2016)

भावव्यक्तीकरण सभी प्रकार के विकास के लिये अनिवार्य साधन है। छात्रों में इस प्रवृत्ति को जगाने तथा विकसित करने हेतु वाग्वर्धिनी एवं अन्य परिषदों/क्लब का आयोजन किया जाता है। दिनांक 31.08.2016 को इस सत्र के परिषदों का औपचारिक उद्घाटन किया गया जैसे वाग्वर्धिनी परिषद, व्याकरण परिषद, साहित्य परिषद, अद्वैतवेदान्त परिषद, ज्यौतिष परिषद, शिक्षाशास्त्र परिषद, आधुनिक विषय परिषद संगणक क्लब, पर्यावरण क्लब, कलारञ्नी, संस्कृत प्रचार मंच, महिलाकेन्द्र, छात्रपरामर्श केन्द्र, स्वास्थ्य क्लब, क्रीडापरिषद्, राष्ट्रिय सेवा योजना आदि। नवप्रविष्ट छात्रों की सुविधा हेतु इस अवसर पर सभी विभागों का परिचय तत्तद् विभागाध्यक्ष प्रस्तुत किये।

शिक्षक दिवस (05.09.2016)

स्वर्गीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारत सरकार के द्वारा हर वर्ष मनाये जाने वाला शिक्षक दिवस परिसर में भी श्रद्धा के साथ मनाया गया।

सामाजिक चेतना कार्यक्रम (07.09.2016)

दिनांक 07.09.2016 को पुलिस अधीक्षक, देहरा, श्रीमती रेणु शर्मा द्वारा सामाजिक चेतना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें यातायात नियमों तथा नशे से सम्बन्धित विषयों पर छात्रों को जागरूक कराया गया। इस कार्यक्रम के संचालक डॉ. पी. वी.बी. सुब्रह्मण्यम् थे।

हिन्दी पखवाड़ा (14.09.2016 से 28.09.2016)

भारत सरकार के प्रयासों तथा निर्देशों के अनुरूप परिसर में भी हिन्दी पखवाड़ा 14.09.2016 से 28.09.2016 तक मनाया गया। इस दौरान छात्रों के लिए भाषण, निबंध लेखन तथा कविता पाठ प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। ''वर्तमान समय में महिलाओं की समस्याएँ एवं समाधान'' विषय पर छात्र एवं छात्रा वर्गों के लिए परिचर्चा कार्यक्रम तथा अशैक्षणिक कर्मचारियों के लिए भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया।

- उद्घाटन कार्यक्रम में दिनांक 14.09.2016 को 11:00 बजे मुख्यातिथि के रूप में हिमाचल प्रदेश कर्मचारी एवं कामगार कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र सिंह मनकोटिया उपस्थित हुए।
- समापन कार्यक्रम में दिनांक 28.09.2016 को मुख्यातिथि के रूप में हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के सहायकाचार्य डॉ. चन्द्रकान्तसिंह, विशिष्टातिथि के रूप में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त परीक्षा नियंत्रक महोदय डॉ. नरेन्द्र अवस्थी तथा सारस्वातिथि के रूप में सैन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया के प्रबन्धक श्री अतुल आर्य उपस्थित हुए। इसके संयोजक श्री पूर्णचन्द्र महापात्र तथा डॉ प्रीति शर्मा रहे।

स्थापना दिवस (16.09.2016)

परिसर का उन्नीसवां स्थापना दिवस प्रेरणा तथा संकल्प दिवस के रूप में दिनांक 16.09.2016 को मनाया गया। ध्यातव्य है कि इस परिसर की स्थापना सितम्बर 16 सन् 1997 को हुई थी।

स्वच्छता पखवाड़ा (02.10.2016)

दि. 02.10.2016 को महात्मा गांधी के जन्मदिवस पर स्वच्छता दिवस मनाया गया, स्वच्छ भारत बनाने का संकल्प लिया गया तथा स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह- (31.10.2016 से 05. 11.2016)

दि. 31.10.2016 से 05.11.2016 तक परिसर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। इसके अन्तर्गत परिसर के सभी सदस्यों ने मिलकर भ्रष्टाचार उन्मूलन सम्बद्ध प्रतिज्ञा को दोहराया।

संविधान दिवस (26.11.2016)

दि. 26.11.2016 को भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती को संविधान दिवस के रूप में मनाया गया एवं परिसर में ''भारत का संविधान'' विषय पर परिचर्चा गोष्ठी का आयोजन किया गया एवं संविधान निर्माण के कुशल शिल्पी भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर को श्रद्धांजलि दी गई।

राज्यस्तरीय शास्त्रीय भाषण स्पर्धा (01.12.2016- 02. 12.2016)

अखिल भारतीय स्पर्धाओं हेतु हिमाचल प्रदेश के प्रतिभागियों का चयन करने के लिए दिनांक 01.12.2016 से दिनांक 02. 12.2016 तक राज्यस्तरीय शास्त्रीय भाषण स्पर्धा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम् थे।

- उद्घाटन सत्र दिनांक 01.12.2016 को- मुख्यातिथि के रूप में प्रो. ईश्वर भट्ट, ज्यौतिष विभागाध्यक्ष, जयपुर परिसर, विशिष्टातिथि के रूप में डॉ. प्रभाकरप्रसाद महोदय, श्री लालबहादुरशास्त्री संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली से दर्शन विभाग के सहाचार्य तथा सारस्वतातिथि के रूप में श्री लालबहादुरशास्त्री संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली से साहित्य विभाग के सहायकाचार्य डॉ. सुमन कुमार झा महोदय पधारे। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रभारी प्राचार्य प्रो. रणजित् कुमार बर्मन् थे।
- समापन सत्र दिनांक 02.12.2016 को- मुख्यातिथि के रूप में व्याकरण विभागाध्यक्ष प्रो. शिवकान्त झा उपस्थित हुए। समापन सत्र के अध्यक्ष प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय, प्राचार्य, वेदव्यास परिसर थे।

नगद रहित प्रणाली प्रेरणा कार्यक्रम (14.12.2016)

भारत सरकार द्वारा आयोजित डिजिटल इण्डिया अभियान के अन्तर्गत छात्रों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों के लिए नकद रहित प्रणाली पर एक प्रेरणा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्यातिथि के रूप में सेण्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, प्रागपुर के प्रबन्धक श्री अतुल आर्य महोदय पधारे। जिसमें उन्होंने नकद के बिना राशि का आदान प्रदान कैसे किया जाए इसके बारे में बताया। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर प्राचार्य थे, तथा इसके संयोजक डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम् थे।

स्वामी विवेकानन्द जयन्ती- (12.01.2017)

स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के उपलक्ष्य में परिसर में 12. 01.2017 को युवा प्रेरणा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें स्वामी विवेकानन्द जी का युवाओं के लिए सन्देश विषय पर परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका संयोजन डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी ने किया।

गणतन्त्र दिवस- (26 जनवरी 2017)

परिसर में गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष्य में ''बेटी बचाओ, बेटी पढाओ'' अभियान के तहत परिसर की छात्राओं कु. सोनाली तथा कु. रजनी के द्वारा ध्वजारोहण कराया गया एवं कई देशभक्तिपरक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

मातृभाषा दिवस (21.02.2017)

दिनांक 21.02.2017 को परिसर में मातृभाषा दिवस मनाया गया। इसमें विभिन्न भाषाओं में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. जयप्रकाश नारायण ने किया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस (08.03.2017)

दिनांक 08.03.2017 को परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। जिसमें अतिथि के रूप में श्रीमती रेणु शर्मा, पुलिस अधीक्षक, देहरा; डॉ. जगपूर्णिमा, डॉक्टर, गरली हॉस्पिटल; श्रीमती रंजना पटियाल, वकील, देहरा; श्रीमती सुदेश शर्मा, प्रधान, प्रागपुर पधारे। श्रीमती कुसुम वालिया, सेवानिवृत्त प्राध्यापिका; श्रीमती निशा, प्राध्यापिका के. वि. नलेटी; श्रीमती उपासना, प्राध्यापिका के. वि. नलेटी; श्रीमती सुमन देवी, सरपंच मसोट; तथा श्रीमती सुमन देवी, नर्स, गरली हॉस्पिटल को सम्मानित किया गया। साथ ही परिसर की महिला कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन, डॉ. सागरिका नन्द महिलाध्ययन केन्द्र की संयोजिका ने किया।

ख) राष्ट्रीय कार्यक्रम-

राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ -

दिनांक	विभाग	अतिथिगण/संसाधक	संयोजक
21.10.2016	व्याकरण	प्रो. प्रकाश चन्द्र, व्याकरण विभागाध्यक्ष, (मुम्बई परिसर) प्रो. भरतभूषण त्रिपाठी (लखनऊ परिसर) श्री हरीश गुलेरिया, प्रागपुर, डॉ. अशोकचन्द्र गौड़ (विभागाध्यक्ष, वेदव्यास परिसर)	डॉ. ब्रजभूषण ओझा
28.01.2017 से 29.01.2017	अद्वैत वेदान्त	प्रो. रामकिशोर त्रिपाठी (वाराणसी), डॉ. शीतला प्रसाद शुक्ला (ला.ब.शा.सं.वि., दिल्ली)	प्रो. रणजित् कुमार वर्मन् (विभागाध्यक्ष)
03.02.2017 से 04.02.2017	साहित्य	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय, कुलपति (ला.ब.शा.सं.वि., दिल्ली), डॉ. सतीश कपूर (जम्मू परिसर), डॉ. निरञ्जन मिश्र (हरिद्वार), डॉ. अजयकुमार झा (दिल्ली), डॉ. मैत्रेयी कुमारी (दिल्ली), डॉ. जयप्रकाश नारायण (विभागाध्यक्ष, वेदव्यास परिसर)	डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति
04.03.2017 से 05.03.2017	आधुनिक विषय संगोष्ठी	डॉ. मालामल्ला (काठमाण्डु), डॉ. वेदप्रकाश अग्नि (धर्मशाला), डॉ. राजेश कुमार शर्मा (धर्मशाला), डॉ. नरेश अवस्थी (धर्मशाला)	श्री पूर्णचन्द्र महापात्र (विभागाध्यक्ष)
17.03.2017 से 24.03.2017	ज्यौतिष राष्ट्रिय कार्यशाला	डॉ. राणा (धर्मशाला), प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी (ला.ब.शा.सं.वि., दिल्ली)	डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम् (विभागाध्यक्ष)
25.03.2017 से 26.03.2017	शिक्षा शास्त्र	प्रो. चान्दकिरण सलूजा (दिल्ली), प्रो. बच्चा भारती (जम्मू), श्री कमल किशोर गुप्ता (धर्मशाला), डॉ. अरविन्दनारायणमिश्र (उत्तराखण्ड), डॉ. माता प्रसाद शर्मा (जयपुर)	डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी (विभागाध्यक्ष)

(ग) विस्तार कार्यक्रम-

संस्कृत सम्भाषण शिविर

परिसर के संस्कृत प्रचार मंच की ओर से आस-पास के गाँवों में 22 संस्कृत सम्भाषण शिविरों का आयोजन किया गया। संस्कृत सप्ताह के दौरान शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष के छात्र फरवरी महीने में परिसर के समीप गाँवो में 10 सम्भाषण शिबिर चलाए।

राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम

इस वर्ष राष्ट्रीय सेवा योजना का परिसर में शुभारंभ हुआ। जिसमें परिसरीय छात्रों ने स्वयं सेवकों के रूप में अपना योगदान दिया-

क्र.सं.	दिनांक	कार्यक्रम
1.	13.07.2016	स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत एक दिवसीय स्वच्छता शिबिर
2.	21.07.2016	स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत परिसर के आसपास स्वच्छता कार्यक्रम

3.	12.08.2016	स्वच्छ भारत-हरित भारत के अन्तर्गत परिसर में एवं परिसर के बाहरी भाग में वृक्षारोपण कार्यक्रम
4.	21.08.2016	स्वतन्त्रता पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत ''70 साल आजादी याद करो कुर्बानी'' शीर्षक के साथ शोभा यात्रा
5.	23.08.2016	स्वतन्त्रता पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम
6.	06.03.2017-12.03.2017	सप्त दिवसीय विशेष शिबिर

शिक्षाशास्त्र परिषद् कार्यक्रम

- दिनांक 05.09.2016 को देहरा में नशा मुक्ति नाटक का आयोजन किया गया। जिसमें नशे से होने वाले दुष्परिणामों को दर्शाया गया।
- **सम्भाषण शिबिर**-संस्कृत प्रचार मंच के सहयोग से 20 फरवरी से 26 फरवरी तक शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष के छात्रों ने परिसर के समीप गाँवों में सम्भाषण शिविर चलाए।
- **चित्रकला प्रशिक्षण कार्यशाला**-फरवरी में शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए चित्रकला प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गयी।
- 18.03.2017 सामाजिक सद्भावना शोभा यात्रा एवं वीथी नाटक-

शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष के छात्र 18.03.2017 को ज्वालामुखी में सामाजिक सद्भावना शोभा-यात्रा एवं वीथी नाटक प्रस्तुत किये। इस के दौरान नशामुक्ति, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सामाजिक अन्धविश्वास के ऊपर नाटक प्रस्तुत किये गए।

अन्य सहभागितायें

1. शीतावकाश के समय पपरोला में आयोजित 10 दिवसीय आवासीय संस्कृत भाषा बोधन वर्ग में परिसर के 35 छात्रों ने भाग लिया। परिसर के प्राध्यापक डॉ. वासुमोहन ने इस वर्ग का मार्गदर्शन किया।
2. प्रागपुर में राज्यस्तरीय लोहड़ी पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित मेला में सहभागिता।

(घ) शोध गतिविधियाँ-

षाण्मासिक स्थानीय शोध बैठक-

दिनांक 05.12.2016 षाण्मासिक स्थानीय शोध समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें बाह्य विशेषज्ञ के रूप में प्रो. अभिराजराजेन्द्र मिश्र श्री ने भाग लिया

प्रथम स्थानीय शोध समिति की बैठक (09.12.2016)

दिनांक 09.12.2016 स्थानीय शोध समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी विभागाध्यक्षों के समस्त शोध छात्रों ने प्रगति विवरण प्रस्तुत किया।

द्वितीय स्थानीय शोध समिति की बैठक (27.01.2017)

दिनांक 27.01.2017 को द्वितीय स्थानीय शोध समिति की बैठक आयोजित की गई। इस वर्ष 12 शोध छात्र व छात्राओं ने अपेन शोध प्रबन्ध प्रस्तुत किए।

(ङ) छात्र व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम एवं सुविधाएँ-

क) शिक्षणेतर गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निरन्तर निम्नलिखित कार्यक्रम सायं काल में चलाए जाते हैं। हर एक गतिविधि के लिए विभिन्न अध्यापक, अध्यक्ष एवं संयोजक के रूप में मार्गदर्शन देते हैं तथा एक छात्र एवं एक छात्रा प्रतिनिधि इसका संचालन करते हैं।

सोमवार एवं मंगलवार	-	विभागशः शास्त्र प्रबोधन कार्य एवं परामर्श।
बुधवार	-	हर बुधवार वाग्वर्धिनी परिषद् द्वारा शास्त्रीय भाषण का अभ्यास।
गुरुवार एवं शुक्रवार	-	स्वास्थ्य क्लब, पर्यावरण क्लब, मीडिया क्लब, संस्कृत प्रचार मञ्च, कलारञ्जनी, छात्र परामर्श केन्द्र के कार्यक्रम।

प्रत्येक गुरुवार	–	पाक्षिक शोध परिषद्/पाक्षिक शिक्षक परिषद्
ख) छात्रावास	–	किराए पर दो छात्रावासों को लिया गया है। (1) पुरुष छात्रावास, बलाहर में 50 छात्र, अधिष्ठाता– श्री पुरुषोत्तम, डॉ. मनोज श्रीमाल, (2) महिला छात्रावास, नगरोटा में 80 छात्राएँ, अधिष्ठात्री– डॉ. प्रीति शर्मा, डॉ. सागरिका नन्द
ग) परिसरीय बस व्यवस्था	–	प्रतिदिन 3 चक्कर लगाकर नगरोटा, गरली प्रागपुर से छात्रों के गमनागमन व्यवस्था संयोजक डॉ. पी. वी. बी. सुब्रह्मण्यम् के पर्यवेक्षण में होता है।
घ) कैन्टीन	–	''अन्नपूर्णा मन्दिर''–कैण्टीन में अध्ययनार्थी छात्रों के लिए स्वास्थ्यकर एवं पौष्टिक भोजन न्यून मूल्य पर उपलब्ध कराया जाता है।

(च) छात्र सहभागिता/उपलब्धियाँ

राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता–

दिनांक 07.10.2016 को हिमाचल प्रदेश के मण्डी नगर में राज्यस्तरीय खो–खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें छात्र वर्ग से 13छात्र व छात्रा वर्ग से 12 छात्राओं ने भाग लिया। इस दल का मागदर्शन डॉ. संजय मनकोटिया तथा सहयोग श्रीमती स्वांगना द्वारा किया गया। इस परिसर से राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु कु. शिल्पा का चयन हुआ।

राज्यस्तरीय योगा प्रतियोगिता पुरस्कार–

दिनांक 07.10.2016 को हिमाचल प्रदेश राष्ट्रिय योग प्रतियोगिता, नालागढ़, सोलन में परिसर के 05 छात्रों ने भाग लिया तथा पुरस्कार प्राप्त किए। छात्रों के संरक्षक के रूप में श्री प्रमोद कुमार व सुनीता देवी गए थे।

क्र. सं.	छात्र का नाम	पदक
1.	निशेष तोमर	स्वर्ण पदक
2.	वैजयन्ती माला	रजत पदक
3.	विभा मिश्रा	रजत पदक
4.	बलराम	रजत पदक
5.	अमित	रजत पदक

राष्ट्रिय योग प्रतियोगिता–

दिनांक 12.11.2016 से दिनांक 18.11.2016 तक रांची में परिसर के 05 छात्रों राष्ट्रिय योग प्रतियोगिता में भाग ग्रहण किया। छात्रों का मार्गदर्शन श्री पूर्णचन्द्र महापात्र, विभागाध्यक्ष आधुनिक विभाग ने किया।

नवम् युवामहोत्सव (18.11.2016-21.11.2016)

18.11.2016 से 21.11.2016 तक एकलव्य परिसर अगरतला, त्रिपुरा में नवम युवामहोत्सव का आयोजन हुआ। जिसमें वेदव्यास परिसर ने अच्छा प्रदर्शन किया। प्रथम स्थान के अति निकट तक पहुँच कर बहुत कम अंतर से द्वितीय स्थान पर रहा। युव महोत्सव में 16 स्वर्ण पदक 05 रजत पदक 07 कांस्य पदक वेदव्यास परिसर ने जीते, जिसमें विभिन्न शैक्षिक, सांस्कृतिक, शारीरिक स्पर्धाओं हेतु परिसर से 55 छात्रों का दल चुना गया था। परिसर के अध्यापकों डॉ. नरेश शर्मा, डॉ. संजय मनकोटिया, डॉ. प्रीति शर्मा, डॉ. गोपाल वर्मा ने इस दल का मार्गनिर्देशन किया। तथा श्रीमती स्वांगना ने सहयोग प्रदान किया।

अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा–

दि. 28.12.2016 से दि. 31.12.2016 तक एकलव्य परिसर अगरतला में आयोजित 55वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धाओं में सम्मिलित होने के लिए परिसर के प्राध्यापक डॉ. वैथि सुब्रमण्यन् तथा डॉ. सागरिका नन्द के मार्गदर्शन में हिमाचल राज्य स्तरीय स्पर्धा में चयनित 22 छात्र एवं छात्राएं भाग लिए। उन स्पर्धाओं में प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष का छात्र कृष्णचन्द्र अष्टाध्यायी कण्ठपाठ में सान्त्वना पुरस्कार से पुरस्कृत हुआ।

उत्तराखण्ड़ संस्कृत अकादमी में शलाका परीक्षा में भागग्रहण–

उत्तराखण्ड़ संस्कृत अकादमी द्वारा जनवरी में आयोजित शलाका परीक्षा में परिसर के चार छात्रों भाग लिया उनमें शास्त्री तृतीय वर्ष के छात्र रजत गौतम ने सांख्याकारिकावली में तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत है।

अखिल भारतीय अन्त:विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता-

अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा दिनांक 11.01.2017 से 15.01.2017 तक कोयम्बटूर में आयोजित अखिल भारतीय अन्त:विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता में परिसर के 06 छात्रों में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस दल के मार्गदर्शक के रूप में डॉ. संजय मनकोटिया एव डॉ प्रीति शर्मा उपस्थित रहे।

अखिलभारतीय अन्तर्विश्वविद्यालयीय कुश्ती प्रतियोगिता में भागग्रहण-

25.02.2017 से 27.02.2017 तक हरियाणा में चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित अखिलभारतीय अन्तर्विश्वविद्यालयीय कुश्ती प्रतियोगिता में परिसर के 02 छात्रों ने भाग लिया। इस का नेतृत्व डॉ. संजय मनकोटिया ने किया।

अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव-

तिरूपति में राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के द्वारा जनवरी में आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा समारोह में परिसर के छात्रगण डॉ. वैथि सुब्रह्मण्यम् के मार्गदर्शन में भाग लिए । जिसमें अद्वैत-वेदान्त विभाग में श्री राजेश कुमार, आचार्य द्वितीय वर्ष का छात्र सान्त्वना पुरस्कार से एवं परिसर का नाटक सान्त्वना पुरस्कार से पुरस्कृत हुआ है।

वसन्तोत्सव- नाट्य प्रतियोगिता (26.02.2017 से 01.03.2017)

संस्थान के द्वारा नवदेहली में आयोजित वसन्तोत्सव नाट्य प्रतियोगिताओं में परिसर के छात्रों द्वारा 'छत्रपतिसाम्राज्यम्' नाटक के 01-05 अंकों की प्रस्तुति की गई जिसकी सभी ने सराहना की । इसके निर्देशक डॉ. जयप्रकाशनारायण तथा डॉ. मनोज श्रीमाल थे। डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति (संयोजक), डॉ. राधावल्लभ शर्मा, डॉ. श्रीनाथधर द्विवेदी के मार्गदर्शन में छात्रों ने नाटक का सफल मंचन किया।

हिमाचल प्रदेशीय अन्त:महाविद्यालयीय संस्कृतभाषणादि प्रतियोगिता (1.03.2017 से 02.03.2017)

हिमाचल प्रदेश सरकार के द्वारा आयोजित हिमाचल प्रदेशीय संस्कृतभाषणादि प्रतियोगिताओं में परिसर के 12 छात्रों ने भाग लिया एवं अत्यधिक पुरस्कार प्राप्त कर विजयवैजयन्ती प्राप्त की। इस दल का मार्गदर्शन डॉ. वासुमोहन ने किया।

(छ) विभिन्न परिषद् कार्यक्रम

महिला चेतना कार्यक्रम (02.09.2016)

महिला अध्ययन केन्द्र के माध्यम से दिनांक 02.09.2016 को महिला चेतना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समाज में महिलाओं को किन किन विषयों पर सावधानी बरतनी चाहिए इस विषय पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम का संचालन महिला अध्ययन केन्द्र की सह संयोजिका, डॉ. सागरिका नन्द द्वारा किया गया।

भाषा बोधन वर्ग (11.08.2016-02.09.2016)

शिक्षाशास्त्र विभाग के प्रथम वर्षीय छात्रों के लिए भाषा बोधन वर्ग का आयोजन किया गया। जिसमें संस्कृत भारती हिमाचल प्रदेश के संगठन मन्त्री श्री नरेन्द्र ने विशेष शिक्षण कराया।

कलारञ्जनी क्रियाकलाप-

कलारञ्जनी परिषद द्वारा इस वर्ष कई कार्यक्रम किए गए। यू.जी.सी. निरीक्षण दल के आगमन पर छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त कवि समवाय, छात्र प्रशिक्षण, नाटक प्रशिक्षण आदि कई क्रियाकलाप किए गए।

पर्यावरण क्लब क्रियाकलाप-

क्र. सं.	दिनांक	कार्यक्रम
1.	30.08.2016	परिषद् गोष्ठी, सूचना पट्ट प्रदर्शन, वृक्षारोपण कार्यक्रम, वृक्षपालन कार्यक्रम, पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम तथा पर्यावरण भ्रमण कार्यक्रम।
2.	08.09.2016	"दिल्ली नगर में जनसंख्या वृद्धि" पर चर्चा कार्यक्रम
3.	15.09.2016	"प्रकृति के दस्तूर को चुनौती देती ब्यूरोक्रैटिक परियोजनाएं" विषय पर एक चर्चा कार्यक्रम

4.	22.09.2016	परिसर स्वच्छता कार्यक्रम
5.	29.09.2016	"यात्रा श्री मणिमहेश" पर चर्चा तथा "भारत में पर्यावरण की दृष्टि से पर्यटन स्थल" विषय पर चर्चा।

छात्र परामर्श केन्द्र-

क्र. सं.	दिनांक	कार्यक्रम
1.	30.08.2016	प्रतिदिन प्रार्थना सभा, प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए तैयारी
2.	08.09.2016	प्रत्येक गुरूवार प्रातः काल कक्षा संचालन, सायं काल धातुपाठ
3.	09.09.2016	टैट परीक्षा से सम्बन्धित प्रश्न पत्रों की तैयारी
4.	15.09.2016-16.09.2016	ज्यौतिष तथा व्यवसाय विषय पर चर्चा
5.	11.11.2016	संस्कृत प्रचार प्रसार योजना
6.	17.11.2016	परीक्षा हेतु कैसे तैयारी की जाए, इसके लिए क्या-क्या उपाय किए जा सकते हैं-एक चर्चा
7.	21.11.2016	नेट परीक्षा तैयारी हेतु योजना निर्माण
8.	28.11.2016	ग्रहों का मानव जीवन पर प्रभाव- एक कार्यक्रम

परिसर का निरीक्षण

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग निरीक्षण दल का आगमन (UGC Team Inspection)

दिनांक 23.09.2016 से 25.09.2016 तक यू.जी.सी. निरीक्षण दल का आगमन हुआ। दल ने परिसर का निरीक्षण किया। दल के अध्यक्ष प्रो. पंकज जानी, कुलपति, डॉ. बी. आर. अम्बेड्कर विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, डॉ. उमा वैद्य, कुलपति, कविकुल गुरू कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक, नागपुर डॉ. उर्मिला, संयुक्त सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, प्रो. श्रीमती पूर्णिमा, राणी चेन्नमा विश्वविद्यालय, शिक्षा विभाग की आचार्या उपस्थित रहे। इस दल ने सभी विभागों, प्रयोगशाला, ग्रन्थालय, क्रीडांगण, कार्यालय, छात्रावासों का निरीक्षण किया। निरीक्षण दल का समन्वयन मुक्तस्वाध्यायपीठ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के निदेशक प्रो. रमाकान्त पाण्डेय ने किया।

शैक्षिक निरीक्षण (Acadmic Audit) (19.10.2016)

दिनांक 19.10.2016 को शैक्षिक निरीक्षण दल का आगमन हुआ। निरीक्षण दल में आन्तरिक निरीक्षक के रूप में रणवीर परिसर जम्मू के प्राचार्य, प्रो. रामानुज देवनाथन्, मुम्बई परिसर के प्राचार्य प्रो. सुदेश शर्मा तथा बाह्य निरीक्षक के रूप में उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय, संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. महावीर अग्रवाल उपस्थित हुए।

(ज) विभिन्न केन्द्रों की गतिविधियाँ-

महिला अध्ययन केन्द्र

परिसर के महिला अध्ययन केन्द्र के अन्तर्गत महिलाओं की समस्याओं पर परिचर्चा, लिंग संवेदीकरण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, महिला छात्राओं का विशेष प्रोत्साहन इत्यादि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केन्द्र के संयोजक डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति तथा सह-संयोजिका डॉ. सागरिका नन्द हैं।

आन्तरिक गुणवत्ता प्रत्यायन प्रकोष्ठ (I.Q.A.C.)

मुख्यालय के निर्देशानुसार दिनांक 20.10.2015 को प्राचार्य, प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय की अध्यक्षता मे आन्तरिक गुणवत्ता प्रत्यायन प्रकोष्ठ का गठन हुआ जिसका कार्यकाल दो वर्ष तक रहेगा। इसमें बाह्य विशेषज्ञ के रूप में हिमाचल प्रदेश सेवा में पूर्व उपशिक्षा निदेशक श्री हरीश गुलेरी को मनोनीत किया गया, संस्थान से प्रो. सुब्रह्मण्य शर्मा, केन्द्रीय समिति के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में रहेगें तथा परिसर के ज्यौतिष विभागाध्यक्ष डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम् इसके संयोजक रहेगें। अन्य सदस्य-

1. अध्यापन वर्ग-प्रो. आर.के बर्मन्, डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति, डॉ. प्रीति शर्मा, डॉ. संजय मनकोटिया, डॉ. सीताराम शर्मा, डॉ. पुरुषोत्तम
2. कार्यालय वर्ग-श्री राजमल पठानिया (सहायक), श्री जगदीश (यू.डी.सी)।
3. छात्र वर्ग-कुमारी बैजयन्ती (आचार्य), श्री गौरव शर्मा (शिक्षा-शास्त्री)।

(झ) परियोजनाएँ

ज्योतिष परियोजना

परिसर में डॉ.पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम् के निर्देशन में तीन वर्षीय ज्योतिष परियोजना ''आधुनिक विज्ञान की दिशा में ज्योतिष में अनुसन्धान के परिप्रेक्ष्य'' का शुभारम्भ अगस्त 2014 में हुआ था जो निरन्तर प्रगति पूर्वक चल रहा है। इस परियोजना में निम्नलिखित सदस्य हैं-

1. श्री महिन्द्र कुमार-परियोजना सहायक
2. श्री अभिषेक शर्मा-परियोजना सहायक
3. कुमारी सुषमा-परियोजना सहायिका

साहित्य परियोजना

परिसर में डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति के निर्देशन में एक वर्षीय साहित्य परियोजना ''हिमाचलप्रदेशस्य सांस्कृतिकं साहित्यिकं च रिक्थं प्रति संस्कृतस्य योगदानम्'' का शुभारम्भ 20.09.2016 में हुआ जो निरन्तर प्रगति पूर्वक चल रहा है। इस परियोजना में निम्नलिखित सदस्य हैं-

1. कु. मधुबाला - परियोजना सहायिका
2. कुमारी बबिता - डाटा एन्ट्री ऑपरेटर

व्याकरण परियोजना

परिसर में डॉ. ब्रजभूषण ओझा के निर्देशन में एक वर्षीय व्याकरण परियोजना ''शास्त्रानुसन्धान सर्वेक्षण परियोजना'' का शुभारम्भ 20.09.2016 में हुआ जो निरन्तर प्रगति पूर्वक चल रहा है। इस परियोजना में निम्नलिखित सदस्य हैं-

1. श्री दिनेश चौबे - परियोजना सहायक
2. श्री अंकुश शर्मा - डाटा एन्ट्री ऑपरेटर

संकाय सदस्यों द्वारा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम-

क्रं.सं.	अध्यापक का नाम	पाठ्यक्रम	स्थान	अवधि
1.	डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी	पुनश्चर्या	गोरखपुर	2016-17
2.	डॉ. ब्रजभूषण ओझा	पुनश्चर्या	श्री हरिसिंह गोर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर (म.प्र.)	2016-17
3.	डॉ. हरिनारायणधर द्विवेदी	पुनश्चर्या	श्री हरिसिंह गोर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर (म.प्र.)	2016-17

भावी लक्ष्य एवं योजनाएँ-

1. वेदव्यास परिसर, हिमाचल प्रदेश तथा समीपवर्ती राज्यों में उत्तम संस्कृत शिक्षा केन्द्र के रूप में प्रतिष्ठापित होने की दिशा में अग्रसर रहेगा।
2. स्थानीय भाषाओं, लोककलाओं एवं संस्कृति का संस्कृतभाषा के परिप्रेक्ष्य में अन्तः शास्त्रीय अध्ययन के लिए परियोजनाएँ परिकल्पित की जाएँगी।
3. दूरस्थ शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षादि केन्द्रों के द्वारा स्थानीय लोगों में संस्कृत भाषा के व्यावहारिक प्रयोग के लिए व्यापक प्रचार किया जाएगा।
4. संस्कृत शिक्षा, भारतीय संस्कृति एवं उत्तम चारित्रिक प्रेरणा द्वारा छात्रों को मानवीय गुणों से युक्त समाजोपयोगी उत्तम नागरिक के रूप में विकसित किया जाएगा।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 01

उत्तर प्रेषित - 01

4.2.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)

1. परिसर के विषय में (परिसर का संक्षिप्त इतिहास)

भारत सरकार ने संस्कृत आयोग (1956-1957) की अनुशंसा के आधार पर संस्कृत के विकास और प्रचार-प्रसार हेतु तथा संस्कृत से सम्बद्ध केन्द्र सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के उद्देश्य से 15 अक्टूबर, 1970 को एक स्वायत्त संगठन के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की स्थापना की थी। उसके सदुद्देश्यों की बहु-आयामी उपयोगिता को देखते हुए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने उसे मई 2002 को बहुपरिसरीय मानित विश्वविद्यालय के रूप में घोषित किया है। वर्तमान में इस मानित विश्वविद्यालय के तेरह परिसर देश के विभिन्न प्रदेशों में कार्यरत हैं। उनमें मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल नगर में शिक्षासत्र 2002-2003 से भोपाल परिसर सञ्चालित है।

भोपाल प्राचीनकाल से प्राकृतिक, बौद्धिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राजनैतिक आदि विभिन्न सम्पदा से सम्पन्न रहा है। अतः यहाँ भोपाल परिसर को स्थापित करने के लिए तत्कालीन केन्द्रीय मन्त्री डा. मुरली मनोहर जोशी, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार ने पत्र क्रमांक संस्कृत-1- सैक्सन दिनांक 31 मार्च 2002 के द्वारा स्थापना आदेशपत्र निर्गत किया था। उक्त शासनादेश को क्रियान्वित करने के लिए रा. सं. सं. नई दिल्ली ने पत्र क्रमांक-37021/2002-admin/1108 कार्यालय आदेश संख्या 107/दिनांक 05.06.2002 के द्वारा एतदर्थ प्राचार्य आदि विभाग उपलब्ध कराकर 1 जुलाई 2002 से भोपाल परिसर को क्रियाशील किया था। यद्यपि इस तिथि से प्रायः दस वर्ष पूर्व ही 1991-92 में तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्री माननीय अर्जुन सिंह जी घोषणा से भोपाल परिसर के स्थापना की योजना प्रकल्पित हुई थी और उसी समय मध्यप्रदेश शासन ने पत्र क्रमांक-एफ 6730/शास./सा.-2बी/93 दिनांक 27.05.1993/20.07.1993 के शासनादेश के द्वारा इस परिसर के विकास के लिए 10 एकड़ भूमि निःशुल्क आवंटित की थी। इस प्रकार भोपाल में 6 जुलाई 2002 से बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के अतिथि गृह के कक्ष में भोपाल परिसर की गतिविधि प्रारम्भ होने पर 02 अगस्त 2002 को अरेरा कॉलोनी में भाटक भवन प्राप्त करके उसमें छात्रों के प्रवेश एवं शिक्षण की गतिविधि प्रारम्भ हुई।

तत्पश्चात् मध्यप्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल महामहिम भाई महावीर ने संस्थान के तत्कालीन कुलपति प्रो. वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री और परिसर संस्थापक प्राचार्य प्रो. आजाद मिश्र जी के साथ संस्कृत जगत् के मूर्धन्य विद्वज्जनों की उपस्थिति में दिनांक 16 सितम्बर 2002 को भोपाल परिसर के औपचारिक उद्घाटन की उद्घोषणा की थी। तदनन्तर मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमन्त्री माननीय श्री दिग्विजय सिंह ने अपने करकमलों से दिनांक 27.02.2003 को आवंटित भूखण्ड पर परिसर का शिलान्यास किया था। तत्पश्चात् परिसर के विकास के लिए तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्री माननीय अर्जुन सिंह के करकमलों से दिनांक 19 सितम्बर 2005 को शैक्षिक एवं प्रशासनिक मुख्य भवन का शिलान्यास सम्पन्न हुआ था।

तदनन्तर माननीय कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी की उपस्थिति में रामनवमी बुधवार दिनांक 24.03.2010 को निर्मित मुख्यभवन का वत्सराज भवन नामकरण हुआ और उसी दिन से अपने वत्सराज भवन में परिसर की सभी गतिविधियाँ प्रारम्भ हो गयी थी। इस समय वत्सराज मुख्यभवन के अन्तर्गत सभी कक्षाएँ, सभी प्रयोगशालाएँ, अनौपचारिक कक्षाएँ, विभागीय पुस्तकालय, दूरस्थशिक्षण केन्द्र, नाट्यशास्त्र अनुसन्धान केन्द्र, सभाकक्ष और सर्वसाधन सम्पन्न सभागार, शोधकक्ष सुव्यवस्थित रूप में उपलब्ध हैं। इनके साथ ही परिसर में व्यवस्थित वररुचि ग्रन्थागार (केन्द्रीय पुस्तकालय) और दृश्य साधन सम्पन्न वातानुकूलित भवभूति प्रेक्षागार भी उपलब्ध है। उसमें अतिथिनिवासकक्ष, शिक्षककक्ष और विभागाध्यक्ष कक्ष आदि नियमानुसार प्रकल्पित हैं।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर के सम्बन्ध में निम्न बिन्दु महत्त्वपूर्ण हैं-

- इसके अतिरिक्त आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 333 छात्रों का पुरुष छात्रावास, 108 छात्राओं का

महिला छात्रावास, अतिथि निवास, प्राचार्य एवं कर्मचारी आवासों के निर्माण का कार्य हो गया है।

- परिसर में वर्तमान में साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, शिक्षा, जैनदर्शन तथा आधुनिक विभाग सञ्चालित हैं। साथ ही वेद, पुराण इतिहास, सांख्य योग इत्यादि विभागों की स्वीकृति उपलब्ध है। प्राकशास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) शिक्षाचार्य (M.Ed-) तथा विद्यावारिधि पाठ्यक्रम परिसर में गुणवत्तापूर्ण पद्धति से सञ्चालित किए जा रहे हैं।
- साथ ही अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण, वास्तु, ज्योतिष के प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रमों के साथ मुक्त स्वाध्याय पीठ में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी पाठ्यक्रम सञ्चालित हो रहे हैं। इस प्रकार यह परिसर संस्कृत शिक्षा के विकास हेतु निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में अग्रसर है।
- परिसर में निरौपचारिक रूप से **'मुक्त स्वाध्यायपीठ'** सञ्चालित होता है जहाँ दूरस्थ माध्यम से संस्कृत शिक्षा का प्रसार-प्रचार किया जाता है।
- परिसर में AC आदि सुविधाओं से युक्त 'वररुचि ग्रंथागार' एक केन्द्रीय पुस्तकालय हैं, जिसमें अभी सञ्चालित विभागों के लिए उपयोगी पुस्तकें उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षाशास्त्र, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, आधुनिक विभाग और नाट्य अनुसन्धान केंद्र के अपने स्वतन्त्र विभागीय पुस्तकालय भी हैं।
- परिसर में संगणक, ज्योतिष, भाषा, पाठ्यचर्या और मनोविज्ञान की प्रयोगशालाएँ भी हैं, जहाँ विद्यार्थी प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करते हैं।
- ६ परिसर में 'भरत रंगमण्डप' एक मुक्त सभागार और 'भवभूति प्रेक्षागार' एक AC आदि सुविधाओं से युक्त सभागार है, जहाँ 300 दर्शकों के बैठने लिए स्थान उपलब्ध होता है।
- 'नाट्य अनुसन्धान केन्द्र' भोपाल परिसर में सञ्चालित एक विशिष्ट उपक्रम है, संस्कृत नाटकों के मंचन और संस्कृत गीत एवं श्लोकों के प्रस्तुतीकरण पर कार्य किया जाता है।
- परिसर प्रकाशन के क्षेत्र में भी सक्रिय है। शास्त्रमीमांसा (ISSN- 2231-2129) के द्वारा गुणवत्तापूर्ण शोधपत्रों का और राष्ट्री (ISSN- 2321-6948) के द्वारा आलेखों, गीतरचना आदि प्रकाशन किया जाता है।

इस प्रकार राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर संस्कृत शिक्षा के विकास के लक्ष्य के साथ प्रयासरत है।

2. परिसर की स्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बागसेवनिया,
भोपाल-462 043, म.प्र.
दूरभाष 0755-2418043, दूरप्रेष्य 0755-2418003
ईमेल : rsks_bhopal@yahoo.com
वेव साइट : www.rsksbhopal.ac.in

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम

क्र.सं.	उपलब्ध पाठ्यक्रम
1.	प्राक्शास्त्री- प्रथम
2.	प्राक्शास्त्री-द्वितीय
3.	शास्त्री-प्रथम
4.	शास्त्री-द्वितीय
5.	शास्त्री-तृतीय
6.	आचार्य-प्रथम
7.	आचार्य-द्वितीय
8.	शिक्षाशास्त्री-प्रथम
9.	शिक्षाशास्त्री-द्वितीय
10.	शिक्षाचार्य-प्रथम
11.	शिक्षाचार्य-द्वितीय
12.	विद्यावारिधि

4. अन्य क्रियाकलाप / समारोह / कार्याशालाओं सहित पूर्ण विवरण

1. केन्द्रीय विद्यालय के संस्कृत अध्यापकों हेतु सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

भोपाल परिसर में दिनांक 18 मई 2016 से 29 मई 2016 तक केन्द्रीय विद्यालयों के संस्कृत अध्यापकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा, पर्यवेक्षक डॉ. वी. कल्याण रमण और कार्यक्रम संयोजक डॉ. सोमनाथ साहु की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 56

प्रशिक्षणार्थियों और 22 विषय-विशेषज्ञों की सहभागिता प्राप्त हुई।

2. योगदिवस का आयोजन

परिसर द्वारा 21 जून, 2016 को योग दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष परिसर-प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा और मुख्य वक्ता श्री योगेन्द्र याज्ञिक और श्री योगीश्वरनन्द समुपस्थित थे। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा योगासन का प्रदर्शन किया गया। योग दिवस कार्यक्रम का कुशल संचालन डा. नीलाभ तिवारी द्वारा किया गया।

3. स्वच्छता अभियान

18 जुलाई, 2016 को परिसर में स्वच्छता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा द्वारा कार्यक्रम के औचित्य को समझाया गया। विद्यार्थियों के साथ अंत:क्रिया में जीवन का मुख्य मूल्य स्वच्छता है- इस प्रकार की शिक्षा प्राप्त हुयी। इसके पश्चात् प्राध्यापकों और विद्यार्थिओं द्वारा परिसर की स्वच्छता का संकल्प लिया गया। कार्यात्मक दृष्टि से प्राध्यापकों और विद्यार्थिओं द्वारा परिसर की स्वच्छता भी गयी।

4. सत्रारम्भ समारोह, प्रो. विद्यानन्द झा का सौप्रस्थानिक समारोह और प्रो. एम. चन्द्रशेखर का अभिनन्दन समारोह

भोपाल परिसर में 29 जुलाई, 2016 को शैक्षणिक सत्र का शुभारम्भ किया गया। इस दिन प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा महोदय का सेवानिवृत्ति सौप्रस्थानिक अभिनन्दन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस समारोह में मुख्यातिथि प्रो. प्रभुदयाल मिश्र और विशिष्टातिथि प्रो. वेदनारायण चौधरी समुपस्थित थे। प्रो. मिश्र ने उद्बोधन में बताया कि परिश्रम द्वारा ही विद्याध्ययन सम्भव है। चौधरी महोदय के उद्बोधन में संस्कृत विद्यार्थियों के समाज और संस्कृत के महान् उत्तरदायित्व के प्रति अभिप्रेरणा दी गयी। इस कार्यक्रम में सपत्नीक पधारे प्रो. विद्यानन्द झा महोदय द्वारा विद्यार्थियों को अभिप्रेरित किया गया कि निश्छल भाव से संस्कृत की सेवा करनी चाहिए। इस अवसर पर परिसर के नवीन प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर महोदय का स्वागत भी परिसरीय प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों द्वारा किया गया। इस समारोह में विभिन्न विभागों द्वारा प्रकाशित शोधपत्रिका और पुस्तक, यथा साहित्यमीमांसा, ज्योतिषमीमांसा, व्याकरणमीमांसा, आधुनिकमीमांसा, जैनदर्शन-मीमांसा, शैक्षिकप्रबन्धनस्य विविधायामा:आदि का लोकार्पण भी किया गया।

5. स्वतन्त्रता पखवाड़ा कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह

'आजादी के 70 वर्ष जरा याद करो कुर्बानी' नामक स्वतन्त्रता दिवस पखवाड़ा कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह 8 अगस्त, 2016 समायोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर अध्यक्ष, धर्मपाल शोधपीठ की प्रो. कुसुमलता केडिया मुख्यातिथि थे। उन्होंने उद्बोधन में स्वतन्त्रताप्राप्ति के लिए किए गए बलिदान और आत्मत्याग की महत्ता को बताया। मुख्यत: भारतीय युवकों को राष्ट्रभक्ति और आत्मगौरव के संचार की प्रेरणा दी गयी। कार्यक्रम का सफल संचालन डा. श्रीगोविन्द पाण्डेय द्वारा किया गया।

6. स्वतन्त्रता के उपलक्ष्य में दीपयात्रा

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के आदेशानुसार परिसर परिवार द्वारा दीपयात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में परिसर प्राचार्य के निर्देशन से दीपयात्रा परिसर भवन से बागसेवनिया थाना तक, पुन: परिसर में स्थापित वाक्देवी की मूर्ति समक्ष आकर सम्पन्न हुयी।

7. स्वतन्त्रता पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन समारोह

'आजादी के 70 वर्ष जरा याद करो कुर्बानी' स्वतन्त्रता दिवस के पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन समारोह 23 अगस्त, 2016 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 11 बजे सामूहिक राष्ट्रगान हुआ, जिसमें परिसर प्राचार्य, समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी और विद्यार्थी समुपस्थित थे। इस पखवाड़ा कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। यथा- देशभक्तिगीत, निबन्ध, आशुचित्रण, भाषण, वालीबाल आदि प्रतियोगिता। इस कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर अध्यक्ष, सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी श्री सुरेश जैन मुख्यातिथि और सेवानिवृत्त वायुसेनाधिकारी श्री पुरुषोत्तम बी. लोखण्डे विशिष्टातिथि थे। कार्यक्रम का सफल संचालन डा. श्रीगोविन्द पाण्डेय द्वारा किया गया।

8. स्वतन्त्रता दिवस कार्यक्रम

स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य में परिसर में प्रात: 9 बजे ध्वजारोहण और राष्ट्रगान सम्पन्न हुआ। इसके पश्चात् प्राचार्य द्वारा आशीर्वचन और शुभकामनाएँ दी गयी। प्राचार्य के उद्बोधन के बाद प्रतिनिधिरूप दो प्राध्यापकों और दो विद्यार्थियों

द्वारा स्वतन्त्रता दिवस के कार्यक्रम में स्वविचार प्रकट किए गए।

9. संस्कृत सप्ताह का शुभारम्भ

17 अगस्त, 2016 को संस्कृत सप्ताह का शुभारम्भ कार्यक्रम को भवभूति प्रेक्षागार में समायोजित किया गया। इस समारोह में परिसर के पूर्व-प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा सारस्वतातिथि और प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर अध्यक्ष के रूप में उपस्थित थे। व्याकरण विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुबोध शर्मा द्वारा स्वागत भाषण, ज्योतिष विभाग के डा. श्यामदेव मिश्र द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा रूपक के माध्यम से प्रस्तुत की गयी। प्रो. झा द्वारा संस्कृत साहित्य की गौरवशाली परम्परा को प्रेरणा के साथ प्रस्तुत किया। अध्यक्षीय उद्‌बोधन में प्रो. एम. चन्द्रशेखर द्वारा संस्कतशास्त्र के अध्यापन और अध्ययन की परम्परा का और निष्ठा एवं निरन्तरता के परिणामों का सुन्दर विश्लेषण किया गया। जैनदर्शन विभाग के श्री प्रताप शास्त्री द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन ज्योतिष विभाग के प्रो. हंसधर झा द्वारा किया गया।

10. संस्कृत गीतों की मधुर प्रस्तुति

संस्कृत सप्ताह के महोत्सव की अविरलधारा में और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शृंखला में 17 अगस्त, 2016 को नाटक अनुसन्धान केन्द्र के यशस्वी कलाकार डा. संजय द्विवेदी और श्री मनोज पाटीदार द्वारा संगीतमय संस्कृत गीतों की प्रस्तुति दी गयी।

11. षोडश संस्कार नाटक की प्रस्तुति

19 अगस्त, 2016 को षोडश संस्कार नाटक का भवभूति प्रेक्षागार में मंचन किया गया। इस नाटक का मंचन वीणापाणि संस्कृत समिति और श्रीनाट्यम् द ग्रुप आसंस्कृत ड्रामा के रंगकर्मिओं द्वारा किया गया। नाटक का नाट्यलेखन डा. धर्मेन्द्र सिंहदेव और निर्देशन श्री मनोज मिश्र द्वारा कुशलता पूर्वक किया गया था। संस्कृत, हिन्दी, पंजाबी आदि विविध भाषाओं का सुन्दर समन्वय से निर्मित इस नाटक में भारतीय संस्कृति की आधाारभूत व्यवस्था षोडश संस्कारों की कलात्मक प्रस्तुति की गई, जो संस्कृत नाट्यपरम्परा में एक नवाचार की तरह रही।

12. डा. अशोक थपलियाल का सौप्रस्थानिक समारोह

19 अगस्त, 2016 को ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र के युवा विद्वान् डा. अशोक थपलियाल का सौप्रस्थानिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समुपस्थित प्राधयापकों और विद्यार्थियों द्वारा डा. थपलियाल के भावी जीवन के लिए शुभकामनाओं की प्रार्थना की गयी। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. एम. चन्द्रशेखर थे।

13. संस्कृत सप्ताह का समापन

22 अगस्त, 2016 को संस्कृत कवि समवाय कार्यक्रम में प्राध्यापकों और विद्यार्थियों द्वारा स्वरचित काव्यपाठ प्रस्तुत किया गया। अपराह्न संस्कृत सप्ताह का समापन समारोह सम्पन्न हुया। समापन कार्यक्रम में मुख्यातिथि उज्जयिनीस्थ महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्वकुलपति प्रो. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी, सारस्वतातिथि शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के आचार्य लक्ष्मीनारायण पाण्डेय और अध्यक्ष परिसर प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर ने सभा को सुशोभित किया। इस कार्यक्रम में संस्थान द्वारा डा. सुबोध चौरसिया, डा. रामकुमार देवलिया और प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय को संस्कृतभूषण उपाधि से सम्मानित किया गया। समापन कार्यक्रम में डा. सनन्दन त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और डा. प्रदीप कुमार पाण्डेय इस कार्यक्रम के कुशल संचालक रहे।

14. राजभाषा समिति द्वारा निरीक्षण

11 अगस्त, 2016 को गृह मन्त्रालय के राजभाषाधिकारियों द्वारा परिसर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षणदल में श्री हरीश चौहान और श्री रघुवंशी थे। चौहान महोदय के साथ परिसर प्राचार्य की बातचीत हुयी तथा इंटरनेट पर राजभाषा से सम्बद्ध परिसरीय सूचनाओं को प्रेषित करने की प्रक्रिया भी चर्चा का विषय रही।

15. संसदीय उपवेशन समिति

02 सितम्बर, 2016 को संसदीय समिति के साथ भोपाल की उच्च शैक्षिक संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, निर्देशकों, मध्य प्रदेश सरकार के प्रतिनिधियों के बीच चर्चा हुयी। मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के निर्देशन में 'उच्चशिक्षा की गुणवत्ता और अन्य विषय' इस सन्दर्भ में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की सहभागिता भी थी। इस प्रसंग में संस्थान के समादरणीय कुलपति प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में परिसर प्रतिनिधि डा. नीलाभ तिवारी और श्री सुमित सक्सेना ने भोपाल परिसर में संस्कृत शिक्षा के गुणवत्ता सम्बन्धी पक्षों को प्रस्तुत किया।

16. त्रैमासिक फलित ज्योतिष परिचय और वास्तुशास्त्र पाठ्यक्रम

6 सितम्बर, 2016 को त्रैमासिक फलित ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम एवं वास्तुशास्त्र परिचय पाठ्यक्रम का उद्घाटन समारोह सम्पन्न हुया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में परिसर प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर, मुख्यातिथि के रूप में ज्योतिषविभाग के अध्यक्ष प्रो. भारत भूषण मिश्र, सारस्वतातिथि व्याकरणविभाग के अध्यक्ष प्रो. सुबोध शर्मा, पाठ्यक्रम समन्वयक प्रो. हंसधर झा, ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम सहसमन्वयक डा. नीलमाधव दाश और वास्तुशास्त्र पाठ्यक्रम सहसमन्वयक डा. अवधेश कुमार श्रौत्रिय उपस्थित रहे। उद्घाटन के अवसर पर परिसर प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर द्वारा ज्योतिषशास्त्र के सामाजिक एवं शास्त्रीय महत्त्व को प्रतिपादित किया गया और समाज में ज्योतिषशास्त्र के प्रचार के लिए आह्वान भी किया। प्रो. हंसधर झा ने पाठ्यक्रम की उपयोगिता को प्रस्तुत किया। प्रो. भारत भूषण मिश्र द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इस कार्यक्रम का कुशल संचालन डा. भूपेन्द्र कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया।

17. राधाकृष्णन् स्मृति व्याख्यानमाला

05 सितम्बर, 2016 को डा. राधाकृष्ण स्मृति व्याख्यानमाला के उपक्रम में शिक्षक दिवस के अवसर पर समायोजित कार्यक्रम भोपालस्थ क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के सेवानिवृत्त शिक्षाविद् प्रो. रमाकर रायजादा के व्याख्यान का आयोजन किया गया। शिक्षक और छात्रों के समक्ष डा. राधाकृष्णन् के जीवन एवं शिक्षा का परिचय दिया गया और शिक्षक के रूप में वर्तमान शिक्षकों की भूमिका को भी सरलतया स्पष्ट किया गया। कार्यक्रम में प्रो. भारत भूषण मिश्र द्वारा स्वागतभाषण, डा. अशोक कछवाह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का व्यवस्थित संचालन डा. सोमनाथ साहु द्वारा किया गया।

18. वार्षिक प्रतियोगिता, 2016

5-10 सितंबर, 2016 को विभिन्न शैक्षिक, सांस्कृतिक और क्रीड़ा प्रतियोगिताओं आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में चयनित विद्यार्थी एकलव्य परिसर में आयोजित होने वाली आगामी युवमहोत्सव में परिसर का प्रतिनिधित्व करेंगे। शैक्षिक प्रतियोगिताओं के संयोजक प्रो. हंसधर झा और डा. अर्चना दुबे, सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के संयोजक डा. अशोक कुमार कछवाह, डा. अर्चना चौहान और डा. संगीता गुन्देचा थे। क्रीडा प्रतियोगिताओं के संयोजक डा. नरेश कुमार पाण्डेय और डा. विवेक सिंह थे। प्रतियोगिताओं में 57 विद्यार्थिओं को युवमहोत्सव के लिए चुना गया।

19. हिन्दी-पखवाड़ा कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह

14-28 सितम्बर, 2016 को हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 14 दिनांक को आयोजित उद्घाटन समारोह मुख्यातिथि हिन्दी साहित्यकार श्री ध्रुव शुक्ल, विशिष्टातिथि श्री उदयन वाजपेयी और सम्मानितातिथि बी. एस.एन.एल. मण्डलाधिकारी श्री मनीष कुमार सोनी समुपस्थित थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर थे। इस कार्यक्रम में श्री ध्रुव शुक्ल, श्री उदयन वाजपेयी और श्री शशिकान्त मुदगल को परिसर द्वारा नूतन पुरस्कार 'हिन्दी भूषण' से विभूषित किया गया। डा. मंजु सिंह द्वारा स्वागत वक्तव्य और डा. विवेक कुमार सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन हिन्दी पखवाड़ा संयोजिका डा. अर्चना दुबे द्वारा किया गया।

20. हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन समारोह

28 सितम्बर, 2016 को हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम के समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रख्यात हिन्दी साहित्यकार श्री राजेश जोशी मुख्यातिथि और गृहमंत्रालय के अधीन राजभाषाधिकारी श्री हरीश चौहान विशिष्टातिथि के रूप में समुपस्थित थे। कार्यक्रम का अध्यक्ष पद परिसर के प्रभारी प्राचार्य प्रो. भारत भूषण मिश्र द्वारा स्वीकार किया गया। विशेष रूप से इस कार्यक्रम में जोशी महोदय का काव्यपाठ सभी उपस्थित प्राध्यापकों एवं छात्रों के लिए आनन्दकारी रहा। डा. मंजु सिंह द्वारा स्वागत वक्तव्य और श्री सुमित सक्सेना द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम का स्फल संचालन डा. नितिन जैन द्वारा किया।

21. राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धाओं का आयोजन

25-26 अक्टूबर, 2016 तक राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धाओं का आयोजन हुआ। स्पर्धाओं में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के छात्र-छात्राओं की सहभागिता प्राप्त हुयी। उद्घाटन कार्यक्रम 25.10.2016 को प्रातः भवभूति प्रेक्षागार में आयोजित किया। मुख्यातिथि श्री लालबहादुर राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के प्रो. जयकान्त सिंह और विशिष्टातिथि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर के प्रो. मदन मोहन पाठक

थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने की। इन स्पर्धाओं में व्याकरण, न्याय, मीमांसा, सांख्ययोगादि विषय निर्धारित थे। प्रतियोगिताओं में कण्ठपाठ, अक्षरश्लोक, शास्त्रीय प्रश्नमंच आदि का आयोजन किया। मध्यप्रदेश के भोपाल, इंदौर, होशंगाबाद से और छत्तीसगढ़ के सामरवाल एवं श्रीकोटा से छात्र-छात्रा प्रतिभागी के रूप में उपस्थित थे।

22. सतर्कता जागरूकता सप्ताह और राष्ट्रिय एकता सप्ताह

31.10.2016 से 05.11.2016 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह और दिनांक 31.10.2016 से 06.11.2016 तक राष्ट्रिय एकता सप्ताह का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह के अवसर पर परिसर प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर द्वारा परिसर परिवार के छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों और कर्मचारियों को सतर्कता जागरूकता की शपथ दिलाई गयी। इसके पश्चात् राष्ट्रिय एकता की शपथ भी ली गयी। इस सप्ताह में अनेकविध प्रतियोगितायों का आयोजन किया गया। कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से निबन्ध प्रतियोगिता और विद्यार्थिओं के लिए निबन्ध एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। प्राचार्य द्वारा प्रदत्त संदेश में भारतदेश में एकता और अखण्डता की भावना का संचार किया गया।

23. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग पुनरीक्षण समिति द्वारा पर्यवेक्षण

4-6 नवम्बर, 2016 पुनरीक्षण समिति द्वारा भोपाल परिसर का पर्यवेक्षण किया गया। त्रिदिवसात्मक इस कार्यक्रम में परिसर में बहुविध समुपलब्ध भौतिक संसाधानों और मानव संसाधनों का पर्यवेक्षण किया गया। प्रथम दिन, परिसर द्वारा स्वप्रतिवेदन का प्रस्तुतीकरण किया गया। पुनः विद्यार्थियों और प्राध्यापकों के साथ पुनरीक्षण समिति द्वारा अन्तःक्रिया हुई। द्वितीय दिन, मुख्यतः भौतिक संसाधनों का पर्यवेक्षण किया गया। सायंकाल '**हास्यचूडामणि**' प्रहसन का पुनरीक्षण समिति के समक्ष मंचन हुया। तृतीय दिन विद्यार्थियों के लिए प्रदान की जाने वाली छात्रावासादि सुविधाओं का पर्यवेक्षण किया गया।

24. शोधोपकरण एवं शोधप्रस्ताव निर्माण कार्यशाला

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा चतुर्दिवसीय शोधोपकरण एवं शोधप्रस्ताव निर्माण कार्यशाला का आयोजन 15.11.2016 से 18.11.2016 तक किया। कार्यशाला के प्रथम दिन भोपाल क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के प्राचार्य प्रो. नित्यानन्द प्रधाान द्वारा मिश्रित शोधाभिकल्प पर व्याख्यान दिया गया। द्वितीय दिन शिक्षाशास्त्र, श्री लालबहादुर राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ से समागत प्रो. रचना वर्मा मोहन द्वारा शोधोपकरण निर्माण प्रक्रिया की विवेचना की गयी। तृतीय दिन क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के शिक्षाविभाग से उपस्थित प्रो. रत्नमाला आर्य द्वारा मार्मिक उद्बोधन प्राप्त हुया। कार्यशाला में 60 प्रतिभागी लाभान्वित हुये। कार्यशाला के समापन समारोह में प्रभारी प्राचार्य प्रो. भारतभूषणमिश्र अध्यक्ष और राष्ट्रिय अध्यापक शिक्षा परिषद के क्षेत्रीयनिदेशक डा. अवधेश नायक मुख्यातिथि थे। इस कार्यक्रम में प्रो. जे. भानुमूर्ति द्वारा स्वागतभाषण और प्रो. प्रभादेवी चौधरी द्वारा धन्यवाद समर्पण किया गया। कार्यशाला समन्वयक डा. नीलाभ तिवारी द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। डा. श्रीगोविन्द पाण्डेय ने उद्घाटन और डा. सोमनाथ साहु ने समापन का कुशल संचालन किया।

25. ज्योतिष एवं वास्तु परिचय पाठ्यक्रम

विगत तीन माह से समायोजित ज्योतिष एवं वास्तु परिचय पाठ्यक्रम कक्षाओं का समापन समारोह 22.11.2016, सायंकाल चार बजे आयोजित किया गया। भोपाल नगर के विभिन्न आयुवर्ग के व्यक्ति इस कार्यक्रम में प्रतिभागी थे। इस समारोह में अध्यक्ष प्रो. भारतभूषणमिश्र, मुख्यातिथि सेवानिवृत्त सेनाधिकारी श्री भारतभूषण वत्स, विशिष्टातिथि प्रो. सुबोध शर्मा और सारस्वतातिथि डा. धर्मेन्द्र सिंहदेव समुपस्थित थे। अनुभव ज्ञापन के अवसर पर प्रशिक्षणार्थिओं द्वारा महत्त्वपूर्ण हृदयोद्गार अभिव्यक्त किये गए। पाठ्यक्रम के समन्वयक प्रो. हंसधर झा द्वारा आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रम की सूचना भी प्रदान की गयी। कार्यक्रम का स्कल संचालन डा. भूपेन्द्र पाण्डेय द्वारा किया।

26. संविधान दिवस का आयोजन

भोपाल परिसर में 25.11.2016 को संविधान दिवस का आयोजन किया गया। इस में कार्यक्रम छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के समक्ष संविधान की उद्देशिका और अनुच्छेद 51 A में वर्णित मूल कर्त्तव्यों का वाचन किया गया। 'हमारा संविधान' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन भी गया। इस प्रतियोगिता में प्राक्शास्त्री और शास्त्री कक्षा के विद्यार्थियों की सहभागिता प्राप्त हुई। इस कार्यक्रम में परिसर प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर द्वारा अपने संदेश में स्वकर्त्तव्यों की अभिप्रेरणा प्रदान की गयी।

27. श्री द्वारका प्रसाद कुशवाह का सौप्रस्थानिक समारोह

9 अक्टूबर, 2016 को श्री द्वारका प्रसाद कुशवाह का सौप्रस्थानिक कार्यक्रम समायोजित किया गया। समुपस्थित प्राध्यापकों द्वारा कुशवाह के भावी जीवन के लिए उत्तम शुभकामनाओं की प्रार्थना की गयी। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता का निर्वाह प्रो. एम. चन्द्रशेखर द्वारा किया गया।

28. वित्तीय साक्षरता अभियान

भोपाल परिसर में वित्तीय साक्षरता अभियान के समापन अवसर पर दिनांक 12 जनवरी 2016 को वित्तीय साक्षरता सभी के लिए उपयोगी विषय पर व्याख्यान व प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस हेतु स्टेट बैंक आफ इण्डिया की बागमुगालिया भोपाल के शाखा प्रबन्धक श्री आर.एल. मेहता मुख्य वक्ता व प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे। उनके सहयोगी के रूप में श्री वैभव सरावस भी उपस्थित थे जिन्होंने तकनीकी जानकारियों को व्यावहारिक रूप में समझाया। उन्होंने साधारण व स्मार्ट फोन से कैशलेस वित्तीय लेने देन की प्रक्रिया किस प्रकार सम्भव है यह भी बताया। इस अवसर पर परिसर प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर ने समस्त परिसर परिवार, जिसमें, छात्र-छात्रा, प्राध्यापक व कर्मचारी सभी शामिल थे, को प्रेरित किया कि वे नगद भुगतान व प्राप्ति के बजाय कैशलेस आर्थिक व्यवहार को अपनाए जिससे आर्थिक प्रक्रिया सुगम हो सके।

29. जैनदर्शन विभाग द्वारा राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी

'भारतीय साहित्य में जैन वाङ्मय के विविध आयाम' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी दिनांक 28-29 जनवरी, 2017 को आयोजित की गयी। दिनांक 28 जनवरी, 2017 को आयोजित उद्घाटन सत्र में अध्यक्ष प्रभारी प्राचार्या प्रो. प्रभा देवी चौधारी, विशिष्टातिथि प्रो. वीर सागर जैन, जैनदर्शन विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली एवं मुख्यातिथि श्री कमलजैन कमलांकुर की समुपस्तिथि प्राप्त हुई। संगोष्ठी के संयोजक श्री प्रताप शास्त्री एवं समन्वयक डा. पंकज कुमार जैन ने जैनदर्शन के विविधा आयामों के प्रकाशन हेतु इस संगोष्ठी को एक सार्थक पहल बताया । डा. संगीता गुन्देचा ने समागत अतिथियों का आभार व्यक्त किया। दिनांक 29 जनवरी, 2017 को आयोजित संगोष्ठी के समापन सत्र में अध्यक्ष प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर, विशिष्ट अतिथि प्रो. अशोक कुमार जैन, अध्यक्ष, जैन-बौद्धदर्शनविभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी एवं सारस्वत अतिथि प्रो. सुंदरलाल जैन के मार्मिक उद्बोधन प्राप्त हुये। धान्यवाद ज्ञापन डा. सोमनाथ साहु तथा कुशल संचालन श्री प्रताप शास्त्री द्वारा किया गया।

30. आधुनिक विषय विभाग द्वारा राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी

'विविध कौशल विकास' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी दिनांक 04-05 फरवरी, 2017 को आयोजित की गयी। दिनांक 04 फरवरी, 2017 को आयोजित उद्घाटन सत्र में अध्यक्ष प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर, मुख्यातिथि डा. रजनी पाण्डेय एवं सारस्वत अतिथि डा. शुक्ला मुखर्जी की समुपस्तिथि प्राप्त हुई। दिनांक 05 फरवरी, 2017 को आयोजित संगोष्ठी के समापन सत्र में अध्यक्ष प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर, मुख्यातिथि सुरजीत सिंह चौहान, नगर निगम अध्यक्ष एवं सारस्वत अतिथि प्रो. पी. के. गुप्ता द्वारा महत्त्वपूर्ण उद्बोधन प्रदान किया गया। डा. अवनी शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन तथा श्री सुमित सक्सेना द्वारा संगोष्ठी का कुशल संचालन किया गया।

31. शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी

'शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के लिए सूचना सम्प्रेषण प्रविधि' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी दिनांक 11-12 फरवरी, 2017 को आयोजित की गयी। दिनांक 11फरवरी, 2017 को आयोजित उद्घाटन सत्र में स्वागत भाषण विभागाध्यक्षा प्रो. प्रभादेवी चौधरी द्वारा किया गया। इस सत्र में अध्यक्ष प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर, मुख्यातिथि डा. एन. के. शर्मा, सचिव, प्राविधिक शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन एवं सारस्वत अतिथि पूर्व-विभागाध्यक्ष प्रो. वेदनारायण चौधरी का मंगल सानिध्य प्राप्त हुआ। सत्र में धन्यवाद ज्ञापन डा. श्रीगोविंद पाण्डेय द्वारा तथा प्रभावी संचालन डा. दाताराम पाठक द्वारा किया गया। दिनांक 12 फरवरी, 2017 को आयोजित संगोष्ठी के समापन सत्र में अध्यक्ष प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर, मुख्यातिथि प्रो. चाँद किरण सलुजा, पूर्व-आचार्य, शिक्षाविभाग, केन्द्रीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली एवं सारस्वत अतिथि प्रो. अनिल कुमार, आचार्य, NITTTR, भोपाल ने संगोष्ठी सभा को संबोधित किया। श्री प्रताप शास्त्री द्वारा धन्यवाद ज्ञापन तथा कुशल संचालन डा. डंबरुधर पति द्वारा किया गया।

32. ज्योतिष विभाग द्वारा राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी

वर्तमान सन्दर्भ में संहिता ज्योतिष की प्रासंगिकता' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी दिनांक 18-19 फरवरी,

2017 को आयोजित की गयी। दिनांक 18 फरवरी, 2017 को आयोजित उद्घाटन सत्र में स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष प्रो. भारत भूषण मिश्र द्वारा किया गया। इस सत्र में अध्यक्ष प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर, मुख्यातिथि श्री श्रीधार पराड़कर, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, अखिल भारतीय साहित्य परिषद् एवं सारस्वत अतिथि श्री एस. एस. लाल का मंगल सानिध्य प्राप्त हुआ। सत्र में धन्यवाद ज्ञापन डा. भूपेन्द्र पाण्डेय द्वारा तथा प्रभावी संचालन प्रो. हंसधार झा द्वारा किया गया। दिनांक 19 फरवरी, 2017 को आयोजित संगोष्ठी के समापन सत्र में अध्यक्ष प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर, मुख्यातिथि श्री महेश शुक्ल एवं सारस्वत अतिथि प्रो. रमाकान्त पाण्डेय ने संगोष्ठी सभा को संबोधित किया। प्रो. भारत भूषण मिश्र द्वारा धान्यवाद ज्ञापन तथा कुशल संचालन डा. भूपेन्द्र पाण्डेय द्वारा किया गया।

33. मातृभाषा दिवस

भोपाल परिसर में 21 फरवरी 2017 को मातृभाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग भोपाल के ए.डी.जी. श्री एस. के. रस्तोगी मुख्य अतिथि एवं केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग भोपाल के ही श्री अनिल कुमार आहूजा विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर सारस्वत अतिथियों के रूप में दैनिक भास्कर भोपाल के वरिष्ठ संपादक श्री मनीष दीक्षित एवं ई.टी.वी. म. प्र. छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ सम्पादक श्री प्रवीण दुबे उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भोपाल परिसर के प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर ने की। इस अवसर पर आयोजित निबंध व गायन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में श्री रस्तोगी, श्री आहूजा, श्री दीक्षित एवं श्री दुबे को भाषा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन डा. अर्चना चौहान ने किया। मातृभाषा दिवस के इस आयोजन की संयोजिका आधुनिक विषय विभागाध्यक्षा डा. अर्चना दुबे थी।

34. व्याकरण विभाग द्वारा राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी

द्विदिवसीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी दिनांक 25-26 फरवरी, 2017 को आयोजित की गई। दिनांक 25 फरवरी, 2017 को आयोजित उद्घाटन सत्र एवं प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर, मुख्यातिथि संस्थापक पूर्व-प्राचार्य प्रो. आजाद मिश्र एवं सारस्वत अतिथि आचार्य डा. रमाकान्त पाण्डेय, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी का मंगल सानिध्य प्राप्त हुआ। सत्र में धन्यवाद-ज्ञापन श्री आस्तिक द्विवेदी द्वारा तथा सफल संचालन डा. प्रदीप कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। दिनांक 26 फरवरी, 2017 को आयोजित समापन सत्र में अध्यक्ष प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर, मुख्यातिथि प्रो. आजाद मिश्र और सारस्वत अतिथि डा. रमाकान्त पाण्डेय के सानिध्य में हुया। डा. कैलाश चन्द्र दाश द्वारा कुशल संचालन और डा. नरेश कुमार पाण्डेय द्वारा कृतज्ञता ज्ञापन किया गया। उद्घाटन सत्र में विभागाध्यक्ष प्रो. सुबोध शर्मा एवं समापन सत्र में संगोष्ठी सचिव डा. प्रदीप कुमार पाण्डेय द्वारा स्वागत भाषण किया गया।

35. राष्ट्रिय नाट्य प्रतियोगिता अभिनन्दन

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर द्वारा चौदहवे राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव दिल्ली में प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी रचित द्वारा **तण्डुलप्रस्थीयम्** (पूसभर चावल) नाटक की प्रस्तुति पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया गया। अकाल की विषमताओं को परिलक्षित करते हुए इस नाटक ने दर्शाया कि जीवन की विभिन्न खुशियाँ तभी रास आती हैं जब कि व्यक्ति का पेट भरा हो। अन्न और जल जीवन की मूलभूत आवश्यकता है और मानव को चाहिए कि सदैव इन दोनों को संभाल के रखे व्यर्थ नहीं जाने दें। प्राचार्य प्रो. एम.चन्द्रशेखर के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में नाटक का निर्देशन भोपाल परिसर के साहित्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. जनार्दन पाण्डेय मणि ने किया। सहनिर्देशन डा. सनन्दन त्रिपाठी एवं डा. देवेन्द्र पाठक का रहा। नाटक में संगीत प्रस्तुति डा. संजय द्विवेदी एवं श्री मनोज पाटीदार की थी।

36. साहित्य विभाग द्वारा राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी

साहित्य विभाग द्वारा 'संस्कृतकाव्यशास्त्रे रसः' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी दिनांक 04-05 मार्च, 2017 को आयोजित की गयी। दिनांक 04 मार्च, 2017 को आयोजित उद्घाटन सत्र में अध्यक्ष प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर, मुख्यातिथि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र एवं सारस्वत अतिथि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर के साहित्य विभागाध्यक्ष प्रो. राम कुमार शर्मा का मंगल सानिध्य प्राप्त हुया। कार्यक्रम के अन्त में डा. मोहिनी अरोरा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस सत्र का संचालन डा. सनन्दन कुमार त्रिपाठी का था। दिनांक 05 मार्च, 2017 को आयोजित समापन सत्र में अध्यक्ष प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर, मुख्यातिथि प्रो. रमाकान्त शुक्ल एवं सारस्वत अतिथि डा. प्रभुदयाल मिश्र का मंगल सानिध्य प्राप्त

हुया। डा. धर्मेन्द्र सिंहदेव द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुतीकरण, डा. सनन्दन कुमार त्रिपाठी द्वारा कुशल संचालन और कृतज्ञता ज्ञापन डा. मोहिनी अरोरा द्वारा किया गया।

37. वार्षिकोत्सव

21.03.2017 दिनांक को परिसर का वार्षिकोत्सव आयोजित किया गया, जिसमें पूर्व पुलिस महानिदेशक, मध्यप्रदेश श्री सुभाष चन्द्र त्रिपाठी सारस्वतातिथि, परिसर-प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर महोदय अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। श्री सुभाष चन्द्र त्रिपाठी ने सभी छात्रों को अनुशासन के महत्त्व के विषय में उद्बोधन दिया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में परिसर-प्राचार्य द्वारा कहा गया कि सभी छात्रों को विस्तृत दृष्टिकोण के विकास करते हुये परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्त्तव्य को समझना चाहिए। इस अवसर पर परिसर में पूरे वर्ष आयोजित शैक्षिक, क्रीडा और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। नाट्यशास्त्र अनुसन्धान केन्द्र, भोपाल परिसर के तत्त्वावधाान में छात्रों द्वारा पूर्वरंग का मंचन किया गया। इसके अनन्तर छात्रों द्वारा संस्कृत नाटक 'तण्डुल प्रस्थीयम्' की प्रस्तुति की गयी। इस नाटक के लेखक प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी है, जिसमें जल और अन्न के महत्त्व को प्रदर्शित किया गया है। इस नाटक ने दिल्ली में आयोजित राष्ट्रिय नाट्य महोत्सव में प्रथम स्थान प्राप्त किया था।

38. शैक्षणिक लेखा परीक्षण

22 मार्च, 2017 को परिसर में शैक्षणिक लेखा परीक्षण सम्पन्न हुया। अध्ययन और अध्यापन के उत्तरोत्तर संवर्धन के लिए आन्तरिक गुणवत्ता संवर्धन की दृष्टि से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, नव देहली मुख्यालय द्वारा त्रिसदस्यीय समिति द्वारा निरीक्षण सम्पादित किया गया। समिति में पूर्वकुलपति प्रो. वे. कुटुम्ब शास्त्री, प्रो. सुदेश शर्मा और प्रो. वाई. एस. रमेश थे। इस समिति द्वारा भोपाल परिसर में पाठ्यक्रम के अध्ययन और अध्यापन से सम्बन्धित विषयों, पाठ्यसहगामी अन्य शैक्षणिक-सांस्कृतिक क्रियाकलापों, भौतिक संसाधनों, छात्रसंख्यादि आदि महत्त्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

39. संस्कृत प्राविधिक कार्यशाला का आयोजन

परिसर के शिक्षाविभाग द्वारा 23 मार्च, 2017 को एकदिवसीय संस्कृत प्राविधिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला तीन सत्रों में संपादित हुई। प्रथम सत्र में नागपुर से समागत प्रो. चन्द्रगुप्त श्रीधर वर्णेकर महोदय द्वारा संस्कृत कलनविधि(Sanskrit Algorithms) विषय पर प्रमाण सहित व्याख्यान दिया गया। यदि भारतीय वैदिक गणित न होता तो संगणक की कल्पना भी असम्भव थी। द्वितीय सत्र में मुम्बई से समागत प्रो. मदन मोहन झा द्वारा संस्कृत मोबाइल एप्लीकेशन का परिचय और निर्माण शीर्षक पर स्वनिर्मित धातुरूपमाला शब्दरूपमालादि एप्लीकेशन की उपयोगिता के विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए। तृतीय अन्तिम सत्र में अहमदाबाद से समागत श्री नेहल दवे द्वारा श्री सुयश एवं श्री स्वप्निल जी के सहयोग से संस्कृत विकिपीडिया पर सैद्धान्तिक और प्रायोगिक जानकारियाँ प्रदान की गई।

40. एकदिवसीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी

परिसर के शिक्षाविभाग द्वारा 24 मार्च, 2017 को **'शिक्षा और समाज'** पर एकदिवसीय राष्ट्रिय शोधा संगोष्ठी आयोजित की गई। इस संगोष्ठी में तीन प्रमुख सत्र थे। प्रथम सत्र में शिक्षा जगत के लब्ध प्रतिष्ठित प्रो. कामता प्रसाद पाण्डेय द्वारा प्राच्य भारतीय समाज में शिक्षा और द्वितीय सत्र में वैश्विक समाज में शिक्षा-इन दो विषयों पर सारगर्भित दो व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। एक अन्य विशिष्ट व्याख्यान प्रो. रमेश दवे द्वारा प्रदान किया।

5. संकाय सदस्यों द्वारा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/अभिविन्यास पाठ्यक्रम

1. डॉ. कैलाश चन्द्र दाश - व्याकरण - 16.01.2017 से 05.02.2017 - डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
2. डॉ. अजय कुमार मिश्रा - साहित्य - 16.01.2017 से 05.02.2017 - डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
3. डॉ. श्यामदेव मिश्र - ज्योतिष - 16.01.2017 से 05. 02.2017 - डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
4. डॉ. मोहिनी अरोरा - साहित्य - 16.01.2017 से 05. 02.2017 - डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 00

उत्तर प्रेषित - 00

4.2.10 के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

संक्षिप्त परिचय -

भारत के पश्चिमी तट पर निहित, लगभग 2.5 करोड़ की आबादी वाला मुम्बई महानगर, देश के चार महानगरों में से एक है। यह महाराष्ट्र की राजधानी है। महानगर की अधिष्ठात्री मुम्बादेवी के चरण कमलों में पल्लवित यह स्थान भारत की आर्थिक राजधानी के नाम से जाना जाता है।

संस्कृत पारम्परिक विद्या में नवाचारों एवं नवोन्मेषों का समन्वय करते हुए, शास्त्रीय आर्ष परम्परा के प्रचार-प्रसार हेतु महानगरस्थ-सुप्रसिद्ध क.जे.सोमैया ट्रस्ट द्वारा, केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ को प्रारम्भ करने हेतु, भवन निर्माण के लिए एक एकड़ भूमि दानरूप में प्रदान करने की योजना रखी। जिसको साकार करने के लिए राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थान मानित विश्वविद्यालय द्वारा एक कमेटी का गठन किया गया। कमेटी सदस्यों द्वारा दानरूप में प्राप्त भूमि का जायजा लिया गया, और विद्यापीठ मुम्बई में प्रारम्भ किया जा सकता है, ऐसे आश्वस्त होकर, एक प्रतिवेदन मानव संसाधन विकास मन्त्रालय को अग्रेषित किया गया।

मन्त्रालय द्वारा 31 मार्च 2002 को केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ आरम्भ करने की संस्तुति प्रदान की तथा क.जे. सोमैया ट्रस्ट ने विभिन्न कक्षाओं के पाठ्यक्रम आरम्भ करने की अनुमति प्रदान की।

परिसर की स्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुम्बई परिसर का उद्घाटन तत्कालीन मानव संसधान विकास मन्त्री, भारत सरकार के माननीय डॉ. मुरली मनोहर जोशी द्वारा 16 मई 2002 को किया गया। क.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठ में प्राक्शास्त्री (2), शास्त्री (बी.ए.), आचार्य (एम.ए), साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष शास्त्रीय विषयों में, सम्बद्ध शास्त्रों में पी.एच्.डी. (विद्यावारिधि) तक के शिक्षण का प्रावधान है। इसके साथ-साथ, अंग्रेजी, हिन्दी, राजनीति विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान व पर्यावरण विज्ञान जैसे आधुनिक विषयों का भी शिक्षण होता है जो संस्थान के पाठ्यक्रमानुसार पढाया जाता है। यह पाठ्यक्रम व्यवसाय उन्मुख होने के साथ ही मुक्त स्वाध्याय केन्द्र के द्वारा संस्कृत पढ़ने का एक सर्वोत्तम साधन भी है। हिन्दी, अंग्रेजी, आधुनिक पद्धति के साथ संस्कृत अनिवार्य के रूप में शिक्षकों के प्रशिक्षण 100 छात्रों के लिए एक वर्ष का शिक्षाशास्त्री(बी.एड्.) प्रोफेशनल कोर्स (व्यावसायिक प्रशिक्षण) भी करवाया जाता है। (सत्र 2015-16 से पाठ्यक्रम दो वर्ष का हो गया है) इसका आरम्भ एन.सी.टी.ई. के अनुमोदन के बाद शैक्षिणक वर्ष 2007 में शुरु किया गया था।

वर्तमान में क.जे.सोमैया ट्रस्ट ने विद्याविहार में ही बहुमूल्यीय एक एकड़ भूमि विद्यापीठीय भवन निर्माण के लिए उपलब्ध करायी है। यहाँ भवन निर्माण की समस्त औपचारिकताएँ पूरी हो चुकी हैं।

इस समय सोमैया विद्याविहार परिसर में ही ट्रस्ट के सौजन्य से विद्यापीठ का प्रशासनिक कार्य सुरूचि, कलाभवन, पुस्तकालय पॉलिटेक्निक भवन में; अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण, शोध आदि कार्य चाणक्य भवन में चल रहा है।

मिशन एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की दृष्टि-

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के लक्ष्य है कि

1. संस्कृत को हर तरह से सुविधाजनक बनाने, दूसरी भाषाओं के साथ संस्कृत साहित्य का शिक्षा से सम्बन्ध , पारम्परिक धारा के क्षेत्रों में संस्कृत शिक्षा और अनुसन्धान की पारम्परिक प्रणालियों को बढ़ावा देने, संस्थान के विभिन्न कार्यक्रम और प्रचार व प्रसिद्धि तथा पारम्परिक संस्कृत विज्ञान के सर्वांगीण विकास के लिए नीतियों को लागू करना है।
2. संस्कृत की सम्पूर्ण पृष्ठभूमि के साथ, कुशल मानव संसाधानों का उत्पादन, संस्कृत साहित्य के सन्दर्भ में विज्ञान के क्षेत्र में अनुसन्धान तथा तुलनात्मक अध्ययन के लिए तथा संस्कृत सीखने व आधुनिक तकनीकों के माध्यम से संस्कृत संसाधन उपलब्ध कराने की सभी शाखाओं के संचालन के लिए सर्वविध प्रयास करना है।

3. वैश्विक स्तर पर आधुनिक तकनीकों के माध्यम से संस्कृत संसाधन उपलब्ध कराने तथा संस्कृत सीखने की महिमा स्थापित करने के लिए एक दृश्य के साथ विश्व स्तर के विश्वविद्यालय के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को विकसित करने के लिए हरसंभव प्रयास करना है।

परिसर में उपलब्ध पाठ्यक्रम (पूर्ण विवरण के साथ)

1. प्राक्शास्त्री (द्विवर्षीय)
2. शास्त्री (त्रिवर्षीय) (सत्रार्द्ध प्रणाली के साथ)
3. आचार्य (द्विवर्षीय) (सत्रार्द्ध प्रणाली के साथ)
4. शिक्षाशास्त्री (एकवर्षीय) (सत्र 2014-15 से द्विवर्षीय होगा)
5. विद्यावारिधि (पी-एच्.डी.)
6. मुक्त स्वाध्याय केन्द्र
7. भारतीय ज्योतिष प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (त्रैमासिक)

मुख्य रूप से परिसर में व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष एवं शिक्षाशास्त्र इन चार विषयों का अध्ययन, अध्यापन एवं शोध कार्य चल रहे हैं।

अन्य क्रियाकलाप/समारोह/कार्यशालाओं सहित पूर्ण विवरण।

विद्यापीठ प्रकाशन-

विद्याश्रीः -

छात्रों द्वारा लिखी हुई कविता का पत्रिका में प्रथम बार 2014-15 में प्रकाशन हुआ।

शिक्षारश्मि

शिक्षाशास्त्र विभाग से शिक्षारश्मि नाम की विभागीय वार्षिक पत्रिका का द्वितीय अंक में प्रकाशन किया गया। विभागीय प्राध्यापक एवं छात्राध्यापकों ने विभिन्न प्रकार के शोध लेख एवं विभागीय गतिविधियों का पत्रिका में प्रकाशन किया गया।

विद्यारश्मि

वार्षिक शोध पत्रिका में भारत के विशिष्ट विद्वानों के लेख प्रकाशित किये गये। विद्यारश्मिः नाम की वार्षिक पत्रिका का ISSN -2277-6443 है।

वागवई ब्रह्म

व्याकरण विभाग द्वारा इस पत्रिका का प्रकाशन प्रथम बार किया गया। इसमें शोध छात्रों एवं विशिष्ट विद्वानों द्वारा दिये गये शोधपत्रों को प्रकाशित किया गया।

काव्यलतिका

साहित्य विभाग द्वारा इस पत्रिका का प्रकाशन किया गया। इसमें शोध छात्रों एवं विशिष्ट विद्वानों द्वारा दिये गये शोधपत्रों एवं साहित्य विभाग के क्रियाकलापों को प्रकाशित किया गया।

ज्योतिषरश्मि

ज्योतिष विभाग द्वारा इस पत्रिका का प्रकाशन किया गया। इसमें शोध छात्रों एवं विशिष्ट विद्वानों द्वारा दिये गये शोधपत्रों एवं ज्योतिष विभाग के क्रियाकलापों को प्रकाशित किया गया।

वैभाषिकी

आधुनिक विभाग द्वारा इस पत्रिका का प्रकाशन किया गया। इसमें शोध छात्रों एवं विशिष्ट विद्वानों द्वारा दिये गये शोधपत्रों एवं आधुनिक विभाग के क्रियाकलापों को प्रकाशित किया गया।

शैक्षणिक कार्यक्रम-

शैक्षिक सत्र का शुभारम्भ

16.06.2016 को शैक्षिक सत्र शुभारम्भ करने के लिए एक कार्यक्रम किया गया जिसमें सभी विभागाध्यक्ष (शिक्षाशास्त्र विभाग को छोड़कर) एवं प्राचार्य ने देश के विभिन्न भागों से अध्ययन करने वाले छात्रों का स्वागत किया।

अन्ताराष्ट्रिय योग दिवस -

दिनांक 21.06.2016 को अन्ताराष्ट्रिय योग दिवस मनाया गया। योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः इस विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम शशिकान्त मिश्र, द्वितीय श्री योगेन्द्र कुमार एवं तृतीय स्थान प्रियंका थापा ने प्राप्त किया। छात्रों द्वारा संस्कृत माध्यम से योग के महत्व के बारे में बताया गया।

शिक्षाशास्त्री सत्रारम्भ

दिनांक 12.07.2016 को शिक्षाशास्त्री विभाग में सहर्ष सत्रारम्भ का कार्यक्रम हुआ। प्राध्यापकों द्वारा छात्रों को सम्बोधित करते हुये राष्ट्र के विकास में शिक्षक की भूमिका के बारे में बताया गया।

गुरु पूर्णिमा-

दिनांक 19.07.2016 को गुरु पूर्णिमा के दिन छात्रों एवं गुरुओं ने मिलकर पारम्परिक रूप से उत्सव का आयोजन किया। सभी छात्रों को गुरु पूर्णिमा के महत्व के बारे में बताया गया।

संस्कृत भाषा बोधन वर्ग-

शिक्षाशास्त्र विभाग में दिनांक 18.07.2016 से दस दिवसीय शिक्षाशास्त्री कक्षा में सभी छात्रों के लिये संस्कृत सम्भाषण के प्रति जागरूक करने के लिए विद्यापीठ में दस दिवसीय संस्कृत भाषा बोधन वर्ग का आयोजन किया गया।

संस्कृत सप्ताह समारोह-

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी संस्कृत सप्ताह दिनांक 17. 08.2016 से 19.08.2016 मनाया गया। जिसमें शोभा यात्रा से उद्घाटन एवं समापन समारोह, श्रावणी उपाकर्म, संस्कृत कवि सम्मेलन, शैक्षणिकस्पर्धा, समापन समारोह आदि का आयोजन किया गया।

शिक्षक दिवस

डॉ. सर्वपल्लि राधाकृष्णन् के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 02.09.2016 को शिक्षाशास्त्र विभाग के छात्राध्यापकों द्वारा शिक्षक दिवस मनाया गया एवं विद्यापीठ में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

वाग्वर्धिनी परिषद् -

दिनांक 27.07.2016 को परिसर में छात्रों के भाषण कौशल और शास्त्रार्थ कौशल के विकास हेतु वाग्वर्धिनी परिषद् का उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

70वाँ स्वतन्त्रता दिवस समारोह

परिसर में 70वाँ स्वतन्त्रता दिवस समारोह का आयोजन दिनांक 08.08.2016 से 24.08.2016 तक किया गया। जिसके अन्तर्गत तरह-तरह की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

हिन्दी पखवाड़ा-

राष्ट्रभाषा हिन्दी के सम्मान के रूप में विद्यापीठ में सितम्बर 14 से 28- 2016 तक हिन्दी पखवाडा मनाया गया। कार्यक्रम में हिन्दी भाषण, लेखन, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

शिक्षणाभ्यास कार्यक्रम

शिक्षाशास्त्री छात्राध्यापकों ने पाठ्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 22.08.2016 से 19.12.2016 तक मुम्बई स्थित केन्द्रीय विद्यालय के विभिन्न विद्यालयों में शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम संपादित किया। 07 स्कूल में शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम संपन्न किया।

प्राथमिक उपचार शिक्षण कार्यक्रम

विद्यापीठ शिक्षाशास्त्री छात्राध्यापकों द्वारा प्राथमिक उपचार शिक्षण कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण

शिक्षाशास्त्री (बी. एड्.) के छात्राध्यापकों ने प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण विद्यापीठ में सम्पन्न हुआ।

मातृभाषा दिवस

दिनांक 22.02.2017 को परिसर में मराठी मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें मराठी भाषा का महत्व एवं मराठी चित्रपटनिर्माण के विषय में छात्रों को सम्बोधित किया गया।

वार्षिकोत्सव

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी दिनांक 18.03.2017 को परिसरीय वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। मुख्यातिथि के रूप में महाराष्ट्र राज्य के भाषा विभाग की निर्देशिका श्रीमती (डॉ.) मंजूषा कुलकर्णी ने संस्कृत भाषा में उद्बोध न करते हुए छात्रों को संस्कृत के अध्ययन-अध्यापन तथा प्रचार-प्रसार के लिए प्रेरित किया।

विभिन्न स्पर्धाएँ

70वाँ स्वतन्त्रता दिवस उत्सव

- दिनांक 08.08.2016 को वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

- दिनांक 09.08.2016 को संस्कृत हिन्दी, मराठी एवं आग्लभाषा में निबन्ध लेखन स्पर्धा का आयोजन किया गया।
- दिनांक 12.08.2016 को परिसर के सभी छात्रों द्वारा संस्कृत भाषा में स्वतन्त्रता से सम्बद्ध घोष वाक्यों के साथ शोभा यात्रा आयोजित की गई।
- दिनांक 16.08.2016 को परिसर में छात्रों के लिये विभिन्न योगासन तथा क्रीडा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- दिनांक 17.08.2016 को सभी छात्रों के लिये रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- दिनांक 22.08.2016 को शिक्षाशास्त्री कक्षा के छात्रा अध्यापकों द्वारा स्वतन्त्रता संग्राम के नायकों के सम्बन्धित नुक्कड नाटक का आयोजन किया गया।
- दिनांक 23.08.2016 को सभी अध्यापकों एवं शिक्षाशास्त्र छात्राध्यापकों के द्वारा मुम्बई नगर के विविध विश्व प्रसिद्ध स्थानों का परिभ्रमण किया गया।
- दिनांक 24.08.2016 को छात्रों द्वारा राष्ट्रीय नायकों तथा विविध राज्यों की वेश-भूषा धारण करके छद्मवेष कार्यक्रम किया गया।

सहशैक्षणिक कार्यक्रम-

युवा महोत्सव

18 से 21 नवम्बर 2016 तक को एकलव्य परिसर, अगरतला में मुख्यालय द्वारा आयोजित 9वां अन्तः परिसरीय युव महोत्सव का आयोजन हुआ। जिसमें परिसर के छात्रों ने उत्साह से भाग लिया। विद्यापीठ को युव महोत्सव में - स्वर्ण पदक (2), रजत पदक(5), कास्य पदक (2) प्राप्त हुए।

कौमुदी महोत्सव (वसन्तोत्सव)

दिनांक 27.02.2017 से 01.03.2017 तक मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा आयोजित 14 वां संस्कृतनाट्यमहोत्सव में परिसर के छात्रों ने भास्कराचार्य त्रिपाठी द्वारा रचित स्नेहसौवीरम् नाटक का मंचन अत्यन्त रोचकता के साथ प्रस्तुत किया। जिसमें मुम्बई परिसर को मंच सज्जा के लिये प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

महाराष्ट्र-गोवा राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा

54 वाँ अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा के उपलक्ष्य में दिनांक 11.11.2016 को महाराष्ट्र-गोवा राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा आयोजिन किया गया । जिसमें महाराष्ट्र तथा गोवा प्रान्त के छात्र/छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग ग्रहण किया।

अखिल भारतीय संस्कृत प्रतिभा समारोह

दिनांक 30.01.2017 से 02.02.2017 तक 11 अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा समारोह, तिरुपति स्थित राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ द्वारा प्रतिवर्ष की भाँति आयोजित समारोह में छात्रों ने विभिन्न स्पर्धाओं में सहर्ष भाग लिया। स्वर्ण पदक (1), कास्य पदक (1) प्राप्त हुए।

विशिष्ट व्याख्यानमाला

दिनांक 06.03.2017 से 11.03.2017 तक विशिष्ट व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया।

- व्याकरण विभाग - दिनांक 06.03.2017 एवं 07.03.2017 को व्याकरण विभागीय संगोष्ठी आयोजित की गई।
- ज्योतिष विभाग - दिनांक 07.03.2017 एवं 08.03.2017 को ज्योतिष विभागीय संगोष्ठी आयोजित की गई।
- साहित्य विभाग - दिनांक 08.03.2017 एवं 09.03.2017 को साहित्य विभागीय संगोष्ठी आयोजित की गई।
- आधुनिक विभाग - दिनांक 09.03.2017 एवं 10.03.2017 को आधुनिक विभागीय संगोष्ठी आयोजित की गई।
- शिक्षाशास्त्र विभाग - दिनांक 10.03.2017 एवं 11.03.2017 को शिक्षाशास्त्र विभागीय संगोष्ठी आयोजित की गई।

ज्योतिष वास्तुशास्त्र शिक्षण केन्द्र

विद्यापीठ में ज्योतिष वास्तुशास्त्र परिचय पाठ्यक्रम का संचालन केन्द्र समन्वयक डॉ. आशीष कुमार चौधरी द्वारा किया गया।

संगणक प्रयोग शाला

विद्यापीठ छात्र सुविधा हेतु शिक्षाशास्त्र विभाग में 10 संगणक, प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य- 06 संगणक प्रयोगशाला की व्यवस्था की गई है।

संकाय सदस्यों द्वारा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/अभिविन्यास पाठ्यक्रम।

- दिनांक 23.02.2017 से 16.03.2017 तक मुम्बई विश्वविद्यालय के अन्तर्गत मानवसंसाधन विकास केन्द्र ने आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में डॉ. नारायणन्. ई. आर्. सहायकाचार्य (साहित्य विभाग) ने भाग ग्रहण किया।

यू.जी.सी निरीक्षण -

दिनांक 08.09.2016 से 10.09.2016 तक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रेषित निरीक्षण समिति द्वारा प्रो. पंकज जानी के नेतृत्व में मुम्बई परिसर का निरीक्षण किया गया।

सरदार वल्लभभाई पटेल जयन्ती समारोह

सरदार वल्लभभाई पटेल जयन्ती का समारोह 31.10. 2016 को राष्ट्रिय एकता दिवस के रूप में मनाया गया तथा संस्थान प्रकाशन की प्रदर्शनी आयोजित की गई।

संविधान दिवस

भारत सरकार के नोटिफिकेशन के आधार पर नवम्बर, 2016 में संविधान दिवस मनाया गया।

स्वामी विवेकानन्द जयन्ती

मुख्यालय की सूचनानुसार 12.01.2017 को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती मनाई गई जिसमें देवी सरस्वती का पूजा-पाठ किया गया।

बसंत पंचमी

बसंत पंचमी के अवसर पर परिसर के सभी कर्मचारी शैक्षणिक कर्मचारी एवं छात्रों ने देवी सरस्वती की वंदना की।

भावी योजना

- 2016-17 सत्र में भवन निर्माण का कार्य प्रारम्भ।
- डी.टी.पी. संस्कृत अनौपचारिक प्रक्षिण का प्रारम्भ।
- परिसर में शैक्षिक विभाग में अभिवृद्धि हेतु वेद कर्मकाण्ड विषय, जैन दर्शन विषय प्रारम्भ करने हेतु संस्थान से स्वीकृति प्राप्त करने का प्रयास।
- शिक्षा शास्त्री पाठ योजना निर्माण कार्यशाला आरम्भ करना।
- संस्कृत विज्ञान केन्द्र की स्थापना और उसका सम्पादन का प्रयास करना।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम के अन्तर्गत प्राप्त/ उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 03

उत्तर प्रेषित - 03

4.2.11 दिल्ली परिसर, नई दिल्ली

परिसर-परिचय

वर्तमान में दिल्ली परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय के भवन 56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली-58 में स्थापित किया गया है। पत्राचार पाठ्यक्रम एवं दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम दिल्ली परिसर द्वारा चलाये जा रहे हैं। इस परिसर के पास पुस्तकालय, प्रकाशन खण्ड एवं शोध केन्द्र इत्यादि भी हैं। परिसर की गतिविधियाँ अधोलिखित हैं–

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण
2. पत्राचार पाठ्यक्रम
3. मुक्त स्वाध्यायपीठम् के दिल्ली स्वाध्याय केन्द्र द्वारा दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम।
4. संगोष्ठियों/कार्यशालाओं इत्यादि का संयोजन।
5. मुक्तस्वाध्यायपीठम् के द्वारा लक्षित समूह की आवश्यकतानुसार अल्पकालीन शिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।
6. शोध गतिविधियों का संयोजन
7. अधोलिखित कार्यक्रमों का संगठन
    - संस्कृत सप्ताह
    - स्थापना दिवस
    - राष्ट्रिय संगोष्ठियाँ
    - युव महोत्सव
    - कौमुदी महोत्सव
    - अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

दिल्ली परिसर द्वारा संगठित/संयोजित कार्यक्रमों का विवरण वार्षिक प्रतिवेदन के 5वें अध्याय (वर्ष के मुख्य समारोह) में दिया गया है।

4.2.12 एकलव्यपरिसर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा

1. परिचय

भारत के सुदूर पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं संस्कृत की महान परम्पराओं के पुनरुज्जीवन और प्रचार प्रसार हेतु संस्थान द्वारा कृत संकल्प तथा तत्कालीन कुलपति एवं कुलसचिव महोदय के सत् प्रयास के परिणामस्वरूप त्रिपुरा राज्य की राजधानी अगरतला के मोहनपुर क्षेत्र में संस्थान परिसर का आरम्भ स्वामी विवेकानन्दमहाविद्यालय में 04 जून, 2013 को किया गया। वर्तमान में त्रिपुरा सरकार ने ओल्ड आई.ए.एस.ई. भवन के रिक्त होने के कारण एकलव्य परिसर को संचालन करने के लिए दिया है जो कि अगरतला नगर के बीच में स्थित है। सत्र 2015-16 में इसी स्थान पर एकलव्य परिसर का अध्ययन व अध्यापन होगा।

इस प्रदेश का नाम त्रिपुरा यहाँ की प्रसिद्ध अधिष्ठात्री देवी माता त्रिपुरेश्वरी के कारण से पड़ा। त्रिपुरा को मुख्यरूप से जनजातियों की भूमि कहा जाता है। यहां पर मुख्यरूप से देवबर्मा, रियाङ्, जमातिया, चकमा, हालम, लुसाई, मोग्स इत्यादि जनजातियां निवास करती हैं। बांग्लादेश का विभाजन होने के बाद बंगाली भी बहुत बड़ी संख्या में त्रिपुरा में बसे हुए हैं।

त्रिपुरा की राजधानी अगरतला साक्षात् हवाई सेवा द्वारा कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई, मुम्बई, हैदराबाद एवं गुवाहाटी इन क्षेत्रों से जुड़ी हुई है। त्रिपुरा का राष्ट्रीय उच्च मार्ग नं. 44 अगरतला को असम के साथ भारत के दूसरे हिस्सों से भी जोड़ता है। जिसे त्रिपुरा की जीवनरेखा के नाम से भी जाना जाता है। सन् 2008 से यह रेल माध्यम से भी भारत के दूसरे हिस्सों से जुड़ गया है।

यहां के दर्शनीय स्थलों में माताबडी (त्रिपुरेश्वरी) कमला सागर, नीरमहल, जगन्नाथ मन्दिर, चतुर्दश देवता मन्दिर तथा उनकोटी इत्यादि स्थल बहुत प्रसिद्ध हैं। यहां पर दुर्गापूजा एवं सरस्वती पूजा धूमधाम से मनाई जाती है। यहाँ का प्राकृतिक सौन्दर्य एवं वातावरण बहुत रमणीय है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, त्रिपुरा राज्य के पश्चिम त्रिपुरा जिले में अगरतला के पास स्थित राधानगर में अवस्थित है। इस परिसर के आसपास के क्षेत्रों में प्रसिद्ध देवी देवताओं के माताबडी (त्रिपुरेश्वरी) कमला सागर, जगन्नाथ मन्दिर, चतुर्दश देवता मन्दिर तथा उनकोटी अवस्थित है।

2. उपलब्ध पाठ्यक्रम

क्र.सं.	कक्षा का नाम	अवधि	समकक्ष	विषय (शास्त्रीय)	विषय (आधुनिक)
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	बारहवीं	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, बौद्धदर्शन	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक
2.	शास्त्री	3 वर्ष	बी.ए.	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, बौद्धदर्शन	विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण
3.	आचार्य	2 वर्ष	एम.ए.	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, बौद्धदर्शन, धर्मशास्त्र	

4.	विद्यावारिधि		पीएच.डी	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, बौद्धदर्शन, धर्मशास्त्र
5.	शिक्षा-शास्त्री	2 वर्ष	बी.एड.	

3. परिसर में विद्यमान प्रयोगशालायें

मनोविज्ञान प्रयोगशाला

परिसर में विविध उपकरणों से सुसज्जित मनोविज्ञान प्रयोगशाला है, जिनसे परम्परागत संस्कृत छात्रों को विविध मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का अभ्यास करवाया जाता है ताकि वे छात्रों से सम्बन्धित समस्याओं का निवारण कर अपने शिक्षण में नूतन पद्धतियों का अनुसरण कर सकें।

शैक्षणिक तकनीकि एवं भाषा प्रयोगशाला

संस्थान परिसर में शैक्षिक तकनीकि प्रयोगशाला भी विविध नवीनतम उपकरणों से युक्त है, जिसमें भावी अध्यापकों एवं छात्रों को ओवर हैड प्रोजेक्टर, कम्प्यूटर द्वारा पावर पॉइन्ट प्रेजेन्टेशन, स्लाइड प्रोजेक्टर आदि का प्रयोग करते हुए संस्कृत शिक्षण को प्रभावी बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से श्रवण एवं भाषण कौशलों का विकास किया जाता है।

संगणक (कम्प्यूटर) प्रयोगशाला

संस्थान परिसर में छात्रों को कम्प्यूटर की अनिवार्य शिक्षा देने के लिए एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला भी है।

छात्रावास व्यवस्था

पुरुष तथा महिला छात्रावास की व्यवस्था उपलब्ध है। नियमित छात्र एवं छात्राओं को परिसर से दूरी एवं गत कक्षा में वरीयता के आधार पर छात्रावास में स्थान दिया जाता है।

गतिविधियां

योगमहोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एकलव्यपरिसर ने मई मास में दिनांक 27 एवं 28 को योग महोत्सव का परिपालन किया। शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक स्वास्थ्य की वृद्धि एवं योग के प्रचार हेतु परिसर प्राचार्य आचार्य सर्वनारायण झा की अध्यक्षता में इस कार्यक्रम का परिपालन किया गया। इस कार्यक्रम में परिसर के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के साथ अगरतला स्थित मैत्री-भारतीनिम्नबुनियादि विद्यालय के सभी अध्यापकों एवं छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अन्तर्राष्ट्रियोगदिवस

संस्थानमुख्यालय के निर्देशानुसार सम्पूर्ण विश्व के साथ एकलव्यपरिसर ने दिनांक 21.06.2017 को अन्तर्राष्ट्रिय योगदिवस का उत्साह के साथ परिपालन किया। इस कार्यक्रम में श्री श्री रविशंकर फाउण्डेशन के राज्यसंयोजक श्रीबिमान-कान्तिमजूमदार मुख्यवक्ता के रूप में उपस्थित हुए जिन्होंने पातञ्जयोगसूत्र के ऊपर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी परिसर प्राचार्य डॉ. श्रीगोबिन्दपाण्डेयमहोदय द्वारा की गई। श्रीबिमानकान्तिमजूमदार जी के मार्गनिर्देशन में परिसरीय प्राध्यापकों एवं कार्यालय कर्मचारियों ने योगाभ्यास किया। कार्यक्रम के अन्त में कार्यक्रम के संयोजक साहित्य- विभागीय प्राध्यापक डॉ. कृपाशंकरशर्मा द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

स्वातन्त्र्योत्सवपक्ष

एकलव्यपरिसर ने अगस्त मास में 9 से लेकर 23 दिनांक 2016 तक स्वातन्त्र्योत्सव पक्ष का परिपालन किया। इस उपलक्ष्य में परिसर द्वारा भाषण, गीत, नाटक इत्यादि अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने बढ चढकर भाग लिया। 15 अगस्त के दिन एकलव्यपरिसर से लेकर जगन्नाथ मन्दिर तक सभी परिसरीय छात्रों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने शोभायात्रा निकाली जिसमें विविध गीतों, कविताओं तथा आदर्शवाक्यों का उच्चारण कर स्वतन्त्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीरों का स्मरण कर उन्हें श्रद्धाञ्जलि प्रदान की गई। इसके पश्चात प्रात: 8:30 बजे परिसर प्राचार्य द्वारा ध्वजारोहण कर समस्त परिसरीय सदस्यों को सम्बोधित किया गया। पक्ष के अन्त में स्पर्धाओं में विजयी रहे छात्रों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

संस्कृतसप्ताह कार्यक्रम

दिनांक 16.08.2016 से 22.08.2016 तक एकलव्य परिसर ने संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया जिसके उद्घाटन कार्यक्रम में त्रिपुरा विश्वविद्यालय के संस्कृतविभाग के पूर्व अध्यक्ष आचार्य सीतानाथ दे मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा के महत्त्व तथा विशेष रूप से पूर्वोत्तर क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषाओं पर संस्कृत के प्रभाव को उन्होंने सोदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसरप्राचार्य आचार्य सर्वनारायण झा ने की। संस्कृत सप्ताह के उपलक्ष्य में परिसर में छात्रों के लिए भाषण, आशुभाषण, संस्कृतगीत, प्रश्नमञ्च, समस्यापूर्ति, श्लोकोच्चारण, निबन्धलेखन, भाषानुवाद इत्यादि अनेक शैक्षिक प्रतियोगिताऐं आयोजित की गई।

22 अगस्त को संस्कृत सप्ताह का समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें एम.बि.बि. महाविद्यालय के पूर्व संस्कृतविभागाध्यक्ष आचार्य रामेश्वरभट्टाचार्य मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए। समारोह के अन्त में स्पर्धाओं मे विजयी रहे छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

भाषाबोधनवर्ग

22.08.2016 से 22.09.2016 पर्यन्त शिक्षाशास्त्रविभाग ने एक मासात्मक भाषाबोधनवर्ग का आयोजन किया। इस वर्ग में संस्कृत, हिन्दी, आङ्ग्ल, बाङ्ग्ला इत्यादि भाषाओं के लिंग, वचन, पुरुष एवं उनके प्रयोग से छात्रों का परिचय एवं अभ्यास करवाया, जिससे छात्रों का बहुत लाभ हुआ।

गणेशोत्सव एवं शिक्षकदिवससमारोह

दिनांक 05.09.2016 को एकलव्यपरिसर में गणेशोत्सव एवं शिक्षकदिवस का परिपालन किया गया जिसमें प्रातः वैदिक विधान से भगवान गणेश जी का सर्मचन तथा अपराह्ण में पसिरीय छात्रों द्वारा गुरुपूजन किया गया। कार्यक्रम में परिसर के सभी विभागों के अध्यक्ष, प्राध्यापक एवं कार्यालय कर्मचारी उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिसर प्राचार्य ने छात्रों को शुभाशीर्वाद प्रदान कर भविष्य में सफलता प्राप्ति के लिए प्रेरित किया।

हिन्दी पखवाड़ा

दिनांक 14.09.2016 से 28.09.2016 तक हिन्दी भाषा के विकास एवं प्रचार प्रसार के लिए एकलव्यपरिसर में हिन्दी पखवाड़ा का परिपालन किया गया जिसके उद्घाटन कार्यक्रम में विशिष्टातिथि के रूप में एकलव्य परिसर के साहित्यविभाग के अध्यक्ष प्रो. सच्चिदानन्दतिवारी उपस्थित हुए। कार्यक्रम में परिसर के सभी विभागों के अध्यक्ष, प्राध्यापक एवं कार्यालय कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता धर्मशास्त्रविभागाध्यक्ष प्रो. खगेश्वर मिश्र ने की।

हिन्दी पखवाड़ा के उपलक्ष्य में परिसर में अनेक स्पर्धाओं जैसे निबन्धलेखन, भाषण, कवितापाठ इत्यादि का आयोजन भी किया गया। हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम के समापन समारोह में अगरतला स्थित हिन्दी उच्चतर कन्या माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती मधुमितादत्ता मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुई, जिन्होंने आधुनिक समाज के उत्कर्ष के लिए हिन्दी भाषा एवं उसके साहित्य की प्रासङ्गिकता इस विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अन्त में स्पर्धाओं में विजयी छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

मुक्तस्वाध्यायपीठ एवं सम्पर्क कक्षाओं का उद्घाटन

सितम्बर मास में दिनांक 22 को मुक्तस्वाध्यायपीठ के छात्रों के लिए सम्पर्क कक्षाओं का आरम्भ किया गया जिसके साथ ही एकलव्य परिसर में मुक्तस्वाध्यायपीठ का भी शुभारम्भ हो गया। उद्घाटन कार्यक्रम मे एकलव्य परिसर के सभी प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य ने की। मुक्तस्वाध्यायपीठ मे संयोजक के रूप में साहित्यविभाग के सहायकाचार्य डॉ. कृपाशंकर को संस्थान मुख्यालय द्वारा नियुक्त किया गया है।

राज्यस्तरीयशास्त्रीय भाषण स्पर्धा

एकलव्य परिसर ने अक्टूबर मास में 22 दिनांक को अखिलभारतीय शास्त्रीयस्पर्धा में भाग लेने हेतु परिसर प्राचार्य आचार्य सर्वनारायणझा की अध्यक्षता में पूर्वोत्तर राज्यस्तरीय शास्त्रीय चयनस्पर्धा का आयोजन किया गया। इस चयनस्पर्धा में परिसरीय छात्रों ने साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, वेदान्त, सांख्य, बौद्धदर्शन की भाषण स्पर्धाओं में भाग लिया।

शैक्षणिक पर्यवेक्षण

दिनांक 25.10.2016 को एकलव्य परिसर का शैक्षणिक पर्यवेक्षण (अकादमिक अङ्केक्षण) भारतवर्ष के सुप्रसिद्ध विद्वानों आचार्यरामकृष्णामाचार्युलु, आचार्यरामानुजदेवनाथन एवं आचार्यसुदेशशर्मा द्वारा किया गया। इस पर्यवेक्षण में एकलव्य

परिसर में शैक्षिक स्थिति एवं छात्रों के शैक्षिक विकास हेतु परिसर द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी ली गई।

राष्ट्रिय एकता सप्ताह

सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में दिनांक 31.09.2016 से लेकर दिनांक 07.10.2016 तक एकलव्य परिसर में राष्ट्रिय एकता सप्ताह का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत छात्रों के विकास हेतु एक सप्ताह पर्यन्त निबन्धलेखन, घोषवाक्यनिर्माण, एकता गीतगायन एवं भाषण इत्यादि स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। दिनांक 31.10. 2016 को राष्ट्रिय एकता सप्ताह के समापन के अवसर पर स्पर्धाओं में विजयी रहे छात्रों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यालयीय कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 07.11.2016 से 17.11.2016 पर्यन्त एकलव्य परिसर में कार्यालयीय कर्मचारियों के लिए In-Service-Skill Development Capacity Building Training Program इस विषय पर अखिलभारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन अगरतला स्थित त्रिपुरा राज्य अतिथि भवन में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्पूर्ण भारतवर्ष के राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के सभी परिसरों से 24 कार्यालयीय कर्मचारियों ने भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन के अवसर पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति आचार्य परमेश्वरनारायण शास्त्री स्वयं उपस्थित थे।

नवम अन्तःपरिसरीय युवमहोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष युवमहोत्सव के माध्यम से आयोजित की जाने वाली शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं क्रीडास्पर्धाओं का आयोजन इस वर्ष राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एकलव्य परिसर अगरतला में नवम्बर मास में दिनांक 18 से 21 तक किया गया। सम्पूर्ण भारतवर्ष से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के सभी परिसरों से सहस्राधिक छात्रों ने अपने मार्गदर्शकों सहित इस नवम अन्तः परिसरीय युवमहोत्सव में भाग लिया।

अखिलभारतीयशास्त्रीयस्पर्धा कार्यक्रम

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एकलव्य परिसर में दिसम्बर मास में दिनांक 28 से 31 पर्यन्त 55वीं अखिलभारतीयशास्त्रीयस्पर्धा का आयोजन कमलघाट नामक स्थान पर स्थित ICFAI विश्वविद्यालय में किया गया। शास्त्रीयस्पर्धाओं से सम्बन्धित इस प्रकार का अखिलभारतस्तरीय कार्यक्रम प्रथम बार पूर्वोत्तर में आयोजित किया गया। इस शास्त्रीयस्पर्धा कार्यक्रम में सम्पूर्ण भारतवर्ष से लगभग 350 प्रतिस्पर्धियों ने भाग लिया।

गणतन्त्रदिवस

दिनांक 26 जनवरी को गणतन्त्र दिवस का आयोजन एकलव्य परिसर में उत्साहपूर्वक किया गया। परिसर प्राचार्य आचार्य खगेश्वरमिश्र द्वारा ध्वजारोहण कर भारतीय सांस्कृतिक धरोहर का स्मरण करते हुए स्वतन्त्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले तथा भारत को स्वतन्त्रता दिलाने वाले वीरों का गौरवगान कर उन्हें श्रद्धाञ्जली दी।

मातृभाषा दिवस

दिनांक 21.02.2017 को एकलव्य परिसर में मातृभाषा दिवस का परिपालन किया गया जिसमें राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के जैन-बौद्ध-सर्वदर्शन विभाग के संकायाध्यक्ष आचार्य विजयकुमार जैन मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा की मातृभाषा हमारा माता के दुग्ध के समान पोषण कर उपकृत करती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य ने की। मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में छात्रों के लिए निबन्ध एवं भाषण इत्यादि स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे परिसर के सभी प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित हुए।

वार्षिकस्पर्धा

प्रतिसत्र की तरह इस सत्र में भी एकलव्य परिसर में वार्षिक स्पर्धाओं (शैक्षिक एवं क्रीडा स्पर्धाओं) का आयोजन मार्च मास के द्वितीय एवं तृतीय मास में किया गया जिसमें शैक्षिक स्पर्धाओं में भाषण, सुभाषित कण्ठपाठ, संस्कृत गीत, एकपात्राभिनय, समूहनृत्य, एकलनृत्य इत्यादि तथा क्रीडास्पर्धाओं में धावन, गोलक्षेपण, चक्रक्षेपण, कुन्तक्षेपण, वालीबाल, कबड्डी, चतुरङ्ग एवं योगासनादि स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। सभी स्पर्धाओं में परिसरीय छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

छन्दशास्त्रीय कार्यशाला

एकलव्य परिसर के साहित्य विभाग द्वारा मार्च मास में दिनांक 20 एवं 21 को छन्दःशास्त्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में केन्द्रियहिमालयसंस्कृतशिक्षणसंस्थान,

दाहुग, अरुणाचलप्रदेश से डॉ. राधेश्याममिश्र विषय-विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हुए। इस कार्यशाला में एकलव्य परिसर के 42 छात्रों ने भाग लिया।

राष्ट्रिय सङ्गोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान

व्याकरण विभागीय सङ्गोष्ठी

सितम्बर मास में दिनांक 17 को एकलव्य परिसर के व्याकरण विभाग ने समासक्रियाविमर्श: इस विषय पर राष्ट्रिय सङ्गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें मुख्यातिथि/मुख्यवक्ता के रूप में कोलकाता स्थित श्रीसीतारामवैदिकादर्शसंस्कृतमहा-विद्यालय के व्याकरण विषय के प्राध्यापक डॉ. सुधाकरमिश्र उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसरप्राचार्य आचार्य सर्वनारायण झा द्वारा की गई। सङ्गोष्ठी में 15 विद्वानों ने शोधपत्र पढ़े।

साहित्यविभागीय सङ्गोष्ठी

सितम्बर मास में दिनांक 18 को एकलव्य परिसर के साहित्य विभाग ने संस्कृतसाहित्यस्य दिशानिर्देशनं समसामयिक-सम्भावनाश्च इस विषय पर राष्ट्रिय सङ्गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें मुख्यातिथि/मुख्यवक्ता के रूप में कोलकाता स्थित श्रीसीतारामवैदिकादर्शसंस्कृतमहाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सोमेश्वरमिश्र उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य आचार्य सर्वनारायण झा द्वारा की गई। सङ्गोष्ठी में 16 विद्वानों ने शोधपत्र पढ़े।

ज्योतिषविभागीय सङ्गोष्ठी

फरवरी मास में दिनांक 06 एवं 07 को एकलव्य परिसर के ज्योतिषविभाग ने सन्ततिविचार: इस विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रियसङ्गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें मुख्यातिथि/मुख्यवक्ता के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर के ज्योतिषविभागाध्यक्ष आचार्य मदनमोहनपाठक उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य आचार्य सर्वनारायण झा द्वारा की गई। सङ्गोष्ठी में 15 विद्वानों ने शोधपत्र पढ़े।

अद्वैतवेदान्तविभागीय सङ्गोष्ठी

फरवरी मास में दिनांक 08 एवं 09 को एकलव्य परिसर के अद्वैतवेदान्तविभाग के साम्प्रतिके युगे भगवद्गीताया: प्रासङ्गिकता इस विषय पर राष्ट्रियसङ्गोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें मुख्यातिथि/मुख्यवक्ता के रूप में पुरी स्थित श्री जगन्नाथसंस्कृतविश्वविद्यालय के अद्वैतवेदान्त विभाग के अध्यक्ष प्रो.प्रभातरञ्जनमहापात्र उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसरप्राचार्य आचार्य सर्वनारायण झा ने की। सङ्गोष्ठी में 30 विद्वानों ने शोधपत्र पढ़े।

धर्मशास्त्रविभागीय सङ्गोष्ठी

फरवरी मास के दिनांक 15 एवं 16 को एकलव्य परिसर के धर्मशास्त्रविभाग ने अधिमासविचार: इस विषय पर राष्ट्रिय सङ्गोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें मुख्यातिथि/मुख्यवक्ता के रूप में श्रीलालबहादुरराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठ के धर्मशास्त्र-विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुधांशुभूषणपण्डा उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य आचार्य सर्वनारायण झा ने की। सङ्गोष्ठी में कुल 22 विद्वानों ने शोधपत्र पढ़े।

शिक्षाशास्त्रविभागीय सङ्गोष्ठी

फरवरी मास में दिनांक 18 एवं 19 को एकलव्य परिसर के शिक्षाशास्त्रविभाग ने विद्यालयशिक्षणे आधुनिकविधीनां योगदानम् इस विषय पर राष्ट्रियसङ्गोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें मुख्यातिथि/मुख्यवक्ता के रूप में राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान लखनऊ परिसर के शिक्षाशास्त्रविभाग के अध्यक्ष प्रो. लोकमान्यमिश्र जी उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसरप्राचार्य आचार्य सर्वनारायण झा ने की। सङ्गोष्ठी में कुल 30 विद्वानों ने शोधपत्र पढ़े।

आधुनिकविभागीय सङ्गोष्ठी

फरवरी मास में दिनांक 19 एवं 20 को एकलव्य परिसर के आधुनिकविभाग ने संस्कृतोन्नत्यै आधुनिकविषयाणां भूमिका इस विषय पर राष्ट्रियसङ्गोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें मुख्यातिथि/मुख्यवक्ता के रूप में त्रिपुरा केन्द्रियविश्व- विद्यालय के संस्कृतविभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. सीतानाथ दे उपस्थित हुए। सङ्गोष्ठी में कुल 20 विद्वानों ने शोधपत्र पढ़े।

बौद्धदर्शनविभागीय सङ्गोष्ठी

फरवरी मास में दिनांक 21 एवं 22 को एकलव्य परिसर के बौद्धदर्शनविभाग ने बौद्धन्यायस्य वैशिष्ट्यम् इस विषय पर राष्ट्रियसङ्गोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें मुख्यातिथि /मुख्यवक्ता के रूप में राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान के बौद्ध-जैन-सर्वदर्शनसंकाय के अध्यक्ष प्रो.विजयकुमार जैन उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य आचार्य सर्वनारायण झा ने की। सङ्गोष्ठी में कुल 20 विद्वानों ने शोधपत्र पढ़े।

स्थानान्तरण

- परिसर के धर्मशास्त्रविभाग के आचार्य श्रीललितकुमारसाहु का स्थानान्तरण पुरी स्थित श्री सदाशिव परिसर में हुआ।
- शिक्षाशास्त्र विभाग के सहायकाचार्य डॉ. श्रीगोविन्दपाण्डेय का स्थानान्तरण भोपाल परिसर में हुआ।
- धर्मशास्त्रविभाग के आचार्य श्री खगेश्वरमिश्र का स्थानान्तरण श्री सदाशिव परिसर से एकलव्य परिसर में हुआ।

नवागमन

- शिक्षाशास्त्र विभाग में डॉ. महेश पाणिग्राही एवं डॉ. जितेन्द्ररायगुरु, धर्मशास्त्रविभाग में डॉ. प्रियदर्शिनी मेकप तथा साहित्यविभाग में डॉ. जितेन्द्रतिवारी ने अंशकालिक प्राध्यापक के रूप में एकलव्य परिसर में कार्यभार ग्रहण किया।

एकलव्य परिसर के छात्रों की उपलब्धियाँ

- शिक्षाशास्त्र की द्वितीय वर्ष की छात्रा जयश्री बैरा तथा प्राक्शास्त्री प्रथमवर्ष की छात्रा तस्लीमा खातून ने महाराष्ट्र में नागपुर नामक स्थान पर आयोजित राष्ट्रिय खो-खो स्पर्धा में त्रिपुरा राज्य की तरफ से भाग लिया।
- एकलव्य परिसर में आयोजित नवम अन्त:परिसरीय युवमहोत्सव में क्रीडास्पर्धा में बालिकाओं के खो-खो दल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। शिक्षाशास्त्र की द्वितीय वर्ष की छात्रा जयश्री बैरा ने योगस्पर्धा में द्वितीय स्थान, प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष की छात्रा तस्लीमा खातून ने 100 मी. एवं 200 मीटर धावनस्पर्धा में तृतीय स्थान, प्राक्शास्त्री प्रथमवर्षीय छात्रा संगीता सरकार ने गोलक्षेपणस्पर्धा में तृतीय स्थान प्राप्त किया। शैक्षिकस्पर्धा में बालिकाओं के सामूहिक नृत्य के दल ने तृतीय स्थान, सुभाषितकण्ठपाठ-स्पर्धा में शास्त्री द्वितीयवर्ष के छात्र भास्करव्यानार्जी ने तृतीय स्थान तथा चित्रकला स्पर्धा में शिक्षाशास्त्री प्रथमवर्ष के छात्र प्रसनजित पति ने द्वितीयस्थान प्राप्त किया।
- राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान द्वारा नव देहली में आयोजित नाट्य-महोत्सव में एकलव्य परिसर के समूह द्वारा प्रस्तुत 'अङ्गुष्ठदानम्' नामक नाटक के लिए सान्त्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। आचार्य द्वितीयवर्ष की छात्रा प्रियंका शर्मा ने नाटक में अभिनय के लिए सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम के अन्तर्गत प्राप्त/ उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त – 0

उत्तर प्रेषित – 0

4.2.13 श्रीरघुनाथ-कीर्ति-परिसर, देवप्रयाग, उत्तराखण्ड

परिसर परिचय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा श्रीरघुनाथ कीर्ति आदर्श संस्कृत-महाविद्यालय (स्थापित 1908), देवप्रयाग को अपने त्रयोदश परिसर के रूप में दिनांक 16.06. 2016 को अधिगृहीत किया गया। पूर्व महाविद्यालय की तरह इस परिसर का नामकरण भी दो पौराणिक नदी अलकनन्दा एवं भागीरथी के दिव्य संगमस्थल के समीप पहाडों की कत्यूरी-शैली में निर्मित प्राचीन श्रीरघुनाथ जी के मन्दिर में विद्यमान प्रसिद्ध देवता श्रीरघुनाथजी के नाम पर हुआ है। यही स्थान वास्तविक रूप से गंगा का उद्गम-स्थान भी है।

दिनांक 16. 06. 2016 को इस परिसर का उद्घाटन उत्तराखण्ड के माननीय शिक्षामन्त्री श्री मन्त्रीप्रसाद नैथानी द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के माननीय कुलपति श्री पी.एन. शास्त्री, पूर्व राज्यसभा-सदस्य श्री एम. के ध्यानी एवं सूचना आयुक्त श्री राजेन्द्र कोटियाल की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। यहाँ पूर्व से गतिमान् संस्कृत-महाविद्यालय ने परिसर को अपनी परिसरस्थ 3.443 हेक्टेयर भूमि दान कर दी। साथ ही उत्तराखण्ड सरकार ने भी 9.228 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराई। इस प्रकार परिसर के पास कुल 23 एकड भूमि वर्तमान है जिसे सम्बद्ध परिसरीय समिति से परामर्श के पश्चात् आवश्यक शैक्षिक, प्रशासनिक आवासीय (बालक छात्रवास, बालिका छात्रवास एवं स्टाफ क्वार्टर), ग्रन्थालय, सभागृह (अडिटोरियम), खेल मैदान (स्टेडियम) आदि के निर्माण हेतु सी. पी. डब्ल्यू. डी. की श्रीनगर शाखा को ले-आउट भूमि सौंप दी गई है। परिसर-प्राचीर का (बाउण्ड्री)-निर्माण-कार्य प्रगति पर है और भवन-निर्माण-कार्य आगामी मई 2017 से प्रारम्भ हो जायेगा।

परिसर की अवस्थिति

जहाँ तक परिसर की भौगोलिक, ऐतिहासिक, पौराणिक तथा शैक्षिक स्थिति का प्रश्न है, देवप्रयाग उत्तराखण्ड (पूर्व उत्तराञ्चल और इससे पूर्व उत्तरप्रदेश) में विद्यमान है जो सांस्कृतिक दृष्ट्या देवभूमि के नाम से प्रसिद्धि-प्राप्त है। इस देवभूमि में न केवल प्रसिद्ध ज्योतिर्मठों में अन्यतम श्रीबद्रिकाश्रम-धाम अवस्थित है अपितु द्वादश-ज्योतिर्लिंगों में प्रधान श्रीकेदारनाथ जी भी यहाँ विराजमान है। साथ ही भारतीय संस्कृति की अमूल्य स्रोतस्विनी श्रीगंगा एवं श्री यमुना का उद्गम-स्थान भी यही पावन प्रदेश है। देवतात्मा हिमालय आज भी यहाँ पृथ्वी के मानदण्ड की गौरवमयी गाथा को अपनी अमित-प्रभा से भासित कर रहा है। पौराणिक मान्यता (स्कन्दपुराण-केदारखण्ड) के अनुसार देवशर्मा नामक तपस्वी के नाम से इस स्थान को देवप्रयाग नाम से जाना जाता है जिन्होंने कभी यहाँ घोर तपस्या की थी। उत्तराखण्ड के पाँच प्रयागों में देवप्रयाग प्रथम प्रयाग है जिसके बाद रुद्रप्रयाग, कर्णप्रयाग, नन्दप्रयाग एवं विष्णुप्रयाग का क्रम आता है। देवप्रयाग का नगरीय-भूभाग तीन पर्वत-मालाओं से परिवेष्टित है। भगवान् श्रीरघुनाथ जी के मन्दिर वाला भूप्रदेश गृद्धाचल-श्रेणी में आता है, दूसरा भागीरथी का दक्षिण-तटीय भाग दशरथाचल शृंखला में है, तथा तीसरा अलकन्दा-तटीय भाग नृसिंहाचल नाम से जाना जाता है। यहाँ की मान्यतानुसार, प्राचीन समय से ही देवप्रयाग का नृसिंहाचल विद्या-क्षेत्र के नाम से अभिहित है। उल्लेख्य है कि यह एक मात्र प्रदेश है जहाँ संस्कृत को प्रदेश की द्वितीय राजभाषा बनाया गया है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

पूर्व महाविद्यालय में उपलब्ध 10 कक्षा-प्रकोष्ठविशिष्ट सीमित भवन में ही नूतनतया प्रतिष्ठित यह परिसर अब व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वेद एवं न्याय जैसे पाँच विभागों में लगभग 50 छात्रों को अधोलिखित कक्षाओं में नियमित शिक्षा प्रदान कराना प्रारम्भ कर दिया है जिन्हें उपर्युक्त पारम्परिक विषयों के साथ साथ स्नातक-समकक्ष आधुनिक विषयों (हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास एवं कंप्यूटर साइंस आदि) का भी ज्ञान कराया जाता है।

- प्राक्-शास्त्री (इंटर मीडिएट)
- शास्त्री (स्नातक)
- आचार्य (स्नातकोत्तर)

- विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) - अन्य परिसरों से स्थानान्तरित कुछ शोध-छात्र यहाँ कार्यरत हैं

अग्रिम-पाठ्ययोजना

- अग्रिम वर्षों में यहाँ शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) कक्षा भी खोलने की सम्भावना है।

अनौपचारिक शिक्षण -

- संस्कृत सम्भाषण पाठ्यक्रम - संस्कृत में बोलने को प्रोत्साहित करने के लिए अनौपचारिक रूप से यहाँ सम्भाषण-संस्कृत की कक्षा भी चलाई जाती है। यहां 03 मई से 13 मई 2017 तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की प्रथम दीक्षा एवं द्वितीय दीक्षा का पाठ्यक्रम आवासीय चलाया जाना है।
- प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सार्टीफिकेट कोर्स) - ज्योतिष, वास्तु एवं योग

अन्य क्रियाकलाप / समारोह / कार्यशालाओं का पूर्ण विवरण।

- **राष्ट्रीय संगोष्ठी, कार्यशाला एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला** - समय-समय पर इस परिसर में प्रत्येक विभाग की ओर से राष्ट्रीय संगोष्ठी, कार्यशाला एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला का भी आयोजन किया जाता है।
- **विशिष्ट-व्याख्यानमाला** - इस परिसर में विविध-विभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमालाएं 23.01.17 से 31.01.2017 तक सम्पन्न हुई
- **व्याकरणविभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमाला** 23.01.2017 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यान का विषय-कैयटादि भाष्य-व्याख्याताओं की उदात्तादिस्वरूप विषयक महती भ्रान्ति। मुख्यवक्ता - प्रो.-विजयपाल शास्त्री।
- **साहित्य-विभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमाला** 24.01.2017 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यानविषय-"समकालिक-संस्कृत-साहित्यस्य नवीना: प्रवृत्तय:"। मुख्यवक्ता - प्रो. राजेन्द्रमिश्र (पूर्वकुलपति, सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-विश्वविद्यालय)
- **ज्योतिष-विभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमाला** 27.01.2017 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यान-विषय-व्रतपर्वसु मुहूर्तविमर्श:, मुख्यवक्ता-भोपालपरिसर के ज्योतिषविभागीय आचार्य प्रो. हंसधर झा
- **वेद-विभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमाला** 28.01.2017 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यान-विषय वैदिकप्रकृति:, मुख्यवक्ता - प्रो. मनोज मिश्र
- **आधुनिक-विभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमाला** 29.01.2017 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यानविषय- ऐतिहासिक स्रोत के रूप में संस्कृत-साहित्य। मुख्यवक्ता-उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालय के इतिहास-संस्कृति-पुरातत्त्व-विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अजय परमार
- **न्यायविभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमाला** 30.01.2017 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यानविषय-न्यायशास्त्रे प्रमाणविचार:। मुख्यवक्ता - प्रो. पीयूषकान्त-दीक्षित

  राष्ट्रियसङ्गोष्ठी - परिसर में विविधविभागीय राष्ट्रियसङ्गोष्ठी दिनांक 23.01.2017 से 31.01.2017 तक सम्पन्न हुई।
- **व्याकरणविभागीय द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी** 23.01.2017 से 24.01.2017 तक आयोजित हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय "महाभाष्यस्य लौकिकालौकिकोप-योगित्वम्"।
- **साहित्य-विभागीय द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी** 24.01.2017 से 25.01.2017 तक आयोजित हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय- "संस्कृते अनूदितं लघुकथासाहित्यम्।
- **ज्योतिष- विभागीय द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी** 27.01.2017 से 28.01.2017 तक आयोजित हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय- गोलविमर्श:
- **वेद-विभागीया द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी** 28.01.2017 से 29.01.2017 तक आयोजित हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय- "वेदेषु राष्ट्रचेतना"।
- **आधुनिक-विभागीय द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी** 29.01.2017 से 30.01.2017 तक आयोजित हुई संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय "आधुनिक विषयों के साथ संस्कृत का अन्त:सम्बन्ध"।
- **न्यायविभागीय द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी** 27.01.2017 से 28.01.2017 तक आयोजित हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय-न्यायशास्त्रस्य शास्त्रान्तरेषु प्रभाव:।
- **अखिल भारतीय संस्कृत-कविसम्मेलन** - दिनांक 24.01.2017 को परिसर-प्राचार्य प्रो. के.बी सुब्बारायुडु की अध्यक्षता में एवं डा. नारायण दाश के संयोजकत्व में

एक अखिल भारतीय कविसम्मेलन अनुष्ठित हुआ जिसमें भारत के प्रतिष्ठित संस्कृत कवि अभिराज राजेन्द्रमिश्र, प्रो. बनमाली बिश्वाल, डा. निरञ्जन मिश्र, डा. नारायण दाश, डा. श्रेयांस द्विवेदी, डा. तन्मय कुमार भट्टाचार्य, डा. ब्रजेन्द्र कुमार सिंहदेव, डा. शैलेन्द्रनारायण कोटियाल, डा. मनीष जुगरान, डा. मुकेश कुमार आदि ने काव्यपाठ किया। इस अवसर पर डा. बीरेन्द्र सिंह बर्त्वाल ने स्थानीय गढवाली भाषा में एक कविता प्रस्तुत किया।

- **रिसर्च प्रोजेक्ट** – सम्प्रति दर्शनशास्त्र विषयक एक रिसर्च प्रोजेक्ट यहाँ चल रहा है।
- **परिसरीय अन्तर्जाल (website)** का उद्घाटन – चलित वर्ष परिसरीय अन्तर्जाल (website) का उद्घाटन हुआ जिसे www-srkcampus-org में देखा जा सकता है
- **संस्कृत पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन** – चलित वर्ष परिसर में अधोलिखित चार नियमित पत्रिकाओं का प्रकाशन-कार्य प्रगति पर है।
  - * 'देवभूमि-सौरभम्' – एक अन्तर्राष्ट्रीय वार्षिक शोधपत्रिका
  - * संस्कृतगङ्गा – परिसरीय शोध पत्रिका
  - * 'रघुनाथ-कीर्ति-पताका' – परिसरीय वार्षिक पत्रिका
  - * 'रघुनाथ-वार्तावली' – परिसरीय त्रैमासिक वार्ता-पत्रिका (इस पत्रिका के तीन अंक प्रकाशित हो चुके हैं)
- **विभागीय पत्रिका** – इसके अतिरिक्त सभी विभागों की ओर से 05 विभागीय पत्रिकाओं का भी प्रकाशन किया गया है।

विविध साहित्यिक सांस्कृतिक कार्यक्रम उत्सव एवं समारोह

- **परिसर-उद्घाटन-समारोह** – दिनांक 16.06.2016 को इस परिसर का उद्घाटन समारोह उत्तराखण्ड के तत्कालीन माननीय शिक्षामन्त्री श्री मन्त्रीप्रसाद नैथानी द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति श्री पी.एन. शास्त्री, पूर्व राज्यसभा-सदस्य श्री एम. के ध्यानी एवं सूचना-आयुक्त श्री राजेन्द्र कोटियाल की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।
- **राष्ट्रिय योगदिवस** – परिसर में योगदिवस 21-06-2016 को मनाया गया।
- **संस्कृत-सप्ताहोत्सव** – श्रावणी पूर्णिमा के अवसर पर 18-08-2016 से 24-08-2016 तक संस्कृत-सप्ताहोत्सव मनाया गया।
- **हिन्दी-पखवाडा** – 14-09-2016 से 28-09-2016 तक मनाया गया।
- **राष्ट्रिय एकता-सप्ताह** – सरदार बल्लभभाई पटेल-जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 31-10-2016 से 06-11-2016 तक राष्ट्रिय-एकता-सप्ताह मनाया गया।
- **स्वच्छतादिवस** – गान्धी जयन्ती के अवसर पर 2-10-2016 को परिसर में स्वच्छतादिवस मनाया गया।
- **भूमिपूजन** – परिसर में भवन-निर्माण हेतु भूमिपूजन 12-11-2016 को संस्थान के कुलपति की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुई।
- **सतर्कता दिवसोत्सव** – 25-11-2016 को परिसर में सतर्कता दिवसोत्सव (vigilance day) मनाया गया।
- **मातृभाषादिवस** – 21-02-2017 को परिसर में मातृ भाषा दिवस मनाया गया।
- **वार्षिकोत्सव** – 21. 03.2017 को परिसर का वार्षिकोत्सव मनाया गया और प्रतिभावान् छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

छात्र-प्रतिभागिता

- **नवम-अन्त:परिसरीय-युवामहोत्सव में भागग्रहण** – 17-11-2016 से 20-11-2016 तक अगरतला के एकलव्य-परिसर में आयोजित राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थान के नवम अन्त:परिसरीय युवामहोत्सव में नूतनतया उद्घाटित श्री रघुनाथकीर्तिपरिसर भी न केवल भाग लिया किन्तु इस परिसर का शास्त्री-प्रथम-वर्ष का छात्र मनीष पन्त 1500 मीटर-धावन-स्पर्धा में कांस्यपदक जीता ।
- **राज्यस्तरीयशास्त्रस्पर्धा में भागग्रहण** – नवम्बर 04-05 2016 को हरिद्वारस्थ-भगवनदास आदर्श-संस्कृत-विद्यालय में आयोजित राज्यस्तरीय-शास्त्रीय स्पर्धा के अन्तर्गत स्फुर्ति स्पर्धा में शास्त्री प्रथमवर्ष का छात्र श्यामदेव प्रथम स्थान पाया। शास्त्री प्रथमवर्ष की छात्रा कु. प्राची ने अष्टाध्यायी कण्ठपाठ में अपने प्रदर्शन से निर्णायकों को प्रभावित किया।
- **चतुर्दश-अन्त:परिसरीय नाट्योत्सव में भागग्रहण** – 27-02-17 से 01-03-17 तक संस्थान के मुख्यालय में आयोजित चतुर्दश अन्त:परिसरीयनाट्योत्सव में परिसर

के छात्रें ने दाम्पत्यकलहम् नाटक प्रदर्शित कर प्रशंसित हुये और सान्त्वना पुरस्कार अर्जित किये।

भावी योजनाएँ

परिसरीय समृद्ध ग्रन्थालय-

वर्तमान में परिसरीय पुस्तकालय में विविध-विषयक हजारों से अधिक पुस्तकें संगृहीत है-भविष्य में परिसर में एक समृद्ध पुस्तकालय (पुस्तक एवं हस्तलेखों का) स्थापित करने की योजना है।

1. भारत वर्ष के किसी भी पुस्तकालय में आधुनिक संस्कृत-साहित्य के विविध विधाओं की पुस्तकों का समग्र संकलन नहीं है। अतः शोधसमिति द्वारा निर्णय लिया गया है कि इस पुस्तकालय में आधुनिक संस्कृत-साहित्य का एक विशेष विभाग प्रतिष्ठित किया जायेगा।
2. पुस्तकालय में प्राचीन, दुर्लभ एवं महत्त्वपूर्ण पाण्डुलिपियों का संग्रह एवं संरक्षण भी प्राथमिकता के आधार पर किया जायेगा।

अन्ताराष्ट्रिया संगोष्ठी -

- परिसर में उत्तराखण्डविद्यावैभवम् विषयक एक त्रिदिवसीय अन्तराष्ट्रिय संगोष्ठी प्रस्तावित है। अनुदान मिलते ही उक्त संगोष्ठी का आयोजन व्यापक स्तर से किया जायेगा।

राष्ट्रीय कार्यशाला -

- अगले साल परिसर में कवि-शिक्षा एवं अनुवाद प्रविधि तथा अन्य विषयों पर अलग अलग कार्यशालाएं प्रस्तावित हैं।

शोध एवं प्रकाशन

- प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु की अध्यक्षता में एवं प्रो. बनमाली बिश्वाल के संयोजकत्व में प्रो. महावीर प्रसाद अग्रवाल, एवं प्रो. विनिता घिल्डियाल जैसे बाह्य सदस्यों समेत एक स्थानीय शोधसमिति का गठन हुआ है जिसके देखरेख में परिसर में विविध शोधयोजना (प्रोजेक्ट, संगोष्ठी आदि) एवं प्रकाशन (पत्र-पत्रिका एवं पुस्तक) कार्य को गति दी जायेगी।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम के अन्तर्गत प्राप्त/ उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 0

उत्तर प्रेषित - 0

5. वर्ष-2016-2017 की प्रमुख गतिविधियाँ

5. वर्ष-2016-17 की प्रमुख गतिविधियाँ

5.1 विशिष्ट संस्कृत सेवा सम्मान (17.08.2016)

डॉ. चन्द्रगुप्त श्रीधरवर्णेकर

महोदय का जन्म महाराष्ट्र, नागपुर में हुआ। महोदय का अध्ययन तांत्रिक क्षेत्र में है। सन् 1978 में बेंगलूर आई.आई.टी. से Related the Importance of Sanskrit constructs to wider fields of Computer Sciences विषय पर शोध उपाधि प्राप्त की है। संस्कृत ज्ञान के वैश्विक उपयोग के लिए तंत्रांशों का विकास एवं विविध देवनागरी लिपियों का विकास किया। संगणक एवं संस्कृत विषय पर बहुत व्याख्यान दिये तथा 500 से अधिक शोध पत्रों को प्रकाशित किया। अत: महोदय के संस्कृतनिष्ठ कार्य की प्रशंसा करते हुए 2016 में विशिष्ट सेवा सम्मान प्रदान किया गया।

प्रो. बि. महादेवन्

महोदय का जन्म केरल राज्य में हुआ। महोदय ने सन् 1991 में आई.आई.टी., मद्रास से प्रौद्योगिक प्रबंधन (Industrial Management) क्षेत्र में शोध उपाधि प्राप्त की। महोदय को सन् 2005 में ई.आई.यू. द्वारा व्यवसायिक विषय में उत्तम आचार्य (Business Professor) की उपाधि से सम्मानित किया गया। वर्तमान में महोदय चिन्मय विश्वविद्यापीठ, केरल में स्थित विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर विराजमान हैं। इन्होंने संस्कृत एवं विज्ञान क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण अनुसंधान के साथ संस्कृत भाषा के प्रचार तथा प्रसार के लिए विशेष परिश्रम किया। प्रौद्योगिक प्रबंधन एवं संस्कृत विषय पर बहुत व्याख्यान दिये तथा 300 से अधिक शोध पत्रों को प्रकाशित किया। अत: महोदय के संस्कृतनिष्ठ कार्य की प्रशंसा करते हुए 2016 में विशिष्ट सेवा सम्मान प्रदान किया गया।

डॉ. धवल कुमार पटेल (आई.एस.एस.)

महोदय का जन्म गुजरात राज्य में हुआ। महोदय ने वैद्यकीय महाविद्यालय, पूना से वैद्यकीय क्षेत्र में स्नातक उपाधि प्राप्त की। सन् 2008 से महोदय भारतीय लोक सेवा आयोग द्वारा गुजरात राज्य में जिलाधीश पद पर नियुक्त है। इन्होंने संस्कृत भाषा के प्रचार तथा प्रसार के लिए विशेष परिश्रम किया एवं स्वकीय जालपुट http;://www.sanskritworld.in/ के द्वारा बहुत सी संस्कृत पुस्तकों का संग्रह किया। इस जालपुट में वेद वेदांग, आयुर्वेद, काव्य उपनिषद् जैसे 1000 से अधिक ग्रन्थों को उपलब्ध कराया। विशेष रूप से सन्धि समास एवं तिङन्त इत्यादि विषयों के स्वाध्याय के लिए साधनों (tools) का निर्माण किया। अत: महोदय के संस्कृतनिष्ठ कार्य की प्रशंसा करते हुए 2016 में विशिष्ट सेवा सम्मान प्रदान किया गया।

5.2 संस्कृत सप्ताह आयोजन

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान में दिनाङ्क 17.08.2016 से 22.08.2016 तक संस्कृत सप्ताह का उल्लास पूर्वक आयोजन किया गया। संस्कृत सप्ताह का उद्घाटन समारोह मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री ला.बा.शा.रां.सं. विद्यापीठ साहित अन्य संस्कृत के प्रतिष्ठित संस्थाओं के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 17.08.2016 को नेशनल म्यूजियम्, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस समारोह के अध्यक्ष माननीय मानव संसधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर जी थे। समारोह के सारस्वत अतिथि के रूप में डॉ. सुखबीर सिंह सन्धू, संयुक्त सचिव (भाषाएं) उपस्थित थे तथा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति महोदय, श्री ला.बा.शा.रां.सं. विद्यापीठ के कुलपति महोदय के सादर समुपस्थिति में कार्यक्रम संचालित किया गया। इस कार्यक्रम में संस्कृतेतर संस्कृत के प्रचार-प्रसार में संलग्न विद्वानों डॉ. चन्द्रगुप्त श्रीधरवर्णेकर महोदय, प्रो. बि.

संस्कृत सप्ताह के उद्घाटन अवसर पर माननीय श्री प्रकाश जावड़ेकर, मानव संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार, डॉ. सुखबीर सिंह सन्धू, संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय एवं अन्य अतिथि गण

संस्कृत सप्ताह के अवसर पर मुख्यालय में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेते हुए छात्र-छात्राऐं

संस्कृत सप्ताह के समापन अवसर पर मंच पर आसीन अतिथिगण

महादेवन तथा डॉ. धवल कुमार पटेल (आई.एस.एस.) को विशिष्ट सेवाव्रति सम्मान से सम्मानित किया गया। दिनांक 18.08.2016 से 22.08.2016 तक संस्कृत सप्ताह समारोह के अन्तर्गत संस्थान मुख्यालय में विद्यालय, महाविद्यालय, स्नातक एवं स्नाताकोत्तर स्तर पर सुभाषित कण्ठपाठ, स्तोत्रपाठ, भाषण स्पर्धा, निबन्ध लेखन इत्यादि स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इस समारोह में दिल्लीस्थ विभिन्न संस्थाओं के छात्र-छात्राओं ने सहर्ष भाग लिया।

दिनांक 22.08.2016 को सम्पूर्ति समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. राम करण शर्मा, विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय विद्यालय संगठन के प्रशिक्षण विभाग के संयुक्त आयुक्त डॉ. शची कान्त तथा अध्यक्ष राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति प्रो. पी.एन. शास्त्री महोदय रहे। इस अवसर पर छात्रों को पुरस्कार वितरित किया गया।

संस्कृत सप्ताह के अवसर पर पुरस्कार वितरित करते हुए अतिथिगण

संस्कृत सप्ताह के अवसर पर कुलपति महोदय के साथ पुरस्कृत छात्र-छात्राएं

5.3 स्थापना दिवस

दिनांक 15.10.2016 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का 47वां स्थापना दिवस संस्थान के मुख्यालय में बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भारतीय परम्परा के अनुसार दीपप्रज्वलन और सरस्वती वन्दना के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के पूर्व कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी एवं सारस्वतातिथि के रूप में सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी जी ने कहा कि संस्कृत के विकास हेतु अंतरजाल में संस्कृत साहित्यों को रखना अनिवार्य है।

स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर दीप प्रज्जवलन करते हुए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के पूर्व कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी एवं अन्य अतिथिगण

प्रो. अभिराजराजेन्द्र मिश्र का सम्मान करते हुए कुलपति महोदय

स्थापना दिवस समारोह के अवसर अतिथियों को सम्बोधित करते हुए कुलपति महोदय

5.4 नवाँ अन्तः परिसरीय युवमहोत्सव

संस्थान का नवां युवा महोत्सव दिनांक 18.11.2016 से 21.11.2016 तक अगरतला, त्रिपुरा में स्थित एकलव्य परिसर में आयोजित किया गया। इस युवा महोत्सव में साहित्य-सङ्गीत-कला-क्रीडादि स्पर्धाओं में परिसरीय छात्रों ने उत्साह सहित भाग लिया। युवा महोत्सव के उद्घाटन सत्र में अगरतला, त्रिपुरा में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। ध्वजोत्तोलन में मुख्यातिथि के रूप में प्रमुख क्रीड़ाकारिणी कु. दीपाकर्मकर उपस्थित हैं। इसके बाद उद्घाटन सत्र में संस्थान के कुलपति प्रो. पी.एन. शास्त्री एवं गुवाहटी विश्वविद्यालय के पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. सीतानाथ डे ने मुख्य अतिथि पद को अलङ्कृत किया। साथ ही परिसरों के प्राचार्य भी मञ्चासीन थे।

युवमहोत्सव के सम्पूर्ति सत्र के अवसर पर दीप प्रज्जवलन करते हुए संस्थान के कुलपति महोदय एवं उपस्थित अतिथिगण

युव महोत्सव के अवसर पर प्रो. मुरलीधर शर्मा को सम्मानपत्र भेंट करते हुए परिसर के प्राचार्य

युव महोत्सव के समापन अवसर पर मंच पर आसीन महामहिम राज्यपाल एवं अतिथिगण

युवमहोत्सव के अवसर पर संघनृत्य के दृश्य

प्रसिद्ध क्रीडाकारणी दीपा कर्माकर ने ध्वजारोहण के सन्दर्भ में कहा–कि ऐसे युवा महोत्सव के द्वारा भारत के भावी क्रीडाकारों की पहचान होगी एवं शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के विकास के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किये जाने चाहिए। मुख्यातिथि ने कहा कि शैक्षिक अभ्यास के साथ शारीरिक अभ्यास की भी आवश्यकता है। तथा ऐसे महोत्सव के आयोजन से मन प्रफुल्लित होता है। कार्यक्रमाध्यक्ष प्रो. पी.एन. शास्त्री ने कहा कि वेद कहता है कि – 'जय एवं पराजय समान रूप से स्वीकार्य होना चाहिए तथा पराजय विजय प्राप्त करने का एक सोपान होगा'। अत: सभी छात्र सोत्साह भाग ग्रहण करें तद् द्वारा शारीरिक मानसिक विकास होगा।

इस तीन दिनों के उत्सव में विभिन्न प्रकार की स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। जिनमें सांस्कृतिक स्पर्धाओं में एकक् संगीत, शास्त्रीय गायन, वादन, नृत्य, अभिनय तथा चित्रकला स्पर्धाओं में आशुचित्रण, भित्तिपत्र निर्माण, व्यङ्ग्य चित्र निर्माण तथा रङ्गवल्ली चित्रण का आयोजन किया गया। शैक्षिक स्पर्धाओं में कण्ठ–पाठ, वादविवाद, सङ्गणकीय स्पर्धा तथा स्फूर्ति स्पर्धा आयोजित हुई। इस प्रकार शारीरिक स्पर्धाओं खो–खो, कबड्डी, हस्तकन्दुक, धावन, कूद, कुन्तक्षेपण, गोलक्षेपण, चक्रक्षेपण, योगासन इत्यादि स्पर्धाएं हुई।

दिनांक 21.11.2016 को अपराह्न में युवा महोत्सव का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। समापन समारोह में त्रिपुरा के महामहिम राज्यपाल श्री तथागत राय महोदय मुख्यातिथि थे। युवा महोत्सव की स्पर्धाओं में शृङ्गेरी स्थित राजीवगान्धी परिसर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

5.5 त्रिदिवसीय राष्ट्रीय रास संगोष्ठी एवं मणिपुरी नटसंकीर्तन

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एवं राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, नमबोल, मणिपुर के संयुक्त तत्त्वाधान में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय रास संगोष्ठी एवं मणिपुरी नटसंकीर्तन उत्सव का आयोजन दिनांक 16–18 अक्टुबर 2016 तक किया गया।

त्रिदिवसीय राष्ट्रीय रास संगोष्ठी के कुछ दृश्य

इस संगोष्ठी में भारत के विभिन्न विद्वान उपस्थित हुए थे। संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि प्रो. पी.एन. शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने कहा है कि इस प्रकार के उत्सवों के द्वारा भारतीय कलाओं का परिरक्षण होगा। इस उत्सव में प्रतिदिन सांय काल में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन एवं रास नटसंकीर्तन भी किया गया।

5.6 अन्तर्राष्ट्रीय पालि-प्राकृत संगोष्ठी

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की योजनाओं के अन्तर्गत संचालित पालि-प्राकृत योजना के अन्तर्गत संस्कृत-पालि-प्राकृत ग्रन्थों में योग विषय पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के श्री राजीव गांधी परिसर, शृङ्गेरी में दिनांक 28.03.2017 से 30.03.2017 तक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में विभिन्न विश्वविद्यालयों से तथा स्थानीय लगभग 60 विद्वानों ने भाग लिया। पालि-प्राकृत भाषा के संरक्षण हेतु आयोजित संगोष्ठी में भाग लेते हुए कर्नाटक राज्य के विभिन्न विद्वानों ने हर्ष प्रकट किया।

5.7 55वीं अखिलभारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान शास्त्र के रक्षण के लिए प्रत्येक साल सम्पूर्ण राष्ट्र स्तर पर शास्त्रीय स्पर्धाओं का आयोजन करता है। इस वर्ष 55वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के एकलव्य परिसर, अगरता, त्रिपुरा में दिनांक 28.12.2016 से 31.12.2016 तक हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन 28.12.2016 को हुआ, इस अवसर पर मुख्यातिथि के रुप में चैन्नई के मद्रास संस्कृत महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य आचार्य कृष्ण मूर्ति शास्त्री, विशिष्टातिथि के रूप में अगरतला के इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. ए. रङ्गनाथ एवं अध्यक्ष के रूप में एकलव्य परिसर के प्राचार्य, प्रो. सर्वनारायण झा उपस्थित थे।

अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा के उद्घाटन अवसर पर दीप प्रज्ज्वलन करते हुए आचार्य कृष्णमूर्ति शास्त्री जी

अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा के अवसर पर मंच पर आसीन अतिथिगण

अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा के अवसर पर शलाका परीक्षा का दृश्य

अखिलभारतीय शास्त्रीय स्पर्धा में राज्य स्तर मे चयनित 24 राज्यों से लगभग 320 प्रतिभागियों ने भाग ग्रहण किया और विभिन्न विषयों में भाषण, शलाका, कण्ठपाठ, शास्त्रार्थ विचार, समस्यापूर्ति, अक्षरश्लोकी, वेदपाठ स्पर्धा इत्यादि मिलाकर 24 स्पार्धाओं का आयोजन हुआ। प्रत्येक स्पर्धाओं में विजयी छात्रों ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार रूप से स्वर्ण, रजत, कांस्य पदक प्राप्त किये। सभी प्रतियोगिताओं में सबसे अधिक पुरस्कार को प्राप्त करके कर्णाटक के प्रतिभागियों ने विजय वैजयन्ती को प्राप्त किया।

इस कार्यक्रम का पुरस्कार प्रदान समारोह 31.12.2016 को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में सम्मानित मुख्यातिथि के रूप में राम कृष्ण मिशन के स्वामी प्राणेश्वरानन्द, विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. सीतानाथ डे एवं अध्यक्ष के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति आचार्य परमेश्वर नारायण शास्त्री विद्यमान थे। अतिथियों ने विजयी छात्रों को पुरस्कार प्रदान किये।

5.8 द्वितीय अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस आयोजन

संस्थान में दिनांक 21.06.2016 को अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के सभी शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सोत्साह भाग लिया।

योग अभ्यास में रत संस्थान मुख्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण

कुलपति महोदय के साथ योग अभ्यास करते हुए संस्थान मुख्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण

5.9 चौदहवाँ अन्तः परिसरीय संस्कृत नाट्य महोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का अन्तः परिसरीय संस्कृत नाट्यस्पर्धा के रूप में चौदहवां संस्कृत नाट्य महोत्सव केन्द्रीय विद्यालय के राधाकृष्णन् सभागार में दिनांक 27.02.2017 से 01.03.2017 तक आयोजित किया गया। इस उत्सव के उद्घाटन समारोह (दिनांक 27.02.2017) मे मुख्यातिथि के रूप में केन्द्रीय विश्वविद्याय हिमाचल प्रदेश के कुलपति, प्रो. कुलदीप चन्द्र अग्निहोत्री, विशिष्टातिथि के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठम् के कुलपति, प्रो. मुरलीधर शर्मा, सारस्वतातिथि के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के पूर्व कुलपति, प्रो. वे. कुटम्ब शास्त्री तथा अध्यक्ष संस्थान के कुलपति, प्रो. पी. एन. शास्त्री उपस्थित रहे। इस उत्सव में 12 आधुनिक नाटकों/रूपकों की प्रस्तुति की गई।

दिनांक 27.02.2017 को अपराह्न में भोपाल परिसर के छात्रों द्वारा 'पूर्वरंग' का मञ्चन किया गया तथा अपराह्न में वेदव्यास परिसर के छात्रों द्वारा छत्रपति साम्राज्यम् (अंक 1-5), श्री रणवीर परिसर के छात्रों द्वारा छात्रपति साम्राज्यम् (अंक 6-10) तथा राजीव गांधी परिसर शृङ्गेरी के छात्रों द्वारा पण्डित राजीयम् इति नाटकों का मञ्चन किया गया।

दिनांक 28.02.2017 को एकलव्य परिसर के छात्रों द्वारा अङ्गुष्ठदानम्, गङ्गनाथझा परिसर के छात्रों द्वारा लीलाभोजराजम्, श्री रघुनाथकीर्ति परिसर के छात्रों द्वारा दाम्पत्यकलहम्, श्री सदाशिव परिसर के छात्रों के द्वारा रक्षाबन्धनम्, लखनऊ परिसर के छात्रों द्वारा मदनमोहनमालवीयकीर्तिमञ्जरीनाटकम्, गुरूवायूर परिसर के छात्रों द्वारा संयोगितास्वयंवरम् नाटकों/रूपकों का मञ्चन किया गया।

अन्त:परिसरीय नाट्यमहोत्सव में दीप प्रज्ज्वलन करते कुलपति महोदय एवं अतिथिगण

दिनांक 01.03.2017 को जयपुर परिसर के छात्रों द्वारा प्रतापविजयम्, मुम्बई परिसर के छात्रों द्वारा स्नेहसौवीरम्, भोपाल परिसर के छात्रों द्वारा तण्डुलप्रस्थीयम् इति नाटकों/रूपकों का अभिनय किया गया। उसी दिन सायंकाल संस्कृत नाट्यमहोत्सव का समापन समारोह आयोजित हुआ। समापन कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, गुजरात के कुलपति, प्रो. अर्कनाथ चौधरी, सारस्वतातिथि के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के पूर्व कुलपति, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी तथा संस्थान के कुलपति प्रो. पी.एन. शास्त्रि ने अध्यक्ष पद को अलङ्कृत किया। प्रो. रमाकान्त पाण्डेय, निदेशक मुक्तस्वाध्यायपीठ इस कार्यक्रम के संयोजक रहे।

अन्त:परिसरीय नाट्यमहोत्सव के अवसर पर मंच पर विराजमान कुलपति महोदय एवं अतिथिगण

अन्त:परिसरीय नाट्यमहोत्सव के अवसर पर भाषण देते हुए प्रो. वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री

नाट्योत्सव में भोपाल परिसर, गुरुवायूर परिसर, राजीवगान्धी परिसर ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किये तथा एकलव्य परिसर एवं श्री रघुनाथकीर्ति परिसर ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किये। श्री हरिप्रसाद् एस् (गुरुवायूर परिसर, केरल) सर्वोत्तम अभिनेता तथा सुश्री अहल्या ए. भट्ट शर्मा (श्री राजीव गांधी परिसर, शृङ्गेरी) सर्वोत्तमा अभिनेत्री रहीं। सर्वोत्तम अहार्य पुरस्कार भोपाल परिसर, सर्वोत्तम प्रकाश व्यवस्था पुरस्कार गुरुवायूर परिसर, सर्वोत्तम मञ्च सज्जा पुरस्कार मुम्बई परिसर, सर्वोत्तम निर्देशक पुरस्कार श्री राजीवगांधी परिसर के द्वारा प्राप्त किया गया।

नाट्यमहोत्सव में प्रस्तुत पूर्वरङ्ग के कुछ दृश्य ↑

नाट्यमहोत्सव में अभिनीत नाटकों के कुछ दृश्य ↑

5.10 स्वच्छता पखवाडा

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान में बहुत ही मनोयोग से स्वच्छता पखवाडा का आयोजन दिनांक 16.05.2016 से 31.05.2016 तक किया गया। इस उपलक्ष्य पर संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता प्रतिज्ञा ली गई। स्वच्छता पखवाडा के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर मुख्यालय में स्वच्छता अभियान में रत अधिकारी एवं कर्मचारीगण

5.11 हिन्दी पखवाडा

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान में हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार एवं विकास हेतु बहुत ही मनोयोग से हिन्दी पखवाडा का आयोजन दिनांक 14.09.2016 से 28.09.2016 तक किया गया। इस उपलक्ष्य पर संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। हिन्दी पखवाडा के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम के उद्घाटन के दृश्य

5.12 आज़ादी के 70 वर्ष 'याद करो कुर्बानी'

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान में आज़ादी के 70 वर्ष के उपलक्ष्य में 'याद करो कुर्बानी' कार्यक्रम बहुत ही उत्साह से दिनांक 14.08.2016 से 24.08.2016 तक आयोजित किया गया। इस उपलक्ष्य पर संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों ने विविध सामाजिक माध्यमों के द्वारा देश भक्ति का प्रचार-प्रसार किया। इसके अतिरिक्त सामुहिक राष्ट्रगान, शपथ ग्रहण एवं शोभा यात्रा का भी आयोजन किया गया।

शोभायात्रा का एक दृश्य

5.13 सतर्कता जागरूकता सप्ताह

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण के प्रयास हेतु सतर्कता जागरूकता सप्ताह उपलक्ष्य पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन बहुत ही उत्साह से दिनांक 31.10.2016 से 05.11.2016 तक किया गया। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों एवं संस्थान के सभी परिसरों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया तथा विविध सामाजिक माध्यमों के द्वारा भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण हेतु प्रचार-प्रसार किया। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

सतर्कता सप्ताह में प्रमाणपत्र वितरित करते हुए अध्यापक गण

5.14 एकता सप्ताह

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा राष्ट्रीय एकता सम्पादन हेतु दिनांक 31.10.2016 से 06.11.2016 तक एकता सप्ताह का आयोजन बहुत ही उत्साह से किया गया। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों एवं संस्थान के सभी परिसरों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा विविध सामाजिक माध्यमों के द्वारा राष्ट्रीय एकता एवं देश भक्ति के जागरण हेतु प्रचार-प्रसार किया। इसके अतिरिक्त संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में सोत्साह भाग लिया।

उद्घाटनकार्यक्रमस्य एकं दृश्यम्

5.15 व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 07-17 नवम्बर, 2016 को राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थान के विभिन्न परिसरों के कार्यालय कर्मचारियों के लिए व्यक्तित्व विकास हेतु (1st In service capacity building training programme) एकलव्य परिसर अगरतला में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन 7 नवम्बर, 2016 को हुआ। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति की अध्यक्षता में समापन समारोह सम्पन्न हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान के 12 परिसरों से 25 से ज्यादा शिक्षणेतर कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयोजक के रूप में डॉ. सी. गिरी उपस्थित रहे तथा त्रिपुरा विश्वविद्यालय के पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष, आचार्य सीतानाथ डे महोदय भी इस कार्यक्रम के समापन में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। एकलव्य परिसर के प्राचार्य एवं शैक्षिक/गैर शैक्षिक कर्मचारियों के सहयोग से कार्यक्रम सफल हुआ तथा कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागी प्रशिक्षण से लाभान्वित हुए।

प्रशिक्षणकार्यक्रमस्य एकं दृश्यम्

प्रमाणपत्रं वितरति कुलपतिमहोदयः

5.16 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग समिति द्वारा संस्थान का निरीक्षण

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से संबद्ध परिसर एवं पाठ्यक्रमों को मान्यता प्रदान करने हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समिति का निरीक्षण दिनांक 28.07.2016 से 30.07.2016 तक किया गया। इस समिति के अध्यक्ष, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात के कुलपति डॉ. पंकज जानी रहे। समिति सदस्यों के रूप में कविकुल गुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर के कुलपति, प्रो. उमावैद्या, सावित्री बाई फुले पूना विश्वविद्यालय के उच्चसंस्कृतअध्ययन केन्द्र, पूना के अध्यक्ष, प्रो. रवीन्द्र अम्बादास मुले, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रो. उमाशंकर शुक्ल, गुवाहटी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के प्रो. मञ्जूला देवी, रानी चेन्नम्मा विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के प्रो. पूर्णिमा पट्टणशेट्टि रहे तथा समिति में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की संयुक्त सचिव, डॉ. उर्मिला देवी, सदस्य सचिव रहे। समिति के द्वारा संस्थान मुख्यालय का निरीक्षण कर संस्थान के परिसरों का निरीक्षण करने हेतु समय निर्धारित किया। इस अवसर पर संस्थान के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने निष्ठा पूर्वक कार्य सम्पादन कर निरीक्षण में समिति को सहयोग दिया।

विश्वविद्यालय अनुदान समिति द्वारा संस्थान मुख्यालय के निरीक्षण के कुछ दृश्य

6. संलग्नक

प्रबन्ध मण्डल के सदस्यों की सूची

(1.04.2016 से 31.03.2017)

1.	प्रो. पी.एन. शास्त्री कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	अध्यक्ष, पदेन
2.	प्रो. विश्व मूर्त्ति शास्त्री सेवानिवृत प्रो. एवं प्राचार्य राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जम्मू परिसर, जम्मू	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित) (01.04.2016 से 31.03.2017)
3.	श्री चमू कृष्ण शास्त्री प्रथम तल, कमला निलया, शारदा नगर, शृंगेरी जिला- चिकमंगलूर (कर्नाटक)-577139	सदस्य (01.04.2016 से 31.03.2017)
4.	प्रो. सीतानाथ डे वेद श्रीराम नगर, कमरा न. 05, पोस्ट-रामनगर, अगरतला (त्रिपुरा)	सदस्य (01.04.2016 से 31.03.2017)
5.	प्रो. हरेराम त्रिपाठी डीन, एस.एल.बी.एस.आर.एस.वी. नई दिल्ली-16	सदस्य (01.04.2016 से 31.03.2017)
6.	संयुक्त सचिव (केन्द्रीय विश्वविद्यालय और भाषा) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य (पदेन) (01.04.2016 से 31.03.2017)
7.	संयुक्त सचिव (वित्त परामर्शदाता) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य (पदेन) (01.04.2016 से 31.03.2017)
8.	प्रो. आर. देवनाथन् प्राचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जम्मू परिसर, जम्मू	सदस्य (01.04.2016 से 31.03.2017)
9.	डॉ. प्रकाश पाण्डेय प्राचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य (01.04.2016 से 31.03.2017)

क्रमशः....

10.	प्रो. के.बी. सुब्बारायडु प्रो. (अद्वैत वेदान्त), राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)	सदस्य (01.04.2016 से 31.03.2017)
11.	प्रो. च.ल.न. शर्मा प्रो. (शिक्षा-शास्त्र) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरला)	सदस्य (01.04.2016 से 31.03.2017)
12. (क)	प्रो. मनोज कुमार मिश्र परीक्षा नियन्त्रक (प्रभारी) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली	विशेष आमन्त्रित (01.04.2016 से 30.06.2016)
(ख)	प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति परीक्षा नियन्त्रक (प्रभारी), राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	विशेष आमन्त्रित (01.07.2016 से 31.3.2017)
13.	प्रो. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा प्रभारी-कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	सचिव (पदेन) (01.04.2016 से 31.03.2017)

विद्वत् परिषद के सदस्यों की सूची
(31 मार्च 2017 के अनुसार)

1. कुलपति — अध्यक्ष
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

संकायाध्यक्ष

2. प्रो. सीएच. लक्ष्मी नारायण शर्मा — सदस्य
संकायाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर परिसर, पोस्ट आफिस-पुरानाटुकरा,
जिला-त्रिचूर-680551 (केरला)

3. प्रो. वासु देव शर्मा — सदस्य
संकायाध्यक्ष, वेद वेदांग संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपाल पुरा बाईपास,
जयपुर-302018 (राजस्थान)

4. प्रो. विजय कुमार जैन — सदस्य
संकायाध्यक्ष, सर्वदर्शन, जैनदर्शन और बुद्धदर्शन संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर,
लखनऊ-226010 (उ.प्र.)

5. प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय — सदस्य
संकायाध्यक्ष, आधुनिक विषय संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर,
लखनऊ - 226 010 (उ.प्र.)

6. प्रो. राम लखन पाण्डेय — सदस्य
संकायाध्यक्ष, साहित्य संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर,
लखनऊ - 226 010 (उ.प्र.)

क्रमशः....

7. प्रो. महाबलेश्वर पी. भट्ट — सदस्य
संकायाध्यक्ष, अद्वैत वेदान्त, मीमांसा
संख्या योग और न्याय दर्शन
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
राजीव गांधी परिसर, पो.आ. शृंगेरी,
जिला-चिकमंगलूर-577139 (कर्नाटक)

8. निदेशक, मुक्तस्वाध्यायपीठम् — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

विभागाध्यक्ष

9. प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द — सदस्य
विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
राजीव गांधी परिसर, पो.ओ. शृंगेरी,
जि. चिकमंगलूर - 577139 (कर्नाटक)

10. प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु — सदस्य
विभागाध्यक्ष, वेद वेदांग संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर,
देवप्रयाग, पौड़ी-गढ़वाल,
(उत्तराखण्ड)

11. प्रो. सर्व नारायण झा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, ज्योतिष,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, लखनऊ (प्रतिनियुक्ति)

12. प्रो. हरेकृष्ण महापात्र — सदस्य
विभागाध्यक्ष, व्याकरण
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्रीसदाशिव परिसर, पुरी

13. प्रो. वैद्यनाथ झा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, न्याय
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

14. प्रो. भगवती सुदेश — सदस्य
विभागाध्यक्ष, धर्मशास्त्र
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

15. प्रो. श्रेयांस कुमार सिंघाई — सदस्य
विभागाध्यक्ष, जैन दर्शन
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

16. प्रो. शैलकुमारी मिश्रा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, साहित्य संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गंगानाथ झा परिसर, चन्द्रशेखर आजाद पार्क,
इलाहाबाद - 211 108 (उ.प्र.)

17. डॉ. मिनति रथ — सदस्य
विभागाध्यक्ष, पुराणेतिहास
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

18. प्रो. सुब्राय वी. भट्ट — सदस्य
विभागाध्यक्ष, मीमांसा
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
राजीव गांधी परिसर, पो.ओ. शृंगेरी,
जि. चिकमंगलूर - 577139 (कर्नाटक)

19. प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति — सदस्य
विभागाध्यक्ष, सर्व दर्शन
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

20. प्रो अवधेश कुमार चौबे — सदस्य
विभागाध्यक्ष, बौद्ध दर्शन
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर,
लखनऊ - 226 010 (उ.प्र.)

21. प्रो. मनोज कुमार मिश्रा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, वेद
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

22. डॉ. एस.वी. रमणमूर्ति
विभागाध्यक्ष, आंग्लभाषा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

23. डॉ. अर्चना दूबे — सदस्य
विभागाध्यक्ष, हिन्दी
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया,
भोपाल - 462 043 (मध्यप्रदेश)

24. डॉ. अशोक कुमार मीना — सदस्य
विभागाध्यक्ष, सांख्ययोग
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त अन्य दस आचार्य (वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में)

25. प्रो. हरी नारायण तिवारी — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जम्मू परिसर, (जम्मू और काश्मीर)

26. प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गंगानाथ झा परिसर, चन्द्रशेखर आजाद पार्क,
इलाहाबाद - 211 108 (उ.प्र.)

27. प्रो. मदन मोहन पाठक — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर,
लखनऊ - 226 010 (उ.प्र.)

28. प्रो. राम कुमार शर्मा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, जयपुर

29. प्रो. विजय पाल शास्त्री — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गरली परिसर, ग्राम गरली, प्रो.ओ. प्रागपुर,
तहसील देहरा, जि. कांगड़ा-177 108 (हि.प्र.)

30. प्रो. भारत भूषण मिश्रा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया,
भोपाल - 462 043 (मध्यप्रदेश)

31. प्रो. श्रीधर मिश्रा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, जयपुर

32. प्रो. ललित कुमार साहू — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
अगरतला परिसर, त्रिपुरा

33. प्रो. सूर्यमणि रथ — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

34. प्रो. मदन मोहन झा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त तीन सह आचार्य (वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में)

35. डॉ. राजन ई.एम. — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

36. डॉ. प्रभा आर. — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

37. डॉ. एस. सुब्रामणयम् शर्मा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त तीन सहायक आचार्य (वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में)

38. डॉ. ई.पी. श्रीदेवी — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

39. डॉ. जयप्रकाश नारायण — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

40. डॉ. सानन्दन कुमार त्रिपाठी — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया,
भोपाल - 462 043 (मध्यप्रदेश)

तीन शिक्षाविद् जो संस्थान की सेवा में नहीं हैं

41. प्रो.(श्रीमति) इंदुमति कात्रे — सदस्य
पुनरुथान विद्यापीठ
ज्ञानम 9-बी, आजार्द पार्क
जंधोर बाजार, कंकरीया,
अहमदाबाद-380028

42. प्रो. मुरलीधर शर्मा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ,
तिरुपति-517507

43.	आचार्य गाजानज भट्ट सेवानिवृत प्राचार्य श्रीमति वैदिक संस्कृत कॉलेज, उपचागी, पो. यालपुर-टीक्यू. एन.के. जिला-कर्नाटक	सदस्य
44.	कुलसचिव राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) 56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110 058	सचिव

वित्त समिति के सदस्यों की सूची

(31 मार्च 2017 के अनुसार)

1.	कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली-110058	अध्यक्ष
2.	प्रो. हरेराम त्रिपाठी डीन, श्री ला.ब.शा.रा.सं.विद्यापीठ, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016	सदस्य
3.	श्री नवीन सोई संयुक्त सचिव (सेवानिवृत्त) वित्त विभाग, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार, वाई-34, हौजखास, नई दिल्ली-110016	सदस्य
4.	संयुक्त सचिव (संस्कृति एवं भाषा) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
5.	संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
6.	कुलसचिव राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली-110058	सदस्य-सचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (समविश्वविद्यालय) के संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण

(31 मार्च 2015 के अनुसार)

1. श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उ.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. एन्.आर्. कण्णन्	प्राचार्य	दर्शन
2.	प्रो. शैल कुमारी मिश्रा	आचार्य	साहित्य
3.	प्रो. विश्वम्भरनाथ गिरि	आचार्य	साहित्य
4.	डॉ. अपराजिता मिश्रा	सहायकाचार्य	साहित्य
5.	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी	आचार्य	व्याकरण
6.	डॉ. सुरेश पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
7.	प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय 'परमहंस'	आचार्य	धर्मशास्त्र
8.	डॉ. शैलजा पाण्डेय	सहायकाचार्य	पुराणेतिहास

2. श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. अतुल कुमार नन्द	प्राचार्य	धर्मशास्त्र
2.	प्रो. हरेकृष्ण महापात्र	आचार्य	नव्यव्याकरण
3.	प्रो. खगेश्वर मिश्र	आचार्य	धर्मशास्त्र
4.	प्रो. श्रीमती मिनती रथ	आचार्य	पुराणेतिहास
5.	प्रो. के.वी. सोमयाजुलु	आचार्य	नव्यव्याकरण
6.	प्रो. ललित कुमार साहु	आचार्य	..
7.	प्रो. सूर्यमणि रथ	आचार्य	साहित्य
8.	प्रो. (श्रीमती) अनुपमा परुस्ती	आचार्य	नव्यव्याकरण
9.	प्रो. (श्रीमती) जी.पी. दाश	आचार्य	सर्वदर्शन
10.	प्रो. वी.पी. कच्छवाह	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	डॉ. उदयनाथ झा	उपाचार्य	साहित्य

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
12.	डॉ. (श्रीमती) निर्मला पाणिग्रही	सह-आचार्य	शिक्षाशास्त्र
13.	डॉ. वृन्दावन पात्र	सह-आचार्य	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. शम्भुनाथ महालीक	सह-आचार्य	अद्वैतवेदान्त
15.	डॉ. भगवान सामन्तराय	सह-आचार्य	अद्वैतवेदान्त
16.	डॉ. वी.पी.एम. श्रीनिवास	सह-आचार्य	शिक्षाशास्त्र
17.	डॉ. दुर्गाचरण षडङ्गी	सह-आचार्य	नव्य व्याकरण
18.	डॉ. बी.के. निर्मल	सह-आचार्य	ज्योतिष
19.	डॉ. सुशान्त कुमार राज	सह-आचार्य	साहित्य
20.	डॉ. महेश झा	सह-आचार्य	नव्यन्याय
21.	डॉ. गणपति शुक्ल	सह-आचार्य	नव्यन्याय
22.	डॉ. अशोक कुमार मीना	सह-आचार्य	सांख्ययोग
23.	डॉ. मखलेश कुमार	सह-आचार्य	पुराणेतिहास
24.	डॉ. बिस्वरञ्जन पति	सह-आचार्य	ज्योतिष
25.	डॉ. श्रीमती राधामणि प्रतिहारि	सह-आचार्य	पुराणेतिहास
26.	डॉ. श्रीमती केतकी महापात्र	सह-आचार्य	हिन्दी
27.	डॉ. नृसिंह चरण साहु	सह-आचार्य	उड़िया
28.	डॉ. (श्रीमती) एस. शतपथी	...	....
29.	श्री दुर्गाप्रसाद दासमहापात्र	सह-आचार्य	इतिहास
30.	डॉ. उमेश चन्द्र मिश्र	सह-आचार्य	नव्यव्याकरण

3. श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. बच्चा भारती	प्राचार्य (प्र.)	शिक्षाशास्त्र
2.	प्रो. हरि नारायण तिवारी	आचार्य	व्याकरण
3.	प्रो. जगदीश राज शर्मा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	डॉ. प्रभात कुमार महापात्र	सहायकाचार्य	फलित ज्योतिष
5.	श्री शरत्चन्द्र शर्मा	सहायकाचार्य	अंग्रेजी
6.	डॉ. चन्द्रमौलि रैना	सहायकाचार्य	फलित ज्योतिष
7.	डॉ. सतीश कुमार कपूर	सहायकाचार्य	साहित्य

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
8.	डॉ. सच्चिदानन्द शर्मा	सहायकाचार्य	व्याकरण
9.	डॉ. रामदास संगोत्रा	सहायकाचार्य	फलित ज्योतिष
10.	डॉ. निर्मल कुमारी गुप्ता	सहायकाचार्य	डोगरी

4. गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. सि.एच.एल.एन शर्मा	प्राचार्य	शिक्षा शास्त्र
2.	प्रो. सि.एल.सिसिली	आचार्या	व्याकरण
3.	डॉ. विजयलक्ष्मी राधाकृष्णन्	सहायकाचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. नन्दकिशोर तिवारी	सहायकाचार्य	व्याकरण
5.	प्रो. पी.सी. मुरलीमाधवन	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
6.	डॉ. के. कृष्णन् नम्बूतिरि	सहाचार्य	साहित्य
7.	डॉ. के. विश्वनाथन्	सहायकाचार्य	साहित्य
8.	डॉ. सि. शान्ता	सहायकाचार्या	साहित्य
9.	डॉ. पी.वी श्रीदेवी	सहायकाचार्या	साहित्य
10.	डॉ. रामचन्द्र जोइसा एच.	सहायकाचार्या	साहित्य
11.	डॉ. आर्.प्रतिभा	सहाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	अद्वैत वेदान्त
12.	डॉ. एन. आर. श्रीधरन	सहायकाचार्य	न्याय
13.	डॉ. ओ. आर. विजयराघवन	सहायकाचार्य	न्याय
14.	डॉ. सुनीता	सहायकाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	ज्योतिष
15.	डॉ. के. के. षैन	सहायकाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शिक्षा शास्त्र
16.	डॉ. के.के. हर्षकुमार	सहायक आचार्य	शिक्षा शास्त्र
17.	डॉ. के. गिरिधर राव	सहायक आचार्य	शिक्षा शास्त्र
18.	डॉ. एस.वी. रमणमूर्ति	सहाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	आधुनिक
19.	श्रीमती के.ए. जेस्सी (मलयालम)	सहायकाचार्य	आधुनिक
20.	प्रो. के.पी. केशवन	आचार्य	मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र
21.	डॉ. ई.पी. श्रीदेवी	सहायकाचार्य	मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र
22.	डॉ. ललिता चन्द्रन	सहायकाचार्य	मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र

क्रमश:....

5. जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. प्रकाश पाण्डेय	प्राचार्य	
2.	प्रो. शिवकान्त झा	प्रोफेसर	व्याकरण
3.	प्रो. कमलचन्द्र योगी	प्रोफेसर	व्याकरण
4.	प्रो. श्रीधर मिश्र	प्रोफेसर	व्याकरण
5.	डॉ. विष्णुकान्त पाण्डेय	एसोसिएट प्रोफेसर	व्याकरण
6.	प्रो. वासुदेव शर्मा	प्रोफेसर	ज्योतिष
7.	प्रो. ईश्वर भट्ट	प्रोफेसर	ज्योतिष
8.	डॉ. शुभस्मिता मिश्रा	असि. प्रोफेसर	ज्योतिष
9.	डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा	असि. प्रोफेसर	ज्योतिष
10.	प्रो. रामकुमार शर्मा	प्रोफेसर	साहित्य
11.	डॉ. किशोर कुमार दलाई	असि. प्रोफेसर	साहित्य
12.	प्रो. वाई.एस. रमेश	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
13.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
14.	प्रो. फतह सिंह	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
15.	प्रो. संतोष मित्तल	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
16.	डॉ. बत्तीलाल मीणा	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
17.	डॉ. दरियाव सिंह	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ. कुलदीप शर्मा	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ. लीना तिवारी	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. शीशराम	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
21.	प्रो. भगवती सुदेश	प्रोफेसर	धर्मशास्त्र
22.	प्रो. श्रेयांश कुमार सिंघई	प्रोफेसर	जैनदर्शन
23.	डॉ. कमलेश कुमार जैन	प्रोफेसर	जैनदर्शन
24.	प्रो. वैद्यनाथ झा	प्रोफेसर	सर्वदर्शन
25.	प्रो. (श्रीमती) सत्यम् कुमारी	प्रोफेसर	सर्वदर्शन
26.	प्रो. गजेन्द्र प्रसाद शर्मा	प्रोफेसर	शारीरिक-शिक्षा
27.	डॉ. सीमा अग्रवाल	असि. प्रोफेसर	राजनीतिविज्ञान
28.	डॉ. रेखा पाण्डेय	असि. प्रोफेसर	हिन्दी

क्रमशः....

6. लखनऊ परिसर, लखनऊ

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. सुरेन्द्र पाठक	प्राचार्य	व्याकरण
2.	प्रो. विजय कुमार जैन	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	बौद्धदर्शन
3.	प्रो. लोकमान्य मिश्र	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शिक्षाशास्त्र
4.	प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय	संकायाध्यक्ष एवं आचार्य	हिन्दी
5.	प्रो. रामलखन पाण्डेय	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
6.	प्रो. मदन मोहन पाठक	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	ज्योतिष
7.	प्रो. अवनीश अग्रवाल	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	प्रो. भारतभूषण त्रिपाठी	आचार्य	व्याकरण
9.	डॉ. देवी प्रसाद द्विवेदी	सह आचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. अवधेश कुमार चौबे	सह आचार्य	बौद्धदर्शन
11.	डॉ. ग़ज़ाला अंसारी	सहाचार्य	साहित्य
12.	डॉ. पवन कुमार	सहायक आचार्य	साहित्य
13.	डॉ. अमित कुमार शुक्ला	सहायक आचार्य	ज्योतिष
14.	डॉ. गुरुचरण सिंह नेगी	सहायक आचार्य	बौद्धदर्शन
15.	डॉ. एस.पी. सिंह	सहायक आचार्य	अर्थशास्त्र
16.	श्री जगन्नाथ झा	सहायक आचार्य	राजनीति-शास्त्र
17.	डॉ. राम बहादुर दुबे	सहायक आचार्य	साहित्य
18.	श्री प्रमोद कुमार शुक्ल	सहायक आचार्य	व्याकरण
19.	डॉ. कविता विसारिया	कनिष्ठ-व्याख्याता	अंग्रेजी

7. श्री राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. ए. पि. सच्चिदानन्द	प्राचार्य	शिक्षा-शास्त्र
2.	डॉ. महाबलेश्वर पी. भट्ट	आचार्य	अद्वैत वेदान्त
3.	प्रो. सुब्राय वि. भट्ट	आचार्य	.....
4.	प्रो. श्रीमति पि. इन्दिरा	आचार्य	.....
5.	प्रो. के. ई. मधुसूदनन्	आचार्य	नव्य न्याय
6.	डॉ. सी.एस्.एस्.एन्.मूर्ति	सहाचार्य	व्याकरण
7.	डॉ. चन्द्रकान्त	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्री

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
8.	डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्री
9.	डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट	सहायकाचार्य	अद्वैत-वेदान्त
10.	डॉ. हरीप्रसाद्. के	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
11.	डॉ. नवीन होल्ला	सहायकाचार्य	नव्य-न्याय
12.	डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट	सहायकाचार्य	व्याकरण
13.	डॉ. राघवेन्द्र भट्ट	सहायकाचार्य	साहित्य
14.	डॉ. चन्द्रकला आर् कोण्डी	सहायकाचार्य	साहित्य
15.	डॉ. के. ए. पद्मनाभम्	सहायकाचार्य	व्याकरण
16.	डॉ. के. वेंकटेशमूर्ति	सहायकाचार्य	
17.	डॉ. गणेश टी पण्डित	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
18.	डॉ. वेंकटरमण एस् भट्ट	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
19.	डॉ. सूर्यनारायण भट्ट	सहायकाचार्य	मीमांसा
20.	श्री वेंकटेश ताताचार्य	सहायकाचार्य	मीमांसा

8. वेदव्यास परिसर, बलाहर (हिमाचल प्रदेश)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय	आचार्य एवं प्रभारी प्राचार्य	शिक्षाशास्त्र
2.	डॉ. अशोक चन्द्र गौड	उपाचार्य	व्याकरण
3.	डॉ. ब्रजभूषण ओझा	सहायकाचार्य	व्याकरण
4.	प्रो. विजयपाल शास्त्री	आचार्य	साहित्य
5.	डॉ. जयप्रकाश शास्त्री	सहायकाचार्य	साहित्य
6.	डॉ. सुज्ञान कु. माहान्ति	सहायकाचार्य	साहित्य
7.	डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम्	सहायकाचार्य	ज्योतिष
8.	डॉ. एच.एन. द्विवेदी	सहायकाचार्य	ज्योतिष
9.	प्रो. आर.के. बर्मन्	आचार्य	अद्वैत वेदान्त
10.	डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	श्री पूर्णचन्द्र महापात्र	सहायकाचार्य	आधुनिक विभाग

क्रमशः....

9. भोपाल परिसर, भोपाल (म.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. एम. चन्द्रशेखर	प्राचार्य	वेदान्त
2.	प्रो. प्रभादेवी चौधरी	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	प्रो. जे. भानूमूर्ति	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	डॉ. नागेन्द्रनाथ झा	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	डॉ. श्रीगोविन्द पाण्डेय	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	डॉ. अशोक कुमार कछवाह	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. सोमनाथ साहु	सहायकाचार्य	नव्यव्याकरण
8.	डॉ. नीलाभ तिवारी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	प्रो. सुबोध शर्मा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	व्याकरण
10.	डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
11.	डॉ. कैलाशचन्द्र दाश	सहायकाचार्य	व्याकरण
12.	डॉ. नरेश कुमार पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
13.	प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि'	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
14.	डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी	सहायकाचार्य	साहित्य
15.	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव	सहायकाचार्य	साहित्य
16.	डॉ. अजय कुमार मिश्र	सहायकाचार्य	साहित्य
17.	डॉ. मोहिनी अरोरा	सहायकाचार्य	साहित्य
18.	डॉ. संगीता गुन्देचा	सहायकाचार्य	साहित्य
19.	प्रो. भारत भूषण मिश्र	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	ज्योतिष
20.	प्रो. हंसधर झा	आचार्य	ज्योतिष
21.	डॉ. श्यामदेव मिश्र	सहायकाचार्य	ज्योतिष
22.	डॉ. अर्चना द्विवेदी	सहाचार्य एवं विभागाध्यक्षा	आधुनिक
23.	श्री प्रताप	सहाचार्य	जैनदर्शन

10. के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्राचार्य	.....
2.	प्रो. प्रकाशचन्द्र	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	व्याकरण
3.	प्रो. बोध कुमार झा	आचार्य	व्याकरण
4.	प्रो. राजन् ई.एम्.	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
5.	डॉ. नारायणन्. ई. आर्	सहायकाचार्य	साहित्य
6.	प्रो. मदन मोहन झा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. देवदत्त सरोदे	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र

11. दिल्ली परिसर, नई दिल्ली

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय	आचार्य/निदेशक (मुक्तस्वाध्यायपीठम्)	साहित्य
2.	प्रो. मनोज कुमार मिश्र	आचार्य/विभागाध्यक्ष	वेद
3.	प्रो. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा	आचार्य/ASM/ASS प्र. कुलसचिव	अद्वैत वेदान्त
4.	डॉ. रत्न मोहन झा	सहायकाचार्य	दूरस्थ शिक्षा
5.	डॉ. परमानन्द वत्स	सहायकाचार्य	साहित्य
6.	डॉ. छोटी बाई मीणा	सहायकाचार्य	साहित्य
7.	डॉ. सुनीता गुप्ता	सहायकाचार्य	साहित्य
8.	डॉ. माला चन्द्रा	सहायकाचार्य	साहित्य
9.	डॉ. आर्. गायत्री मुरलीकृष्ण	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र
10.	डॉ. मधुकेश्वर भट्ट	सहायकाचार्य	व्याकरण

12. एकलव्य परिसर, अगरतला (पश्चिम त्रिपुरा)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. रणजित कुमार बर्मन	आचार्य	वेदान्त
2.	प्रो. सच्चिदानन्द तिवारी	आचार्य	साहित्य
3.	प्रो. बच्चा भारती	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	प्रो. धनीन्द्र कुमार झा	आचार्य	व्याकरण

क्रमश:....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
5.	डॉ रमाकान्त मिश्र	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	डॉ. पवन कुमार	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
7.	डॉ. गौराङ्ग बाघ	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
8.	डॉ. कृपाशंकर शर्मा	सहायकाचार्य	साहित्य
9.	डॉ. ओम प्रकाश	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. ऋषि राज	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	श्री अजय कुमार गन्धा	सहायकाचार्य	वेदान्त
12.	श्री कनपाल कुमार	सहायकाचार्य	व्याकरण

13. श्रीरघुनाथ-कीर्ति-परिसर, देवप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु	आचार्य/प्राचार्य (प्र.)	वेदान्त
2.	प्रो. बनमाली बिश्वाल	आचार्य	व्याकरण
3.	डॉ. आर. बालमुरुगन	सहाचार्य	न्याय
4.	डॉ. प्रफुल्ल गड़पाल	सहायकाचार्य	साहित्य

विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण

(वर्ष 2016-17 के दौरान)

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
१.	राघवेन्द्र (११६२)	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिर	भारतीयज्योतिश्शास्त्रे तुलनात्मकं समीक्षात्मकञ्चाध्ययनम्	ज्योतिष
२.	कृष्ण के.वी. (११९२)	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिर	प्रभाव्याख्यासंवलिताया: पञ्चरत्नकृते: पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्यम्
३.	कमलापति तिवारी (१२०५)	लखनऊ परिसर	संस्कृतशिक्षकाणां आधुनिकभाषाशिक्षकाणाञ्च शिक्षकाभिवृत्तिकार्यसन्तुष्टयो: तुलनात्मकम् अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
४.	अतुल दत्त (११९४)	भोपाल परिसर	माध्यमिकस्तरे संस्कृताध्यापकानां वृत्तिसंतृप्तौ सामाजिकसांस्कृतिककारकाणां प्रभावस्य विश्लेषणात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
५.	हरिओम (१२२२)	भोपाल परिसर	भाषणपठनकौशलयो: परिष्काराय पाठ्येतरक्रियाकलापानां योगदानस्याध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
६.	सरस्वती आर्या (११८७)	लखनऊ परिसर	व्याकरणमहाभाष्यान्तर्गतपरिभाषासूत्राणां व्याकरणमहाभाष्यटीकानामालोके समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
७.	प्रसाद भट्ट (११७५)	शृंगेरी परिसर	बृहज्जातकव्याख्ययो: रुद्रविवरणी-अपूर्वार्थप्रदर्शिकयो: तुलनात्मकमध्ययनम्	ज्योतिष
८.	शशिकान्त द्विवेदी (११२१)	लखनऊ परिसर	मुनित्रयनिरूपिताया भारतीयशिक्षाया: समीक्षात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
९.	वन्दना द्विवेदी (१२२०)	लखनऊ परिसर	क्षेमेन्द्रप्रतिपादितौचित्यप्रकारदृष्टया वेणीसंहारनाटकस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्यम्
१०.	जितेन्द्र थदानी (१२१५)	जयपुर परिसर	स्वातन्त्र्योत्तरकाले प्रणीतानां रामकथाश्रितमहाकाव्यानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्यम्
११.	मुकेश कुमार (११९१)	शृंगेरी परिसर	कर्णाटकस्थकनिष्ठोन्नप्राच्यसंस्कृतपाठशालासु सेवारतानां शिक्षकाणां वृत्तिसन्तृप्ते: अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
१२.	प्रमोद शुक्ल (११९९)	जयपुर परिसर	संस्कृतभाषाधिगमे गीत-पद्य-सुभाषित-कथानां प्रभावपरिशीलनम्	शिक्षाशास्त्र
१३.	शशिभूषण सेनापति (११८६)	पुरी परिसर	उत्कलराज्ये माध्यमिकस्तरे अधीयानच्छात्राणां सर्जनात्मकशक्तेरध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र

क्रमश:....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
१४.	जितेन्द्र कुमार गौतम (११८०)	जयपुर परिसर	अमरसिंहविरचितस्य अमरभूषणग्रन्थस्य सम्पादनं समीक्षणञ्च	ज्यौतिष
१५.	अनिरुद्ध नारायण शुक्ल (११९५)	लखनऊ परिसर	आधुनिकसन्दर्भे चन्द्रशृङ्गोन्नतिसमीक्षणम्	ज्यौतिष
१६.	विनायक भट्ट (११८८)	शृंगेरी परिसर	भाट्टसम्मताधिकारविधिविमर्शः	मीमांसा
१७.	हर्षवर्धन चौधरी (१२१८)	जयपुर परिसर	प्रौढमनोरमावृहच्छब्देन्दुशेखरयोः "स्त्रीप्रत्ययकारक-प्रकरणयोः" तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
१८.	शशिकान्त रथ (११८१)	पुरी परिसर	श्रीमद्भागवताऽधारेण वैष्णवकवि-'भूपतिपण्डित' विरचित 'प्रेमपञ्चामृता'ख्य-ग्रन्थस्य भक्तिशास्त्रीय-समीक्षणम्	पुराणेतिहासः
१९.	गणपति (११४९)	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिर	श्रीमध्वाचार्यविरचिततन्त्रसारसंग्रहस्य व्याख्यायाः श्रीवेंकटनरसिंहाचार्यविरचितायाः तन्त्रसारविवृतेः सविमर्श सम्पादनम्	द्वैतवेदान्त
२०.	मनीष जुगरान (१२३४)	जयपुर परिसर	प्रमुखच्छन्दोऽलंकाराधिगमे अभिक्रमिताध्ययनस्य प्रभावः	शिक्षाशास्त्र
२१.	सुश्रीसंगीता दाश (११८४)	पुरी परिसर	पुराणेषु सांख्यतत्त्वपरिशीलनम्	सांख्ययोग
२२.	सुमन (१२०९)	गरली परिसर	रविधर्मीयटीकोपेतस्य कविरहस्यस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
२३.	चिन्मय जैन (१२१०)	जयपुर परिसर	परम्परागताधुनिकशैक्षिकसंस्थासु अधीयनानां विद्यार्थिनां सर्जनात्मकचिन्तनस्य विद्यालयवातावरणसम्बद्धाभिवतेश्च तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
२४.	सत्यवान पण्डा (११८२)	पुरी परिसर	स्कन्दपुराणान्तर्गत वैष्णवखण्डे अद्वैतवेदान्ततत्त्वस्य विश्लेषणात्मकमध्ययनम्	अद्वैतवेदान्त
२५.	अंकुश कुमार (११९६)	गरली परिसर	श्रीमन्नित्यानन्दचरणानुचरविरचिताया अपरोक्षानुभूति-व्याख्यायाः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	अद्वैतवेदान्त
२६.	उम्मेद सिंह (११९७)	जयपुर परिसर	डॉ. भास्कराचार्यत्रिपाठिनः साकेतसौरभमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयमध्ययनम्	साहित्य
२७.	हेमन्त कुमार जोशी (११८३)	लखनऊ परिसर	डॉ. हरिनारायणदीक्षितप्रणीतस्य 'भारतमाता ब्रूते' इत्यस्य महाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
२८.	रोमा यादव (१२२६)	जयपुर परिसर	सूचनायाः अधिकारस्य विषये संस्कृताध्यापकानाम् अभिवृत्तेः, सामाजिक-जागृतेः, अनुप्रयोगस्य च तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
२९.	राहुल द्विवेदी (१२३६)	जम्मू परिसर	राजस्थानप्रान्तस्थ शिक्षाशास्त्रि (बी.एड्.) छात्राध्यापकानां छात्राध्यापिकानाञ्च सामाजिकार्थिकस्थितेः मूल्येषु प्रभावस्याध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
३०.	अभिषेक शर्मा (११४७)	गरली परिसर	समरसिंहविरचितस्य मनुष्यजातकस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	ज्योतिष
३१.	ज्ञानरञ्जन कर (११८५)	पुरी परिसर	इन्द्रपतिकृतःअलङ्कारसमुद्गस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
३२.	देवाशीष दाश (१२०६)	पुरी परिसर	हेत्वाभासस्वरूपविमर्शे बलदेवीविमलप्रभाटीकयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	सर्वदर्शन
३३.	जगदीश चन्द्र पाण्डेय (१२१२)	लखनऊ परिसर	कारकप्रकरणस्य अभिक्रमितानुदेशनाधारितम् अध्ययनम्	व्याकरण
३४.	आदित्य नारायण दाश (१२०७)	पुरी परिसर	आचार्यमेधाव्रतविरचितदयानन्ददिग्विजयमहाकाव्ये दार्शनिकतत्त्वानुशीलनम्	सर्वदर्शन
३५.	हनुमान सहाय माली (१२२४)	जयपुर परिसर	कादम्बर्याः भट्टमथुरानाथशास्त्रिविरचितचषकटीका-श्रीभानुचन्द्रगणि सिद्धचन्द्रगणिकृतटीकयोः तुलनात्मकमध्ययमन्	साहित्य
३६.	नरेन्द्र बी.एस्. (१२०२)	शृंगेरी परिसर	आचार्यरेवाप्रसादद्विवेदीभिरुक्तस्य काव्यतत्त्वस्य दण्डिभामहोक्तकाव्यतत्त्वेन सह तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
३७.	मानस रञ्जन साहु (१२३०)	पुरी परिसर	ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्ये शैक्षिकविधीनां सिद्धान्तानाञ्च समीक्षात्मकमध्ययनम्	सर्वदर्शन
३८.	जिन्सी मोल्.एस्. (१२०१)	गुरुवायूर परिसर	डॉ. भास्कराचार्यत्रिपाठिविरचितस्य साकेतसौरभमहाकाव्यस्य आचार्यरमेशचन्द्रशुक्लविरचितस्य सुगमरामायणमहाकाव्यस्य च तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
३९.	हेमराज शर्मा (१२२५)	जयपुर परिसर	पञ्चमहाकाव्येषु कौटिलीयस्य अर्थशास्त्रस्य प्रभावः	साहित्य
४०.	संदीप शर्मा (१२२७)	जयपुर परिसर	कविवरहरिरामाचार्यप्रणीतस्य नाचिकेतकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयमध्ययनम्	साहित्य
४१.	कुमारी सारुल (११३९)	जयपुर परिसर	प्रमुखस्मृतिग्रन्थेषु स्त्रीणामार्थिकस्थितेः समीक्षात्मकमध्ययनम्	धर्मशास्त्र
४२.	नवीन कुमार मिश्र (१२१९)	जयपुर परिसर	परिभाषेन्दुशेखरस्य प्रमुखपरिभाषाणां हर्षनाथमिश्रविरचितदुर्गाव्याख्यादृष्ट्या परिशीलनम्	व्याकरण
४३.	रोहिणी के. (१२२८)	गुरुवायूर परिसर	श्रीदयानन्दचरितमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयविमर्शः	साहित्य
४४.	मालिनी पि. (११८९)	गुरुवायूर परिसर	शब्दतत्त्वविचारः उपनिषत्सु	व्याकरण

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
४५.	गोपाल नागेश भट्ट (१२१४)	शृंगेरी परिसर	साहित्यमीमांसा-अलङ्कारसर्वस्वयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
४६.	राधानाथ दिश्री (१२०४)	पुरी परिसर	भवभूतिरुपकेषु सामाजिकतायाः समीक्षणम्	साहित्य
४७.	रामविहारी झा (११९३)	जम्मू परिसर	यास्ककृतनिरूक्तस्य प्रपन्नालोकाख्यटीकायाः व्याकरणदृशासमीक्षणम्	व्यारकण
४८.	विशम्भर मीणा (११७३)	जयपुर परिसर	यज्ञेश्वरविरचितस्य कालनिर्णयस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	धर्मशास्त्र
४९.	समरेन्द्र नारायण पण्डा (१२०३)	पुरी परिसर	वात्स्यायनप्रशस्तपादभाष्ययोः तुलनात्मकमध्ययनम्	सर्वदर्शन
५०.	एल्. सुधीन्द्र (११७७)	पूर्णप्रज्ञा संशोधन मन्दिर	पक्षधरमिश्रकृतस्य तत्त्वचिन्तामण्यालोकस्य विमर्शात्मकं सम्पादनम् अध्ययनं च	नव्य न्याय
५१.	प्रवीण कुमार जैन (११९८)	जयपुर परिसर	जैनदर्शन त्रैलोक्यविषयकधारणायाः समीक्षात्मकं तुलनात्मकं वाऽध्ययनम्	जैनदर्शन
५२.	ज्योति गुप्ता (११४१)	जयपुर परिसर	शब्दशास्त्रालोके न्यायमीमांसयोः प्रतिपादितानां भाषासिद्धान्तानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
५३.	अंजू शर्मा (१२२९)	जयपुर परिसर	आचार्यरघुनाथशर्मप्रणीतानां प्रमुखस्तोत्रकाव्यानां समीक्षणं सम्पादनञ्च	साहित्य
५४.	कमला देवी सुयाल (१२५४)	भोपाल परिसर	भाविशिक्षकाणां सामाजिकस्थितेः, अध्ययनप्रवृत्तेः, परासंज्ञानात्मकचिन्तनस्य च सन्दर्भे जीवनमूल्यानामध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
५५.	अमन शर्मा (१२४९)	गरली परिसर	ज्योतिषशास्त्रे अकालमृत्युनिर्णयः तन्निवारणोपायाश्च	फलितज्योतिष
५६.	महाबलेश्वर भट् किरुकुंभत्ति (१२१६)	शृंगेरी परिसर	श्री गङ्गाधरसरस्वतीकृत स्वोपज्ञव्याख्यासहितस्वराज्ये-सिद्धेः समीक्षात्मकमध्ययनम्	फलितज्योतिष
५७.	ललित मोहन पाण्डेय (१२६३)	लखनऊ परिसर	रामप्रसादत्रिपाठिनः सिद्धान्तचिन्तामणेः शब्दशास्त्रीयं वैशिष्ट्यम्	व्याकरण
५८.	अतुल गर्ग (१२७२)	लखनऊ परिसर	देहलीस्थराजकीयकेन्द्रीयविद्यालययोः संस्कृतशिक्षकाणां सर्जनशीलतानेतृत्वकौशलयोः प्रभावोत्पादकतायाः अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
५९.	नीतू शर्मा (१२३५)	भोपाल परिसर	ध्वन्यालोकस्य टीकापरम्परायां दीपशिखाटीकायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
६०.	राजेन्द्र भट्ट (१२५२)	शृंगेरी परिसर	श्रीमदनन्तभट्टविरचितायाः शास्त्रमालावृत्तेः पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनमध्ययनञ्च	मीमांसा
६१.	पुरुषोत्तम (१२२१)	लखनऊ परिसर	काशिकायाः प्रथमद्वितीयाध्याययोः प्रत्युदाहरणानां प्रक्रियाविमर्शः	व्याकरण

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
६२.	दीपी गोयल (१०९६)	जयपुर परिसर	रसगङ्गाधरोक्तालङ्कारविश्लेषणे सरला-रसचन्द्रिकयोः मतभेद विमर्शः	साहित्य
६३.	पूजा उपाध्याय (१२४०)	पुरी परिसर	भारतीयदार्शनिकचिन्तने व्यक्तित्वविमर्श	शिक्षाशास्त्र
६४.	वासु मोहन (१२६५)	गरली परिसर	प्रज्ञानाश्रमभिक्षुविरचिताया: स्वात्मानन्दप्रकाशिकाया: सम्पादनं समीक्षात्मकमध्ययनञ्च	अद्वैत वेदान्त
६५.	प्रवीण मणि त्रिपाठी (१२६९)	लखनऊ परिसर	आगमतन्त्रोक्त शैक्षिकतत्त्वानां परिशीलनम्	शिक्षाशास्त्र
६६.	भारती एस्. सुब्रह्मण्यम् (१२५५)	शृंगेरी परिसर	नवाह्निकस्थसूत्रेषु सम्भवतां भट्टोजीदीक्षितनागेशभट्टयो: मतभेदविचाराणामध्ययनपूर्वकं यथासम्भवम् अन्यतरमतस्य न्यायस्त्वविमर्शः	व्याकरण
६७.	प्रेम प्रकाश नैथानी (१२६७)	जयपुर परिसर	माध्यमिकस्तरीयच्छात्राणां व्यक्तित्वात्मसम्प्रत्ययविकासयो: सततसमग्रमूल्याङ्कनस्य प्रभावः	शिक्षाशास्त्र
६८.	सन्दीप कुमार दूबे (१२५७)	भोपाल परिसर	कालिदास साहित्ये पौराणिक सन्दर्भाणां समीक्षणम्	साहित्य
६९.	उमेश चन्द्र कपिल (१२७०)	लखनऊ परिसर	संस्कृतकाव्यनिरूपितानां कतिपयस्वयंवरप्रसङ्गानां तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
७०.	कौशलेन्द्र कुमार तिवारी (१२६४)	इलाहाबाद परिसर	चक्रपाणिविजयम् महाकाव्यस्य सन्दर्भे संस्कृतसाहित्ये उषानिरुद्धकथाया: परम्परा	साहित्य
७१.	शिव कुमार (१२२३)	गरली परिसर	ग्रहस्पष्टीकरणे भगणपातयो: समीक्षणम्	ज्योतिष
७२.	प्रदीप कुमार द्विवेदी (१२४७)	लखनऊ परिसर	आचार्यशान्तरक्षितविरचित तत्त्वसङ्ग्रहस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	बौद्धदर्शन
७३.	अखिलेश कुमार पाण्डेय (१२३९)	दिल्ली परिसर	माध्यमिकस्तरीयच्छात्राणां मनोभारस्य शैक्षिकोपलब्धे: अध्ययनप्रवृत्तेश्च सन्दर्भे सतत व्यापक मूल्याङ्कनं प्रति अभिवृत्तीनां समीक्षात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
७४.	उमाकान्त पाण्डेय (१२५९)	इलाहाबाद परिसर	अभिराजराजेन्द्रमिश्रप्रणीतानां नवीनानां शालभञ्जिका हविर्धानी शिखरणी-संज्ञकानाम गीतिकाव्यानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
७५.	रंजीता मौर्य (१२३३)	इलाहाबाद परिसर	श्रीकृष्णदासविरचितस्य कर्णानन्दम् इत्याख्यस्य सटीकस्य काव्यस्य सम्पादनं समीक्षणञ्च	साहित्य
७६.	कपिल देव (१२४३)	इलाहबाद परिसर	अभिराजराजेन्द्रमिश्र प्रणीत प्रशान्तराघवम् नाटकस्य सामीक्षिकं परिशीलनम्	साहित्य
७७.	शङ्कर नागेश भट्ट (१२१७)	शृंगेरी परिसर	श्रीमहानारायणोपनिषद्भाष्यत्रय समीक्षात्मकमध्ययनम्	अद्वैत वेदान्त
७८.	पुष्पा हेगड़े (१२४५)	शृंगेरी परिसर	षोडशाध्याय्या अन्तिमाध्याय चतुष्कस्य सम्पादनमध्ययनमञ्च	अद्वैत वेदान्त

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
७९.	रामचन्द्र चतुर्वेदी (१२४४)	इलाहाबाद परिसर	वैङ्कटाध्वरिविरचितस्य उत्तरचम्पूरामायणस्य समीक्षात्मकं परिशीलनम्	साहित्य
८०.	प्रकाश कुमार शतपथी (१२८५)	पुरी परिसर	प्रायश्चित्तविषये विश्वरूप-मेधातिथ्योस्तुलनात्मकमध्ययनम्	धर्मशास्त्र
८१.	स्वर्णलता कर (१२७३)	पुरी परिसर	भक्तकविदीनकृष्णदासविरचिते 'रसकल्लोल' काव्ये दार्शनिकतत्त्वानां समीक्षणम्	सर्वदर्शन
८२.	हरशान्त वीर सिंह (१२६०)	लखनऊ परिसर	विष्णुधर्मोत्तरपुराणतृतीयखण्डस्य अपाणिनीयप्रयोगाणां साधुत्वविचारः	व्याकरण
८३.	अजय पण्ड्या (१२९५)	जयपुर परिसर	निम्नोपलब्धि-उच्चोपलब्धिसंस्कृतच्छात्राणाम् अभिरुचेः समायोजनक्षमतायाः च तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
८४.	खुशवन्त सिंह (१२३२)	गरली परिसर	संस्कृत-वाङ्मयं प्रति त्रिगर्तस्यावदानम्	साहित्य
८५.	शशिकान्त शर्मा (१२५१)	जयपुर परिसर	सूर्यसिद्धान्तस्य तत्त्वामृतभाष्यविज्ञानभाष्ययोः तुलनात्मकमध्ययनम्	ज्यौतिष
८६.	दीपिका गोलिया (१२३७)	भोपाल परिसर	राधाचरितमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयमध्ययनम्	साहित्य
८७.	सुब्रत षडङ्गी (१२९०)	पुरी परिसर	अच्युतानन्ददासकृतशून्यसंहितायाः दार्शनिकतत्त्वविश्लेषणम्	सर्वदर्शन
८८.	महेन्द्र कुमार चौधरी (१२५३)	जयपुर परिसर	कविवरराधावल्लभत्रिपाठिनो नाट्यसाहित्यस्य नाट्यशास्त्रीयमध्ययनम्	साहित्य
८९.	सुरेश चन्द्र जोशी (१२६८)	लखनऊ परिसर	वाक्यपदीयब्रह्मकाण्डभागस्य आनन्दाटीकायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
९०.	विजयानन्द अडिग बि. (१२८३)	शृंगेरी परिसर	श्रीसूर्यसिद्धान्तस्य यल्लयविरचितकल्पवल्लीव्याख्यायाः पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम् अध्ययनञ्च	ज्योतिष
९१.	सुलोचना मिश्र (१२८६)	पुरी परिसर	प्रणयवल्लरी-अभिज्ञानशाकुन्तलयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
९२.	हृदयेश शर्मा (१२५८)	भोपाल परिसर	स्वातन्त्र्योत्तरकाले प्रणीतस्य छत्रपतिशिवाजिचरिताश्रित-संस्कृतसाहित्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
९३.	जयकृष्ण (१२८१)	शृंगेरी परिसर	लक्ष्मीधरस्य चक्रपाणिविजये प्रयुक्तानां विशिष्टशब्दानां व्याकरणदृष्ट्या परिशीलनम्	व्याकरण
९४.	वेङ्कटेश (१२४६)	शृंगेरी परिसर	महामहोपाध्यायनागेशभट्टविरचितपरिभाषेन्दुशेखरस्य हरिशास्त्रिणा विरचितवाक्यार्थचन्द्रिकायाः समीक्षात्मकम् अध्ययनम्?	व्याकरण
९५.	राघवेन्द्र पी. अरोल्ली (१२४२)	शृंगेरी परिसर	प्राचीनन्याय-वैशेषिक-नव्यन्यायशास्त्रेषु तत्तद्व्याख्याकाराणां सैद्धान्तिकमतभेदानां सङ्कलनपूर्वकं विमर्शात्मकमध्ययनम्	नव्यन्याय
९६.	हेमन्त जैन (१२९३)	जयपुर परिसर	आचार्यकुन्दकुन्दविरचितस्य रत्नसारस्य (रयणसारस्य) समालोचनात्मकमध्ययनम्	जैनदर्शन

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
९७.	शैलेश कुमार मिश्र (१२६१)	इलाहाबाद परिसर	कौमुदीकथाकल्लोलिन्याः समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
९८.	श्वेतालीना कर (१२७४)	पुरी परिसर	पण्डितयतिराजाचार्यकृतस्य विनोदिनीविनोदव्यायोगस्य समीक्षात्मकसम्पादनम्	साहित्य
९९.	शुभदर्शिनी त्रिपाठी (१२७६)	पुरी परिसर	ब्रह्मवैवर्त्तपुराणागत-स्तुतिषु अद्वैत-तत्त्वान्वेषणम्	अद्वैतवेदान्त
१००.	राजेश एम्.डि. (११९०)	श्रृंगेरी परिसर	मतान्तरपर्यालोचनपूर्वकं मम्मटाचार्य-पण्डितराज-जगन्नाथयोः काव्यशास्त्रीयम् अध्ययनम्	साहित्य
१०१.	मनोज वशिष्ठ (१२७८)	जयपुर परिसर	श्रीमद्भागवतमहापुराणे दशमस्कन्धस्य व्याकरणशास्त्रीय दृष्ट्या विश्लेषणात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
१०२.	चन्द्रमणि शुक्ल (१२३१)	इलाहाबाद परिसर	प्रशस्यमित्रशास्त्रिणः साहित्यस्य सामीक्षिकं परिशीलनम्	साहित्य
१०३.	उदयन हेगडे (१२९१)	पूर्णप्रज्ञा संशोधन मन्दिर	देवकृतदैवधातुपाठस्य समीक्षात्मकम् अध्ययनम्	व्याकरण

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (समविश्वविद्यालय)
से सम्बद्ध संस्थाएं

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
बिहार		
1.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्या आश्रम संस्कृत विद्यालय, पोस्ट अफिस-लगमा वाया-लोहना रोड़, जिला दरभंगा-847407(बिहार)	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम उत्तरमध्यमा-प्रथम
2.	देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय (संस्कृतनगर) रामचन्द्रपुर, अन्धैल, पो. पटेली, वाया-ऊजियारपुर, जिला–समस्तीपुर, पिन–848132 (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
3.	डॉ. रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुजफ्फरपुर (बिहार) 842001	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, प्राचीन व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, सर्वदर्शन)
4.	राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ जिला–दरभंगा (बिहार) 846003	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, फलित सिद्धान्त ज्योतिष, नव्यव्याकरण, फलित)
5.	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला-बेगूसराय, बिहार–851101	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
6.	रामसुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान रमोली बेलान (लक्ष्मीनाथ नगर) वाया बहेरा, जिला–दरभंगा 847407 (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, शास्त्री–प्रथम, द्वितीय,

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
		तृतीय, आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, वेद, ज्योतिष)
7.	डॉ. मंडन मिश्र संस्कृत महाविद्यालय, संजात, जिला–बेगुसराय (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
8.	अजित कुमार संस्कृत शिक्षण संस्थान, उमाकान्त नगर, पो. लढोरा, जिला–समस्तीपुर–848302 (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य फलित ज्योतिष)
9.	लक्ष्मी हरिकान्त संस्कृत प्राथमिक सहमाध्यमिक विद्यालय, झंझारपुर, जिला–मधुबनी, बिहार–847404	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
10.	दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, ग्राम-कालीधाम, पो. कथरा जिला–दरभंगा (बिहार) 847423	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
11.	जे.एन.बी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो. ऑ. लगमा, वाया लोहना रोड, जिला–दरभंगा (बिहार) 847407	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य,वेद, व्याकरण और धर्मशास्त्र)।
दिल्ली		
12.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेश नगर, नई दिल्ली–110015	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, न्याय)
13.	ब्रह्मर्षि राम प्रपन्नाचार्य संस्कृत वेद वेदांग महाविद्यालय राजघाट के पीछे, पुराना पावर हाऊस, नई दिल्ली–2	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
14.	श्रीराम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय, (राम विद्या मन्दिर एजुकेशन सोसायटी के अन्तर्गत) मंडावली, दिल्ली–110092	आचार्य–प्रथम, द्वितीय (फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पौरोहित्य)
15.	वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय वसंत विहार, नई दिल्ली–110057	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
16.	राम दल संस्कृत महाविद्यालय 1612 दरीबा कलाँ, दिल्ली–6	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
17.	शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ, 1021-1024, गली शक्ति मन्दिर दरियागंज, नई दिल्ली–110002	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
18.	समन्त भद्र संस्कृत महाविद्यालय दरियागंज, नई दिल्ली–110002	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, जैन-दर्शन)
19.	श्री महावीर विश्व विद्यापीठ ए-6, पश्चिम विहार, चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110063	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, सर्वदर्शन)
20.	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय एफ-487/3, रघुवीर नगर नई दिल्ली–110027	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
21.	आर्य कन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली–110060	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
22.	राम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय करावला, दिल्ली–110081	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
		प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
23.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरेवली, दिल्ली–110039	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय (परम्परागत शास्त्र एवं आधुनिक ऐच्छिक विषय)
24.	बाल विद्या मन्दिर (नजदीक रोहिणी-सेक्टर-20), पूठ कलाँ दिल्ली–110041	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
गुजरात		
25.	श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय श्री कौशलेन्द्र मठ, सुरखेज रोड, पो. पलाडी, अहमदाबाद, गुजरात–380007	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (रामानंद वेदांत)
हरियाणा		
26.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) – 123039	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
27.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ पो. बघौला, तहसील–पलवल जिला–फरीदाबाद (हरियाणा) 121102	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
28.	श्री रामानन्द ब्रह्मर्षि संस्कृत महाविद्यालय विराट नगर, पिंजौर (हरियाणा) 134102	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
29.	श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय तीर्थ, पाण्डु पिण्डारा, जीन्द (हरियाणा)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
जम्मू व कश्मीर		
30.	श्री गुरु गंगादेव संस्कृत महाविद्यालय, शिवकाशी, सुन्दरवनी	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
	जिला–राजौरी, जम्मू	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष वेद)
झारखण्ड		
31.	लक्ष्मी देवी शर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, काली रेखा, वैद्यनाथ धाम देवघर, झारखण्ड, पिन : 814112	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
कर्नाटक		
32.	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिर पूर्णप्रज्ञा विद्यापीठ, पूर्णप्रज्ञा नगर, कठरीगुप्पा मेन रोड, बैंगलोर–560028	विद्यावारिधि
केरल		
33.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय पिलात्तरा रोड, वाया मंडुर जिला–कन्नूर – 670501 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
34.	श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय रामकृष्ण मठ, पो.–अरुणापुरम, पलै जिला–कोट्टायम – 686574 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (अद्वैत वेदान्त)
35.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ पो. इड्डाकाडोम, वा. इजहूकोन, जिला–क्वीलोन (केरल) 691505	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
36.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो. बालूसरी, जिला–कालीकट – 673612	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, अद्वैत वेदान्त)
37.	कोंडगलूर विद्वत्पीठम् पैलेस रोड, पो. कोडंगलूर जिला–त्रिचूर (केरल) - 680664	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
38.	वूमेंस चैरिटेबल सोसाइटी, श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ, ओवर बिज जंक्शन, एम.जी. रोड़ तिरुवन्तपुरम, 695003 केरल	प्राक् शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
39.	महेश्वरी संस्कृत कॉलेज गाँव व पो. कक्कुर जिला–कोजीकोड–673619 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
महाराष्ट्र		
40.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के.एम. मुन्शी मार्ग	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय, आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, मुम्बई–400007 अद्वैत वेदान्त)
41.	श्री अंबाजी संस्कृत महाविद्यालय निवेतिया रोड, मलाड (पूर्व) मुम्बई (महाराष्ट्र) – 400097	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
मणिपुर		
42.	मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय डी.एम. कॉलेज कैम्पस, इम्फाल, मणिपुर–795001	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय, उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय, प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
43.	राधा माधव संस्कृत महाविद्यालय, पो. नाम्बोल, मणिपुर–795134	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन)
पंजाब		
44.	बाबा हरदित गिरि संस्कृत विद्यालय संस्कृत-प्रचारिणी श्रीदसनामी अखाड़ा सरहिन्द शहर, जिला–फतेहगढ़ साहिब, पंजाब 140406	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
45.	श्री सरस्वती संस्कृत कॉलेज पो0 खन्ना, जिला–लुधियाना (पंजाब) 141401	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
राजस्थान		
46.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ, सिंधी कालोनी, गंगापुर सिटी, जिला–सवाई माधोपुर (राजस्थान) 322201	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–द्वितीय
उत्तर-प्रदेश		
47.	रानी पद्मावती तारा योग तंत्र आदर्श महाविद्यालय, इन्द्रपुर, (शिवपुर) वाराणसी उत्तरप्रदेश	उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, कर्मकाण्ड, सर्वदर्शन एवं वेद)
48.	श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय बी-22/195, द्वारिकाधीश मन्दिर, शंकुलधारा, वाराणसी–221010	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण)
49.	गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद–201204 उत्तर प्रदेश	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
50.	श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश–248005	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
51.	गान्धी संस्कृत महाविद्यालय, पँवरी गौहनिया, पो. जसरा, इलाहाबाद-212107 (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
52.	अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय ग्रा. व पो. कौंधियार, इलाहाबाद (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
53.	रानी पद्मावती योग तन्त्र उच्च माध्यमिक विद्यालय इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी (उ.प्र.)	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
उत्तरांचल		
54.	ज्वाल्पा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय श्री. ज्वल्पाधाम, पो. पाटीसैण जिला-पौडी गढ़वाल-246167 उत्तरांचल	शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
55.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ सल्ड महादेव, तहसील-धूमाकोट जिला–पौडी गढ़वाल–246279 (उत्तरांचल)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
पश्चिम बंगाल		
56.	पगलानन्द संस्कृत विद्यालय (स्कूल लेवल) आचार्य भवन, प्लाट नं. 216, ग्राम व पो. दरुआ, थाना-कान्ताई, जिला-पूरबा, मेदिनीपुर-721401 (प.बं.)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
57.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता–700035	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, नव्यन्याय, अद्वैत वेदान्त, वेद, ज्योतिष, बौद्ध दर्शन, धर्म-शास्त्र)
58.	हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय लिंग्से, दार्जीलिंग हरलोक लिंग्से, वाया रीनोक (प.बं.) – 737133	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
59.	कालियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गाँव–कालियाचक पोस्ट ऑफिस हेरिया जिला–मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) – 721430	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य, धर्मशास्त्र और अद्वैत वेदान्त)
60.	मदर उषा मेमोरियल ओरियन्टल सैन्ट्रल इंस्टीट्यूशन एण्ड आगम (तंत्र) रिसर्च सेन्टर, ग्राम व प्रो. तेनोहरी, जिला–उत्तर दीनाजपुर (पश्चिम बंगाल) – 733123	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
61.	भारती चतुष्पती संस्कृत महाविद्यालय, श्री श्रीगुरु कर्ण निकेतन, अमूल्य पारा, नवद्वीप, नादिया, (पश्चिम बंगाल) – 741302	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण, अद्वैत वेदान्त)
62.	रामकृष्ण मठ विवेवकानन्द वेद विद्यालय, पो. ओ. वेलूर मठ जिला–हावड़ा (पश्चिम बंगाल) – 711202	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
63.	ठाकुर गदाधर संस्कृत विद्यापीठ पोस्ट ऑफिस आरामबाग (कलिपुर) जिला हुगली (पश्चिम बंगाल)-712601	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय

परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
1.	भारत सरकार, कैबिनेट सचिवालय, कार्मिक विभाग, नई दिल्ली नं. 6/12/71 स्थापना (डी)	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्.
2.	मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग नं. 796/786/1 (3)/72 दिनांक 5.12.1972	–वही–
3.	पंजाब सरकार, नं. 472-468-II/72/2686 दिनांक जनवरी, 1971	–वही–
4.	गोआ, दमन व दीव, विशेष-स्थापना-2065-II दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	–वही–
5.	भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय/शिक्षा, नई दिल्ली सं.एफ. 7-2/83-संस्कृत-2, दि. 31.12.1992	शिक्षा आचार्य-एम.एड.
6.	तमिलनाडु सरकार, ज्ञापन सं. 94120/एच-172-2-शिक्षा पत्र संख्या-एल.डिस 35033/04 दिनांक 2 जनवरी, 1973	1. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 2. प्रथमा-मिडिल स्कूल 3. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 4. पूर्वमध्यमा-मैट्रिक
7.	महाराष्ट्र सरकार, 82/ दिनांक 24-9-92 अनुशेष सं. एस.एस.एन. 3371/137427-ई दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	1. उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री- उच्चविद्यालय प्रमाणपत्र

क्रमशः....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
8.	उत्तर प्रदेश सरकार, सं. 10/3/1972 नियुक्ति (4) लखनऊ, दिनांक 27 अगस्त, 1973	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा) 2. पूर्वमध्यमा-हाई स्कूल 3. उत्तरमध्यमा-इण्टर 4. शास्त्री-बी.ए. 5. आचार्य-एम.ए. 6. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 7. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 8. वाचस्पति-डी.लिट्
9.	हरियाणा सरकार, सं. 278, जी. शिक्षा (4ई) 74/14620 चंडीगढ़, दिनांक 13.5.1974 ज्ञापन सं.-डी 4/50-73-सीओ (2) चंडी दिनांक 21.10.1986	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी या इण्टरमीडिएट 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट् 7. शिक्षाशास्त्री-ओ.टी. (संस्कृत)
10.	गुजरात सरकार, प्रस्ताव सं. एसएसएन-3266/72127 (73) ई 78583-जी सचिवालय, गान्धीनगर, दिनांक 30 अप्रैल 1986	1. शिक्षा-शास्त्री-बी.एड.
11.	हिमाचल प्रदेश सरकार, सं. 23-62/70/सेक्रे/ एजु-ए वोल् 3 दिनांक 17.3.1973	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
12.	त्रिपुरा सरकार, सं. एफ. 83 (4-12) डीई/73 अगरतला, दिनांक 15.7.1972	–वही–
13.	राजस्थान सरकार, पी 9 (75) एस.पी./71/शिक्षा-5 दिनांक 18.3.1975 शिक्षा (ग्रुप 8) सं. एफ 10 व 74 शिक्षा (ग्रुप 4)/72 दिनांक 22 मई, 1978	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्

क्रमश:....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
14.	जम्मू व कश्मीर सरकार, सं एजु. - 9/ई/74 स्वीकृत दिनांक 22.6.1975	1. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी अथवा पी.यू.सी. 2. शास्त्री-बी.ए. 3. आचार्य-एम.ए. 4. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट्
15.	ओडिशा सरकार 176/10/ईवाइई दिनांक 19.6.1975 सं. 20/32/75/828	1. शास्त्री-बी.ए. 2. आचार्य-एम.ए.
16.	पश्चिम बंगाल सरकार, शिक्षा विभाग सेक. ब्राँच, सं. 441 - एजु. (एस) 6 सी-II/89 कोलकाता, दिनांक 6 मई 1990	शिक्षाशास्त्री-बी.एड.
17.	बिहार सरकार, संकल्प सं. 8/आर.-2003/86 के.ए. 9139/पटना दि. 25-6-1987	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-पूर्व मैट्रिक (अंग्रेजी रहित) मैट्रिक (अंग्रजी सहित) 3. शास्त्री-(अंग्रेजी सहित) बी.ए. 4. आचार्य-(बी.ए. अंग्रेजी सहित उत्तीर्ण) एम.ए.

परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
1.	महाराजा सायाजीराव बडौदा विश्वविद्यालय, पत्र सं. एसी/II/221 दिनांक 4.9.73	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
2.	सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं. सामान्य/मान्यता/974 दिनांक 16.6.73 तथा दिनांक 9.4.1973	मध्यमा शास्त्री आचार्य	इंटरमीडिएट बी.ए. एम.ए.
3.	विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) पत्र सं. प्रशासन/मान्यता/73 दिनांक 9 अगस्त, 1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
4.	आन्ध्र विश्वविद्यालय, पत्र सं. 1 (6) 3925/72 दिनांक 27.9.73 वाल्टेयर	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर पत्र सं. एफ-4-1/72 शैक्षिक-II/1146/ए दिनांक 22.5.73	शास्त्री	बी.ए.
6.	कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं. जी ए (डी 4) 899/72 दिनांक 28.11.1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. (संस्कृत मुख्य) एम.ए. (संस्कृत मुख्य) बी.एड. (संस्कृत) पी-एच.डी. डी.लिट्
7.	श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति संख्या-सी.आई. 33017/73 दिनांक 19.1.76	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. (संस्कृत) में प्रवेश के प्रयोजन से)

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
8.	मगध विश्वविद्यालय, बोध गया	मध्यमा	हायर सेकेण्डरी
	पत्र सं. 4767/48-23 डी II/बोध गया	शास्त्री	बी.ए.
	दिनांक 4.12.73	आचार्य	एम.ए.
		शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
		विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
9.	जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू	मध्यमा	प्री-यूनिवर्सिटी
	पत्र संख्या-एफ शैक्षिक/V/153/74/4195-99	शास्त्री-भाग-1	बी.ए. (भाग-1)
	दिनांक 14.2.1974	शास्त्री-भाग-3	बी.ए. (अंतिम वर्ष)
		आचार्य	एम.ए., संस्कृत या साहित्याचार्य
10.	अन्नामलाई विश्वविद्यालय	शास्त्री	बी.ए.
	एल. डिस्. पी-बी 21/83/73	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 22.2.1974		
11.	बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान	मध्यमा	विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम
	आर.सी.आई/सम/141/376/74		
	दिनांक 24.6.74	शास्त्री	कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्ष)
		आचार्य	एम.ए.
		विद्यावारिधि	डी.फिल्.
		वाचस्पति	डी.लिट्
12.	कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर	शास्त्री	बी.ए.
	पी एस के वी/बोर्ड/4318/74-75	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 22.11.74		
13.	उत्कल विश्वविद्यालय, पत्र सं.	शास्त्री	बी.ए. (द्रष्टव्य क्रम सं. 32 भी)
	ए सी-1/आर.एम./171/51046/75		
	दिनांक 1.7.1975		
14.	पूना विश्वविद्यालय, पूना	प्राक्शास्त्री	प्री-डिग्री
	ईएलजी/सम-109/3949	शास्त्री	बी.ए. (संस्कृत)
	दिनांक 26.4.1975	आचार्य	एम.ए. (संस्कृत)
		शिक्षाशास्त्री	बी.एड. (संस्कृत)
15.	जयपुर विश्वविद्यालय,	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. ई./3013	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 13.5.1975		

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
16.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र	शास्त्री	बी.ए., शास्त्री
	पत्र सं. ए सी एम-II/6115	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 6.6.1975 और ए सी		
	एम/II/137/76/18904		
	दिनांक 7.8.76, ए सी एम-II/137/81/4139		
	दिनांक 19.3.81		
	ए सी एम-II/08/एफ/37/3695 दिनांक 1-4-08	प्राक्शास्त्री	+2 स्तर परीक्षा
	ए सी एम-II/08/एफ/37/4788 दिनांक 25-4-08	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
17.	गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद,	शास्त्री	बी.ए.
	परीक्षा/बी. मान्यता सं. 32482 दिनांक 17.9.1975	आचार्य	एम.ए.
18.	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली	प्रथमा	आठवीं
	देखिए डी.ओ.सं. 80628	पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष	दसवीं
	दिनांक 27-5-1988	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री-II	बारहवीं
	सी बी.एस.इ./कोआर्ड/एसओसीडी/		
	2009/6147 दिनांक 3.3.09		
19.	केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. सी.-3/720/76	आचार्य	एम.ए.
	जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक 22.3.76,	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
	एसी. सी 3/1600/77	वाचस्पति	डी.लिट्
	दिनांक 3.1.81		
20.	विश्व भारती सं. जी-4-43	शास्त्री	बी.ए.
	दिनांक 23.4.76	आचार्य	एम.ए.
		विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
		वाचस्पति	डी.लिट्
21.	भारतीय विश्वविद्यालय संघ	शास्त्री	बी.ए.
	संघ पत्र सं. ईवी II/(227)/76/32765	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 7.2.76 नई दिल्ली		
22.	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. 3-8-74-एच पी यू (शैक्षिक)	शिक्षा-शास्त्री	बी.एड.
	दिनांक 2.7.77, 3-27/79	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 4.7.80	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
		वाचस्पति	डी.लिट्
23.	दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	शास्त्री	बी.ए. पासकोर्स
	पत्र सं.-1/मान्यता/डी/84		(एम.ए. संस्कृत में प्रवेश
	दिनांक 14.11.84		के प्रयोजन से)
		आचार्य	एम.ए.

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
24.	संभलपुर विश्वविद्यालय, संभलपुर पत्र सं. 11727/शैक्षिक दिनांक 4.5.79, 6824/शैक्षिक दिनांक 27.9.85 संभलपुर	शास्त्री	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन हेतु)
		आचार्य	एम.ए.
25.	श्री कामेश्वर सिंह दरभंगा विश्वविद्यालय पत्र संख्या-9356/74 दिनांक 4.10.74	मध्यमा	मध्यमा
		शास्त्री	शास्त्री
		आचार्य	आचार्य
		शिक्षाशास्त्री	शिक्षाशास्त्री
		विद्यावारिधि	विद्यावारिधि
		वाचस्पति	विद्या वाचस्पति
26.	कर्णाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ पत्र सं.-मान्यता/के-108/शैक्षिक/1504 दिनांक 12.7.79	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.
27.	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पत्र सं. सामान्य/मान्यता/3920 दिनांक 22.4.1980	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.
28.	मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं. सी आर-III/मान्यता/1925 दिनांक 17.3.1980	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए. (यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)
29.	पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ पत्र सं. एस-16981 दिनांक 28.11.1980	प्रथमा	प्राज्ञ
		मध्यमा	विशारद
		शास्त्री	शास्त्री
		आचार्य	आचार्य
30.	श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं. 5163/84/एस.जे.एस.बी. दिनांक 10.8.84	प्रथमा	प्रथमा
		पूर्वमध्यमा	मध्यमा
		उत्तरमध्यमा	उपशास्त्री
		शास्त्री	शास्त्री
		आचार्य	आचार्य
		विद्यावारिधि	विद्यावारिधि
		वाचस्पति	वाचस्पति
31.	बरहामपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, बरहामपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं. 5131/शैक्षिक-II/बी यू/84 दिनांक 16.4.84 सं 5/01/शैक्षिक-I दिनांक 3.6.2005	शास्त्री	बी.ए. (पास)
		आचार्य	एम.ए. (संस्कृत)
		शिक्षा शास्त्री	बी.एड.

क्रमश:....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
32.	उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं. ए सी/आर एम/171ए/16292 दिनांक 31.3.84, ए सी/ मान्यता/सामान्य/ए-16178/84 दिनांक 29.3.84	आचार्य शिक्षा-शास्त्री	एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.
33.	त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू, काठमांडू, नेपाल पत्र सं. 372/04 दिनांक 19.9.84	प्राक्शास्त्री शास्त्री	उत्तरमध्यमा शास्त्री
34.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं. जी-458/4019/74-85 दिनांक 28.5.85	प्रथमा पूर्वमध्यमा प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा-शास्त्री शिक्षा-आचार्य	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा-शास्त्री शिक्षा-आचार्य
35.	भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल पत्र सं. 1112/बी यू/शैक्षिक/85 दिनांक 15.3.85	शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए./एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
36.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं. शै.-1722/92 दिनांक 22.12.92	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)
37.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं.-एसीएम/II/137/92/32489 दिनांक 28.12.92	शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ) शास्त्री आचार्य	बी.ए. (पास) टी डी सी (10+1+3 योजना के अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी को अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। शास्त्री एम.ए. (यदि विद्यार्थी बी.ए. अंग्रेजी विषय के साथ पास हुआ हो)
38.	गांधीजी विश्वविद्यालय, कोट्टायम् सं.एसी.ए. I/3/305/86 (3) दि. 24.10.86	प्राक्शास्त्री तथा उत्तरमध्यमा शास्त्री शिक्षाशास्त्री आचार्य विद्यावारिधि एवं वाचस्पति	प्री.डिग्री (संस्कृत) बी.ए. (संस्कृत) बी.एड. एम.ए. पी.एच.डी.

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
39.	मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर, इम्फाल सूचना दिनांक 3 जनवरी, 1992	शास्त्री (अंग्रेजी सहित)	बी.ए.
40.	अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर पत्र सं. एफ 14 (193) शैक्षिक-II/यू ओ ए/92/3400/3506 दिनांक 6 फरवरी, 1992	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
41.	नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, द्वारा सं. परीक्षा/मान्यता/ए/3667 दिनांक 1.4.78	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. भाग I में प्रवेश प्राप्ति हेतु)
42.	उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर, द्रष्टव्य सं. ई/3013 दिनांक 13.5.75	शास्त्री आचार्य	बी.ए. (यदि बी.ए. स्तर के अंग्रेजी विषय में उत्तीर्ण) एम.ए. (यदि बी.ए. स्तर का अंग्रेजी विषय उत्तीर्ण हो)
43.	ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, द्रष्टव्य सं. 1866/1-942/II/शैक्षिक दिनांक 20.4.73 सं. 265/एल/2001/शै.दि. 27.1.2001	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि शिक्षाशास्त्री	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. बी.एड.
44.	महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, द्रष्टव्य सं. ए सी-/III/आर./81/2472 दिनांक 2.3.81	शास्त्री और आचार्य	उपलब्ध उच्चतर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु
45.	हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी, द्रष्टव्य सं.ए.पी.बी./10000/472/ प्रकाश/25-9-03 दिनांक 19.5.05	पूर्व मध्यमा उत्तर मध्यमा/प्राक् शास्त्री	मैट्रिक सीनियर सेकण्डरी
46.	शिक्षा निदेशक, दिल्ली एफ-32/1/25/शिक्षा/72 दिनांक : 28.8.72	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मिडिल स्कूल उच्च माध्यमिक बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्.
47.	शिक्षा निदेशक, मणिपुर II/3/71-एस.ई. दि. 30 अगस्त 1972	-वही-	-वही-

वार्षिक अनुदान स्वीकृत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों की राज्य-वार संख्या का विवरण

क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	आन्ध्र प्रदेश	09
2.	असम	--
3.	बिहार	11
4.	छत्तीसगढ़	03
5.	दिल्ली	08
6.	गुजरात	03
7.	हरियाणा	20
8.	हिमाचल प्रदेश	04
9.	जम्मू और कश्मीर	02
10.	झारखण्ड	02
11.	कर्नाटक	12
12.	केरल	19
13.	मध्य प्रदेश	16
14.	महाराष्ट्र	13
15.	मणिपुर	02
16.	ओड़िशा	07
17.	पाण्डिचेरी	01
18.	पंजाब	04
19.	राजस्थान	35
20.	सिक्किम	07
21.	तमिलनाडु	04
22.	उत्तर प्रदेश	88
23.	उत्तराखंड	41
24.	पश्चिम बंगाल	153
	कुल	**464**

संलग्नक-ञ

संस्थान की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण

क्रमांक	अनुदानप्राप्तकर्ता/लेखक	शीर्षक	प्रदत्त अनुदानराशि (रुपयों में)
1.	श्री महेन्द्र कुमार	कविकल्पद्रुमस्य काव्य कामधेनुः व्याख्यायाः सम्पादनम्	28,852/-
2.	पं. जगदीश शर्मा	आचार्य शारदाचरण दीक्षित व्यक्तित्व एवं कृतित्व	12,357/-
3.	डॉ. रामदत्त शर्मा	संस्कृत महाकाव्यों में समाज चित्रण	49,250/-
4.	डॉ. शशि नाथ झा	लघुरुपकसमुच्चयः	37,130/-
5.	डॉ. रामशंकर त्रिपाठी	वैदिक वाङ्मय के आलोक में संस्कार मीमांसा	1,15,780/-
6.	डॉ. सुदेश गौतम	अथर्ववेद एवं स्मार्त संस्कृति	63,082/-
7.	डॉ. उमारमण झा	कंकाल, नवभारतमहाकाव्य, आचार्य भासर्वज और न्यायसार	80,087/-
8.	कु. इशिता सिन्हा	निम्बार्क प्रणीत वेदान्त पारिजात सौरभस्य इतरभाष्यै सहः तुलनात्मक अध्ययनम्	21,747/-
9.	प्रो. आजाद मिश्रा	वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदीरत्नाकरः	71,300/-
10.	डॉ. मञ्जुश्री श्रीवास्तवा	अर्थशास्त्रकालीन सामाजिक जीवन	16,519/-
11.	डॉ. जगदीश प्रसाद	उपनिषद वाङ्मय में वर्णित विविध विद्याओं का स्वरूप विकास	15,810/-
12.	नैशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ वैदिक साइंस	5 शब्दकोष	2,12,085/-
13.	श्री कृष्ण कुमर कुमावत	साहित्यदर्पणस्य लोचनटीकायाः समीक्षणम्	24,615/-
14.	डॉ. रामकृष्ण परमहंस	कालिदास वाङ्मय में नारी	32,031/-
15.	डॉ. ब्रिजेश कुमर शुक्ल	सुरगवी-समालोचनिका	63,825/-

संलग्नक-ट

प्रकाशन-अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण

क्र.	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
1.	श्री शिवकुमार ओझा, थाने	भारतीय संस्कृति महान एवं विलक्षण	1,00,000/-
2.	डॉ सुलोचना मिश्रा, नई दिल्ली	गणकारिका का दार्शनिक चिन्तन	35,000/-
3.	डॉ. सन्तोष कुमार पाण्डेय, उ.प्र.	जयन्तभट्ट का प्रमेय-चिन्तन	40,000/-

क्रमशः....

4.	डॉ. रामदेव साहू, जयपुर	साहित्यकण्ठाभरणम्	35,000/-
5.	डॉ. तन्मय कुमार भट्टाचार्य, प.बं.	1. विश्वसंस्कृतौ विवेकानन्दस्वामिनां योगदानम् 2. वङ्गीयानां संस्कृतकाव्यामृतम्	45,000/- 70,000/-
6.	डॉ. नारायण दाश, प.बं.	संस्कृतेऽनूदितसाहित्यम्	45,000/-
7.	श्री शैव भारती शोध प्रतिष्ठान, उ.प्र.	श्री सिद्धान्तमणिः	70,000/-
8.	डॉ. उर्मिला रुस्तगी, दिल्ली	नारदीय मनुस्मृतिः	40,000/-
9.	डॉ. तारा दत्त अवस्थी, हरिद्वार	श्रीमद्भागवते अद्वैतदर्शनम्	35,000/-
10.	डॉ. देवव्रत बरारी, प.बं.	किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)	15,000/-
11.	प्रो. आजाद मिश्र, उ.प्र.	श्रीमद्रामकृष्णभट्टप्रणीतः वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदीरत्नाकरः	70,000/-
12.	श्री प्रियांक रमेशभाई शाह, गान्धीनगर	श्रीहेमचन्द्राचार्यविरचितं प्राकृतव्याकरणम्	1,20,000/-
13.	श्रीमती कल्पना झा, दिल्ली	कौण्डभट्ट एवं नागेश का लकारार्थ विवेचन	40,000/-
14.	डॉ. मनीश पाण्डेय, बाराबंकी	शांकर वेदान्त में साधना	40,000/-
15.	श्री विपिन द्विवेदी, उ.प्र.	संस्कृत काव्यशास्त्र के विकास में उद्भट का योगदान - एक अध्ययन	40,000/-
16.	श्री शिवानी गुप्ता, उ.प्र.	आर्यशूरविरचित जातकमाला एक अध्ययन	30,000/-
17.	डॉ. नित्यानंद मिश्रा, उड़ीसा	संस्कृतपत्रकारिता	35,000/-
18.	प्रो. वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी, बिहार	धर्मशास्त्रीयप्रबन्ध-प्रसूनाञ्जलि	30,000/-
19.	डॉ. हिमांशु शेखर त्रिपाठी, बिहार	भवभूति की कृतियों में निरूपित धर्मशास्त्रीय विषय	30,000/-
20.	प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय 'परमहंस', उ.प्र.	प्राचीन एवं आधुनिक दण्डविधान : एक विवेचन (धर्मशास्त्रीय)	30,000/-
21.	डॉ. जयश्री मिश्रा, प.बं.	The Danakeli Kumudi - A Critical Appraisal	25,000/-
22.	डॉ. मोहम्मद हनीफखान शास्त्री	1. श्रीमद्भगवद्गीता और कुर्आन 2. विश्वबन्धुत्व के लिए : सनातन धर्म और इस्लाम का समन्वयात्मक अध्ययन	19,000/- 22,000/-
23.	डॉ. राजेन्द्र चिन्तामणि जैन, नागपुर	कुमारसम्भवम्	15,000/-
24.	डॉ. राजेश कुमार शर्मा, राजस्थान	एकविंशशतकस्य प्रथमदशके संस्कृतगध साहित्यकस्य विकासः	35,000/-
25.	डॉ. अनिल कुमार पोरवाल, उ.प्र.	भुवनकोशतत्वमीमांसा	45,000/-
26.	जैस्मिन् एम.एम., अर्नाकुलम	भारतीयदर्शनेषु प्रत्यक्षप्रमाणनिरूपणम्	35,000/-
27.	डॉ. महेश झा, बिहार	कुरआन - पुराणम्	70,000/-
28.	डॉ. स्वेजा त्रिपाठी, उ.प्र.	भर्तृहरि के अनुसार शब्दब्रह्म का स्वरूप	35,000/-
29.	डॉ. रामकिशोर मिश्र, उ.प्र.	संस्कृत-कविता-गौरवम्	40,000/-
30.	डॉ. केशवप्रसाद गुप्त, उ.प्र.	कालिन्दी	30,000/-

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम एवं पूर्ण पता (राज्यवार)

राज्यों के नाम		आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम
आन्ध्र प्रदेश	1.	संस्कृत अकादमी (शोध संस्थान), ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश-500007
बिहार	2.	राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ कोलहन्टा, पटोरी, जिला-दरभंगा, बिहार-846003
	3.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्याश्रम, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पोस्ट-लगमा, वाया-लोहनारोड, रामभद्रपुर, जिला-दरभंगा, बिहार-847407
	4.	डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मालीघाट, मुजफ्फरपुर, बिहार-842001
	5.	स्वामी पराङ्कुशाचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हुलासगंज, गया, बिहार-804407
	6.	श्री रामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्या प्रतिष्ठान, रमौली-वेलौन (लक्ष्मीनाथनगर) भाया-बहेड़ा, जिला-दरभंगा, बिहार-847201
हरियाणा	7.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ, पोस्ट-बघौला, जिला-पलवल, हरियाणा-121102
	8.	श्री दीवान कृष्ण किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, अम्बाला छावनी, हरियाणा-133001
हिमाचल प्रदेश	9.	हिमाचल प्रदेश आदर्श संस्कृत महाविद्यालय जांगला (रोहड़ू), जिला-शिमला, हिमाचल प्रदेश-171214
	10.	सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश-174307
झारखण्ड	11.	लक्ष्मी देवी शर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कालीरेखा, जिला-बी. देवघर, झारखण्ड-814112
कर्नाटक	12.	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मंदिरम्, कत्रिगुप्पा मुख्य सड़क मार्ग, बंगलौर, कर्नाटक-560028
केरल	13.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पोस्ट-बालुशेरी, जिला-कालीकट, केरल-673612
	14.	चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन शोध संस्थान आदि शंकरा नीलियम वेलियानाड, एरनाकुलम्, केरल-682319

क्रमशः....

राज्यों के नाम		आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम
महाराष्ट्र	15.	वैदिक संशोधन मंडल, तिलक विद्यापीठ, गुलटेकड़ी, पुणे, महाराष्ट्र-400037
	16.	मुम्बा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय द्वारा भारतीय विद्या भवन, कुलापति मुंशी मार्ग, मुम्बई, महाराष्ट्र-400007
मणिपुर	17.	श्री राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, नम्बोल, मणिपुर-795134
तमिलनाडु	18.	मद्रास संस्कृत महाविद्यालय, 84, रोयपीठा हाई रोड, मइलापुर, चेन्नई, तमिलनाडु-600004
	19.	अहोबिला मठ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय सन्निधि गली, मदुरान्तकम्, चेन्नई, तमिलनाडु-603306
उत्तराखण्ड	20.	श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पोस्ट गुरुकुल कांगड़ी, जिला-हरिद्वार, उत्तराखण्ड, पिन-249404
उत्तरप्रदेश	21.	रानी पद्मावती तारा योग तन्त्र आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी उत्तर प्रदेश-221003
	22.	श्री एकरसानन्द आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला-मैनपुरी, उत्तर प्रदेश-205001
	23.	श्री रंगलक्ष्मी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन, जिला-मथुरा, उत्तर प्रदेश-281121
पश्चिम बंगाल	24.	कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, ग्राम-कालियाचक, पोस्ट-हेरिया, जिला-पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल-721430
	25.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल-700035
राजस्थान	26.	श्रीमती लाड देवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मुनिकुल ब्रह्मचर्याश्रम वेद संस्थानम्, बरुन्दनी, भीलवाड़ा, राजस्थान, पिन कोड-311604

आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

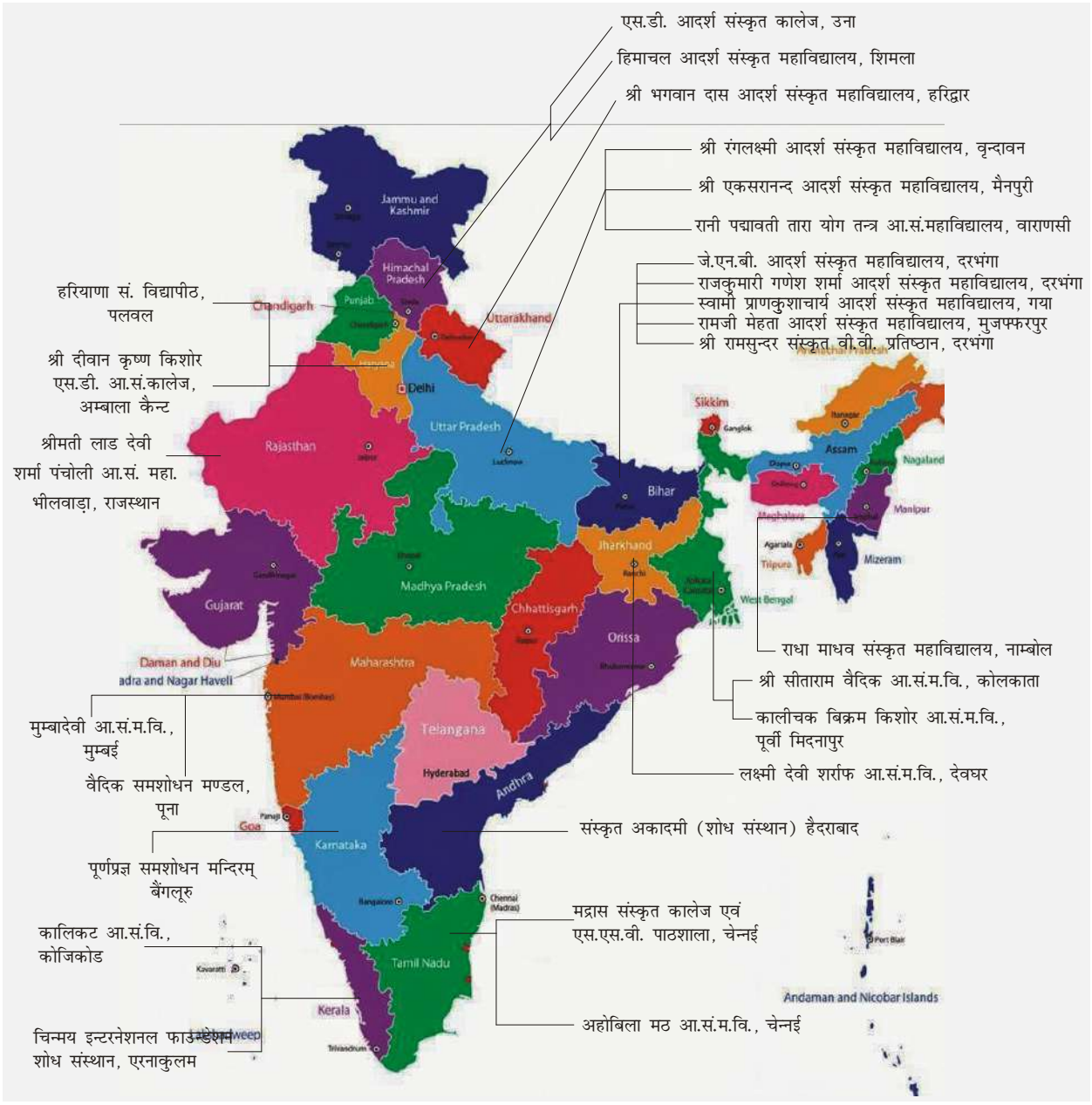

7. 2016-17 के वार्षिक लेखे

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

31 मार्च 2017 का तुलन पत्र

राशि ₹ में

निधि के स्त्रोत	अनुसूची	चालू वर्ष (2016-17)	पूर्व वर्ष (2015-16)
संग्रह/पूंजी निधि	1	2130701234.00	1768896168.00
चिन्हित/अक्षय निधि	2	57652678.00	67632452.00
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	3	142381194.00	372014888.00
योग		**2330735106.00**	**2208543508.00**
स्थायी परिसम्पत्तियाँ			
मूर्त परिसम्पत्तियाँ	4	652207501.00	646843299.00
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य		650435.00	769243.00
अमूर्त परिसम्पत्तियाँ		1196596605.00	886709090.00
निवेश - निर्धारित/दान निधि			
दीर्घ अवधि			
लघु अवधि	5	886391.00	886391.00
निवेश - अन्य	6		
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ	7	467186094.00	653284420.00
ऋण, अग्रिम एवं जमा राशि	8	13208080.00	20051065.00
(जहाँ समाप्त या समायोजित नहीं किया गया है)			
योग		**2330735106.00**	**2208543508.00**
महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23		
आकस्मिक देनदारियां एवं खाता टिप्पणियाँ	24		

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 29 जून, 2017

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	**उप निदेशक (वित्त)**	**कुलसचिव**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

31 मार्च 2017 का आय एवं व्यय लेखा

राशि ₹ में

आय	अनुसूची	चालू वर्ष (2016-17)	पूर्व वर्ष (2015-16)
शैक्षिक प्राप्तियाँ	9	11947173.00	11623676.00
अनुदान/आर्थिक सहायता	10	1316968034.00	1383276207.00
निवेश से आय	11	13605865.00	30173615.00
अर्जित ब्याज	12	12183185.00	19557194.00
अन्य आय	13	11901607.00	5864088.00
पूर्व अवधि आय	14	0.00	50057.00
योग (ए)		**1366605864.00**	**1450544837.00**
व्यय			
कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना खर्च)	15	583963725.00	531209256.00
शैक्षिक व्यय	16	639779288.00	779646363.00
प्रशासनिक व्यय	17	80652949.00	65475909.00
यात्रा व्यय	18	2817585.00	1770790.00
मरम्मत एवं रख रखाव	19	9754487.00	5173889.00
वित्तीय लाग	20		
ह्रास (अनुसूची 4 में वर्ष के अंत में शुद्ध कुल)	4	29563446.00	26305758.00
अन्य व्यय	21		
पूर्व अवधि व्यय	22	1845144.00	1091946.00
योग (बी)		**1348376624.00**	**1410673911.00**
शेष - आय का व्यय पर आधिक्य (ए-बी)		18229240.00	39870926.00
निर्दिष्ट निधि में धन स्थानांतरण		0.00	0.00
		0.00	0.00
		0.00	0.00
बिल्डिंग फंड में स्थानान्तरण		0.00	0.00
अन्य-पेंशन फंड में स्थानान्तरण		0.00	7500000.00
शेष बकाया अधिशेष (घाटा) को समग्र कोष पूँजी निधि में ले जाया गया		**18229240.00**	**32370926.00**
महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां	23		
खातों पर आकस्मिक दायित्व और टिप्पणियां	25		

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 29 जून, 2017

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	**उप निदेशक (वित्त)**	**कुलसचिव**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

राशि ₹ में

अनुसूची 1 - समग्र कोष/पूंजी निधि	चालू वर्ष (2016-17)		पूर्व वर्ष (2015-16)	
वर्ष के प्रारंभ में शेष	1768896168.00	-	1927800481.00	-
जमा : योजना निधि का योगदान	0.00			
जमा : आय एवं व्यय खाते से शुद्ध आय का शेष	18229240.00	-	32370926.00	-
जमा : यू.जी.सी. से प्राप्त अनुदान, भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय का उपयोग	343168546.00		411829050.00	
देवप्रयाग परिसर का टोकन मूल्य	1.00			
दान पुस्तक में जमा			315532.00	
वर्ष 2016-17	253279.00			
पूर्व वर्ष समायोजन				
घटा : सम्पत्ति लेनी चाहिए थी				
घटा : 31.03.2015 तक आय व्यय खातों में भूलवश ले जाई गई अप्रयुक्त अनुदान राशि			-603419821.00	
मुम्बई की गलती के लिए प्रवेश	154000.00			
वर्ष के अन्त में शेष राशि	**2130701234.00**	**-**	**1768896168.00**	**-**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

राशि ₹ में

अनुसूची 2 - निर्दिष्ट/चिह्नित/विन्यास निधि		निधि-वार ब्रेक-अप						योग	
		पेंशन फंड	जिंदल ट्रस्ट	दूबे अवार्ड	सोमैया ट्रस्ट	शुक्ला ट्रस्ट	आर.के.शर्मा	चालू वर्ष (2016-17)	पूर्व वर्ष (2015-16)
ए)									
ए)	धन का प्रारंभिक शेष	66852059.00	171854.00	6930.00	289852.00	5408.00	306349.00	**67632452.00**	52821717.00
बी-1	वर्ष के दौरान जोड़ - पेंशन हेतु सरकार से प्राप्त अनुदान	65000000.00						**65000000.00**	59500000.00
बी-2	वर्ष के दौरान जोड़- आय एवं व्यय खाते से आबंटित रकम	0.00						**0.00**	7500000.00
सी	फंड में निवेश से आय							**0.00**	2235.00
डी	अग्रिम/निवेश से अर्जित ब्याज							**0.00**	0.00
ई	बचत बैंक खाते पर ब्याज							**0.00**	
एफ	अन्य प्राप्तियां	5708531.00	15077.00	593.00	25430.00	463.00	31468.00	**5781562.00**	10449743.00
	योग (ए)	**137560590.00**	**186931.00**	**7523.00**	**315282.00**	**5871.00**	**337817.00**	**138414014.00**	**130273695.00**
बी)									
	निधियों के उद्देश्य की दिशा में उपयोग व्यय								
	i) पूंजीगत व्यय								0.00
	ii) वर्ष के दौरान राजस्व व्यय	80761336.00						**80761336.00**	62476517.00
	iii) राजस्व व्यय (विगत वर्षों का व्यय जिसे पूर्व वर्ष समायोजन व्यय से समायोजित किया गया)							**0.00**	164726.00
	योग (बी)	**80761336.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**80761336.00**	**62641243.00**
	वर्ष के अन्त में शेष राशि (ए+बी)	**56799254.00**	**186931.00**	**7523.00**	**315282.00**	**5871.00**	**337817.00**	**57652678.00**	**67632452.00**

उपस्थापित कर्ता :

नकद एवं बैंक में शेष		0.00	0.00	0.00		0.00	0.00	0.00
निवेश		148226.00	6000.00	250000.00	5000.00	250000.00	659226.00	0.00
अर्जित ब्याज किन्तु देय नहीं		38705.00	1523.00	65282.00	871.00	87817.00	194198.00	0.00
योग		**186931.00**	**7523.00**	**315282.00**	**5871.00**	**337817.00**	**853424.00**	**0.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

राशि ₹ में

अनुसूची 3 - वर्तमान देनदारियां एवं प्रावधान	चालू वर्ष (2016-17)		पूर्व वर्ष (2015-16)	
ए) वर्तमान देनदारियां				
1. कर्मचारियों द्वारा जमा	0.00	-	-	-
2. छात्रों द्वारा जमा				
3. विविध देनदार				
ए) सामान हेतु	0.00	-	-	-
बी) अन्य	0.00	-	-	-
4. अन्य जमा शामिल ई.एम.डी./सुरक्षा	815340.00		946129.00	-
5. वैधानिक देनदारियां	0.00		0.00	
ए) अतिदेय	0.00	-	0.00	-
बी) अन्य	0.00	-	0.00	-
6. अन्य वर्तमान देनदारियां				
ए) वेतन	2262717.00	-	0.00	-
बी) प्रायोजित परियोजना के विरुद्ध प्राप्तियाँ	0.00	-	0.00	-
सी) शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति के विरुद्ध प्राप्तियाँ संलग्नक संलग्न	2223231.00		2954149.00	
डी) अनुपयोगी अनुदान	130387984.00		363550564.00	
ई) अग्रिम अनुदान				
एफ) अन्य निधियाँ	2159272.00			
7. अन्य देनदारियां (विवरण संलग्न)	4532650.00		4564046.00	-
योग (ए)	**142381194.00**	-	372014888.00	-
बी) प्रावधान				
1. टैक्स हेतु	0.00	-		-
2. ऐच्छिक दान		-		-
3. सुपरएनुएशन/पेंशन		-		-
4. संचित छुट्टियों का नकदीकरण		-		-
5. व्यापार वारंटी/दावा		-		-
6. अन्य (निर्दिष्ट)	0.00	-	-	
योग (बी)	**0.00**	-	-	-
योग (ए+बी)	**142381194.00**	-	372,014,888.00	-

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

अन्य वर्तमान देनदारियां संलग्नक 31.03.2017

राशि ₹ में

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
1	सा.भ.नि.	0.00	61274909.00	61274909.00	0.00
2	सी.पी.एफ.	0.00			0.00
3	जी.आई. प्रीमियम	773017.00	269798.00	381776.00	661039.00
4	मुम्बई परिसर देनदारियां	100000.00			100000.00
5	जी.आई.एस.	95217.00	715129.00	649016.00	161330.00
6	आय कर	116975.00	48807239.00	48807239.00	116975.00
7	एल.आई.सी.	-50767.00	1765838.00	1765838.00	-50767.00
8	परिसरों को प्रेषण	3024039.00	38307707.00	38159219.00	3172527.00
9	एन.पी.एस.	418415.00	7894504.00	8028523.00	284396.00
10	छात्रकोश	97900.00			97900.00
11	पेशेवर कर	-5175.00			-5175.00
12	टी.डी.एस.	-5575.00	1129343.00	1129343.00	-5575.00
13	पी.एल.आई.		255886.00	255886.00	0.00
	योग	**4564046.00**	**160420353.00**	**160451749.00**	**4532650.00**

संलग्नक ई.एम.डी./जमानती राशि 31.03.2017

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
1	ई.एम.डी.	610822.00	319638.00	418427.00	512033.00
2	जमानती राशि	335307.00	37850.00	69850.00	303307.00
	योग	**946129.00**	**357488.00**	**488277.00**	**815340.00**

संलग्नक प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति 31.03.2017

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
1	यू.जी.सी. जे. आर. फैलोशिप	872790.00	27332398.00	27786354.00	418834.00
2	एम.एस.पी.	362599.00	7076001.00	7352963.00	85637.00
3	दान गुरुवायूर	1718760.00			1718760.00
	योग	**2954149.00**	**34408399.00**	**35139317.00**	**2223231.00**

संलग्नक ऋण एवं अग्रिम 31.03.2017

	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
1	अग्रिम भुगतान	1638713.00	25144411.00	25074810.00	1708314.00
2	एल.टी.सी. अग्रिम	1172370.00	3232202.00	3022902.00	1381670.00
3	एच.बी. अग्रिम	1915979.00	53949.00	482541.00	1487387.00
4	कम्प्यूटर अग्रिम	384248.00	351860.00	616101.00	120007.00
5	टी.ए. अग्रिम	247393.00	6872510.00	7416463.00	-296560.00
6	यात्रा वाहन अग्रिम	1361530.00	308145.00	836167.00	833508.00
7	चिकित्सकीय अग्रिम	605394.00	375000.00	160000.00	820394.00
8	त्यौहार अग्रिम	-84435.00	433200.00	628275.00	-279510.00
9	भविष्य निधि अग्रिम				0.00
	योग	**7241192.00**	**36771277.00**	**38237259.00**	**5775210.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

अनुसूची - 4 - स्थायी सम्पत्तियाँ

राशि ₹ में

		ग्रास ब्लाक				वर्ष में ह्रास					नेट ब्लॉक	
क्र.सं.	एसैट्स हैड	प्रारंभिक शेष 01.04.2016	समायोजन	कटौती	अन्तिम शेष	प्रारंभिक शेष ह्रास	ह्रास की दर	वर्ष में ह्रास	ह्रास/समायोजन	कुल ह्रास	31.03.2017	31.03.2016
1	i. जमीन - पूर्ण स्वामित्व (गुरुवायूर, जयपुर, जम्मू, अगरतला एवं शृंगेरी)	3747107.00	153000.00	304951.00	3595156.00		0%	0.00		0	3595156.00	3747107.00
	ii. भूमि - पट्टे पर (लखनऊ, इलाहाबाद, भोपाल, गरली, मुम्बई, पुरी, दिल्ली मुख्यालय एवं देवप्रयाग)	4865222.00	304953.00		5170175.00	2241577.00	Lease Period	55525.00		2297102.00	2873073.00	3015216.00
2	साइट का विकास				0.00		0%	0.00		0	0	0.00
3	भवन	578151014.00	849971.00	153001.00	578847984.00	61658371.00	2%	11576960.00		73235331.00	505612653.00	516400243.00
4	सड़क एवं पुल				0.00		2%	0.00		0.00	0.00	0.00
5	ट्यूबवेल एवं पानी सप्लाई				0.00		2%	0.00		0.00	0.00	0.00
6	सीवरेज एवं ड्रेनेज				0.00		2%	0.00		0.00	0.00	0.00
7	पाण्डुलिपियाँ	327000.00			327000.00		0%	0.00		0.00	327000.00	327000.00
8	बिजली संस्थापन एवं उपकरण		834926.00		834926.00		5%	41746.00		41746.00	793180.00	0.00
9	यंत्र एवं मशीनरी		8211882.00		8211882.00		5%	410594.00		410594.00	7801288.00	0.00
10	जेनरेटर	37534461.00			37534461.00	10614857.00	5%	1876723.00		12491580.00	25042881.00	26919604.00
11	प्रयोगशाला उपकरण	1089754.00	371071.00		1460825.00	344859.00	8%	116866.00		461725.00	999100.00	744895.00
12	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण				0.00		8%	0.00		0.00	0.00	0.00
13	कार्यालय उपकरण (31925+23995+14640)	0.00	70560.00		70560.00		7.50%	5292.00		5292.00	65268.00	0.00
14	दृश्य श्रव्य उपकरण		903648.00		903648.00		7.50%	67774.00		67774.00	835874.00	0.00
15	कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण (7132248+435	9780048.00	7567313.00		17347361.00	3719767.00	20%	3469472.00		7189239.00	10158122.00	6060281.00
16	फर्नीचर, फिक्चर्स एवं फिटिंग्स (11413189+1	81108133.00	12513189.00		93621322.00	16679260.00	7.50%	7021599.00		23700859.00	69920463.00	64428873.00
17	लकड़ी के विभाजन	838927.00			838927.00	209733.00	7.50%	62920.00		272653.00	566274.00	629194.00
18	वाहन	4330191.00			4330191.00	1515567.00	10%	433019.00		1948586.00	2381605.00	2814624.00
19	पुस्तकालय एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ (रु. 1901221 + रु. 253279)	15448905.00	2154500.00		17603405.00	9487770.00	10%	1760341.00		11248111.00	6355294.00	5961135.00
20	कम मूल्य की संपत्तियां				0.00		100%	0.00		0.00	0.00	0.00
21	प्रकाशन	20726535.00	1482080.00	195639.00	22012976.00	4931408.00	10%	2201298.00		7132706.00	14880270.00	15795127.00
	योग (ए)	**757947297.00**	**35417093.00**	**653591.00**	**792710799**	**111403169.00**		**29100129.00**	**0**	**140503298.00**	**652207501.00**	**646843299.00**
22	**पूंजीगत कार्य प्रगति पर (बी)**	**886709090.00**	310737486.00	849971.00	**1196596605.00**	0.00	0%	0.00	0.00	0	**1196596605.00**	**886709090.00**
	अमूर्त संपत्तियाँ	**प्रारंभिक शेष 01.04.2016**	**समायोजन**	**कटौती**	**अन्तिम शेष**	**प्रारंभिक शेष ह्रास**		**वर्ष में ह्रास**	**ह्रास/समायोजन**	**कुल ह्रास/ समायोजन**	31.03.2016	31.03.2016
23	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	148200.00	118870.00		267070.00	59280.00	40%	106828.00		166108.00	100962.00	88920.00
24	ई-जरनल	969463.00	30000.00		999463.00	722680.00	40%	276783.00		999463.00	0.00	246783.00
26	पेटेंट	521715.00	195639.00		717354.00	88175.00	9 years	79706.00		167881.00	549473.00	433540.00
	योग (सी)	**1639378.00**	**344509.00**	**0**	**1983887.00**	**870135.00**		**463317.00**	**0**	**1333452.00**	**650435.00**	**769243.00**
	कुल योग (ए+बी+सी)	**1646295765.00**	**346499088.00**	**1503562.00**	**1991291291.00**	**112273304.00**		**29563446.00**	**0**	**141836750.00**	**1849454541.00**	**1534321632.00**

टिप्पणी : भवन की संचित वंचितता के समापन संतुलन 2015-16 = रु. 61750771-92400=61658371 (भवन मूल्यह्रास का उद्घाटन संतुलन अभिसरण वाउचर नं. 11)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

राशि ₹ में

अनुसूची 5 - निर्धारित निवेश/दान राशि	चालू वर्ष (2016-17)	पूर्व वर्ष (2015-16)
1. केन्द्र सरकार को प्रतिभूतियाँ डी.ए.वी.पी.एस.	53100.00	53,100.00
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियाँ		
3. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	0.00	-
4. शेयर	0.00	-
5. ऋणपत्र एवं प्रतिज्ञापत्र	0.00	-
6. बैंक में अवधि जमा	0.00	-
जिंदल ट्रस्ट	148226.00	148,226.00
दूबे ट्रस्ट	6000.00	6,000.00
सोमैया ट्रस्ट	250000.00	250,000.00
शुक्ला अवार्ड	5000.00	5,000.00
आर.के. शर्मा	250000.00	250,000.00
7. अन्य (निर्दिष्ट किया जाएगा)	0.00	-
बी.एस.ई.एस.	174065.00	174,065.00
योग	**886391.00**	**886,391.00**

अनुसूची 6 - निवेश - अन्य	चालू वर्ष (2016-17)	पूर्व वर्ष (2015-16)
1. केन्द्र सरकार को प्रतिभूतियाँ डी.ए.वी.पी.एस.	-	-
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियाँ		
3. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	-	-
4. शेयर	-	-
5. ऋणपत्र एवं प्रतिज्ञापत्र	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट किया जाएगा)	-	-
योग	**-**	**-**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

राशि ₹ में

अनुसूची 7 - वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि	चालू वर्ष (2016-17)			पूर्व वर्ष (2015-16)
	योजना	गैर योजना	योग	
(क) वर्तमान परिसम्पत्तियाँ				
1. स्टॉक				
गोदाम एवं पुर्जे				-
खुले औजार				-
प्रकाशन			-	-
प्रयोगशाला रासायनिक/उपभोगीय			-	-
भवन निर्माण सामग्री				
बिजली सामग्री				
लेखन सामग्री				
पानी सप्लाई मैटिरीयल				
2. विविध टेनयर				
बकाया ऋण 6 महीने से अधिक			-	-
अन्य			-	-
3. नगद एवं बैंक में शेष				
हाथ में नकद	536566.00	382687.00	919253.00	894962.00
हाथ में नकद एम.एस.पी.	33532.00		33532.00	67649.00
बैंक में शेष				
ए) अनुसूचित (बैंकों के साथ)				
-नगद खाते				0.00
-अवधि जमा	0.00	0.00	222425359.00	240346724.00
-बचत खाते	140321080.00	102557849.00	242878929.00	410227304.00
-यू.जी.सी./जे.आर.एफ.	418834.00		418834.00	872790.00
-एम.एस.पी.	510187.00		510187.00	874991.00
बी) गैर अनुसूचित बैंकों के साथ				
-नगद खाते			0.00	0.00
-जमा खाते			0.00	0.00
-बचत खाते			0.00	0.00
4. डाक घर बचत खाते				
योग			**467186094.00**	**653284420.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

राशि ₹ में

अनुसूची 8 - कर्ज, अग्रिम एवं अन्य परिसम्पत्तियाँ	चालू वर्ष (2016-17)	पूर्व वर्ष (2015-16)
1. कर्मचारियों को अग्रिम		
ए) वेतन		
बी) त्यौहार		
सी) चिकित्सा हेतु अग्रिम		
डी) अन्य (निर्दिष्ट)	5775210.00	7241192.00
2. कर्मचारियों को दीर्घ अवधि हेतु अग्रिम		
ए) वाहन ऋण		
बी) घर लोन		
सी) अन्य (निर्दिष्ट)		
3. अग्रिम एवं अन्य वसूली योग्य नकद रकम		
ए) मुख्य खाता		
बी) आपूर्तिकर्ताओं को		
सी) अन्य		
4. पेशगी खर्च		
ए) बीमा		
बी) अन्य		
5. अर्जित आय निवेश निर्धारित/दान निधि		
ए) रु. 10449743 वर्ष 2015-16 एवं रु. 3852677 वर्ष 2016-17 - रु. 9383680	4918740.00	10449743.00
बी) निवेश - अन्य		
सी) ऋण एवं अग्रिम		
डी) अन्य		
6. जमा		
दूरभाष, पट्टा किराया एवं बिजली		
7. दावा		
सस्पेंस खाता	723000.00	569000.00
सस्पेंस खाता नकद	59122.00	59122.00
6. यू.जी.सी. से प्राप्त करने योग्य नकद सम्पत्तियां प्रायोजित परियोजनाएँ		
प्रायोजित परियोजनाओं में जमा राशि		
दान गुरुवायूर	1718459.00	1718459.00
अनुदान प्राप्त		
अन्य प्राप्तियां	13549.00	13549.00
योग (बी)	**13208080.00**	**20051065.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

राशि ₹ में

अनुसूची 9 - प्रशासनिक प्राप्तियाँ	चालू वर्ष (2016-17)			पूर्व वर्ष (2015-16)
	योजना	गैर योजना	योग	
छात्रों से प्राप्त शुल्क				
प्रशासन				
1. ट्यूशन शुल्क				
2. प्रवेश शुल्क			0.00	206680
3. नामांकन शुल्क				
4. पुस्तकाल प्रवेश शुल्क				
5. प्रयोगशाला शुल्क				
6. कला एवं शिल्प शुल्क				
7. एन. एफ. एस. ई.	1040321.00		1040321.00	713,832.00
8. दान खाता			0.00	
9. जे.आर.एफ.			0.00	
योग (ए)	**1040321.00**	**0.00**	**1040321.00**	**920512.00**
परीक्षाएँ				
1. प्रवेश शुल्क (पी.एच.डी.)		125100.00	125100.00	108400
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क			0.00	1942000.00
3. अंक तालिका, प्रमाणपत्र शुल्क				
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क	52980.00	5757345.00	5810325.00	6451765.00
5. फार्म की बिक्री			0.00	21590
योग (बी)	**52980.00**	**5882445.00**	**5935425.00**	**8523755.00**
अन्य शुल्क				
1. पहचान पत्र शुल्क				
2. दण्ड/विविध शुल्क				
3. चिकित्सा शुल्क				
4. परिवहन शुल्क			0.00	
5. छात्रावास शुल्क	25500.00	477700.00	503200.00	200200.00
6. एम.एस.पी.				
योग (सी)	**25500.00**	**477700.00**	**503200.00**	**200200.00**

क्रमश.....

अनुसूची 9 - प्रशासनिक प्राप्तियाँ क्रमशः .....

राशि ₹ में

	योजना	गैर योजना	योग	
प्रकाशनों का विक्रय				
1. प्रवेश फार्म की बिक्री	115710.00	473795.00	589505.00	1490491.00
2. पाठ्यक्रम एवं प्रशनपत्रों की बिक्री				
3. फार्म सहित विवरणिका की बिक्री	39301.00	3313175.00	3352476.00	
योग (डी)	**155011.00**	**3786970.00**	**3941981.00**	**1490491**
अन्य प्रशासनिक प्राप्तियाँ				
1. कार्यशालाओं एवं कार्यक्रमों हेतु पंजीकरण				
2. पंजीकरण शुल्क (शैक्षिक कर्मचारी महाविद्यालय)				
3. पी.एस.एस.टी.		46650.00	46650.00	
4. पत्राचार प्राप्तियाँ		479596.00	479596.00	488718.00
योग (ई)	**0.00**	**526246.00**	**526246.00**	**488718.00**
कुल योग (ए+बी+सी+डी+ई)	**1273812.00**	**10673361.00**	**11947173.00**	**11623676.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

अनुसूची 10 - अनुदान/सब्सिडी (स्थिर अनुदान प्राप्त)

राशि ₹ में

विवरण	योजना			गैर योजना भारत सरकार	चालू वर्ष योग (2016-17)	पूर्व वर्ष योग (2015-16)
	भारत सरकार	यू.जी.सी.				
		योजना एम.एस.पी.	विशिष्ट योजना जे.आर.एफ.			
शेष लाया गया	123724925.00	362599.00	872790.00	239825639.00	364785953.00	622492727
जोड़ : वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	996139000.00	7076001.00	27332398.00	430835000.00	1461382399.00	1562379582.00
योग	**1119863925.00**	**7438600.00**	**28205188.00**	**670660639.00**	**1826168352.00**	**2184872309.00**
घटा : यू.जी.सी. को वापसी						
शेष	-	-	-	-	-	
घटा : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग (ए)	337575265.00			5593281.00	343168546.00	411829050.00
शेष	**782288660.00**	**7438600.00**	**28205188.00**	**665067358.00**	**1482999806.00**	**1773043259.00**
घटा : राजस्व व्यय के उपयोग (बी)	687484635.00	7352963.00	27786354.00	629483399.00	1352107351.00	1408257306.00
शेष ले जाया गया (सी)	**94804025.00**	**85637.00**	**418834.00**	**35583959.00**	**130892455.00**	**364785953.00**

(ए) पूँजीगत व्यय व स्थायी संपत्तियों में वर्तमान वर्ष की वृद्धि के रूप में परिलक्षित।

(बी) आय व्यय खाते में आय के रूप में परिलक्षित।

(सी) (i) तुलन पत्र में चालू देयता के रूप में परिलक्षित जिसे अगले वर्ष प्रारंभिक शेष के रूप में दिखाया जाएगा।

(ii) बैंक के शेष, निवेश और परिसंपत्तियों के पक्ष में अग्रिम द्वारा प्रतिनिधित्व किया।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

राशि ₹ में

अनुसूची 11 - निवेश से आय	निवेश निर्धारित फंड				निवेश - अन्य	
	चालू वर्ष (2016-17)			पूर्व वर्ष (2015-16)	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
	योजना	गैर योजना	योग			
1) ब्याज			-	-	-	-
ए) सरकारी प्रतिभूतियों पर			-	-	-	-
बी) अन्य बॉण्ड/डिबेंचर			-	-	-	-
2) अवधि जमा पर ब्याज	4542450.00	20375980.00	24918430.00	30,173,615.00	-	-
			-	-	-	-
3) ब्याज अर्जित किए गए किन्तु अवधि जमा पर कोई देनदारी नहीं			0.00	-	-	-
4) बचत खाता पर ब्याज						
5) अन्य (निर्दिष्ट)			-	-	-	-
योग (ए)	**4542450.00**	**20375980.00**	**24918430.00**	**30173615.00**	**-**	**-**
चिह्नित दान खाता में स्थानांतरित - रु. 1928885/-		-1928885.00	-1928885.00			
31.03.2016 तक सा.ज. खाता पर कम अर्जित ब्याज रु. 9383680/-		-9383680.00	-9383680.00	-		
योग (बी)		**-11312565.00**	**11312565.00**	-		
योग (ए - बी)			**13605865.00**	-		

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2016-17)			पूर्व वर्ष (2015-16)
अनुसूची 12 - अर्जित ब्याज	योजना	गैर योजना	योग	योग
1) बचत खाता :				
ए) अनुसूचित बैंक	3608829.00	8139107.00	11747936.00	19,169,145.00
बी) गैर अनुसूचित बैंक				
सी) डाक घर बचत खाता				
डी) अन्य	22259.00		22259.00	21,223.00
2) ऋण				
ए) कर्मचारी	35379.00	377611.00	412990.00	366,826.00
बी) दान			0.00	
सी) अन्य				
3) अन्य प्राप्तियों पर ब्याज				
योग	**3666467.00**	**8516718.00**	**12183185.00**	**19,557,194.00**
नोट - स्त्रोत पर की जाने वाली टैक्स कटौती				

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

राशि ₹ में

अनुसूची 13 - अन्य आय	चालू वर्ष (2016-17)			पूर्व वर्ष (2015-16)
	योजना	गैर योजना	योग	योग
ए) जमीन एवं भवन से आय				
1. छात्रावास कक्ष किराया				
2. लाइसेंस शुल्क	2490.00	28882.00	31372.00	35,022.00
3. प्रेक्षागृहम् किराया/खेल मैदान/सममेलन कक्ष आदि				
4. बिजली शुल्क वापिस				
5. पानी शुल्क वापिस				
बी) संस्थान प्रकाशन बिक्री				
सी) होल्डिंग इवेंट्स से आय				
1. वार्षिक समारोह/खेल उत्सव से प्राप्त सकल आय				
घटा : वार्षिक समारोह/खेल उत्सव पर होने वाला खर्च				
2. मेलों से प्राप्त कुल राशि				
घटा : मेलों पर होने वाला खर्च				
3. शिक्षा यात्रा के लिए प्राप्त कुल राशि				
घटा : शिक्षा यात्रा पर होने वाला खर्च				
4. अन्य (अलग से निर्दिष्ट)				
मन्त्रालय प्रकाशन	288125.00		288125.00	399,990.00
डी) अन्य				
1. परामर्श से आय				
2. आर.टी.आई. शुल्क		15.00	15.00	2,840.00
3. रायल्टी से आय				
4. आवेदन पत्र बिक्री (भर्ती)				
5. विविध प्राप्तियाँ (निविदा पत्र बिक्री, रद्दी पेपर आदि)				
6. बिक्री से लाभ/सम्पत्ति निपटान				
ए) सम्पत्ति स्वामित्व				

क्रमश.....

राशि ₹ में

अनुसूची 13 - अन्य आय क्रमश:.....	योजना	गैर योजना	योग	पूर्व वर्ष (2015-16)
7. अनुदान/संस्थाओं से प्राप्त दान, वेलफेयर बॉडी एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगठन				
8. अन्य (निर्दिष्ट)	3920768.00	7661327.00	11582095.00	5,157,644.00
एम.एस.पी.			0.00	
अवकाश वेतन एवं पी.सी.			0.00	268,592.00
योग	**4211383.00**	**7690224.00**	**11901607.00**	**5,864,088.00**

	चालू वर्ष (2016-17)			
अनुसूची 14 - पूर्व अवधि आय	**योजना**	**गैर योजना**	**योग**	**पूर्व वर्ष (2015-16)**
1. शैक्षिक प्राप्तियाँ				
2. निवेश से आय				
3. अर्जित ब्याज				
4. अन्य आय			0.00	50,057.00
योग			**-**	**50,057.00**

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

अनुसूची 15 - कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय) राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष (2016-17)			पूर्व वर्ष (2015-16)		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
ए) वेतन एवं मजदूरी	163466413.00	355317785.00	518784198.00	137252591.00	350549072.00	487801663.00
बी) भत्ते एवं बोनस			0.00			
सी) भविष्य निधि को योगदान			0.00			
डी) अन्य फंड को योगदान (निर्दिष्ट)			0.00			
एन.पी.एस.	3941258.00	5162877.00	9104135.00	3414631.00	4869135.00	8283766.00
सी.पी.एफ.			0.00	81684.00	0.00	81684.00
जी.पी.एफ. ब्याज	1504238.00	3768194.00	5272432.00	906190.00	3196265.00	4102455.00
ई) कर्मचारी कल्याण खर्च		210694.00	210694.00		0.00	0.00
एफ) सेवानिवृत्ति एवं टर्मिनल लाभ (29024831+2262717*= रु. 31287548 गैर योजना)	2621621.00	31287548.00	33909169.00	67437.00	15310597.00	15378034.00
जी) एल.टी.सी. सुविधा	1731232.00	1790066.00	3521298.00	970809.00	1601478.00	2572287.00
एच) चिकित्सा सुविधा	1831900.00	6817915.00	8649815.00	1159905.00	7371691.00	8531596.00
आई) बच्चों के लिए शिक्षा भत्ता	1143092.00	2068594.00	3211686.00	1196622.00	2404833.00	3601455.00
जे) मानदेय	299066.00	1001232.00	1300298.00	209752.00	646564.00	856316.00
के) अन्य (निर्दिष्ट)			0.00			
योग	**176538820.00**	**407424905.00**	**583963725.00**	**145259621.00**	**385949635.00**	**531209256.00**

#	योजना	गैर योजना	
	7770214	106900291	114670505
घटा - समायोजन (लिया) वाउचर नं. 7 के अनुसार पैंशन फंड में समायोजन	5148593	75612743	80761336
	2621621	31287548	33909169

* जम्मू परिसर से सेवानिवृत्त कर्मयारी यशपाल खजूरिया के लिए वाउचर नं. 6 के अनुसार दायित्व

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

अनुसूची 16 - शैक्षिक व्यय

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष (2016-17)			पूर्व वर्ष (2015-16)		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
ए) प्रयोगशाला व्यय						
बी) फील्ड कार्य/सम्मेलन सहभागिता	209500.00	50000.00	259500.00	22000.00		22000.00
सी) सेमिनार खर्च/कार्यशाला	8840013.00	740093.00	9580106.00	3417229.00	3689196.00	7106425.00
डी) विजिटिंग फैकल्टी भुगतान			0.00			0.00
ई) परीक्षा	632616.00	11869464.00	12502080.00	416703.00	12147956.00	12564659.00
एफ) छात्र कल्याण खर्च	285390.00	119151.00	404541.00	126738.00	27516.00	154254.00
जी) प्रवेश खर्च			0.00			0.00
एच) दीक्षांत समारोह खर्च			0.00		33835.00	33835.00
आई) प्रकाशन	442336.00		442336.00			0.00
जे) वजीफा/योग्यता छात्रवृत्ति			0.00			0.00
के) अनुसंधान खर्च	1678079.00		1678079.00	48475.00		48475.00
एल) अन्य (निर्दिष्ट)		573820.00	573820.00		438831.00	438831.00
अखिल भारतीय युवा महोत्सव	13715684.00	669306.00	14384990.00	7842937.00	881189.00	8724126.00
वार्षिक उत्सव	2959595.00	811994.00	3771589.00	552346.00	6675321.00	7227667.00
कांटेस्ट ऑल इण्डिया एलोकेशन	8171008.00	153824.00	8324832.00	399107.00	139271.00	538378.00
कम्प्यूटर शिक्षा	519678.00	122000.00	641678.00	350000.00	138008.00	488008.00
दूरस्थ शिक्षा	7318204.00		7318204.00	9774975.00		9774975.00
सी.सी. आकस्मिकता	41854.00	190295.00	232149.00		132302.00	132302.00
ई-टेक्स्ट	178618.00		178618.00	8950.00	132225.00	141175.00
ई-ग्रन्थालय	497354.00		497354.00	151645.00		151645.00
कौमुदी महोत्सव	4414016.00		4414016.00	3465148.00	153856.00	3619004.00
उपहार		109509.00	109509.00	119741.00	221460.00	341201.00
पी.एस.एस.टी.-शुल्क		226003.00	226003.00		1925212.00	1925212.00
संस्कृत आयोग			0.00	163641.00		163641.00
संस्कृत दिवस समारोह	251076.00	1041415.00	1292491.00	129240.00	1144296.00	1273536.00
संस्कृत विश्वविद्यालय			0.00			0.00
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र			0.00			0.00
हिन्दी दिवस समारोह	55596.00	81408.00	137004.00	36809.00	198629.00	235438.00
महिला अध्ययन केन्द्र	10000.00		10000.00	431746.00		431746.00

क्रमश.....

अनुसूची 16 - शैक्षिक व्यय क्रमश: .....

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष (2016-17)			पूर्व वर्ष (2015-16)		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
ग्लोरी फेस्टिवल		20000.00	20000.00	111692.00		111692.00
प्रतियोगिताएँ		204312.00	204312.00			0.00
विश्व संस्कृत सम्मेलन			0.00	5312181.00		5312181.00
भाषा मन्दाकिनी			0.00		265436.00	265436.00
ज्ञान दर्शन			0.00			0.00
बसन्त महोत्सव	5000.00	38539.00	43539.00			0.00
पालि प्राकृत			0.00			0.00
आइ.क्यू.ए.सी.	1817604.00		1817604.00	5931652.00		5931652.00
विस्तृत व्याख्यान	214801.00	439001.00	653802.00	143203.00	838774.00	981977.00
रोड मैप विकास	11203.00		11203.00	630613.00		630613.00
अनुसंधान प्रशिक्षण कार्यक्रम	4720768.00		4720768.00			0.00
राज्य स्तरीय प्रतियोगिता	72774.00		72774.00			0.00
राष्ट्रीय संस्कृत परिषद्			0.00	821835.00		821835.00
मु.स्वा.पी. (मुख्य खाता)	3965969.00		3965969.00	2454783.00		2454783.00
भारतीय विश्वविद्यालय का संघ		98000.00	98000.00			
योजनाएँ (145747302+387223)	415057893.00	146134525.00	561192418.00	556419548.00	151180113.00	707599661.00
योग	**476086629.00**	**163692659.00**	**639779288.00**	**599282937.00**	**180363426.00**	**779646363.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

अनुसूची 17 - प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2016-17)			पूर्व वर्ष (2015-16)		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
ए) आधारभूत संरचना						
i) बिजली एवं पावर	4870682.00	9654123.00	14524805.00	4413935.00	9301658.00	13715593.00
ii) पानी शुल्क	160451.00		160451.00			0.00
iii) बीमा			0.00			
iv) किराया, दर एवं टैक्स (सम्पत्ति कर सहित)	5125666.00	1171104.00	6296770.00	1226156.00	1406220.00	2632376.00
बी) संचार			0.00			
v) डाक खर्च एवं लेखन सामग्री	283851.00	1863279.00	2147130.00	294836.00	1138709.00	1433545.00
vi) दूरभाष, फैक्स एवं इन्टरनेट प्रभार	312210.00	795696.00	1107906.00	214837.00	831014.00	1045851.00
सी) अन्य			0.00			
vii) मुद्रण एव लेखन सामग्री (खपत)	1032891.00	2683622.00	3716513.00	892738.00	2007455.00	2900193.00
viii) यात्रा एवं वाहन खर्च	6730585.00	10518772.00	17249357.00	3615140.00	8781076.00	12396216.00
ix) अतिथि-सत्कार			0.00			
x) लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक	29675.00	335317.00	364992.00	71955.00	673110.00	745065.00
xi) पेशेवर प्रभार	26368.00		26368.00			0.00
xii) विज्ञापन एवं प्रचार	384853.00	1881004.00	2265857.00	438912.00	1587634.00	2026546.00
xiii) पत्रिकाएं एवं जरनल		56126.00	56126.00		37112.00	
ix) अन्य (निर्दिष्ट) नये परिसर की स्थापना			0.00	1234124.00		
आकस्मिक खर्च			0.00			0.00
संविदा मजदूर			0.00			0.00
कानूनी खर्च	58210.00	1121479.00	1179689.00	155300.00	1386990.00	1542290.00
बैंक प्रभार			0.00			0.00
सुरक्षा हाउस कीपींग	2436151.00	5716490.00	8152641.00	2050280.00	2760246.00	4810526.00
विविध खर्च	8623450.00	14720602.00	23344052.00	9058346.00	11898126.00	20956472.00
सी.वी.वी.टी.	60292.00		60292.00			0.00
योग	**30135335.00**	**50517614.00**	**80652949.00**	**23666559.00**	**41809350.00**	**65475909.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

अनुसूची 18 - परिवहन व्यय

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2016-17)			पूर्व वर्ष (2015-16)		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
1. वाहन (संस्था के स्वामित्व में)						0
ए) रनिंग व्यय	1127441.00	174283.00	1301724.00	908468.00	430951.00	1339419.00
बी) मरम्मत एवं रखरखाव			0.00			0.00
सी) बीमा व्यय			0.00			0.00
डी) स्टाफ कार व्यय		225615.00	225615.00		431371.00	431371.00
2. वाहन किराये/लीज पर लिये गये			0.00			0.00
ए) किराया/लीज व्यय	379597.00	710618.00	1090215.00			0.00
3. वाहन (टैक्सी) किराया व्यय	162941.00	37090.00	200031.00			0.00
योग	**1669979.00**	**1147606.00**	**2817585.00**	**908468.00**	**862322.00**	**1770790.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

अनुसूची 19 - मरम्मत एवं रखरखाव राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2016-17)			पूर्व वर्ष (2015-16)		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
ए) भवन (4404028+141136+57213)	2515857.00	4602377.00	7118234.00			0
बी) फर्नीचर एवं फिक्सर	27491.00	100374.00	127865.00			
सी) प्लांट एवं मशीनरी	30185.00	305338.00	335523.00	584283.00	4004954.00	4589237.00
डी) कार्यालय उपकरण	48098.00	1032418.00	1080516.00			
ई) कम्प्यूटर	345411.00	247790.00	593201.00	63939.00	398938.00	462877.00
एफ) प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण	570.00		570.00			
जी) दृश्य श्रव्य उपकरण		217449.00	217449.00			
एच) सफाई सामग्री एवं सेवाएँ	50360.00	112506.00	162866.00			
आई) पुस्तक जिल्द शुल्क	25400.00	3675.00	29075.00			
जे) बागवानी		38904.00	38904.00	50000.00	71775.00	121775.00
के) जायदाद रखरखाव			0.00			
एल) अन्य (निर्दिष्ट)	10500.00	39784.00	50284.00			
योग	**3053872.00**	**6700615.00**	**9754487.00**	**698222.00**	**4475667.00**	**5173889.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

अनुसूची 20 - वित्तीय लागत

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2016-17)			पूर्व वर्ष (2015-16)		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
ए) बैंक प्रभार			0			0
बी) अन्य (निर्दिष्ट)			0			0
			0			0
			0			0
योग	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

अनुसूची 21 - अन्य व्यय

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2016-17)			पूर्व वर्ष (2015-16)		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
ए) बैड एवं संदिग्ध ऋण हेतु प्रावधान/अग्रिम			0			0
बी) अप्रतिलभ्य शेष बट्टे खाते में डाला गया			0			0
सी) अन्य संस्थाओं/संगठनों को अनुदान/सब्सिडी			0			0
डी) अन्य (निर्दिष्ट)			0			0
योग	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

अनुसूची 22 - पूर्व अवधि व्यय

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2016-17)			पूर्व वर्ष (2015-16)		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
1. स्थापना व्यय	188315.00		188315.00			0
2. शैक्षिक व्यय	1126715.00		1126715.00			0
3. प्रशासनिक व्यय	4599.00		4599.00			0
4. परिवहन व्यय			0.00			0
5. मरम्मत एवं रखरखाव			0.00			0
6. अन्य (निर्दिष्ट)	226344.00		226344.00			-164726.00
7. अन्य (पट्टे की जमीन पर ह्रास)			299171.00			1728808.00
8. अन्य (ऋणमुक्ति ..... ई-बुक)			0.00			-502343.00
9. अन्य (ऋणमुक्ति ..... एकस्व अधिकार)			0.00			30207.00
योग	**1545973.00**	**0.00**	**1845144.00**	**0**	**0**	**1091946.00**

वित्तीय विवरणों का स्वरूप (गैर लाभकारी संगठन)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलनपत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

अनुसची 23 - महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. लेखा परिपाटी

जब तक अन्यथा न कहा गया हो, वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत अवधारणा और सामान्यत: लेखांकन की उपार्जन पद्धति के आधार पर बनाए गए हैं।

2. राजस्व स्वीकरन

2.1 छात्रों से फीस (ट्यूशन फीस को छोड़कर) एडमिशन फार्म की बिक्री, रॉयल्टी और बचत बैंक खाते पर ब्याज नकदी आधार पर हैं।

2.2 निवेश से आय का लेखांकन उपार्जन आधार पर किया जाता है।

3. अचल संपत्तियाँ और मूल्यह्रास

3.1 अचल संपत्तियो को आवक भाड़ा, शुल्कों व करों एवम् अधिग्रहण, स्थापना और कमीशन से संबंधित आनुषंगिक और प्रत्यक्ष खर्च सहित, अधिग्रहण की लागत पर कहा गया है।

3.2 उपहार/दान की संपत्ति जहां घोषित मूल्य उपलब्ध हो पर आँकी जाती है, यदि उपलब्ध नहीं है, तो संपत्ति की स्थिति के संदर्भ में समायोजित वर्तमान बाजार मूल्य के आधार पर अनुमान लगाया गया है। ये पूंजी निधि कोष क्रेडिट करके संस्थान की अचल संपत्ति में समाहित की जाती है। मूल्यह्रास दर संबंधित परिसंपत्तियों के लिए लागू दर के हिसाब से लगाया गया।

3.3 उपहार के रूप में प्राप्त किताबें, किताबों मुद्रित मूल्य के आधार पर मूल्यांकित हैं। जहाँ मूल्य मुद्रित नहीं है उसकी कीमत का आंकलन अनुमानित है।

3.4 अचल संपत्तियाँ लागत में से संचित मूल्यह्रास घटाकर दिखाई गई है। अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास सीधी रेखा पद्धति द्वारा निम्न दरों पर लगाया गया है–

मूर्त संपत्ति

1. भूमि	0%
2. साइट का विकास	0%
3. भवन	2%
4. सड़क एवं पुल	2%
5. ट्यूबवैल एवं जल आपूर्ति	2%
6. सीवरेज और ड्रेनेज	2%
7. विद्युत स्थापना और उपकरण	5%

क्रमश.....

8. संयंत्र और मशीनरी	5%
9. वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला के उपकरण	8%
10. कार्यालय उपकरण	7.5%
11. दृश्य श्रव्य उपकरण	7.5%
12. कम्प्यूटर एवं संबंधित उपकरण	20%
13. फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	7.5%
14. वाहन	10%
15. पुस्तकालय, पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	10%

अमूर्त संपत्तियाँ (परिशोधन)

1. ई-पत्रिका	40%
2. कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%
3. पेटेंट और कॉपीराइट	9 वर्ष

3.5 मूल्यह्रास वर्ष के दौरान परिवर्धन पर पूरे वर्ष के लिए प्रदान की जाती है।

3.6 जहाँ एक परिसंपत्ति का पूरी तरह ह्रास हो जाता है, वहाँ तुलन पत्र में उसका मूल्य 1 रूपया लिखा जाएगा एवं आगे मूल्य ह्रास नहीं लगाया जाएगा। इसके बाद मूल्यह्रास की गणना प्रत्येक वर्ष ली गई संपत्ति पर अलग से उस संपत्ति पर लागू मूल्य ह्रास की दर से की जाएगी।

3.7 चिह्नित निधियां एवम् प्रायोजित परियोजना निधियों की धनराशि से बनाई गई संपत्ति जिसका स्वामित्व विश्वविद्यालय के पास है, पूँजीनिधि को क्रेडिट करते हुए विश्वविद्यालय की संपत्तियों में समाहित की जाती है। मूल्य ह्रास, संबंधित संपत्ति पर लागू मूल्यह्रास की दर से लगाया जाता है। प्रायोजित परियोजना निधि से बनाई गई संपत्तियाँ जिनका स्वामित्व प्रायोगकों द्वारा अपने पास रखा गया, पर संपत्ति संस्थान के द्वारा उपयोग की जाती है, का उल्लेख खाता टिप्पणियों में किया जाता है।

3.8 पट्टा आधारित भूमि का पट्टे का अवधि में परिशोधन किया गया है।

4. अमूर्त संपत्तियाँ

पेटेंट और प्रतिलिपि अधिकार, ई-पत्रिकाऐं और कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर को अमूर्त संपत्तियों के तहत वर्गीकृत किया गया है।

5. स्टॉक

कार्यालय और कम्प्यूटर स्टेशनरी राजस्व व्यय के रूप में दर्ज की जाती है। संस्कृत के अग्रणी व मुख्य संस्थान होने के कारण संस्कृत के प्रचार और विकास हेतु संस्कृत प्रकाशन के स्टॉक को संस्थान की स्थायी संपत्ति के रूप में दिखाया गया है। (संदर्भ अनुसूची-4)

6. सेवानिवृत्ति लाभ

6.1 सेवानिवृत्ति लाभ के लिए भारत सरकार के नियमों का अनुपालन किया जाता है। इसमें पेंशन, ग्रेच्यूटी, छुट्टियों का नकदीकरण एवं भविष्यनिधि शमिल हैं।

6.2 भारत सरकार के दिनांक 19.11.2014 के परिपत्रानुसार हर माह एक निर्धारित चिकित्सा भत्ता रुपये 500/- दिया जा रहा है।

क्रमश.....

6.3 संस्थान के कर्मचारियों के भविष्यनिधि के लिए अलग से प्राप्ति और भुगतान, आय एवं व्यय, तुलन पत्र में तैयार किया जाता है एवं इन खातों से जुड़ा हुआ है।

6.4 पेंशन के लिए भी एक निर्धारित फंड, बनाया गया है, जिसमें भारत सरकार द्वारा प्रदत्त अनुदान राशि एवम् खर्चों का लेखांकन किया गया है। (अनुसूची-2)

6.5 132 कर्मचारियों को नई पेंशन योजना के तहत कवर किया गया है।

7. निवेश

निवेश बैंक में सावधि जमा के रूप में है। वहाँ इसके मूल्य में कोई ह्रास नहीं है।

8. चिह्नित / दान निधि

8.1 संस्थान में पेंशन के लिये एक चिह्नित फंड है एवं पांच दान फंड जिंदल ट्रस्ट, दुबे पुरस्कार, सोमैया ट्रस्ट, शुक्ला ट्रस्ट और आर. के. शर्मा के नाम पर हैं। अनुसूची-2 में इन सभी समर्पित निधि को दर्शाया गया है।

8.2 इन विशेष निधि का खर्च इन्हीं फंड में से घटाया गया है। इसे आय एवं व्यय खाते में नही दर्शाया गया है।

9. भारत सरकार एवं यू.जी.सी. से प्राप्त अनुदान

9.1 मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त अनुदान के आधार पर संस्थान कार्य लेखा-जोखा किया जा रहा है। हालांकि, जहां वित्त वर्ष से संबंधित अनुदान की प्राप्ति के लिए मंजूरी 31 मार्च से पहले प्राप्त होता है और अनुदान वास्तव में अगले वित्त वर्ष में प्राप्त होता है, अनुदान उपचय के आधार पर जिम्मेदार है और एक समान राशि अनुदाता से वसूली के रूप में दिखायी गयी है।

9.2 अचल संपत्तियों के लिए उपयोग किया गया अनुदान पूंजीगत व्यय के रूप में दिखाया जाता है और शेष राजस्व के रूप में। (अनुसूची-10 देखें)

9.3 अप्रयुक्त अनुदान खर्च ना की गई राशि के रूप में आगे ले जाया जाता है। (अनुसूची-10 देखें) और बैलेंस शीट में एक दायित्व के रूप में प्रदार्शित की जाती है। (अनुसूची-3)

10. चिह्नित फंड एवं ब्याज आय की तरह कुछ जगह निवेश किये गए।

10.1 ये निर्धारित निधि बैंकों में सावधि जमा में निवेश की जा रही हैं।

10.2 प्राप्त ब्याज और अर्जित ब्याज इस तरह के निवेश से संबंधित निधि में जोड़ दिए जाते हैं और विश्वविद्यालय की आय के रूप में नहीं दिखाए जाते। (संदर्भ ले अनुसूची-2)

11. प्रायोजित परियोजनाएँ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित एक परियोजना संस्थान में चल रही है जिसका लाभ वरिष्ठ शोध अध्येता/कनिष्ठ शोध अध्येता (वरिष्ठ/कनिष्ठ अनुसंधानकर्त्ता) जिसका लाभ ले रहें हैं।

12. आयकर

12.1 संस्थान एक मानित विश्वविद्यालय है और पूरी तरह सरकार के माध्यम से वित्त/अनुदान पोषित है। विश्वविद्यालय को आयकर अधिनियम की धारा 10(23 सी) के तहत आयकर से छूट दी गई है। कर के कोई प्रवाधान नहीं है। अवधि जमा राशि एवं निवेश पर बैंक द्वारा कोई टी.डी.एस. कटौती नहीं की जाती है।

क्रमश.....

वित्तीय विवरणों का स्वरूप (गैर लाभकारी संगठन)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलनपत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2017

अनुसूची 24 - आकस्मिक देनदारियाँ और खाता टिप्पणियाँ

1. आकस्मिक देनदारियाँ

1.1 न्यायालय मुकदमा खर्च - रुपये 30,84,000/- (पूर्व वर्ष - रुपये 90,88,106/-)

2. स्थायी संपत्तियाँ

2.1 वर्ष 2016-17 में रुपये 3,26,84,340/- का अमूर्त संपत्तियों के रूप में समावेश किया गया (अनुसूची-4)।

2.2 रुपये 2,53,279/- की राशि को दान के रूप में लिया गया है।

3. विदेशी मुद्रा में व्यय

ए. राष्ट्रपति सम्मान	शून्य
बी. विश्व संस्कृत सम्मेलन विदेश यात्रा साहित	शून्य

4. तुलन पत्र में रुपये - 6,28,122/- की राशि मुंबई परिसर में गबन से संबंधित है, उसे सस्पेंस एकाउट में दिखाया गया है (अनुसूची-8 देखें)। मामले का अभी तक अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। राशि को सस्पेंस मद में रखा गया है। लेखा परीक्षा निरिक्षण में रु. 4.27/- की लेखा प्रविष्टि को तुलन पत्र की सावधि जमा खाता में जमा किए गए हैं। और रु. 1.54/- लाख रुपये मुख्य खाते में जमा किए गए हैं।

5. वर्ष 2016-17 के लिए संस्थान के वार्षिक खातों पर दिनांक 25.06.2017 को सक्षम अधिकारी द्वारा अनुमोदित किया गया।

6. पिछले साल के आकड़े जहां आवश्यक हो फिर से दर्शाया गया है।

7. अंतिम खाते में आकड़ों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित किया गया है।

8. अनुसूची 1 से 24 तुलन पत्र 31 मार्च 2017 के लिए आय एवं व्यय खाते का एक अभिन्न हिस्सा है।

9. भविष्य निधि लेखा और नई पेंशन योजना खाते उन सदस्यों के खाते हैं, विश्वविद्यालय के नहीं ये खाते विश्वविद्यालय से अलग हैं। प्राप्ति एवं भुगतान लेखा, आय और व्यय खाता और भविष्य निधि खातों के साथ ही नई पेंशन योजना के तुलन पत्र को विश्वविद्यालय के खातों में संलग्न किया गया है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2016-17 का समेकित प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

2016-17 को प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता

राशि ₹ में

क्र.सं.	प्राप्तियाँ	योजना	गैर योजना	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	भुगतान	योजना	गैर योजना	योग	पूर्व वर्ष
1	**पूर्व बकाया**					**1**	**व्यय**				
a)	हाथ में रोकड़	371879.00	523083.00	894962.00	407654.00	a)	**स्थापना व्यय**	181687413.00	480774931.00	662462344.00	593685773.00
b)	हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	67649.00		67649.00	7256.00	b)	शैक्षिक व्यय	68381699.00	17558134.00	85939833.00	79743837.00
c)	बैंक में शेष					c)	प्रशासनिक व्यय	30135335.00	50517614.00	80652949.00	65475909.00
	i) चालू खाता					d)	यातायात व्यय	1669979.00	1147606.00	2817585.00	1770790.00
	ii) जमा खाता					e)	मरम्मत एवं देखभाल	3053872.00	6502266.00	9556138.00	5187089.00
	iii) बचत खाता	144001848.00	266225456.00	410227304.00	603012167.00	f)	पूर्व अवधि व्यय	1545973.00		1545973.00	
d)	बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	874991.00		874991.00	3033661.00	g)	सामान्य भविष्य निधि पर ब्याज				
e)	छात्रवृत्ति	872790.00		872790.00	16031989.00	**2**	**निर्धारित भुगतान/दान निधि**	0.00		0.00	5000.00
2	**अनुदान प्राप्त**					**3**	**परिसरों को अनुदान**	601256645.00	439031000.00	1040287645.00	1120409585.00
a)	भारत सरकार से प्राप्त	996139000.00	495835000.00	1491974000.00	1614736000.00	**4**	**प्रायोजित परियोजना भुगतान/योजना**	415057893.00	145747302.00	560805195.00	707731886.00
b)	राज्य सरकार से प्राप्त					**5**	**कनिष्ठ अध्यता शोधछात्रवृत्ति**	27786354.00		27786354.00	17283964.00
c)	भारत के अन्य स्रोत से प्राप्त					**6**	**निर्धारित बैंक में अवधि जमा**	35300000.00	59411986.00	94711986.00	386068484.00
d)	परिसर अनुदान	601256645.00	439031000.00	1040287645.00	1120409585.00	**7**	**पूर्व अवधि व्यय**			0.00	3700000
e)	(पूंजी एवं राजस्व व्यय अनुदान में अलग से दिखाया जाएगा)					**8**	**स्थायी सम्पत्ति पर खर्च एवं कैपिटल वर्क कार्य प्रगति पर**				
f)	f) कनिष्ठ शोध छात्रवृत्ति (वि.अ.आ.)	19798715.00		19798715.00		9	स्थायी सम्पत्ति	26837779.00	5593281.00	32431060.00	35706450.00
3	**शैक्षणिक प्राप्तियाँ**	1273812.00	10673361.00	11947173.00	11623676.00	**9**	कैपिटल वर्क कार्य प्रगति पर	310737486.00		310737486.00	376122600.00
a)	अन्य विविध प्राप्तियाँ	11287384.00	7690224.00	18977608.00	13007670.00	a)	सी.पी.डब्ल्यू.डी. (वापसी)			0.00	50000000.00
b)	पूर्व अवधि आय			0.00	50057.00	b)	**अन्य भुगतान संवैधानिक भुगतान सहित**	54939562.00	106000464.00	160940026.00	162154667.00
4	**निर्धारित प्राप्तियाँ/इन्डोनमेन्ट निधि**					c)	**जमा एवं अग्रिम**	15144032.00	21627245.00	36771277.00	26475946.00
a)	इन्डोनमेंट पुरस्कार		0.00	0.00	0.00	**10**	**शेष राशि**				
5	**प्रायोजित परियोजनाओं की प्रतिभूति प्राप्तियाँ/योजनाएँ**					**11**	हाथ में रोकड़	536566.00	382687.00	919253.00	894962.00
a)	मुख्यालय से प्राप्त			0.00		**12**	हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	33532.00		33532.00	67649.00
b)	अन्य स्रोत से आय					a)	बैंक में शेष			0.00	
6	**प्रायोजित शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति प्रतिभूति प्राप्तियाँ**					b)	i) चालू खाते में				
a)	कनिष्ठ छात्र वृत्ति	7533683.00		7533683.00	0.00	c)	ii) जमा खाते में				
7	**निवेश से आय**						iii) बचत खाते में	140321080.00	102557849.00	242878929.00	410227304.00

क्रमश.....

राशि ₹ में

	प्राप्तियाँ	योजना	गैर योजना	योग	पूर्व वर्ष		भुगतान	योजना	गैर योजना	योग	पूर्व वर्ष
a)	निर्धारित/दान निधि			0.00	5000.00	d)	बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	510187.00		510187.00	874991.00
b)	अन्य निवेश	53221365.00	59411986.00	112633351.00	369485760.00	e)	कनिष्ठ शोध छात्रवृत्ति	418834.00		418834.00	872790.00
8	**ब्याज प्राप्त**										
a)	बैंक में जमा	4542450.00	20375980.00	24918430.00	30173615.00						
b)	ऋण एवं अग्रिम (कर्मचारी)	35379.00	377611.00	412990.00	366826.00						
c)	बैंक बचत खाता	3608829.00	8139107.00	11747936.00	19169145.00						
d)	बचत पर ब्याज (मु.स्वा.पी.)	22259.00		22259.00	21223.00						
e)	दान पर ब्याज			0.00	2235.00						
9	**नकद में निवेश**										
	स्थायी सम्पत्ति बिक्री										
10	कैपिटल कार्य प्रक्रिया में राशि वापसी			0.00	50000000.00						
11	**अन्य आय (पूर्व अवधि आय सहित)**			0.00	3700000.00						
12	**जमा एवं अग्रिम**	15424259.00	22813000.00	38237259.00	24918640.00						
13	**वापसी योग्य प्राप्तियाँ संवैधानिक प्राप्तियाँ (भेजी हुई रकम)**	55021284.00	105756557.00	160777841.00	164297517.00						
	योग	**1915354221.00**	**1436852365.00**	**3352206586.00**	**4044459676.00**		**योग**	**1915354221.00**	**1436852365.00**	**3352206586.00**	**4044459676.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 29 जून, 2017

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

योजना

2016-17 के लिए प्राप्तियाँ एवं भुगतान की समेकित अनुसूची

प्राप्तियाँ

राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	भोपाल	गरली	मुम्बई	श्रृङ्गेरी	एकलव्य	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	लखनऊ	देवप्रयाग	जयपुर	योग
1	**आदि शेष**														
i	हाथ में रोकड़	65323.00	58918.00	203765.00	6978.00	4923.00	31972.00								**371879.00**
ii	हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	7913.00	59736.00												**67649.00**
iii	बचत खाता	113552421.00	4466202.00	3298247.00	2902704.00	9362153.00	7458842.00	1135093.00	198.00	90074.00	742495.00	489733.00	0.00	503686.00	**144001848.00**
iv	बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	354686.00	520305.00												**874991.00**
v	बचत खाता (शोधछात्रवृत्ति)	872790.00													**872790.00**
vi	रखरखाव (मु.स्वा.पी.)														**0.00**
vii	रखरखाव	996139000.00													**996139000.00**
viii	सहायता सामान्य में योजना अनुदान		69139000.00	68103466.00	34794409.00	65485000.00	175719000.00	30520000.00	2891000.00	13192000.00	47328700.00	5685000.00	72290770.00	16108300.00	**601256645.00**
ix	जे.आर. शोधछात्रवृत्ति (यू.जी.सी.)	19798715.00													**19798715.00**
x	पूर्व अवधि आय														**0.00**
	योग	**1130790848.00**	**74244161.00**	**71605478.00**	**37704091.00**	**74852076.00**	**183209814.00**	**31655093.00**	**2891198.00**	**13282074.00**	**48071195.00**	**6174733.00**	**72290770.00**	**16611986.00**	**1763383517.00**
2	**शैक्षिक प्राप्तियाँ**														
i	प्रवेश पत्र				7600.00	108110.00									**115710.00**
ii	परीक्षा प्राप्तियाँ				50000.00	2980.00									**52980.00**
iii	प्रकाशनों की बिक्री				39121.00	180.00									**39301.00**
iv	एन.एफ.एस.सी.	1007830.00	10491.00								22000.00				**1040321.00**
v	पी.एस.एस.टी.												25500.00		**25500.00**
vi	दान पुरस्कार														**0.00**
vii	प्रतिभा पुरस्कार														**0.00**
	योग	**1007830.00**	**10491.00**	**0.00**	**96721.00**	**111270.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**22000.00**	**0.00**	**25500.00**	**0.00**	**1273812.00**
3	**विविध प्राप्तियाँ**														**0.00**
i	मन्त्रालय प्रकाशन	288125.00													**288125.00**
ii	ज्ञान दर्शन	18722.00													**18722.00**
iii	कनिष्ठ शोध अध्येता (परिसरों से धन-वापसी)	7533683.00													**7533683.00**
iv	आर.टी.आई.														**0.00**
v	मुक्त स्वाध्याय पीठ	7076001.00													**7076001.00**
vi	अन्य विविध प्राप्तियाँ	2500.00	427851.00	45319.00	778218.00	954820.00		950000.00	135438.00				295700.00	12200.00	**3602046.00**
vii	सी.पी.डब्ल्यू. द्वारा वापसी										300000.00				**300000.00**
viii	लाइसेंस शुल्क					2490.00									**2490.00**
	योग	**14919031.00**	**427851.00**	**45319.00**	**778218.00**	**957310.00**	**0.00**	**950000.00**	**135438.00**	**0.00**	**300000.00**	**0.00**	**295700.00**	**12200.00**	**18821067.00**

क्रमश.....

प्राप्तियाँ क्रमश:.....

राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	भोपाल	गरली	मुम्बई	शृङ्गेरी	एकलव्य	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	लखनऊ	देवप्रयाग	जयपुर	योग
4	**ब्याज**														**0.00**
i	बचत खाते पर ब्याज		302370.00	16112.00	133308.00	1674552.00	1234028.00						248459.00		**3608829.00**
ii	सावधि जमा रसीद पर ब्याज	4542450.00													**4542450.00**
iii	ऋण/अग्रिम (कर्मचारी) पर ब्याज		10770.00			24609.00									**35379.00**
iv	बचत पर ब्याज (मु.स्वा.पी.)		22259.00												**22259.00**
v	दान राशि पर ब्याज														**0.00**
	योग	**4542450.00**	**335399.00**	**16112.00**	**133308.00**	**1699161.00**	**1234028.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**248459.00**	**0.00**	**8208917.00**
5	**भेजी हुई रकम**														
i	आय कर		4254435.00	1892557.00	4334209.00	3464130.00	2115080.00						657535.00		**16717946.00**
ii	सा.ध.नि.		3016516.00	2824587.00	2709000.00	1759520.00	1286200.00						480000.00		**12075823.00**
iii	एन.पी.एस.		1215623.00	497653.00	510654.00	1293153.00	424175.00						132479.00		**4073737.00**
iv	जी.आई.एस.		70854.00	34980.00	25740.00	62220.00	33360.00						7200.00		**234354.00**
v	अन्य विभागों को प्रेषण		4047449.00	5779962.00	682920.00	1880475.00	1177360.00						8067543.00		**21635709.00**
vi	एल.आई.सी.												3870.00		**3870.00**
vii	प्रोफेशनल कर														**0.00**
viii	टी.डी.एस.			87144.00		11435.00							107128.00		**205707.00**
ix	एस.डी. अग्रिम धन	41738.00				32400.00									**74138.00**
	योग	**41738.00**	**12604877.00**	**11116883.00**	**8262523.00**	**8503333.00**	**5036175.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**9455755.00**	**0.00**	**55021284.00**
6	**सावधि जमा रसीद**														
i	सावधी जमा रसीद पूर्ण विकसित					34973635.00	0.00				15267930.00			2979800.00	**53221365.00**
	योग	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**34973635.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**15267930.00**	**0.00**	**0.00**	**2979800.00**	**53221365.00**
7	**रकम वापसी कैपिटल कार्य प्रगति पर**														
i	रकम वापसी कैपिटल कार्य प्रगति पर						0.00	0.00							**0.00**
	योग	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
8	**अग्रिम खाता**														
i	एल.टी.सी.		139600.00	63000.00	43373.00	555000.00	415000.00						170000.00		**1385973.00**
ii	टी.ए.		125000.00	230000.00	456500.00	420000.00	600000.00						611500.00		**2443000.00**
iii	त्यौहार			40500.00	13500.00	18000.00	18000.00								**90000.00**
iv	वाहन		3000.00	34520.00	43825.00	12000.00	24400.00								**117745.00**
v	आकस्मिक व्यय		1926043.00	2068199.00	1979725.00	1041805.00	3195260.00						1008600.00		**11219632.00**
vi	एच.बी.ए.			22000.00	31949.00										**53949.00**
vii	चिकित्सा				10000.00	10000.00									**20000.00**
viii	सा.ध.नि. अग्रिम														**0.00**
ix	कम्प्यूटर		27280.00	5280.00	16800.00	38200.00	6400.00								**93960.00**
	योग	**0.00**	**2220923.00**	**2463499.00**	**2595672.00**	**2095005.00**	**4259060.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**1790100.00**	**0.00**	**15424259.00**
9	गबन रकम की वापसी														**0.00**
	कुल योग	**1151301897.00**	**89843702.00**	**85247291.00**	**49570533.00**	**123191790.00**	**193739077.00**	**32605093.00**	**3026636.00**	**13282074.00**	**63661125.00**	**6174733.00**	**84106284.00**	**19603986.00**	**1915354221.00**

गैर योजना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

2016-17 के लिए प्राप्तियाँ लेखा की समेकित अनुसूची

प्राप्तियाँ

चालू वर्ष

राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	लखनऊ	जयपुर	योग
1	**आदि शेष**								
i	हाथ में रोकड़	7762.00	9167.00	1667.00	98429.00	2031.00	373945.00	30082.00	**523083.00**
ii	बचत खाता	233619778.00	6598876.00	3994617.00	3095761.00	4739583.00	7125381.00	7051460.00	**266225456.00**
iii	पूर्व अवधि आय								**0.00**
iv	रखरखाव	495835000.00							**495835000.00**
v	एच.ओ. जनरल से प्राप्त		100900000.00	61140000.00	45000000.00	77591000.00	60500000.00	93900000.00	**439031000.00**
	योग	**729462540.00**	**107508043.00**	**65136284.00**	**48194190.00**	**82332614.00**	**67999326.00**	**100981542.00**	**1201614539.00**
2	**शैक्षिक प्राप्तियाँ**								
i	प्रवेश पत्र			328275.00		27020.00		118500.00	**473795.00**
ii	प्रकाशन की बिक्री	3286076.00	66.00		24813.00	2220.00			**3313175.00**
iii	परीक्षा प्राप्तियां	5423365.00				3650.00		330330.00	**5757345.00**
iv	छात्रावास शुल्क					250200.00		227500.00	**477700.00**
v	सी.सी प्राप्तियाँ	186596.00			293000.00				**479596.00**
vi	पी.एस.एस.टी.	5000.00						41650.00	**46650.00**
vii	विद्यावारिधि शुल्क	125100.00							**125100.00**
viii	फार्म की बिक्री								**0.00**
	योग	**9026137.00**	**66.00**	**328275.00**	**317813.00**	**283090.00**	**0.00**	**717980.00**	**10673361.00**
3	**विविध प्रप्तियाँ**								
i	अन्य विविध प्राप्तियाँ	1023292.00	37148.00	214359.00	1139961.00	1143026.00	655836.00	3447705.00	**7661327.00**
ii	छुट्टियों का वेतन एवं पी.सी.								**0.00**
iii	लाईसेंस शुल्क		6240.00				5292.00	17350.00	**28882.00**

क्रमश.....

प्राप्तियाँ क्रमश:.....

राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	लखनऊ	जयपुर	योग
iv	आर.टी.आई.			15.00					**15.00**
	योग	**1023292.00**	**43388.00**	**214374.00**	**1139961.00**	**1143026.00**	**661128.00**	**3465055.00**	**7690224.00**
4	**ब्याज**								
i	सा.भ.नि. पर ब्याज	12684640.00	6122341.00			1568999.00			**20375980.00**
ii	बचत पर ब्याज	6977557.00	446890.00			714660.00			**8139107.00**
iii	ऋण पर ब्याज (कर्मचारी)	74375.00	113613.00				108162.00	81461.00	**377611.00**
iv	दान राशि पर ब्याज								**0.00**
	योग	**19736572.00**	**6682844.00**	**0.00**	**0.00**	**2283659.00**	**108162.00**	**81461.00**	**28892698.00**
5	**प्रेषित राशि**								
i	आय कर	3818473.00	5900990.00		3164084.00	4757337.00	5299600.00	9148809.00	**32089293.00**
ii	सा.भ.नि.	9579868.00	9428812.00		5086467.00	6365803.00	5736800.00	13001336.00	**49199086.00**
iii	एन.पी.एस.		1149241.00	113395.00		859125.00	690909.00	1008097.00	**3820767.00**
iv	जी.आई.एस.	26548.00	139819.00		107585.00	50463.00	60060.00	96300.00	**480775.00**
v	जी.आई.प्रिमियम	269798.00							**269798.00**
vi	अन्य विभागों को प्रेषित राशि	172215.00	6023643.00			349218.00	1108131.00	9018791.00	**16671998.00**
vii	एल.आई.सी. (वेतन योजना)	598510.00	492511.00			376451.00	97008.00	197488.00	**1761968.00**
viii	आर.डी.पी.ओ.								**0.00**
ix	प्रोफेशनल कर								**0.00**
x	टी.डी.एस.	790902.00					55880.00	76854.00	**923636.00**
xi	पी.एल.आई.	255886.00							**255886.00**
xii	छात्रकोश एस.डी.								**0.00**
xiii	लाइब्रेरी जमानती राशि						37850.00		**37850.00**
xiv	अग्रिम राशि		20000.00				108000.00	117500.00	**245500.00**
	योग	**15512200.00**	**23155016.00**	**113395.00**	**8358136.00**	**12758397.00**	**13194238.00**	**32665175.00**	**105756557.00**
6	**सावधि जमा रसीद**								
i	250 के.वी.ए. डी.जी. सेट प्राप्त								**0.00**
ii	सावधि जमा रसीद परिपक्वता	46632686.00						12779300.00	**59411986.00**
iii	सावधि जमा रसीद (शुक्ला ट्रस्ट)								**0.00**
iv	सावधि जमा रसीद (जिन्दल ट्रस्ट)								**0.00**

क्रमश.....

प्राप्तियाँ क्रमश:.....

राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	लखनऊ	जयपुर	योग
v	सावधि जमा रसीद (दूबे पुरस्कार)								**0.00**
vi	सावधि जमा रसीद (सोमैया ट्रस्ट)								**0.00**
	योग	**46632686.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**12779300.00**	**59411986.00**
7	अग्रिम खाता								
i	एल.टी.सी.	193310.00	82000.00	102200.00		100660.00	824959.00	333800.00	**1636929.00**
ii	टी.ए.	549300.00	896000.00	801000.00	520500.00	1372063.00	210500.00	624100.00	**4973463.00**
iii	त्यौहार	144375.00	97500.00	34500.00	54000.00	70200.00	59850.00	77850.00	**538275.00**
iv	वाहन	85540.00	176350.00	103576.00	6500.00	59656.00	190800.00	96000.00	**718422.00**
v	आकस्मिक व्यय	652400.00	3438147.00	1542000.00	1740700.00	2713792.00	1788950.00	1979189.00	**13855178.00**
vi	एच.बी.ए.	168000.00		22000.00	14676.00	41660.00	138660.00	43596.00	**428592.00**
vii	चिकित्सा		100000.00	10000.00			30000.00		**140000.00**
viii	कम्प्यूटर	130278.00	50700.00	170500.00	33000.00	73263.00	22400.00	42000.00	**522141.00**
	योग	**1923203.00**	**4840697.00**	**2785776.00**	**2369376.00**	**4431294.00**	**3266119.00**	**3196535.00**	**22813000.00**
	कुल योग	**823316630.00**	**142230054.00**	**68578104.00**	**60379476.00**	**103232080.00**	**85228973.00**	**153887048.00**	**1436852365.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2016-17 के लिए समेकित प्राप्तियाँ एवं भुगतान लेखा

योजना

भुगतान

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
व्यय														
A) स्थापना व्यय														
a) वेतन एवं मजदूरी		26545547.00		40982368.00	26193380.00					25594590.00	37590960.00	6559568.00		**163466413.00**
b) कर्मचारी कल्याण व्यय														**0.00**
c) एल.टी.सी. सुविधा		451817.00		206756.00	138163.00					49411.00	645861.00	239224.00		**1731232.00**
d) चिकित्सा सुविधा		144869.00		931791.00	231215.00					254481.00	247107.00	22437.00		**1831900.00**
e) बच्चों हेतु शिक्षा		59555.00		389440.00	388035.00					82646.00	199336.00	24080.00		**1143092.00**
f) मानदेय				85500.00	91566.00							122000.00		**299066.00**
g) सेवानिवृत्ति लाभ (बी)				5945157.00	1009664.00						815393.00			**7770214.00**
h) एन.पी.एस.		424175.00		1215623.00	497653.00					510654.00	1293153.00			**3941258.00**
i) सी.पी.एफ. परिसर														**0.00**
j) सा.भ.नि. ब्याज		414333.00								1089905.00				**1504238.00**
योग (ए)	**0.00**	**28040296.00**	**0.00**	**49756635.00**	**28549676.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**27581687.00**	**40791810.00**	**6967309.00**	**0.00**	**181687413.00**
(बी) शैक्षिक व्यय														
अखिल भारतीय युवा महोत्सव		12601559.00		489369.00	78523.00					453824.00		92409.00		**13715684.00**
वार्षिक समारोह		63291.00		133195.00	88349.00					81833.00	2566649.00	26278.00		**2959595.00**
अखिल भारतीय भाषण स्पर्धा		7462101.00		79471.00	45319.00			147833.00	81075.00	355209.00				**8171008.00**
कम्प्यूटर शिक्षा				519678.00										**519678.00**
दूरस्थ शिक्षा		353236.00	431390.00	644218.00	664687.00	849247.00	650882.00	440557.00	488425.00	1308669.00	477332.00		1009561.00	**7318204.00**
परीक्षा		86964.00		126413.00	183523.00					80185.00	155531.00			**632616.00**
पत्राचार आकस्मिकता										41854.00				**41854.00**
ई-टैक्स्ट				15488.00							163130.00			**178618.00**
डी.ई.ओ./ई-ग्रन्थालय			11000.00	22354.00		333797.00							130203.00	**497354.00**
संगोष्ठी/कार्यशाला पर व्यय	2424247.00	390335.00	250295.00	330919.00	32487.00	494551.00	664515.00	371106.00	523550.00	582637.00	1659017.00	291354.00	825000.00	**8840013.00**
फील्ड कार्य/सम्मेलन में प्रतिभागिता										209500.00				**209500.00**
कौमुदी महोत्सव	3588852.00	43071.00	21263.00		139334.00	50000.00	102565.00	112010.00	47543.00	102206.00	49994.00	107178.00	50000.00	**4414016.00**
विद्वानों को मानदेय														**0.00**
उपहार														**0.00**
प्रकाशन/पत्रिका				22757.00	8500.00		373366.00					37713.00		**442336.00**
पी.एस.एस.टी. - शुल्क														**0.00**
संस्कृत आयोग														**0.00**
संस्कृत दिवस समारोह		68094.00		36164.00						81557.00		65261.00		**251076.00**
ग्लोरी फेस्टिवल														**0.00**

क्रमश.....

भुगतान क्रमशः .....

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
छात्र कल्याण व्यय		53423.00		10231.00	4130.00					35472.00	182134.00			**285390.00**
हिन्दी दिवस समारोह					55596.00									**55596.00**
महिला अध्ययन केन्द्र					10000.00									**10000.00**
अनुसंधान सक्रियता	1546684.00									500.00	130895.00			**1678079.00**
विश्व संस्कृत सम्मेलन														**0.00**
भाषा मन्दाकिनी														**0.00**
वसंत महोत्सव												5000		**5000.00**
आई.क्यू.ए.सी.	63123.00	368186.00		62413.00	133641.00		500000.00	597284.00		55702.00	33120.00	4135.00		**1817604.00**
विस्तृत व्याख्यान		52311.00		6535.00	15690.00						84726.00	55539.00		**214801.00**
रोड मैप विकास	11203.00													**11203.00**
राष्ट्रीय संस्कृत परिषद														**0.00**
शोध प्रशिक्षण कार्यक्रम (6 माह)		1408965.00	1518358.00								932207.00		861238.00	**4720768.00**
राज्य स्तरीय प्रतियोगिता					72774.00									**72774.00**
मु.स्वा.पी. (मुख्य रोकड़ बही)	3965969.00													**3965969.00**
मु.स्वा.पी. (रोकड़ बही)	7352963.00													**7352963.00**
योग (बी)	**18953041.00**	**22951536.00**	**2232306.00**	**2499205.00**	**1532553.00**	**1727595.00**	**2291328.00**	**1668790.00**	**1140593.00**	**3389148.00**	**6434735.00**	**684867.00**	**2876002.00**	**68381699.00**
(सी) प्रशासनिक व्यय														
विद्युत आपूर्ति		456016.00		2728397.00	1141893.00					132617.00	399991.00	11768.00		**4870682.00**
जल शुल्क				134906.00								25545.00		**160451.00**
किराया, दरें एवं कर (सम्पत्ति कर सहित)			2246342.00	1200000.00	740761.00						15744.00	922819.00		**5125666.00**
डाक व्यय एवं स्टेशनरी		25589.00		20000.00	157319.00					18503.00	49000.00	13440.00		**283851.00**
टेलिफोन, फैक्स एवं इन्टरनेट व्यय		96424.00		62581.00						45487.00	69166.00	38552.00		**312210.00**
प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी (खपत)		111776.00		129132.00	445017.00					50854.00	179144.00	116968.00		**1032891.00**
यात्रा एवं भत्ता व्यय		1292516.00		1475498.00	1252514.00					712213.00	935639.00	1062205.00		**6730585.00**
लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक				29675.00										**29675.00**
प्रोफेशनल व्यय										26368.00				**26368.00**
विज्ञापन एवं प्रचार	33714.00	17818.00		111667.00	62337.00						67535.00	91782.00		**384853.00**
अन्य (निर्दिष्ट) आकस्मिक व्यय														**0.00**
सविदा श्रमिक														**0.00**
कानूनी व्यय					17000.00					40360.00		850		**58210.00**
बैंक प्रभार														**0.00**
प्रतिभूति हाउस कीपिंग				1856810.00								579341.00		**2436151.00**
विविध व्यय	5577.00	677723.00		731714.00	3609990.00					549434.00	2717267.00	331745.00		**8623450.00**
सी.वी.टी.टी.										60292.00				**60292.00**
नये परिसरों पर स्थापना व्यय														**0.00**
योग (सी)	**39291.00**	**2677862.00**	**2246342.00**	**8480380.00**	**7426831.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**1636128.00**	**4433486.00**	**3195015.00**	**0.00**	**30135335.00**
d) यातायात व्यय														
1. वाहन (संस्थान के स्वामित्व में)														**0.00**
a) रनिंग व्यय					1127441.00									**1127441.00**
b) मरम्मत एवं रख-रखाव														**0.00**
c) बीमा खर्च														**0.00**

भुगतान क्रमशः .....

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
d) स्टॉफ कार खर्च														0.00
2. किराए के वाहन/लीज पर वाहन														0.00
a) किराया/लीज व्य												379597.00		379597.00
3. वाहन (टेक्सी) किराया खर्च		72882.00		90059.00										162941.00
योग (डी)	**0.00**	**72882.00**	**0.00**	**90059.00**	**1127441.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**379597.00**	**0.00**	**1669979.00**
e) मरम्मत एवं रखरखाव														
मरम्मत एवं रखरखाव					378323.00	354784.00					288595.00			1021702.00
a) भवन		189371.00		27249.00						56600.00	1205935.00	15000.00		1494155.00
b) फर्नीचर		12391.00		15100.00										27491.00
c) मशीनरी एवं उपकरण		7478.00		22707.00										30185.00
d) कार्यालयीय उपकरण		38603.00		9495.00										48098.00
e) कम्प्यूटर		277011.00		68400.00										345411.00
f) प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण		570.00												570.00
g) दृश्य-श्रव्य उपकरण														0.00
h) सफाई सामग्री एवं सेवाएं		10335.00								35975.00		4050.00		50360.00
i) पुस्तक जिल्द प्रभार				25400.00										25400.00
j) बागवानी देखभाल														0.00
k) भूमि रखरखाव														0.00
l) अन्य (निर्दिष्ट)				10500.00										10500.00
योग (ई)	**0.00**	**535759.00**	**0.00**	**178851.00**	**378323.00**	**354784.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**92575.00**	**1494530.00**	**19050.00**	**0.00**	**3053872.00**
F) पूर्व अवधि व्यय				1545973.00										1545973.00
III. प्रायोजित परियोजनाओं के अगेंस्ट भुगतान/योजनाएँ														
छात्रवृत्ति	14675511.00	1163508.00	2650385.00	4644432.00	5073476.00					1190625.00	4220944.00	148150.00		33767031.00
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र	21476717.00	44000.00				18900.00		71290.00		752357.00				22363264.00
शास्त्र चूड़ामणि	4382221.00													4382221.00
विशेष आभावन्यास पाठ्यक्रम/व्यावसायिक प्रशिक्षण	391549.00													391549.00
संस्कृत पुस्तकों की खरीद	3738087.00													3738087.00
संस्कृत पुस्तकों की खरीद (पुनर्मुद्रण)	829272.00													829272.00
संस्कृत साहित्य का प्रकाशन	2853759.00													2853759.00
डेक्कन कॉलेज, पुणे	10053882.00													10053882.00
राष्ट्रपति सम्मान	2109534.00													2109534.00
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	217278566.00													217278566.00
स्वैच्छिक संस्कृत संगठन	73406721.00													73406721.00
अखिल भारतीय भाषण स्पर्धा/राज्य स्तर	475415.00													475415.00
एन.ई.आर.	10504578.00													10504578.00
एन.जी.ओ./एन.जी.ओ. विश्वविद्यालय	476076.00													476076.00
आधुनिक शिक्षकों को अनुदान	13674527.00													13674527.00
उच्चमाध्यमिक/उच्च विद्यालयों को अनुदान	3195052.00													3195052.00
सम्मान राशि	3756114.00													3756114.00

भुगतान क्रमशः .....

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
विशिष्ठ सेवा संस्कृत सम्मान	379323.00													**379323.00**
पंचांग परियोजना				120397.00										**120397.00**
गुरुकुल संकल्पना														**0.00**
पालि एवं प्राकृत	1601851.00						1272976.00		2521742.00					**5396569.00**
राष्ट्रीय संस्कृत सेमिनार					420908									**420908.00**
ई-पाठशाला पुस्तक														**0.00**
परियोजना	859712.00	175000.00			29844.00									**1064556.00**
जगन्नाथ वी.के. परियोजना														**0.00**
ज्योतिष परियाजना			399905.00		208901.00									**608806.00**
यू.जी.सी./नैक											364850.00		27678.00	**392528.00**
नाट्यशास्त्र परियोजना				919158.00										**919158.00**
48वाँ अखिल भारतीय प्राच्यविद सम्मेलन	2500000.00													**2500000.00**
परिसर को प्रेषण	601256645.00													**601256645.00**
योग (एफ)	**989875112.00**	**1382508.00**	**3050290.00**	**5683987.00**	**5733129.00**	**18900.00**	**1272976.00**	**71290.00**	**2521742.00**	**1942982.00**	**4585794.00**	**148150.00**	**27678.00**	**1016314538.00**
V. प्रायोजित शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति को भुगतान														**0.00**
कनिष्ठ शोध अध्येता	27786354.00													**27786354.00**
														0.00
VI. परिसरों को अनुदान														**0.00**
														0.00
VI. राष्ट्रकृत बैंकों में अवधि जमा						300000.00					35000000.00			**35300000.00**
														0.00
VII. स्थाई सम्पत्तियों एवं कैपिटल कार्य प्रगति पर व्यय	849971.00	120000000.00			22303466.00	59371179.00	14538100.00				14635000.00	52565770.00	26474000.00	**310737486.00**
स्थायी सम्पत्तियां														**0.00**
कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण	885751.00	1376069.00	2120800.00	124650.00	119800.00	229040.00	96741.00	206700.00		366259.00	630068.00	305540.00	444450.00	**6905868.00**
फर्नीचर, फिक्सर एवं फिटिंग्स		1043317.00	2456926.00	228061.00	375315.00	480337.00	903259.00	528134.00	531348.00	634048.00		1967417.00	1657273.00	**10805435.00**
पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाऐं		278598.00	311827.00	93615.00	298562.00	92574.00			90000.00	168322.00	143395.00	22837.00	50120	**1549850.00**
प्लांट एवं मशीनरी		44285.00	278883.00		795319.00	342114.00		305285.00	877978.00	104304.00	1691835.00	426854.00	298887.00	**5165744.00**
प्रकाशन				130000.00	129150.00							150000.00		**409150.00**
पाण्डुलिपियां														**0.00**
प्रयोगशाला उपकरण				39644.00	323927.00									**363571.00**
विद्युत स्थापन एवं उपकरण	385729.00									346200.00		55294.00	16971.00	**804194.00**
दृश्य श्रव्य उपकरण				653172.00										**653172.00**
कार्यालयीय उपकरण		28725.00								3200.00				**31925.00**
इन्टेन्जीबल (कम्प्यूटर एवं सॉफ्टवेयर)		24600.00		76570.00				3000.00				14700.00		**118870.00**
इन्टेन्जीबल (जरनल)		30000.00												**30000.00**
आई.क्यू.ए.सी.														**0.00**
योग (एफ)	**1271480.00**	**2825594.00**	**5168436.00**	**1345712.00**	**2042073.00**	**1144065.00**	**1000000.00**	**1043119.00**	**1499326.00**	**1622333.00**	**2465298.00**	**2942642.00**	**2467701.00**	**26837779.00**

भुगतान क्रमशः .....

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
VIII. अन्य भुगतान वैधानिक भुगतान सहित														
आय कर		2115080.00		4254435.00	1892557.00					4334209.00	3464130.00	657535.00		**16717946.00**
सा.भ.नि.		1286200.00		3016516.00	2824587.00					2709000.00	1759520.00	480000.00		**12075823.00**
जी.आई.एस.		33360.00		66804.00	32730.00					25740.00	56640.00			**215274.00**
एन.पी.एस.		424175.00		1215623.00	497653.00					510654.00	1293153.00	266498.00		**4207756.00**
सी.पी.एफ.														**0.00**
प्रोफेशनल कर														**0.00**
एल.आई.सी. वेतन												3870.00		**3870.00**
बैंको को भेजी राशि														**0.00**
पुस्तकालय जमानती राशि														**0.00**
छात्रावास जमानती राशि														**0.00**
अग्रिम राशि											20965.00			**20965.00**
अन्य संस्थाओं से प्राप्त सा.भ.नि.														**0.00**
अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि														**0.00**
पी.सी.ए. ब्याज														**0.00**
अन्य परिसरीय विभागों से प्राप्त राशि		1177360.00		3941672.00	5741243.00					683928.00	1880475.00	8067543.00		**21492221.00**
टी.डी.एस.					87144.00						11435.00	107128.00		**205707.00**
योग (जी)	**0.00**	**5036175.00**	**0.00**	**12495050.00**	**11075914.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**8263531.00**	**8486318.00**	**9582574.00**	**0.00**	**54939562.00**
X. जमा एवं अग्रिम														
वाहन		30800.00			17520.00					43825.00				**92145.00**
त्यौहार अग्रिम		18000.00			40500.00					4500.00	4500.00			**67500.00**
एल.टी.सी. अग्रिम		415000.00		139600.00	63000.00					43373.00	575000.00	170000.00		**1405973.00**
डाक-व्यय अग्रिम														**0.00**
टी.ए.		350000.00		125000.00	230000.00					456500.00	370000.00	611500.00		**2143000.00**
सा.भ.नि. अग्रिम														**0.00**
कम्प्यूटर अग्रिम					5280.00					9600.00	60000.00			**74880.00**
आकस्मिक व्यय		3195260.00		1926043.00	2012019.00					2104725.00	1039938.00	1008600.00		**11286585.00**
चिकित्सा अग्रिम										10000.00	10000.00			**20000.00**
एच.बी.ए.					22000.00					31949.00				**53949.00**
टी.ए.ए.														**0.00**
कार्यालय अग्रिम														**0.00**
वसूलीयोग्य अग्रिम														**0.00**
सुरक्षा जमा राशि														**0.00**
योग (एच)	**0.00**	**4009060.00**	**0.00**	**2190643.00**	**2390319.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**2704472.00**	**2059438.00**	**1790100.00**	**0.00**	**15144032.00**
														0.00
XII. अन्तिम शेष														**0.00**
a) हाथ में रोकड़	8722	163244.00		5138.00	270558.00					23757.00	53247.00	11900.00		**536566.00**
हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	19544.00			13988.00										**33532.00**

भुगतान क्रमशः .....

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
b) बैंक में शेष														0.00
i. चालू खाता														0.00
ii. जमा खाता														0.00
iii. बचत खाता	112013455.00	6044161.00	584700.00	5113987.00	2417008.00	744602.00	501582.00	243437.00	1013072.00	2313920.00	2752134.00	5819310.00	759712.00	140321080.00
बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	66093.00			444094.00										510187.00
जे.आर. शोधछात्रवृत्ति	418834.00													418834.00
योग (जे)	**112526648.00**	**6207405.00**	**584700.00**	**5577207.00**	**2687566.00**	**744602.00**	**501582.00**	**243437.00**	**1013072.00**	**2337677.00**	**2805381.00**	**5831210.00**	**759712.00**	**141820199.00**
योग	**1151301897.00**	**193739077.00**	**13282074.00**	**89843702.00**	**85247291.00**	**63661125.00**	**19603986.00**	**3026636.00**	**6174733.00**	**49570533.00**	**123191790.00**	**84106284.00**	**32605093.00**	**1915354221.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2016-17 में समेकित प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा अनुसूची

गैर योजना

भुगतान

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	इलाहाबाद	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	पुरी	योग
I. व्यय								
A. स्थापना व्यय								
a) वेतन एवं मजदूरी	67108823.00	24783083.00	49924899.00	71292452.00	34934303.00	44886565.00	62387660.00	**355317785.00**
b) स्टाफ कल्याण व्यय				210694.00				**210694.00**
c) एल.टी.सी. सुविधा	506772.00	109958.00	187980.00	524457.00	100964.00		359935.00	**1790066.00**
d) चिकित्सा सुविधा	2415495.00	569220.00	554563.00	596673.00	1325265.00	644634.00	712065.00	**6817915.00**
e) बच्चों की शिक्षा	936106.00	145250.00	129590.00	341388.00	306000.00		210260.00	**2068594.00**
f) मानदेय	1001232.00							**1001232.00**
g) सेवानिवृत्ति लाभ (बी)	26865869.00	14316881.00	18072498.00	8629224.00	8226025.00	6366442.00	22160635.00	**104637574.00**
h) एन.पी.एस.	913516.00	511215.00	859125.00	1008097.00	113395.00	608288.00	1149241.00	**5162877.00**
i) सी.पी.एफ. परिसर								**0.00**
j) सा.भ.नि./एन.पी.एस. पर ब्याज		421302.00	97098.00				3249794.00	**3768194.00**
योग (ए)	**99747813.00**	**40856909.00**	**69825753.00**	**82602985.00**	**45005952.00**	**52505929.00**	**90229590.00**	**480774931.00**
B. शैक्षिक व्यय								
प्रवेश व्यय								
अखिल भारतीय युवा महोत्सव		25280.00		122000.00	254141.00	141885.00	126000.00	**669306.00**
वार्षिक समारोह	16603.00		238338.00	97054.00	277608.00	30339.00	152052.00	**811994.00**
अखिल भारतीय भाषण स्पर्धा			54391.00				99433.00	**153824.00**
दीक्षान्त व्यय								**0.00**
कम्प्यूटर शिक्षा			122000.00					**122000.00**
दूरस्थ शिक्षा								**0.00**
परीक्षा	11130868.00		62840.00	136164.00	194313.00	105140.00	240139.00	**11869464.00**
सी.सी. आकस्मिक व्यय	190295.00							**190295.00**
ई-टेक्स्ट								**0.00**
ई-ग्रन्थालय								**0.00**
सम्मेलनों/कार्यशालाओं पर व्यय		340518.00	394575.00			5000.00		**740093.00**
फील्ड कार्य/सम्मेलनों में प्रतिभागिता							50000.00	**50000.00**
कौमुदी महोत्सव								**0.00**

क्रमश.....

भुगतान क्रमशः .....

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	इलाहाबाद	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	पुरी	योग
प्रयोगशाला सम्बन्धित व्यय								**0.00**
अतिथि अध्यापकों का मानदेय								**0.00**
पुरस्कार						48409.00	61100.00	**109509.00**
प्रकाशन								**0.00**
पी.एस.एस.टी. - शुल्क	226003.00							**226003.00**
संस्कृत दिवस समारोह	814014.00		47940.00	22158.00	82303.00		75000.00	**1041415.00**
संस्कृत विश्वविद्यालय								**0.00**
छात्रवृत्ति/सह-योग्यता छात्रवृत्ति								**0.00**
छात्र कल्याण व्यय			24829.00			86236.00	8086.00	**119151.00**
हिन्दी दिवस समारोह	81408.00							**81408.00**
महिला अध्ययन केंद्र								**0.00**
ग्लोरी महोत्सव							20000.00	**20000.00**
विस्तृत व्याख्यान		20036.00	80055.00		62293.00	111617.00	165000.00	**439001.00**
वसंत महोत्सव						38539.00		**38539.00**
खेल-कूद					204312.00			**204312.00**
भारतीय विश्वविद्यालय संगठन	98000.00							**98000.00**
अन्य (निर्दिष्ट)			175000.00				398820.00	**573820.00**
योग (बी)	**12557191.00**	**385834.00**	**1199968.00**	**377376.00**	**1074970.00**	**567165.00**	**1395630.00**	**17558134.00**
C. प्रशासनिक व्यय								
विद्युत आपूर्ति	2309700.00	362913.00	756977.00	1323169.00	1627900.00	2137016.00	1136448.00	**9654123.00**
जल शुल्क								**0.00**
किराया, दरें एवं कर (सम्पत्ति कर सहित)	414859.00	660000.00	34136.00				62109.00	**1171104.00**
डाक व्यय एवं स्टेशनरी	1520208.00	45914.00	52804.00	57516.00	62000.00	43051.00	81786.00	**1863279.00**
टेलिफोन, फैक्स एवं इन्टरनेट व्यय	349143.00	54354.00	87490.00	67856.00	113741.00	28130.00	94982.00	**795696.00**
प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी (खपत)	1873152.00	30456.00	65269.00	269174.00	245562.00	71853.00	128156.00	**2683622.00**
यात्रा एवं भत्ता व्यय	5256329.00	306310.00	1254076.00	735071.00	913785.00	702605.00	1350596.00	**10518772.00**
लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	74240.00	71302.00	16875.00	172900.00				**335317.00**
विज्ञापन एवं प्रचार	1563324.00	53424.00	36831.00	64776.00	46226.00	21012.00	95411.00	**1881004.00**
वर्दियां	13350.00	21847.00				20929.00		**56126.00**
कानूनी व्यय	996612.00	17127.00	30000.00		38200.00	10500.00	29040.00	**1121479.00**
सुरक्षा एवं हाउस कीपिंग	1060092.00	205200.00		1748939.00		2702259.00		**5716490.00**
विविध व्यय	2777477.00	952491.00	1681212.00	3831984.00	3061572.00	706548.00	1709318.00	**14720602.00**
सी.वी.वी.टी.								**0.00**
योग (सी)	**18208486.00**	**2781338.00**	**4015670.00**	**8271385.00**	**6108986.00**	**6443903.00**	**4687846.00**	**50517614.00**
d) यातायात व्यय								
1. वाहन (संस्थान के स्वामित्व में)								**0.00**

क्रमश.....

भुगतान क्रमशः .....

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	इलाहाबाद	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	पुरी	योग
a) रनिंग व्यय	174283.00							**174283.00**
b) मरम्मत एवं रखरखाव								**0.00**
c) बीमा व्यय								**0.00**
d) स्टॉफ कार व्यय	40980.00	114814.00	69821.00					**225615.00**
1. किराए के वाहन/लीज								**0.00**
a) किराया/लीज व्यय	710618.00							**710618.00**
2. वाहन (टेक्सी) किराया व्यय							37090.00	**37090.00**
योग (डी)	**925881.00**	**114814.00**	**69821.00**	**0**	**0**	**0**	**37090.00**	**1147606.00**
E) मरम्मत एवं रख-रखाव								
मरम्मत एवं रख-रखाव		260605.00	303410.00	608553.00	2209296.00	261591.00		**3643455.00**
a) भवन	745573.00						15000.00	**760573.00**
b) फर्नीचर एवं फिक्सर							100374.00	**100374.00**
c) संयंत्र एवं मशीनरी	251773.00						53565.00	**305338.00**
d) कार्यालयीय उपकरण	1032418.00							**1032418.00**
e) कम्प्यूटर		175966.00					71824.00	**247790.00**
f) प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण								**0.00**
g) दृश्य-श्रव्य उपकरण							217449.00	**217449.00**
h) सफाई सामग्री एवं सेवाएँ							112506.00	**112506.00**
i) पुस्तक जिल्द प्रभार							3675.00	**3675.00**
j) बागवानी				4000.00			34904.00	**38904.00**
k) भूमि रख-रखाव								**0.00**
l) अन्य (निर्दिष्ट)							39784.00	**39784.00**
योग (ई)	**2029764.00**	**436571.00**	**303410.00**	**612553.00**	**2209296.00**	**261591.00**	**649081.00**	**6502266.00**
f) पूर्व अवधि व्यय (31.03.2015 को अशुद्ध प्रविष्टि)								**0.00**
g) सा.भ.नि. ब्याज								**0.00**
II. निधारित के अगेंस्ट भुगतान/दान निधि								**0.00**
								0.00
III. प्रायोजित परियोजनाओं के अगेंस्ट भुगतान/योजनाएँ								**0.00**
छात्रवृत्ति		1738281.00	3575558.00	6185141.00	4156988.00	4312767.00	10343151.00	**30311886.00**
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र								**0.00**
कनिष्ठ शोधछात्रवृत्ति								**0.00**
पंचाग परियोजना								**0.00**
संस्कृत सर्वेक्षण परियोजना								**0.00**
राष्ट्रपति सम्मान	8900350.00							**8900350.00**
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	106454520.00							**106454520.00**
ई-परियोजना								**0.00**

क्रमश.....

भुगतान क्रमशः .....

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	इलाहाबाद	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	पुरी	योग
जगन्नाथ वी.के. परियोजना								**0.00**
6 मास पाठ्यक्रम				80546.00				**80546.00**
ज्योतिष परियोजना								**0.00**
कनिष्ठ शोध छात्रवृत्ति								**0.00**
सी.एस.एस.ई.टी.								**0.00**
परिसरों को दिया गया अनुदान	439031000.00							**439031000.00**
योग (एफ)	**554385870.00**	**1738281.00**	**3575558.00**	**6265687.00**	**4156988**	**4312767.00**	**10343151.00**	**584778302.00**
V. शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति को प्रायोजित भुगतान								
VI. शैड्यूल्ड बैंक में अवधि जमा								**0.00**
सावधि जमा रसीद खरीद	46632686.00			12779300.00				**59411986.00**
सावधि जमा रसीद (शुक्ला पुरस्कार)								**0.00**
सावधि जमा रसीद (जे.टी.)								**0.00**
सावधि जमा रसीद (डी.ए.)								**0.00**
योग (जी)	**46632686.00**	**0**	**0**	**12779300**	**0**	**0**	**0**	**59411986.00**
VII. स्थायी सम्पत्तियां एवं कैपिटल वर्क इन प्रोग्रेस पर व्यय								**0.00**
स्थायी सम्पत्तियां								**0.00**
भवन								**0.00**
कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण				185500.00			40880.00	**226380.00**
फर्नीचर, फिक्चर एवं फिटिंग्स	64693.00	7605.00	79200.00	169365.00	8100.00	49691.00	229100.00	**607754.00**
पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाओं		5215.00	120000.00		129804.00	85770.00	10582.00	**351371.00**
संयंत्र एवं मशीनरी	1489580.00		41753.00	249147.00	296838.00	21000.00	947820.00	**3046138.00**
प्रकाशन	877291.00	195639.00						**1072930.00**
पाण्डुलिपि								**0.00**
प्रयोगशाला उपकरण					7500.00			**7500.00**
विद्युत स्थापन एवं उपकरण	30732.00							**30732.00**
दृश्य-श्रव्य उपकरण							250476.00	**250476.00**
कैपिटल कार्य प्रगति पर								**0.00**
सी.पी.डब्ल्यू.डी.								**0.00**
योग (एच)	**2462296.00**	**208459.00**	**240953.00**	**604012.00**	**442242.00**	**156461.00**	**1478858.00**	**5593281.00**
VIII. अन्य भुगतान वैधानिक भुगतान सहित								
आय कर	3818473.00	3164084.00	4757337.00	9148809.00		5299600.00	5900990.00	**32089293.00**
सा.भ.नि.	9579868.00	5086467.00	6365803.00	13001336.00		5736800.00	9428812.00	**49199086.00**

क्रमश.....

भुगतान क्रमशः .....

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	इलाहाबाद	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	पुरी	योग
जी.आई.एस.	26548.00	107585.00	50463.00	96300.00		60060.00	92786.00	**433742.00**
एन.पी.एस.			859125.00	1008097.00	113395.00	690909.00	1149241.00	**3820767.00**
सी.पी.एफ.								**0.00**
जी.आई.प्रिमियम	334743.00						47033.00	**381776.00**
पी.एल.आई..	255886.00							**255886.00**
प्रोफेशनल कर								**0.00**
एल.आई.सी. वेतन	598510.00		376451.00	197488.00		97008.00	492511.00	**1761968.00**
बैंक को भेजा धन								**0.00**
लाइब्रेरी जमानती राशि						9050.00		**9050.00**
छात्रावास जमानती राशि						60800.00		**60800.00**
बयाना राशि	421.00			377041.00			20000.00	**397462.00**
पी.सी.ए. ब्याज								**0.00**
परीसरों द्वारा भेजी गई रकम	172215.00		349218.00	9018791.00		1103131.00	6023643.00	**16666998.00**
टी.डी.एस.	790902.00			76854.00		55880.00		**923636.00**
योग (आई)	**15577566.00**	**8358136.00**	**12758397.00**	**32924716.00**	**113395.00**	**13113238.00**	**23155016.00**	**106000464.00**
x. जमा एवं अग्रिम								
वाहन	84000.00		30000.00	30000.00	24000.00	48000.00		**216000.00**
त्यौहार अग्रिम	151200.00		76500.00	58500.00	30000.00	49500.00		**365700.00**
एल.टी.सी. अग्रिम	193310.00		133710.00	333800.00	272200.00	811209.00	82000.00	**1826229.00**
डाक हेतु अग्रिम								**0.00**
टी.ए.	549300.00	520500.00	1007110.00	624100.00	922000.00	210500.00	896000.00	**4729510.00**
कम्प्यूटर अग्रिम	104000.00		37980.00		75000.00	60000.00		**276980.00**
आकस्मिक व्यय	652400.00	1740700.00	2638440.00	1979189.00	1620000.00	1788950.00	3438147.00	**13857826.00**
चिकित्सा अग्रिम					30000.00	10000.00	315000.00	**355000.00**
एच.बी.ए.								**0.00**
योग (जे)	**1734210.00**	**2261200.00**	**3923740.00**	**3025589.00**	**2973200.00**	**2978159.00**	**4731147.00**	**21627245.00**
X अन्तिम शेष								**0.00**
ए) हाथ में रोकड़	9568.00	142233.00	829.00	140374.00	10308.00	69466.00	9909.00	**382687.00**
बी) बैंक में शेष								**0.00**
i. चालू खाता में रोकड़								**0.00**
ii. जमा खाता में रोकड़								**0.00**
iii. बचत खाता में रोकड़	69045299.00	3095701.00	7317981.00	6283071.00	6482767.00	4820294.00	5512736.00	**102557849.00**
योग (के)	**69054867.00**	**3237934.00**	**7318810.00**	**6423445.00**	**6493075.00**	**4889760.00**	**5522645.00**	**102940536.00**
योग	**823316630.00**	**60379476.00**	**103232080.00**	**153887048.00**	**68578104.00**	**85228973.00**	**142230054.00**	**1436852365.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2016-17 की सामान्य भविष्य निधि का समेकित तुलन पत्र

राशि ₹ में

देनदारियां				सम्पत्तियां			
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	आदि शेष	53423288.00	30825275.00	1	सावधि जमा	296651448.00	271712600.00
2	जोड़ा-अन्य परिसरों से स्थानान्तरित सा.भ.नि. अग्रिम और अंशदान वसूली	90347975.00	83352301.00	2	31.03.2016 को निवेश से अर्जित ब्याज	4343889.00	6746574.00
3	घटाया - अन्य परिसरों को सा.भ.नि. के अग्रिम एवं निकासी का स्थानान्तरण	85542674.00	65532629.00	3	मुम्बई परिसर संदिग्ध खाता	427000.00	
4	घटाया - पूर्व वर्ष त्रुटियां	0.00	0.00	4	बैंक में रोकड़	57234328.00	53423288.00
5	31.03.2016 को देनदारियां	271712600.00	254221154.00				
6	मुम्बई परिसर में गबन की प्रविष्टि	427000.00					
7	जोड़ा - आय से अधिक व्यय	28288476.00	29016361.00		**योग**		
	योग	**358656665.00**	**331882462.00**		**Total**	**358656665.00**	**331882462.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 29 जून, 2017

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2016-17 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित आय एवं व्यय का लेखा विवरण

राशि ₹ में

व्यय				आय			
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष			चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
a	मुख्य खाते में सा.भ.नि. पर ब्याज का स्थानान्तरण	2371057.00	7981983.00	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये
b	बैंक प्रभार	41242.00	327.00		सावधि जमा पर ब्याज	19358812.00	18719980.00
c	ग्राहको को दिया गया ब्याज	4133351.00	0.00		बचत खाता	3748280.00	2420418.00
	कुल योग (बी)	**6545650.00**	**7982310.00**		मुख्य खाते से स्थानान्तरित ब्याज	7383145.00	9030015.00
					सा.भ.नि. पर अर्जित ब्याज	0.00	0.00
					निवेश से अर्जित ब्याज	4343889.00	6746574.00
	व्यय से अधिक आय (ए-बी)	**28288476.00**	**29016361.00**		अंशदान पर संस्थान का हिस्सा	0.00	81684.00
	संतुलन हेतु अधिशेष को सामान्य में आरक्षित	**28288476.00**	**29016361.00**		**कुल योग (ए)**	**34834126.00**	**36998671.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 29 जून, 2017

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2016-17 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का लेखा विवरण

प्राप्तियाँ | भुगतान | राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	आदि शेष	53423288.00	30825275.00	1	अन्तिम भुगतान	39136305.00	37221894.00
2	सा.भ.नि. से अंशदान	51605986.00	50154883.00	2	सा.भ.नि. अग्रिम	13252457.00	9474605.00
3	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली	9638205.00	10331338.00	3	सावधि जमा की खरीद	173849721.00	145634807.00
4	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली (नकद)	0.00	0.00	4	अन्य परिसरों को स्थान्तारित राशि	33153912.00	18836130.00
5	सावधि जमा परिपक्वता	148910873.00	128143361.00	5	मुख्य खाते में स.भ.नि. ब्याज स्थानान्तरित	2371057.00	7981983.00
6	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	19358812.00	18719980.00	6	बैंक प्रभार	41242.00	327.00
7	बचत खाता पर ब्याज	3748280.00	2420418.00	7	अशंदायी को देय ब्याज	4133351.00	0.00
8	अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि	29103784.00	22866080.00	8	**नगद शेष**		
9	अंशदान पर संस्थान का हिस्सा	0.00	81684.00		बैंक में रोकड़	57234328.00	53423288.00
10	मुख्य खाते में सा.भ.नि. पर ब्याज का स्थानान्तरण	7383145.00	9030015.00				
11	सा.भ.नि. अंशदान पर अर्जित ब्याज	0.00	0.00				
12	पूर्व वर्ष त्रुटियां	0.00	0.00				
	कुल योग	**323172373.00**	**272573034.00**		**कुल योग**	**323172373.00**	**272573034.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 29 जून, 2017

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2016-17 की सामान्य भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का लेखा विवरण

प्राप्तियाँ — **राशि ₹ में**

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायुर	जयपुर	लखनऊ	एकलव्य	शृंगेरी	गरली	भोपाल	देवप्रयाग	मुम्बई	कुलयोग
1.	आदि शेष	3998790.00	8594619.00	5043334.00	49225.00	57002.00	2516861.00	432979.00	1352204.00	243335.00	5869172.00	19899079.00		5366688.00	**53423288.00**
2.	सा.भ.नि. अंशदान	9518378.00	8076000.00	4102000.00	3428000.00	4715148.00	7113400.00	4573000.00	1111000.00	1150460.00	2060000.00	2569600.00	480000.00	2709000.00	**51605986.00**
3.	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली	61490.00	1352812.00	1819357.00	253300.00	1650655.00	2193220.00	1163800.00	175200.00	470573.00	332198.00	165600.00			**9638205.00**
4.	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली (नगद)														**0.00**
5.	सावधि जमा परिपक्व	32981909.00		1000000.00	30887662.00	2000000.00	49222517.00	7551307.00	5417478.00	7850000.00	2000000.00	10000000.00			**148910873.00**
6.	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	6457597.00	2154731.00		1649077.00	282647.00	3767587.00	3434620.00	403575.00		251138.00	396018.00		561822.00	**19358812.00**
7.	बचत खाता पर ब्याज	211590.00	218164.00	117083.00		52161.00	141243.00	104432.00	527106.00	646525.00	166952.00	413828.00	59291.00	1089905.00	**3748280.00**
8.	अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि	3120787.00	4535364.00	1264423.00	1826469.00	12521.00	3690956.00	34750.00	2631044.00	128487.00	1693727.00	2516336.00	3516009.00	4132911.00	**29103784.00**
9.	संस्थान का अंशदान योगदान														**0.00**
10.	मुख्य खाते से सा.भ.नि. ब्याज का स्थानान्तरण		3249794.00				4133351.00								**7383145.00**
11.	पूर्व वर्ष त्रुटि														**0.00**
12.	अंशदायी भविष्य निधि पर ब्याज														**0.00**
	योग	**56350541.00**	**28181484.00**	**13346197.00**	**38093733.00**	**8770134.00**	**72779135.00**	**17294888.00**	**11617607.00**	**10489380.00**	**12373187.00**	**35960461.00**	**4055300.00**	**13860326.00**	**323172373.00**
भुगतान															
1.	अन्तिम भुगतान	11203359.00	5733504.00	1920000.00	8865603.00	340745.00	4776874.00	3243026.00			200000.00	2853194.00			**39136305.00**
2.	सा.भ.नि. अग्रिम	361000.00	1671700.00	985246.00	100000.00	3700450.00	3134510.00	721500.00	192320.00	849960.00	1046771.00	100000.00		389000.00	**13252457.00**
3.	सावधि-जमा की खरीद	38153336.00	10000000.00		24936443.00	4345207.00	55267575.00	9890438.00		9516722.00	6000000.00	10000000.00		5740000.00	**173849721.00**
4.	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि	3051839.00	3260370.00	9544440.00	3265440.00		4063306.00	1439917.00	1615165.00	69605.00	3773099.00	3070731.00			**33153912.00**
5.	मुख्य खाते में सा.भ.नि. ब्याज स्थानान्तरण		2371057.00												**2371057.00**
6.	बैंक प्रभार	49.00							40358.00		55.00	573.00	207.00		**41242.00**
7.	अंशदायी को देय ब्याज						4133351.00								**4133351.00**
	नगद शेष														0
8.	बैंक में रोकड	3580958.00	5144853.00	896511.00	926247.00	383732.00	1403519.00	2000007.00	9769764.00	53093.00	1353262.00	19935963.00	4055093.00	7731326.00	**57234328.00**
	योग	**56350541.00**	**28181484.00**	**13346197.00**	**38093733.00**	**8770134.00**	**72779135.00**	**17294888.00**	**11617607.00**	**10489380.00**	**12373187.00**	**35960461.00**	**4055300.00**	**13860326.00**	**323172373.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2016-17 हेतु नई पेंशन योजना का समेकित तुलन पत्र

राशि ₹ में

देयताएं				सम्पत्तियाँ			
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1.	**पूंजी निधि**			i)	सावधि जमा	1752239.00	2140545.00
i)	पूर्व शेष	616558.00	686100.00	ii)	वर्तमान सम्पत्तियां	1752239.00	2140545.00
ii)	जोड़ा-योगदान+अंशदान+परिसरों से प्राप्त राशि	18488517.00	16937599.00	iii)	बैंक में शेष	751735.00	616558.00
iii)	जोड़ा - पूर्व वर्ष में समायोजन त्रुटि	0.00	0.00				
iv)	घटाया - एन.एस.डी.एल. को भुगतान एवं अन्य परिसरों को स्थानान्तरित	17867733.00	-16339853.00				
v)	घटाया - 31.03.16 में जमा देनदारियां	2140545.00	1240545.00				
vi)	व्यय से अधिक आय	-873913.00	232712.00				
	कुल योग	**2503974.00**	**2757103.00**		**कुल योग**	**2503974.00**	**2757103.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 29 जून, 2017

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2016-17 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित आय एवं व्यय

राशि ₹ में

व्यय		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	आय		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये
1	मुख्य खाते में स्थानांतरित ब्याज	0.00	0.00	1	सावधि जमा पर ब्याज		
2	बैंक संग्रहण प्रभार	435.00	222.00	2	बचत खाते पर अर्जित ब्याज	41982.00	0.00
3	अनुमोदनकर्ता को दिया ब्याज	1175174.00	0.00			259714.00	232934.00
	कुल योग (बी)	**1175609.00**	**222.00**				
व्यय से अधिक आय (ए-बी)		**-873913.00**	**232712.00**				
संतुलन हेतु अधिशेष को सामान्य में आरक्षित		**-873913.00**	**232712.00**		**कुल योग (ए)**	**301696.00**	**232934.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 29 जून, 2017

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2016-17 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

राशि ₹ में

प्राप्तियाँ						भुगतान					
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
1	**नगद शेष**					1	सावधि जमा क्रय	1511694.00	400000.00	1911694.00	2300000.00
						2	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि	848350.00	0.00	848350.00	1045015.00
i)	आदि शेष	479660.00	136898.00	616558.00	686100.00	3	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज	0.00	0.00	0.00	0.00
ii)	कर्मचारी अंशदान	3941258.00	5238767.00	9180025.00	8283766.00	4	बैंक प्रभार	251.00	184.00	435.00	222.00
iii)	संस्थान का योगदान	3941258.00	5156146.00	9097404.00	8283766.00	5	अन्तिम भुगतान	0.00	0.00	0.00	0.00
iv)	परिसरों से नई पेंशन योजन पर ब्याज	0.00	0.00	0.00	61408.00	6	परिसरीय खातों में स्थानान्तरण F/W	0.00	0.00	0.00	0.00
v)	बचत खाते पर ब्याज	138373.00	121341.00	259714.00	171526.00	7	अंशदायी को अधिक राशि की वापसी	0.00	1175174.00	1175174.00	0.00
vi)	पूर्व शेष	0.00	0.00	0.00	0.00	8	नई पेंशन न्यास निधि लेखा	6868046.00	10151337.00	17019383.00	15294838.00
vii)	अन्य परिसरों से प्राप्त राशि	0.00	211088.00	211088.00	370067.00	9	**बैंक में शेष**	672208.00	79527.00	751735.00	616558.00
viii)	सावधि जमा की परिपक्वता	1400000.00	900000.00	2300000.00	1400000.00						
ix)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	0.00	41982.00	41982.00	0.00						
x)	ब्याज पर अन्तर	0.00	0.00	0.00	0.00						
xi)	टी.आर.	0.00	0.00	0.00	0.00						
xii)	पूर्व त्रुटि	0.00	0.00	0.00	0.00						
	कुल योग	**9900549.00**	**11806222.00**	**21706771.00**	**19256633.00**		**कुल योग**	**9900549.00**	**11806222.00**	**21706771.00**	**19256633.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 29 जून, 2017

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2016-17 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ

राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायुर	जयपुर	लखनऊ	एन.पी.योग	एकलव्य	शृंगेरी	गरली	भोपाल	मुम्बई	योजना योग	योग
i)	आदि शेष	28490.00		10485.00		97923.00			**136898.00**		479660.00				**479660.00**	**616558.00**
ii)	कर्मचारी अंशदान	913516.00	1149241.00	113395.00	511215.00	852394.00	1008097.00	690909.00	**5238767.00**	424175.00	1293153.00	497653.00	1215623.00	510654.00	**3941258.00**	**9180025.00**
iii)	संस्थान/परिसर का अंशदान	913516.00	1149241.00	113395.00	511215.00	852394.00	1008097.00	608288.00	**5156146.00**	424175.00	1293153.00	497653.00	1215623.00	510654.00	**3941258.00**	**9097404.00**
iv)	परिसरों से नई पे.यो. पर ब्याज								**0.00**						**0.00**	**0.00**
v)	पूर्व शेष								**0.00**						**0.00**	**0.00**
v)	बचत खाते से प्राप्त ब्याज	1449.00				119892.00			**121341.00**		138373.00				**138373.00**	**259714.00**
vi)	अन्य परिसरों के प्राप्त राशि		211088.00						**211088.00**						**0.00**	**211088.00**
vii)	सावधि जमा परिपक्व					900000.00			**900000.00**		1400000.00				**1400000.00**	**2300000.00**
viii)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज					41982.00			**41982.00**						**0.00**	**41982.00**
ix)	ब्याज का अन्तर								**0.00**						**0.00**	**0.00**
x)	टी.आर								**0.00**						**0.00**	**0.00**
xi)	पूर्व त्रुटि								**0.00**						**0.00**	**0.00**
	कुल योग	**1856971.00**	**2509570.00**	**237275.00**	**1022430.00**	**2864585.00**	**2016194.00**	**1299197.00**	**11806222.00**	**848350.00**	**4604339.00**	**995306.00**	**2431246.00**	**1021308.00**	**9900549.00**	**21706771.00**
भुगतान																
i)	सावधि जमा क्रय					400000.00			**400000.00**		1511694.00				**1511694.00**	**1911694.00**
ii)	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि								**0.00**	848350.00					**848350.00**	**848350.00**
iii)	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज								**0.00**						**0.00**	**0.00**
iv)	बैंक प्रभार					184.00			**184.00**		251.00				**251.00**	**435.00**
v)	अन्तिम भुगतान								**0.00**						**0.00**	**0.00**
vi)	परिसरीय खातों में स्थानानन्तरण F/W								**0.00**						**0.00**	**0.00**
vii)	अंशदायी से अधिक राशि की वापसी					1175174.00			**1175174.00**						**0.00**	**1175174.00**
viii)	नई पेंशन योजना न्यास निधि लेखा	1827032.00	2509570.00	226790.00	1022430.00	1250124.00	2016194.00	1299197.00	**10151337.00**		2420186.00	995306.00	2431246.00	1021308.00	**6868046.00**	**17019383.00**
	बैंक में शेष	29939.00		10485.00		39103.00			**79527.00**		672208.00				**672208.00**	**751735.00**
	कुल योग	**1856971.00**	**2509570.00**	**237275.00**	**1022430.00**	**2864585.00**	**2016194.00**	**1299197.00**	**11806222.00**	**848350.00**	**4604339.00**	**995306.00**	**2431246.00**	**1021308.00**	**9900549.00**	**21706771.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2016-17 हेतु मुक्तस्वाध्यायपीठम् का प्राप्ति एवं भुगतान विवरण

प्राप्तियां | भुगतान | राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना
1	**आदि शेष**		1	**स्थापना व्यय**	
i)	हाथ में रोकड़	7913.00	i	वेतनादि एवं भत्ते	169717.00
ii)	बैंक मे जमा	354686.00		**योग**	**169717.00**
iii)	प्राप्त अनुदान	0.00	2	**प्रशासनिक व्यय**	
iv)	प्राप्त अनुदान (यू.जी.सी.)	0.00		डाक एवं तार	24230.00
	विविध प्राप्तियाँ			मरम्मत एवं रखरखाव	
i)	पंजीकरण शुल्क	6884824.00		यात्रा एवं मंहगाई भत्ता	174800.00
ii)	ब्याज	156174.00		विज्ञापन	0.00
iii)	एस.एल.एम. प्रप्तियां	31003.00		स्टेशनरी एवं मुद्रण	1898.00
iv)	अन्य प्राप्तियां	4000.00		विविध आकस्मिकता	74209.00
iii)	विक्रय	0.00		परीक्षा आकस्मिकता	0.00
	योग	**7438600.00**		दूरभाष खर्च	1230.00
				वसूलीयोग्य अग्रिम	0.00
				सा.भ.नि. खरीद	5078123.00
				संस्थान प्रकाशन	1828756.00
				योग	**7183246.00**
			3	**अन्तिम शेष**	
			i	हाथ में रोकड़	19544.00
				बैंक में शेष	
			i	बचत खाता (एस.बी.आई.)	44853.00
			ii	बचत खाता (आई.ओ.बी.)	21240.00
				योग	**85637.00**
	कुल योग	**7438600.00**		**कुल योग**	**7438600.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 29 जून, 2017

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव